॥ऐं०॥ ॐ नमः श्रीवीतरागाय॥ सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं। एगे आया। एगे दंडे। एगा किरिया। एगे लोए।
एगे अलोए। एगे धम्मे। एगे अहम्मे। एगे बंधे। एगे मोक्खे। एगे पुन्ने। एगे पावे। एगे आसवे। एगे संवरे। एगा वे-
यणा। एगा निज्जरा। एगे जीवे पाडिक्कएणं सरीरएणं। एगा जीवाणं अपरिआइत्ता विगुव्वणा। एगे मणे। एगा वई।
एगे कायवायामे। एगा उप्पा। एगा वियती। एगा वि- यच्चा। एगा गती। एगा आगती। एगे चवणे। एगे उववाए। एगा तक्का। एगा
सन्ना। एगा मन्ना। एगा विन्नू। एगा वियणा। एगे छे- यणे। एगे भेयणे। एगे मरणे अंतिमसारीरियाणं। ए-
गे संसुद्धे अहाभूए पत्ते। एगे दुक्खे जीवाणं एगभूए। एगा अहम्मपडिमा॥ जं से आया परिकिले-
संति। एगा धम्मपडिमा॥ जं से आया पज्जवजाए। एगे म- णे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि। एगा व- ई देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि। एगे कायवाया-
मे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि। एगे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे। देवासुरमणुया-
णं तंसि तंसि समयंसि। एगे नाणे। एगे दंसणे। एगे चरित्ते। एगे समए। एगे पएसे। एगे परमाणू। एगा सिद्धी।
एगे सिद्धे। एगे परिनिव्वाणे। एगे परिनिव्वुडे। एगे सद्दे। एगे रूवे। एगे गंधे। एगे रसे। एगे फासे। एगे सुब्भिस- १

द्दे। एगे दुब्भिसद्दे। एगे सुरूवे। एगे दुरूवे। एगे दीहे। एगे हस्से। एगे वट्टे। एगे तंसे। एगे चउरंसे। एगे पिहुले। एगे
परिमंडले। एगे किण्हे। एगे णीले। एगे लोहिए। एगे हालिद्दे। एगे सुक्किल्ले। एगे सुब्भिगंधे। एगे दुब्भिगंधे। एगे ति-
त्ते। एगे कडुए। एगे कसाए। एगे अंबिले। एगे महुरे। एगे कक्खडे जाव लुक्खे। एगे पाणातिवाए जाव परिग्गहे।
एगे कोहे जाव लोभे। एगे पिज्जे। एगे दोसे जा- व एगे परपरिवाए। एगा अरतिरती। एगे मायामोसे। एगे
मिच्छादंसणसल्ले। एगे पाणाइवायवेरमणे जा- व परिग्गहवेरमणे। एगे कोहविवेगे। जाव मिच्छादंसण-
सल्लविवेगे। एगा ओसप्पिणी। एगा सुसमसु- समा। जाव दुस्समदुस्समा। एगा उस्सप्पिणी। एगा दुस्स-
मदुस्समा। जाव सुसमसुसमा। एगा नेरइयाणं। वग्गणा। एगा असुरकुमाराणं वग्गणा। चउवीसादंडओ जा-
व एगा वेमाणियाणं वग्गणा। एगा भवसिद्धियाणं। वग्गणा। एगा अभवसिद्धियाणं वग्गणा। एगा भवसिद्धियाणं
णेरइयाणं वग्गणा। एगा अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा। एवं जाव एगा भवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्ग-
णा। एगा सम्मद्दिट्ठियाणं वग्गणा। एगा मिच्छद्दिट्ठियाणं वग्गणा। एगा सम्मामिच्छद्दिट्ठियाणं वग्गणा। एगा सम्मद्दिट्ठिया-
णं णेरइयाणं वग्गणा। एगा मिच्छद्दिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा। एगा सम्मामिच्छद्दिट्ठियाणं नेरइयाणं वग्गणा

ठाणांगसू

एवंजाव थणियकुमाराणं वग्गणा। एगा मिच्छदिट्ठियाणं पुढविकाइयाणं वग्गणा। एवं जाव वणस्सइकाइयाणं। ए
गा सम्मदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा। एगा मिच्छदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा। एवं तेइंदियाण वि। एवं चउरिं
दियाण वि। सेसा जहा नेरइयाणं वग्गणा। जाव एगा सम्मामिच्छदिट्ठियाणं वेमाणियाणं वग्गणा। एगा कण्हपक्खिया
णं वग्गणा। एगा सुक्कपक्खियाणं वग्गणा। एगा कण्हपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा। एगा सुक्कपक्खियाणं णे
रइयाणं वग्गणा। एवं चउवीसदंडओ भाणियव्वो। एगा कण्हलेसाणं वग्गणा। एगा नीललेसाणं वग्गणा।
एवं जाव सुक्कलेसाणं वग्गणा। एगा कण्हलेसाणं नेरइयाणं वग्गणा। जाव काउलेसाणं णेरइया
णं वग्गणा। एवं जस्स जइ लेसाउ भवणवइवा णमंतरपुढविआउवणस्सइकाइयाणं च। चत्तारि लेसा
ओ। जोतिसियाणं एगा तेउलेसा। वेमाणियाणं ति। न्नि उवरिमलेसाउ। एगा कण्हलेसाणं भवसिद्धियाणं वग्गणा
×तेउवाउ। बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं तिन्निलेसाउ। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं छल्लेसाउ×
एगा कण्हलेसाणं अभवसिद्धियाणं वग्गणा। एवं छसु वि लेसासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि। एगा कण्हलेसाणं
भवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा। एगा कण्हलेसाणं अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा। एवं जस्स जति लेसा २

उ तस्स ततिया उ भाणियव्वाउ। जाव वेमाणियाणं। एगा कण्हलेसाणं सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा। एगा कण्हलेसाणं।
मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा। एगा कण्हलेसाणं सम्मामिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा। एवं छसु वि लेसासु जाव वेमाणियाणं
। जेसिं जइ दिट्ठीउ। एगा कण्हलेसाणं कण्हपक्खियाणं वग्गणा। एगा कण्हलेसाणं सुक्कपक्खियाणं वग्गणा। जाव वे
माणियाणं जस्स जति लेसाउ। एए अट्ठ चउवी सादंडया। एगा तित्थसिद्धाणं वग्गणा। एगा अतित्थसिद्धाणं व
ग्गणा। एवं जाव एगा एक्कसिद्धाणं वग्गणा। एगा अणिक्कसिद्धाणं वग्गणा। एगा पढमसमयसिद्धाणं वग्ग
णा। एवं जाव अणंतसमयसिद्धाणं वग्गणा। एगा परमाणुपोग्गलाणं वग्गणा। एवं जाव अणंतप एगा
सियाणं पोग्गलाणं वग्गणा। एगा एगपएसोगा ढाणं पोग्गलाणं वग्गणा। जाव एगा असंखेज्जपएसोगा
ढाणं पोग्गलाणं वग्गणा। एगा एगसमयट्ठिति॥ याणं पोग्गलाणं वग्गणा। जाव असंखेज्जसमयट्ठितियाणं
पोग्गलाणं वग्गणा। एगा एगगुणकालगाणं पोग्गलाणं वग्गणा। जाव एगा असंखेज्जगुणकालगा एगा अणंतगुणकाल
गाणं पोग्गलाणं वग्गणा। एवं वन्नगंधरसफासा भाणियव्वा। जाव एगा अणंतगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा। ए
गा जहन्नपएसियाणं खंधाणं वग्गणा। एगा उक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा। एगा अजहन्नमणुक्कोसपएसियाणं

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

खंधाणं वग्गणा। एवं जहन्नोगाहणयाणं उक्कोसोगाहणगाणं। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगाणं। जहन्नठितियाणं
उक्कोसठितीयाणं अजहन्नमणुक्कोसठितीयाणं जहन्नगुणकालगाणं। उक्कोसगुणका-
लगाणं अजहन्नमणुक्कोसगुणकालगाणं एवं वन्नगंधरसफासाणं वग्गणा भाणियव्वा। जाव एग अजहन्नमणुक्कोस-
गुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा। एगे जंबुद्दीवे दीवे सव्वदीवसमुद्दाणं जाव च्चेव हंतुलगं किंचिविसेसा-
हिए परिक्खेवेणं। एगे समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउव्वीसाए तित्थगराणं चरिमतित्थ-
यरे सिद्धे बुद्धे मुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं एगं रयणिं उ-
ड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता। अद्दाणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते। चित्ताणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते। सातीणक्खत्ते एगता-
रे पण्णत्ते। एगपदेसोगाढाणं पोग्गलाणं अणंता पण्णत्ता एवं एगसमयठितीया एगगुणकालगा पोग्गला अणंता पण्ण-
त्ता जाव एगगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता। एगट्ठाणं पढमज्झयणं संमत्तं ॥१॥ ॥नमो सुयदेवया-
ए भगवतीए। जदत्थिं णं लोगे तं सव्वं दुपडोयारं तं जहा। जीवच्चेव अजीवच्चेव। तसच्चेव थावरच्चेव सजोणि- श्री
यच्चेव अजोणियच्चेव साउयच्चेव अणाउयच्चेव। सइंदियच्चेव अणिंदियच्चेव सवेयगा च्चेव अवेयगा ३

इरियाविहि पुक्खलन्नबंधा संपपुक्खतन्न उक्कबंधा

च्चेव सरूविच्चेव अरूविच्चेव सपोग्गलाच्चेव अपोग्गलाच्चेव संसारसमावन्नगाच्चेव असंसारसमावन्नगाच्चे-
व सासयाच्चेव असासयाच्चेव। आगासेच्चेव नोआगासेच्चेव। धम्मेच्चेव अधम्मेच्चेव। बंधेच्चेव मोक्खे-
च्चेव। पुन्नेच्चेव पावेच्चेव आसवेच्चेव संवरेच्चेव। वेयणाच्चेव निज्जराच्चेव दो किरियाओ पण्णत्ताओ। तं ज-
हा। जीवकिरियाच्चेव अजीवकिरियाच्चेव जीवकिरिया दुविहा पण्णत्ता तं जहा। सम्मत्तकिरियाच्चेव मि-
च्छत्तकिरियाच्चेव। अजीवकिरिया दुविहा पण्णत्ता। तं जहा। इरियावहियाच्चेव संपराइयाच्चेव। दो
किरियाओ पं० तं० काइयाच्चेव अहिगरणियाच्चेव। काइयाकिरिया दुविहा पं० तं० अणु-
वरयकायकिरियाच्चेव दुपउत्तकायकिरियाच्चेव। अहिगरणिया किरिया दुविहा पण्णत्ता। तं ज-
हा। संजोयणाधिकरणियाच्चेव निव्वत्तणाधिकरणियाच्चेव। दो किरियाओ पं० तं० पाओसियाच्चेव पारिया-
वणियाच्चेव। पाओसिया किरिया दुविहा पं० तं० जीवपाओसियाच्चेव। अजीवपाओसियाच्चेव। पारियावणिया दु-
विहा पं० तं० सहत्थपारियावणियाच्चेव परहत्थपारियावणियाच्चेव। दो किरियाओ पं० तं० पाणातिवायकिरि-
४ याच्चेव अपच्चक्खाणकिरियाच्चेव। पाणातिवायकिरिया दुविहा पं० तं० सहत्थपाणाइवायकिरियाच्चेव परह

जावअपच्चक्खाणा• सचित्तमद्यादिकअपच्चक्खाणा॥ अजीवअपच्चक्खाणा• अचित्तविकलितंगादिकअपच्चक्खाणा॥२॥ आरंभिया• आत्माकपाउजीवोपघातेवउतरिया• सर्वदोव्याप
आत्माकरतु॥ तद्धइरिन• आत्मानोनास्तिकस्य तथा आमिथ्यात्वकडा॥ पाडुची• जीवअजीवक्रिया॥ अजीवअजीवक्रियासागइ॥ जीवसाहत्थि• सा बाह्यादिककरादि
णावइनावनइ॥१०॥ आणवणि• पउगारिककरीजीवकटागवइ॥११॥ एवंनिसत्थिया• राजादिकनइआदेसइसारथिआदिकालि॥ अजीवनेसत्थि• राजादिकमइआदि

व्वयाणातिवायकिरियाचेव। अपच्चक्खाणकिरियादुविहा। पं। तं। सहत्थपाणाइवायकिरियाचेव। परहत्थपाणाइ
वायकिरियाचेव। अपच्चक्खाणकिरियादुविहा। पं। तं। जीवअपच्चक्खाणकिरियाचेव। अजीवअपच्चक्खाणकिरिया
चेव। दोकिरियाउ। पं। तं। आरंभियाचेव। परिग्गहियाचेव। आरंभियाकिरियादुविहा। पं। तं। जीवआरंभिया
चेव। अजीवआरंभियाचेव। एवंपारिग्गहिया। वि। दोकिरियाउ। पं। तं। मायवत्तियाचेव। मिच्छादंसणवत्ति
याचेव। मायावत्तियाकिरियादुविहा। पं। तं। आयभाववंकणताचेव। परभाववंकणताचेव। मिच्छादं
सणवत्तियाकिरियादुविहा। पं। तं। ऊणा यरित्तमिच्छादंसणवत्तियाचेव। तव्वइरित्तमिच्छादं
सणवत्तियाचेव। दोकिरियाउ। पं। तं। दिट्ठिया चेव। पुट्ठियाचेव। दिट्ठियाकिरियादुविहा। पं। तं। जी
वदिट्ठियाचेव। अजीवदिट्ठियाचेव। एवंपु। ट्ठियावि। दोकिरियाउ। पं। तं। पाडुच्चियाचेव। सामंतोव
णिवाइयाचेव। पाडुच्चियाकिरियादुविहा। पं। तं। जीवपाडुच्चियाचेव। अजीवपाडुच्चिया। एवंसामंतोवणि
वाइयावि। दोकिरियाउ। पं। तं। साहत्थियाचेव। णेसत्थियाचेव। साहत्थियाकिरियादुविहा। पं। तं। जीवसा
हत्थियाचेव। अजीवसाहत्थियाचेव। एवंणेसत्थियावि। दोकिरियाउ। पं। तं। आणवणियाचेव। वियार। ४

णीयाचेव। जहेवणेसत्थियाउ। दोकिरियाउ। पं। तं। अणाभोगवत्तियाचेव। अणवकंखवत्तियाचेव। अणाभोगवत्ति
याकिरियादुविहा। पं। तं। अणाउत्तआइयणताचेव। अणाउत्तपमज्जणताचेव। अणवकंखवत्तियाकिरियादुवि
हा। पं। तं। आयसरीरअणवकंखवत्तियाचेव। परसरीरअणवकंखवत्तियाचेव। दोकिरियाउ। पं। तं। पेज्जवत्ति
याचेव। दोसवत्तियाचेव। पेज्जवत्तियाकिरियादु विहा। पं। तं। मायावत्तियाचेव। लोभवत्तियाचेव। दोसवत्ति
याचेवकिरियादुविहा। पं। तं। कोहेचेव। माणे चेव। दुविहागरिहा। पं। तं। मणसावेगेगरहति। वयसा
वेगेगरहति। अहवागरहादुविहा। पं। तं। दी हंवेगेअद्धंगरहति। रहस्संवेगेअद्धंगरहति। दुवि
हेपच्चक्खाणे। पं। तं। मणसावेगेपच्चक्खाति। वय सावेगेपच्चक्खाति। अहवापच्चक्खाणेदुविहे। पं। तं। दी
हंवेगेअद्धंपच्चक्खाति। रहस्संवेगेअद्धंपच्चक्खा ति। दोहिंठाणेहिं अणगारेसंपन्नेअणाइयं अणवदग्ग
दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वितिवतेज्जा। तं। विज्जाएचेव। चरणेणचेव। दोठाणाइं अपरियाणित्ता। आया
णोकेवलिपन्नत्तंधम्मंलभेज्जसवणयाए। तं। आरंभेचेव। परिग्गहेचेव। दोठाणाइं अपरियादित्ता आ
याणोकेवलंबोहिंबुज्झेज्जा। तं। आरंभेचेव। परिग्गहेचेव। एवंदोठाणाइंअपरियाइत्ता। आयाणोकेवलंमुंडे

सो वा॰ सामलइ तीर्थंकरादिक कथिताः आभिसमित्व॰ तीर्थंकरादिक ...सा ...॥५॥

ठाणांगसू

नविन्ना। आगाराउ अणगारियं पव्वइज्जा। तं। आरंभे चेव। परिग्गहे चेव। ३ एवं णो केवलं बंभचेरवासमावसेज्जा
।४ णो केवलं संजमेणं संजमेज्जा। ५ णो केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा। ६ णो केवलिमाभिणिबोहियणाणं उ
प्पाडेज्जा। ७ एवं सुयनाणं। ८ एवं ओहिनाणं। ९ एवं मणपज्जवनाणं। १० णो केवलनाणं। ११ दो ठाणाइं परियादित्ता आ
या केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए। तं। आरंभे चेव परिग्गहे चेव। एवं जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा
।१२। दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए। तं। सोच्चा चेव अभिसमिच्च चेव। जाव केव
लनाणं उप्पाडेज्जा।१३। दो समाओ प। तं। उस्सप्पिणि समा चेव। ओसप्पिणि समा चेव। दुविहे उम्मा
ए प। तं। जक्खाएसे चेव। मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं। तत्थ णं जे से जक्खाएसे णं सुहवे
वि यतराए चेव सुहविमोयतराए चेव। तत्थ णं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं से णं दुहवेयतराए दुवि
मोयतराए चेव। दो दंडा प। तं। अट्ठादंडे चेव। अणट्ठादंडे चेव। नेरइयाणं दो दंडा प। तं। अट्ठादंडे य। अणट्ठा
दंडे य। एवं चउवीसा दंडओ जाव वेमाणियाणं। दुविहे दंसणे पं। तं। सम्मद्दंसणे चेव। मिच्छादंसणे
चेव। १ सम्मद्दंसणे दुविहे प। तं। निसग्गसम्मदंसणे चेव। अभिगमसम्मदंसणे चेव। २ णिसग्गसम्मदंसणे दु ५

नोकेवलनाणे॰ अवधिज्ञान। मनःपर्यवज्ञान। ऋजुमतिया। विपुलमती मनःपर्यवज्ञानी। ... अधिकं ... द्रव्य क्षेत्र काल ... ॥४॥

विहे प। तं। पडिवाति चेव। अपडिवाति चेव। ३ अभिगमसम्मदंसणे दुविहे प। तं। पडिवाति चेव। अपडिवाइ चेव
।४ मिच्छादंसणे दुविहे प। तं। अभिगहियमिच्छादंसणे चेव। अणभिगहियमिच्छादंसणे चेव। ५ अभिगहियमि
च्छादंसणे दुविहे प। तं। सपज्जवसिते चेव। अपज्जवसिते चेव। ६ एवमणभिगहितमिच्छादंसणेवि। ७ दुविहे
नाणे प। तं। पच्चक्खे चेव। परोक्खे चेव। पच्चक्खे नाणे दुविहे प। तं। केवलनाणे चेव। णोकेवलनाणे चे
व। केवलनाणे दुविहे प। तं। भवत्थकेवलनाणे चेव। सिद्धकेवलनाणे चेव। भवत्थकेवलनाणे दु
विहे प। तं। सजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव। अजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव। सजोगिभव
त्थकेवलनाणे दुविहे प। तं। पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव। अपढमसमयसजो
गिभवत्थकेवलनाणे चेव। अहवा चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव। अचरिमसमयसजो
गिभवत्थकेवलनाणे चेव। एवं अजोगिभवत्थकेवलनाणेवि। सिद्धकेवलनाणे दुविहे प। तं। अणंतर
सिद्धकेवलनाणे चेव। परंपरसिद्धकेवलनाणे चेव। अणंतरसिद्धकेवलनाणे दुविहे प। तं। एक्काणंतर
सिद्धकेवलनाणे चेव। अणेक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव। परंपरसिद्धकेवलनाणे दुविहे प। तं। एक्काप

ठाणांग सू०

रंपरसिद्धकेवलनाणे चेव अणंतरपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव । लोककेवलनाणे दुविहे पं[न्नत्ते] तं जहा ओहिना
णे चेव मणपज्जवनाणे चेव ओहिनाणे दुविहे पं० तं० भवपच्चइए चेव खओवसमिए चेव । दोण्हं भवपच्चइए पं
तं० देवाणं चेव नेरइयाणं चेव । दोण्हं खओवसमिए पं० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव ।
मणपज्जवनाणे दुविहे पं० तं० उज्जुमति चेव ॥ विउलमति चेव । परोक्खनाणे दुविहे पं० तं० आभिणिबोहि
यनाणे चेव सुयनाणे चेव । आभिणिबो० ॥ हियनाणे दुविहे पं० तं० सुतनिस्सिते चेव असुतनिस्सि
ते चेव सुयनिस्सिते दुविहे पं० तं० अत्था० ॥ ग्गहे चेव वंजणोग्गहे चेव । एवमेव असुयनिस्सि
ते वि । सुयनाणे दुविहे पं० तं० अंगपविट्ठे चेव अंगबाहिरे चेव । अंगबाहिरे दुविहे पं० तं० आवस्सए चेवे
व आवस्सयवतिरित्ते चेव । आवस्सयवतिरित्ते दु० ॥ विहे पं० तं० कालिते चेव उक्कालिते चेव । दुविहे धम्मे पं० तं०
सुयधम्मे चेव चरित्तधम्मे चेव । सुयधम्मे दुविहे पं० तं० सुत्तसुयधम्मे चेव अत्थसुयधम्मे चेव । चरित्तध
म्मे दुविहे पं० तं० आगारचरित्तधम्मे चेव अणगारचरित्तधम्मे चेव । दुविहे संजमे पं० तं० सरागसंजमे चेव
वीयरागसंजमे चेव सरागसंजमे दुविहे पं० तं० सुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव बादरसंपरायसरागसंजमे चे ६

। सुहुमसंपराय सराग० तेदसामइ गुणठाणगे होइ ॥१॥

संकिलेशमाणो उवसमश्रेणी चडइ ॥१॥ विसुज्झमाणो खपकश्रेणी चडइ ॥२ वीतरागते बारमइ गुणठाणइ वर्त्तै ॥१॥

व । सुहुमसंपरागसंजमे दुविहे पं० तं० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव । अपढमसमयसुहुम
संपरायसंजमे चेव । अहवा चरिमसमयसु० अचरिमसमयसु० । अहवा सुहुमसंपरागसंजमे दुविहे पं० तं०
संकिलिस्समाणए चेव । विसुज्झमाणए चेव । बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे पं० तं० पढमसमयबादर
संपरायसंजमे चेव । अपढमसमयबादरसं० ॥ परायसंजमे चेव । अहवा चरिमसमय० अचरिमसमय० अ
हवा बादरसंपरायसंजमे दुविहे पं० तं० प० ॥ डिवाति चेव अपडिवाइए चेव । वीयरागसंजमे दुवि
हे पं० तं० उवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव । खीणकसायवीतरागसंजमे चेव । उवसंतक
सायवीतरागसंजमे दुविहे पं० तं० पढमसम यउवसंतकसायवीतरागसंजमे चेव । अपढमसम
यउवसंतकसायवीतरागसंजमे चेव अहवा चरिमसमय० अचरिमसमय० खीणकसायवीतरागसंजमे
दुविहे पं० तं० छउमत्थखीणकसायवीतरागसंजमे चेव । केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे चेव । छउमत्थ
खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे पं० तं० सयंबुद्धछउमत्थखीणकसाय बुद्धबोहियछउमत्थखीणक
सायसंजमे । सयंबुद्धछउमत्थ दुविहे पं० तं० पढमसमय० अपढमसमय । अहवा चरिमसमय अचरिमस

मया। बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायदुविहा पं० तं० पढमसमया। अपढमसमया। अहवा चरिमसमया। अच-
रिमसमया। केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे पं० तं०। सजोगिकेवलिखीणकसायवीयराग-
संजमे। अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे। सजोगिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे पं० तं०
पढमसमय। अपढमसमया। अहवा चरिमस- मय अचरिमसमय। अजोगिकेवलिखीणकसायसंज-
मे दुविहे पं० तं० पढमसमय। अपढमसमय अहवा चरिमसमय। अचरिमसमय। दुविहा पुढविकाइ-
या पं० तं० सुहुमा चेव। बायरा चेव। एवं जा- व दुविहा वणस्सतिकाइया। पं० तं० सुहुमा चेव। बाय-
रा चेव। दुविहा पुढविकाइया। पं० तं० पज्जत्तगा चेव। अपज्जत्तगा चेव। एवं जाव वणस्सतिकाइया। दु-
विहा पुढविकाइया। पं० तं० परिणता चेव। अप- रिणता चेव। एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा दव्वा पं० तं०
परिणया चेव। अपरिणया चेव। दुविहा पुढविकाइया। पं० तं० गतिसमावन्नगा चेव। अगतिसमावन्नगा चेव।
एवं जाव वणस्सइकाइया दुविहा दव्वा पं० तं० गतिसमावन्नगा चेव। अगतिसमावन्नगा चेव। दुविहा पुढविका-
इया पं० तं० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव। जाव दव्वा। दुविहे काले पं० तं० उसप्पिणिकाले चेव अ- ७

परिणया॰ पृथ्व्यादि करा स्वपरशस्त्र॰ अपरिणता॰ श॰ अपरिणता ४

सप्पिणिकाले चेव। दुविहे आगासे पं० तं० लोगागासे चेव। अलोगागासे चेव। णेरइयाणं दो सरीरगा पं० तं०
अब्भंतरगे चेव। बाहिरगे चेव। अब्भंतरए कम्मए। बाहिरए वेउव्विए। एवं देवाणं विनाणियव्वं। पुढविका-
इयाणं दो सरीरगा। पं० तं० अब्भंतरए चेव। बाहिरए चेव। अब्भिंतरए कम्मए। बाहिरए उरालगे। जाव वणस्सइ-
काइयाणं। बेइंदियाणं दो सरीरगा। पं० तं० अब्भिंत- रए चेव। बाहिरए चेव। अब्भिंतरगे कम्मए। अट्ठिमंससो-
णीतबद्धे बाहिरए उराले जाव चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दो सरीरगा। पं० तं० अब्भिं-
तरगे चेव। बाहिरगे चेव। अब्भिंतरए क- म्मए अट्ठिमंससोणियण्हारुछिराबद्धे बाहिरए
उरालिए। एवं मणुस्साणवि। विग्गहगतिसमा- वन्नगाणं नेरइयाणं दो सरीरगा पं० तं० तेयए चेव।
कम्मए चेव। निरंतरं जाव वेमाणियाणं। नेरइ- याणं दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया। तं० रागेण चेव दो-
सेण चेव। जाव वेमाणियाणं। नेरइयाणं दुट्ठाणनिव्वत्तिए सरीरगे पं० तं० रागनिव्वत्तिए चेव। दोसनिव्वत्तिए चे-
व। जाव वेमाणियाणं। दो काया पं० तं० तसकाए चेव। थावरकाए चेव। तसकाए दुविहे पं० तं० भवसिद्धिए चेव
अभवसिद्धिए चेव। एवं थावरकाए वि। दो दिसाउ अभिगिज्झ कप्पति निग्गंथाणं निग्गंथीण वा। पव्वावित्तए पाईणा वा

णं चेव उदीणं चेव। एवं मुंडावित्तए १ सिक्खावित्तए २ उवट्ठावित्तए ३ संभुंजित्तए ४ संवासित्तए ५ सज्झायं उद्दिसित्तए
६ सज्झायं समुद्दिसित्तए ७ सज्झायमणुजाणित्तए ८ आलोइत्तए ९ पडिक्कमित्तए १० निंदित्तए ११ गरहित्तए १२
विउट्टित्तए १३ विसोहित्तए १४ अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए १५ अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जित्तए १६
दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पंति णिग्गंथाण वा णिग्गं थीण वा। अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसियाणं भ
त्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगयाणं कालं अणवकंखमाणाणं विहरित्तए। तंजहा पाईणं चेव उ
दीणं चेव। बियठाणस्स पढमो उद्देसओ सम म्मत्तो ॥१॥ ॥जे देवा उड्ढोववन्नगा। कप्पोववन्नगा। विमा
णोववन्नगा चारोववन्नगा चारट्ठितिया गतिरति या गतिसमावन्नगा। तेसि णं देवाणं सया समितं जे पा
वे कम्मे कज्जति तत्थगता वि एगतिया वेदणं वे देंति। अन्नत्थगता वि एगतिया वेयणं वेदेंति। नेरइयाणं स
या समितं जे पावे कम्मे कज्जति। तत्थगता वि एगतिया वेयणं वेदेंति। अन्नत्थगता वि एगतिता वेयणं वेदेंति
जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। मणुस्साणं सया समितं जे पावे कम्मे कज्जति। इहगता वि एगतिता वेय
णं वेयंति। अन्नत्थगता वि एगतिया वेयणं वेयंति। मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा। नेरइया णं दुगतिया। दुयाग ८

तिया। पं। तं। नेरइए नेरइएसु उववज्जमाणे। मणुस्सेहिंतो वा उववज्जेज्जा। पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वा
उववज्जेज्जा। से चेव णं से नेरइए णेरइयत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताते वा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ता
ए वा गच्छेज्जा। एवं असुरकुमारा वि। णवरं से चेव णं से असुरकुमारे असुरकुमारत्तं विप्पजहमाणे। मणुस्सत्ताते असुर
वा तिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा। एवं सव्वदे वा। पुढविकाइया दुगतिया। दुयागतिया। पं। तं। पुढवि
काइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा णोपुढविकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेव णं
से पुढविकाइए पुढविकाइयत्तं विप्प जहमाणे। पुढविकाइयत्ताए वा णोपुढविका
इयत्ताए वा गच्छेज्जा। एवं जाव मणुस्सा दुवि॥ हा णेरइया। पं। तं। भवसिद्धिया चेव। अभवसिद्धिया
चेव। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं। तं। अणंतरोववन्नगा चेव। परंपरोववन्नगा चेव। जाव
वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं। तं। अणंतरोववन्नगा चेव। परंपरोववन्नगा चेव। जाव वेमाणिया। २४
दुविहा णेरइया। पं। तं। गतिसमावन्नगा चेव। अगतिसमावन्नगा चेव। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया
। पं। तं। पढमसमयोववन्नगा चेव। अपढमसमयोववन्नगा चेव। जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया। पं। तं। आ

सन्नी॰ सन्नी मरा न त्रिमादिक आइ ते संन्ना कहाइ॥ ते असंन्नी मरा न त्रिक आइ ते असन्ना कहाइ॥ २

ठाणांगसू

हारगा चेव। अणाहारगा चेव। एवं जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया पं तं॥ उस्सासगा चेव। नोउस्सासगा
चेव। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं तं। सइंदिया चेव। अणिंदिया चेव। जाव वेमाणिया। २४ दु
विहा णेरइया। पं तं। पज्जत्तगा चेव। अपज्जत्तगा चेव। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं तं। सन्नि चेव
असन्नि चेव। एवं पंचिंदिया। सव्वे विगलिंदियवज्जा। जाव वाणमंतरा। २४ दुविहा णेरइया। पं तं। भासगा
चेव। अभासगा चेव। एवमेगिंदियवज्जा॥ सव्वे दुविहा णेरइया। पं तं। सम्मदिट्ठीया चेव। मिच्छदि
ट्ठीया चेव। एवं एगिंदियवज्जा। दुविहा णेरइया। पं तं। परित्तसंसारिता चेव। अणंतसंसारिता चे
व। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं तं। संखेज्जकालसमयट्ठितीया चेव। असंखेज्जका
लसमयट्ठितीया चेव। एवं पंचिंदिया। एगिंदियविगलिंदियवज्जा। जाव वाणमंतरा। दुविहा णेरइया। पं तं। सुलभ
बोहिया चेव। दुल्लभबोहिया चेव। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं तं। कण्हपक्खिया चेव। सुक्क
पक्खिया चेव। जाव वेमाणिया। २४ दुविहा णेरइया। पं तं। चरिमा चेव। अचरिमा चेव। जाव वेमाणिया।
२४ दोहिं ठाणेहिं आया अहोलोगं जाणति पासइ। तं समोहतेणं चेव। असमोहतेणं चेव। अप्पाणेणं आता। ९

समोहत॰ अवधिज्ञानादिके करी सहित॥ समुद्घात करतइ आतमा देखइ तथा आतमा करतइ आतमा देखइ॥ ३

इ समतावि॰ काने करी सांभलइ॥ सवेणवि॰ सर्व आत्मप्रदेशे करी सघलि इंद्रियवाणी सांभलइ तथा इं सांभलइ॥ ५॥ उज्जासइ देसेणावि॰ नासिका आदि करनासइ॥ सवे
णावि॰ ... तथा ... ७॥ मरुदेवा॰ लोकांतिक॥ विसारीरा॰ एक सरीर ... ॥ ८॥

अहोलोगं जाणति पासति। असमोहतेणं चेव। अप्पाणेणं आता अहोलोगं जाणइ पासति। आहोहिसमोहतासा
मोहतेणं चेव। अप्पाणेणं आता अहोलोगं जाणति पासति। १ तिरियलोगं एवं २ उड्ढलोगं। केवलकप्पं लोगं। अहो
हिं ठाणेहिं आता अहोलोगं जाणति पासति। तं विउव्वितेणं चेव अप्पाणेणं चेव आता अहोलोगं जाणति पासति॥
अविउव्वितेणं चेव। अप्पाणेणं आता अहोलोगं जाणइ पासति। अहो विउव्विया विउव्वितेणं चेव। अप्पाणे
णं आता। अहोलोगं जाणति पासति। १ एवं तिरियलोगं २ उड्ढलोगं ३ केवलकप्पं लोगं। ४ दोहिं ठाणे
हिं आया सद्दाइं सुणेति। तं देसेण वि आया सद्दाइं सुणेति। सव्वेण वि आया सद्दाइं सुणे
ति। एवं रूवाइं पासइ। गंधाइं अग्घाति। रसाइं आसादइ। फासाइं पडिसंवेदइ। दोहिं ठाणेहिं आया
उभासइ। तं देसेण वि आया उभासति। सव्वेण वि आया उभासति। एवं पभासति। विकुव्वति। परियारइ। भासं
भासति। आहारइ। परिणामइ। वेदेति। निज्जरेति। दोहिं ठाणेहिं देवे सद्दाइं सुणेति। तं देसेण वि देवे सद्दाइं सु
णेति। सव्वेण वि देवे सद्दाइं सुणेति। जाव निज्जरेइ। मरुया देवा दुविहा। पं तं। एगसरीरी चेव। दुसरीरी चेव। ए
वं किंनरा किंपुरिसा। गंधव्वा। नागकुमारा। सुवन्नकुमारा। अग्गिकुमारा। विज्जुकुमारा। देवा दुविहा। पं तं। एगसरी

आपर संबंधे· घटपटादिक॥ नअक्खर· झीकादिक॥२॥ सा[illegible] तता· मुरजपटहकादामलति घटादिक [illegible] वीनइ जोग्य इ॥ [illegible] तता· वास आदि [illegible]
[illegible] उत्पत्ति [illegible] इ॥५॥ [illegible] आदिक॥७॥ [illegible] पुद्गल [illegible] कारा इ॥ [illegible] सपुट्ठ [illegible] एवं [illegible]
तथा बद्धपासपुट्ठा· परस्परता दिकपद्रलबंधनम्॥१९॥

ठाणांगसू

रा चेव। भिसरा रा चेव। भिगण सबाउआ इ मसउसंमत्ता॥१॥ ॥दुविहे सद्दे पं० तं० भासासद्दे चेव। नोभासासद्दे
चेव। भासासद्दे दुविहे पं० तं० अक्खरसंबद्धे चेव। नोअक्खरसंबद्धे चेव। नोभासासद्दे दुविहे पं० तं० आउज्ज
सद्दे चेव। नोआउज्जसद्दे चेव। आउज्जसद्दे दुविहे पं० तं० तते चेव। वितते चेव। तते दुविहे पं० तं० घणे चेव। सु
सिरे चेव। एवं विततेवि। णोआउज्जसद्दे दुविहे। पं० तं० भूसणसद्दे चेव। नोभूसणसद्दे चेव। णोभूसणस
द्दे दुविहे पं० तं० तालसद्दे चेव। लत्तियासद्दे चेव। दोहिं ठाणेहिं सद्दुप्पाते सिया। तं० साहन्नंताणं चेव
पुग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया। भिज्जंताणं चेव। पोग्गलाणं सद्दुप्पाते सिया। दोहिं ठाणेहिं पुग्गला साह
न्नंति। तं० सइं वा पुग्गला साहन्नंति। परेण वा पुग्गला साहन्नंति। दोहिं ठाणेहिं पुग्गला भिज्जंति। सइं वा पो
ग्गला भिज्जंति। परेण वा पुग्गला भिज्जंति। दोहिं ठाणेहिं पुग्गला परिपडंति। तं० सइं वा पुग्गला परिसाडंति। परेण रिसा
वा पुग्गला परिसाडंति। एवं परिसडंति। विद्धंसंति। दुविहा पुग्गला। पं० तं० भिन्ना चेव। अभिन्ना चेव। दुविहा पुग्
ला। पं० तं० भेउरधम्मा चेव। नोभेउरधम्मा चेव। दुविहा पुग्गला। पं० तं० परमाणुपुग्गला चेव। नोपरमाणुपुग्गला चे
व दुविहा पुग्गला। पं० तं० सुहुमा चेव। बायरा चेव। दुविहा पुग्गला। पं० तं० बद्धपासपुट्ठा चेव। नोबद्धपासपुट्ठा चेव॥ १०

अंतर· आत्मा [illegible] आत्मा [illegible] ॥१॥ समाधिपडिमा· एवमहा [illegible] आदिक॥ [illegible] कारा· [illegible] विवेग· उपधि तथा [illegible]
[illegible] ॥७॥ महाभद्द· बुद्धादि [illegible] रात्रि २॥ खुड्डी मोय· [illegible] ॥

दुविहा पुग्गला। पं० तं० परियादियच्चेव। अपरियादियच्चेव। दुविहा पुग्गला। पं० तं० अत्ता चेव। अणत्ता चेव। दुविह
पुग्गला। पं० तं० इट्ठा चेव। अणिट्ठा चेव। एवं कंता पिया मणुन्ना। मणामा। दुविहे सद्दे पं० तं० अत्ते चेव। अणत्ते चे
व। एवं इट्ठा जाव मणामा। दुविहा रूवा। पं० तं० अत्ता चेव। एवं जाव मणामा। एवं गंधरसफासा। एवमेक्केक्के छ
आलावगा भाणियव्वा। दुविहे आयारे। पं० तं० णा णायारे चेव। नोनाणायारे। दुविहे पं० तं० दंसणायारे चेव
नोदंसणायारे चेव। णोदंसणायारे दुविहे पं० तं० चरित्तायारे चेव। णोचरित्तायारे चेव। णोचरित्ता
यारे दुविहे पं० तं० तवायारे चेव। वीरियायारे चेव। दो पडिमाओ पं० तं० समाहिपडिमा चेव उवहा
णपडिमा चेव। दो पडिमाओ पं० तं० विवेगपडिमा चेव। विउस्सग्गपडिमा चेव। दो पडिमाओ पं० तं० भद्दा
चेव सुभद्दा चेव। दो पडिमाओ पं० तं० महाभद्दा चेव। सव्वओभद्दा चेव। दो पडिमाओ पं० तं० खुड्डिया चेव मो
यपडिमा महल्लिया चेव मोयपडिमा दुविहा पं० तं० जवमज्झा चेव चंदपडिमा। वइरमज्झा चेव चंदपडिमा
दुविहे सामाइते। पं० तं० आगारसामाइए चेव। अणगारसामाइए चेव। दोण्हं उववाए पं० तं० देवाणं चेव नेरइया
णं चेव। दोण्हं उव्वट्टणा। पं० तं० णेरइयाणं चेव। भवणवासीणं चेव। दोण्हं चयणे पं० तं० जोतिसियाणं चेव। वेमा

आगारिणइ करइ नु सात उपवास· एवं महल्लिका· उपवास सात तथा [illegible] ॥८॥

नाणाणायारचेव

ठाणांगसू

[illegible]

णियाणं चेव। दोहं गब्भवक्कंतियं पं० तं० मणुस्साणं चेव। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोहं गब्भत्थाणं आहारे
पं० तं० मणुस्साणं चेव। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोहं गब्भत्थाणं वुड्ढी पं० तं० मणुस्साणं चेव। पंचिंदिय
तिरिक्खजोणियाणं चेव। एवं निवुड्ढी विगुव्वणा गतिपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे आयाई मरणे। दोहं
छविपव्वा पं० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरि क्खजोणियाणं चेव। दो सुक्कसोणितसंभवा पं० तं० मणुस्सा
णं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दुविहा ठिती पं० तं० कायट्ठिती चेव भवट्ठिती चेव। दोहं का
यट्ठिती पं० तं० मणुस्साणं चेव पंचेंदियति रिक्खजोणियाणं चेव। दोहं भवट्ठिती पं० तं० देवाणं
चेव नेरइयाणं चेव। दुविहे आउए पं० तं० अद्धाउए चेव भवाउए चेव। दोहं अद्धाउए पं० तं० मणुस्साणं
चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोहं भवाउए पं० तं० देवाणं चेव णेरइयाणं चेव। दुविहे कम्मे
पं० तं० पदेसकम्मे चेव अणुभावकम्मे चेव। दो अहाउयं पालिंति। तं० देवच्चेव नेरइयच्चेव। दोहं आउय
संवट्टए पं० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। जंबूदीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणे
णं दो वासा पं० तं० बहुसमतुल्ला अविसेसमणाणत्ता अन्नमन्नं णातिवट्टंति आयामविक्खंभसंठाणपरिणा ११

हेणं। तं० भरहे चेव एरवए चेव। एवमेतेणमभिलावेणं हेमवए चेव एरन्नवए चेव। हरिवासे चेव रम्मयवा
से चेव। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वतस्स पुरच्छिमपच्चच्छिमेणं दो खेत्ता पं० तं० बहुसमतुल्ला अविसेसमजाव पु
व्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव। जंबू मंदरस्स पव्वतस्स उत्तरदाहिणेणं दो कुराओ पं० तं० बहुसमतुल्लाओ जा
व देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव। तत्थ णं दो महतिमहालता महादुमा पं० तं० बहुसमतुल्ला अविसेसमणाण
त्ता अन्नमन्नं णातिवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं। तं० कूडसामली चेव जंबू चे
व सुदंसणा। तत्थ णं दो देवा महिड्ढिया जाव महासोक्खा पलिओवमट्ठितीया परिवसंति। तं० गरुले
चेव वेणुदेवे अणाढिते चेव जंबूदीवाहिवती। जंबू मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दो वासहर
पव्वया पं० तं० बहुसमतुल्ला अविसेसमणाणत्ता अन्नमन्नं णातिवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठाणपरि
णाहेणं तं० चुल्लहिमवंते चेव सिहरि चेव। एवं महाहिमवंते चेव रुप्पि च्चेव। एवं णिसढे चेव णीलवं
ते चेव। जंबू मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं हेमवतेरन्नवतेसु वासेसु दो वट्टवेयड्ढपव्वता पं० तं० बहु
समतुल्ला अविसेसमणाणत्ता जाव सद्दावती चेव वियडावती चेव। तत्थ णं दो देवा महिड्ढिया पलिओवमट्ठिती

यापरिवसंति। तं०। साति चेव। पभासे चेव। जंबूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं। हरिवरिसरम्मवतेसु वासेसु दो वट्टवे
यड्ढपव्वया पं० तं० बहुसम जाव गंधावती चेव मालवंतपरियाते चेव। तत्थ णं दो देवा महिड्ढिया चेव जाव पलि
ओवमट्ठितीया परिवसंति। तं० अरुणे चेव पउमे चेव। जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं देवकुरा उत्तरकु
राए। पुव्वावरे पासे एत्थ णं। आसक्खंधगसरिसा अ द्धचंदसंठाणसंठिया दो वक्खारपव्वता पं० तं० बहुसमजाव
सोमणसे चेव विज्जुप्पभे चेव। जंबूमंदरउ त्तरकुराए पुव्वावरे पासे एत्थ णं आसक्खंधगसरिसा अ
द्धचंदसंठाणसंठिया दो वक्खारपव्वया पं० तं० बहु जाव गंधमायणे चेव मालवंते चेव। जंबू
मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दो दीहवे यड्ढपव्वया पं० बहुसमतुल्ला जाव भरहे चेव दीहवेय
ड्ढे एरवते चेव दीहवेयड्ढे। भरहेरवएसु णं दीहवे यड्ढेसु दो गुहाओ पं० तं० बहुसमतुल्लाओ अविसेसमणाणत्ता
ओ अन्नमन्नं णातिवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं। तं० तिमिसगुहा चेव खंडगप्पवायगुहा चेव।
तत्थ णं दो देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठितीया परिवसंति। तं० कयमालते चेव। णट्टमालते चेव। एरावतेणं
दीहवेयड्ढे गुहाओ जाव कयमालते चेव णट्टमालते चेव। जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिम

वंतवासहरपव्वए दो कूडा पं० तं० बहुसमतुल्ला चेव जाव विक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं। तं० चुल्लहिमवंतकू
डे चेव वेसमणकूडे चेव। जंबूमंदरदाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वते दो कूडा पं० तं० बहुसमजा
व महाहिमवंतकूडे चेव वेरुलियकूडे चेव। एवं निसढे वासहरपव्वए दो कूडा पं० तं० बहुसमा जाव
निसढकूडे चेव रुयगकूडे चेव। जंबूमंदर स्स उत्तरेणं नीलवंते वासहरपव्वते दो कूडा पं० तं० ब
हुसम जाव नीलवंतकूडे चेव उवदंसणे कूडे चेव। एवं रुप्पिंमि वासहरपव्वते दो कूडा पं० तं०
बहुसम जाव रुप्पिकूडे चेव मणिकं चणकूडे चेव। एवं सिहरिंमि वासहरपव्वते दो
कूडा पं० बहुसम तं० सिहरिकूडे चेव तिगि च्छिकूडे चेव। जंबूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं चुल्लहि
मवंतसिहरीसु वासहरपव्वतेसु दो महद्दहा पं० बहुसमतुल्ला अविसेसमणाणत्ता अन्नमन्नं णातिवट्टं
ति आयामविक्खंभुव्वेहसंठाणपरिणाहेणं। तं० पउमद्दहे चेव पुंडरीयद्दहे चेव। तत्थ णं दो देवयाओ मह
ड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठितीयाओ परिवसंति। तं० सिरी चेव लच्छी चेव। एवं महाहिमवंतरुप्पीसु वासहरप
व्वएसु दो महद्दहा पं० तं० बहुसम महापउमद्दहे चेव महापुंडरीयद्दहे चेव। देवता हिरि चेव बुद्धी चेव

एवं णिसढनीलवंतेसु। तिगिंछिद्दहे चेव। केसरिद्दहे चेव। देवताउ धिती चेव। कित्ति चेव। जंबूमंदरदाहिण
णं। महाहिमवंताउ वासहरपव्वयाउ महापउमद्दहाउ दहाउ। दो महाणतीतो पवहंति तं० रोहियच्चेव। ह
रिकंता चेव। एवं निसढाउ। वासहरपव्वताउ तिगिंछिद्दहाउ दहाउ। दो म० तं० हरिच्चेव सीतोता चेव। जंबूमंदरउ
त्तरेणं नीलवंताउ वासहरपव्वताउ। केसरिद्दहा उ दहाउ दो महानदीओ पवहंति। तं० सीता चेव नारिकंता चेव।
एवं रुप्पीउ वासहरपव्वताउ महापुंडरीयद्द हाउ। दो महानईउ पवहंति। तं० नरकंता चेव। रुप्पकूला चे
व। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं भरहे वासे दो। पवायद्दहा। पं० बहुसमा। तं० गंगप्पवातद्दहे चेव सि
धुप्पवायद्दहे चेव। एवं हेमवए वासे दो पवा यद्दहा पं० बहु० तं० रोहियप्पवायद्दहे चेव रोहियंसप्प
वातद्दहे चेव। जंबूमंदरदाहिणेणं हरिवासे। दोपवायद्दहा। पं० बहुसम। हरिवातद्दहे चेव। हरिकंत
पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरदाहिणेणं महाविदेहवासे दो पवायद्दहा। पं० बहुसम। जाव सीतप्पवात
द्दहे चेव। सीतोदप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरेणं रम्मवातवासे दो पवायद्दहा। पं० बहु० नरकंतप्पवाय
द्दहे चेव। णारिकंतप्पवायद्दहे चेव। एवं हेरन्नवातवासे दो पवायद्दहा। पं० तं० बहु० सुवन्नकूलप्पवायद्दहे चे १३

व। रुप्पकूलपवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरेणं एरवए वासे दो पवायद्दहा। पं० बहु० जाव रत्तप्पवायद्दहे चेव।
रत्तावइप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरदाहिणेणं भरहे वासे दो महानईओ पं० बहु० जाव गंगा चेव। सिंधु चेव। एवं
जहा पवायद्दहा एवं णईओ भाणियव्वाओ। जाव एरवए वासे दो महानईओ पं० बहुसमतुल्लाओ जाव रत्ता चेव
रत्तावती चेव। जंबूद्दीवे भरहेरवएसु वासेसु। तीताए उस्सप्पिणीए सुसमदुस्समाए समाए दो सागरोवमकोडाको
डीओ काले होत्था। एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पन्नत्ते। एवं आगमेस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ। ती
जंबूद्दीवे दीवे भरहेरवतेसु वासेसु तीता ए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दो गाउयाइं उड्ढं उ
च्चत्तेणं होत्था। दोन्नि य पलिओवमाइं परमाउं पाल यित्था। एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालयिंसु। एवमा भदा१
गमेस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालयिस्संति। जंबू दीवे भरहेरवतेसु वासेसु। एगसमए। एगजुगे दो अरिहं हंन
तवंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा। दसारवंसा। जंबू भरहेरवएसु एगसमए दो अरहं
ता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं चक्कवट्टि एवं बलदेवा। एवं वासुदेवा। जाव उप्पज्जिंसु वा। जं
बूदीवे दोसु कुरासु मणुया सता सुसमसुसमं उत्तमिड्ढिं पत्ता पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। तं। देवकुरा चेव। उत्तरकुरा चेव

नक्षित्रना स्वामी २८ पूर्वप्रज्ञप्ती। इति नाम॥ ग्रह ८८ प्रथम अंगारक इति नाम केतु॥ विजय पूर्वप्रदेश अंत्य इति ग्रहांत॥

जंबूदीवे दीवे दोसु कुरासु मणुया सता सुसमसुसमं इड्ढिपत्ता पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। तं॰ हरिवासे चेव रम्मग
वासे चेव। जंबूदीवे दोसु वासेसु मणुया सता सुसमदूसममुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। हेमवते चेव।
एरन्नवते चेव। जंबूद्दीवे दीवे दोसु खेत्तेसु मणुया सता दूसमसुसममुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। तं॰
पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा
विहरंति। तं॰ भरहे चेव एरवते चेव। जंबूदीवे दीवे दो चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा। दो
सूरिया तविंसु वा। तवंति वा। तविस्संति वा॥ दो कित्तियाओ। दो रोहिणीओ। दो मगसिराओ। दो अ
द्दाओ एवं भाणियव्वं। कत्तियादि रोहिणि। अद्दाउ मि गसिर पुणव्वसु पुस्स असाय। ततो य अस्सलेसा महा य
दो फग्गुणीओ य। हत्थो चित्ता साई विसाहा तह य होइ अणुराहा। जेट्ठा मूलो पुव्वा य आसाढा उत्तरा चेव।
अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य हुंति भद्दवया। रेवति अस्सिणि भरणी। नेयव्वा आणुपुव्वीए। एवं
गाहाणुसारेणं णायव्वं। जाव दो भरणी। दो अग्गी। दो पयावती। दो सोमा। दो रुद्दा। दो अदिती। दो वहस्सती। दो
सप्पी। दो पिती। दो भगा। दो अज्जमा। दो सविता। दो तट्ठा। दो वाऊ। दो इंदग्गी। दो मित्ता। दो इंदा। दो निरती। दो आऊ। १४

दो विस्सा। दो बम्हा। दो विण्हू। दो वसू। दो वरुणा। दो अया। दो विविद्धी। दो पुस्सा। दो अस्सा। दो यमा॥२॥ दो इंगाल
गा। दो वियालगा। दो लोहितक्खा। दो सणिच्चरा। दो आहुणिया। दो पाहुणिया। दो कणा। दो कणगा। दो कण
कणगा। दो कणगविताणगा। दो कणगसंताणगा। दो सोमा। दो सहिता। दो आसासणा। दो कज्जोवगा। दो क
ब्बडगा। दो अतिकरगा। दो दुंदुभगा। दो संखा। दो संखवन्ना। दो संखवन्नाभा। दो कंसा। दो कंसवन्ना।
दो रुप्पी। दो रुप्पोभासा। दो नीला। दो नीलोभासा। दो भासा। दो भासरासी। दो तिला। दो तिलपुप्फवन्ना
। दो दगा। दो दगपंचवन्ना। दो काका। दो कक्कंधा। दो इंदग्गी। दो धूमकेऊ। दो हरी। दो पिंगला।
दो बुधा। दो सुक्का। दो वहस्सती। दो राहू। दो अगत्थी। दो माणवगा। दो कासा। दो फासा। दो धुरा। दो पमु
हा। दो वियडा। दो विसंधी। दो नियल्ला। दो पइल्ला। दो जडियाइयला। दो अरुणा। दो अग्गिल्ला। दो काला। दो
महाकालगा। दो सोत्थिया। दो सोवत्थिया। दो वद्धमाणगा। दो पूसमाणगा। दो अंकुसा। दो पलंबा। दो निच्चा
लोगा। दो णिच्चुज्जोता। दो सयंपभा। दो ओभासा। दो सेयंकरा। दो खेमंकरा। दो आभंकरा। दो अपराजिता॥
दो अरया। दो असोगा। दो विगतसोगा। दो विमला। दो विसुद्धा। दो वितत्ता। दो वितत्था। दो विसाला। दो सा

ला ।। दो सुवप्पा ।। दो अणियट्टी ।। दो पगकूडी ।। दो उजडी ।। दो करकरिगा ।। दो रायअग्गा ।। दो पुप्फकेता ।। दो सवक्के
ज्जा ।। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइया दो गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता । लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयस
हस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पं । लवणस्स णं समुद्दस्स वेतिया दो गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता । धायइसंडे
दीवे पुरच्छिमद्धे णं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणे णं दो वासा पं । बहुसमतुल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव
एवं जहा जंबुद्दीवे तहा एत्थवि भाणियव्वं जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा
विहरंति । तं । भरहे चेव एरवए चेव नवरं कूडसामली चेव धायइरुक्खे चेव । देवा गरुले
चेव वेणुदेवे सुदंसणे चेव । धायइसंडदीवपच्चत्थिमद्धे णं मंदरस्स उत्तरदाहिणे णं दो वासा पं । बहु
जाव भरहे चेव एरवए चेव जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति । भरहे कूडसामली चेव महाधा
यईरुक्खे चेव देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव । धायइसंडे णं दीवे दो भरहाइं । दो एरवयाइं । दो हेमवयाइं । दो
हेरन्नवयाइं । दो हरिवासाइं । दो रम्मगवासाइं । दो पुव्वविदेहाइं । दो अवरविदेहाइं । दो देवकुराओ । दो देवकुरु
महद्दुमा । दो देवकुरुमहद्दुमवासी देवा । दो उत्तरकुराओ । दो उत्तरकुरुमहद्दुमा । दो उत्तरकुरुमहद्दुमवासी देवा १५

दो चुल्लहिमवंता । दो महाहिमवंता । दो निसढा । दो णीलवंता । दो रुप्पी । दो सिहरी । दो सद्दावती । दो सद्दावतिवा
सी । दो वियडावती । दो वियडावतिवासी पभासा देवा । दो गंधावतिवासी अरुणा देवा । दो मालवंतपरियागा
सी पउमा देवा । दो मालवंता । दो चित्तकूडा । दो पम्हकूडा । दो नलिणकूडा । दो एगसेला । दो तिकूडा । दो वेसम
णकूडा । दो अंजणा । दो मायंजणा । दो सोमणसा ।। सा । दो विज्जुप्पभा । दो अंकावती । दो पम्हावती । दो आसीवि
सा । दो सुहावहा । दो चंदपव्वता । दो सूरपव्वता । दो णागपव्वता । दो देवपव्वता । दो गंधमायणा । दो उ
सुगारपव्वया । दो चुल्लहिमवंतकूडा । दो वे समणकूडा । दो महाहिमवंतकूडा । दो वेरुलिय
कूडा । दो निसढकूडा । दो रुयगकूडा । दो मालवं तकूडा । दो उवदंसणकूडा । दो रुप्पिकूडा । दो मणि
कंचणकूडा । दो सिहरिकूडा । दो तिगिंछिकूडा ।। दो पउमद्दहवासिणीओ सिरीओ देवीओ । दो महापउमद्द
हा । दो महापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ देवीओ एवं जाव दो पुंडरीयद्दहा । दो पुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छी
ओ देवीओ । दो गंगप्पवायद्दहा जाव दो रत्तावतिप्पवायद्दहा । दो रोहियाओ जाव दो रुप्पकूलाओ । दो गाहव
तीओ । दो दहावतीओ । दो पंकवतीओ । दो तत्तजलाओ । दो मत्तजलाओ । दो उम्मत्तजलाओ । दो खीरो

ठाणांगसू

ओ॥ दो सीयसोताओ॥ दो अंतोवाहिणीओ॥ दो उम्मिमालिणीओ॥ दो फेणमालिणीओ॥ दो गंभीरमालिणीओ॥ दो कच्छा॥ दो
सुकच्छा॥ दो महाकच्छा॥ दो कच्छावती॥ दो आवत्ता॥ दो मंगलावत्ता॥ दो पुक्खला॥ दो पुक्खलावई॥ दो वच्छा॥ दो सुव
च्छा॥ दो महावच्छा॥ दो वच्छगावई॥ दो रम्मा॥ दो रम्मगा॥ दो रमणिज्जा॥ दो मंगलावई॥ दो पम्हा॥ दो सुपम्हा॥ दो महापम्हा
॥ दो पम्हगावती॥ दो संखा॥ दो नलिणा॥ दो कुमुया॥ दो सलिलावती॥ दो वप्पा॥ दो सुवप्पा॥ दो महावप्पा॥ दो वप्प
गावती॥ दो वग्गू॥ दो सुवग्गू॥ दो गंधिला॥ दो गंधिलावती॥ दो खेमाओ॥ दो खेमपुराओ॥ दो रिट्ठाओ॥ दो रिट्ठपुरा
दो ओ॥ खग्गीता॥ दो मंजूसाओ॥ दो उसधीओ॥ दो पोंडरिगिणीओ॥ दो सुसीमाओ॥ दो कुंडलाओ॥ दो अपरा
जियाओ॥ दो पभंकराओ॥ दो अंकावई॥ दो पम्हावईओ॥ दो सुभाओ॥ दो रयणसंचयाओ॥ दो आसपुराओ॥ दो
सीहपुराओ॥ दो महापुराओ॥ दो विजयपुराओ॥ दो अपराजिताओ॥ दो अवराओ॥ दो असोगाओ॥ दो विगय
सोगाओ॥ दो विजयाओ॥ दो वेजयंतीओ॥ दो जयंतीओ॥ दो अपराजियाओ॥ दो चक्कपुराओ॥ दो खग्गपुराओ॥ दो
अवज्झाओ॥ दो अज्झाओ॥ दो भद्दसालवणा॥ दो णंदणवणा॥ दो सोमणसवणा॥ दो पंडुगवणाइं॥ दो पंडुकंबल
सिला॥ दो अतिपंडुकंबलसिलाओ॥ दो रत्तकंबलसिलाओ॥ दो अइरत्तकंबलसिलाओ॥ दो मंदरा॥ दो मंदरचू १६

लियाओ॥ धायइसंडस्स णं दीवस्स वेदिया दो गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता॥ कालोदस्स णं समुद्दस्स णं वेतिया दो
गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता॥ पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धेणं मंदरस्स उत्तरदाहिणेणं दो वासा पं० बहुस
मतुल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव तहेव जाव दो कुराओ पं० देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव तत्थ णं दो मह
तिमहालया महादुमा पं० तं० कूडसामली चेव पउमरुक्खे चेव देवा गरुले चेव वेणुदेवे पउमे चेव
जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति॥ पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तर
दाहिणेणं दो वासा पं० तहेव नाणत्तं कूडसामली चेव महापउमरुक्खे चेव देवा गरुले वे
णुदेवे पुंडरीए चेव॥ पुक्खरवरदीवड्ढे णं दीवे दो भरहाइं दो एरवयाइं जाव दो मंदरा दो मंद
रचूलियाओ॥ पुक्खरवरस्स णं दीवस्स वेतिया दो गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पं० सव्वेसिंपि णं दीवसमुद्दाणं वेदि
या दो गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पं०॥ दो असुरकुमारिंदा पं० तं० चमरे चेव बली चेव॥ दो णागकुमारिंदा पं० तं० धर
णे चेव भूयाणंदे चेव॥ दो सुवन्नकुमारिंदा पं० तं० वेणुदेवे चेव वेणुदाली चेव॥ दो विज्जुकुमारिंदा पं० तं० हरि
चेव हरिस्सहे चेव॥ दो अग्गिकुमारिंदा पं० तं० अग्गिसीहे चेव अग्गिमाणवे चेव॥ दो दीवकुमारिंदा पं० तं० पुन्ने

ठाणंगसू वाउसिंहा च्चेव। दो उदहिकुमारिंदा प. तं. जलकंते च्चेव जलप्पभे च्चेव। दो दिसिकुमारिंदा प. तं. अमियगती चेव
अमितवाहणे च्चेव। दो वातकुमारिंदा प. तं. वेलंबे च्चेव पभंजणे च्चेव। दो थणियकुमारिंदा प. तं. घोसे च्चेव
महाघोसे च्चेव। दो पिसाइंदा प. तं. काले च्चेव महाकाले च्चेव। दो भूइंदा प. तं. सुरूवे च्चेव पडिरूवे च्चेव।
दो जक्खिंदा प. तं. पुन्नभद्दे च्चेव माणिभद्दे च्चेव दो रक्खसिंदा प. तं. भीमे च्चेव महाभीमे च्चेव। दो किंनरिं
दा प. तं. किंनरे च्चेव किंपुरिसे च्चेव। दो किंपुरि सिंदा प. तं. सप्पुरिसे च्चेव महापुरिसे च्चेव। दो महोर
गिंदा प. तं. अतिकाए च्चेव महाकाए च्चेव। दो गंधव्विंदा प. तं. गीतरती च्चेव गीयजसे च्चेव।
१२ दो अणपन्निंदा प. तं. संनिहिते च्चेव सामा णे च्चेव। दो पणपन्निंदा प. तं. धाते च्चेव विहाते च्चेव
दो इसिवाइंदा प. तं. इसिवालते च्चेव, दो भूतवाइं दा प. तं. इस्सरे च्चेव महिस्सरे च्चेव। दो कंदिंदा प. तं. सुव
च्छे च्चेव विसाले च्चेव. दो महाकंदिंदा प. तं. हस्से च्चेव हस्सरती च्चेव. दो कुंभंडिंदा प. तं. सेते च्चेव महासेते
च्चेव। दो पतइंदा प. तं. पतए च्चेव महापतए च्चेव। १२ जोइसियाणं देवाणं दो इंदा प. तं. चंदे च्चेव सूरे चेव
सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु दो इंदा प. तं. सक्के च्चेव ईसाणे च्चेव. एवं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु दो इंदा प. १३

समइआउदिआहिदेईनेकाराजुन्निद॥ तेकन ३ मानकद्दाय३॥४॥ आनइआताव कप्पा ३॥ जेगाइकारलिा इमज कालावाबाल॥४॥

च्चेव सणंकुमारे च्चेव माहिंदे च्चेव। बंभलोगलंतगेसु णं कप्पेसु दो इंदा प. तं. बंभे च्चेव लंतए च्चेव। महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु
दो इंदा प. तं. महासुक्के च्चेव सहस्सारे च्चेव। आणतपाणतआरणच्चुतेसु णं कप्पेसु दो इंदा प. तं. पाणते च्चेव
अच्चुते च्चेव। महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा दुवन्ना प. तं. हालिद्दा च्चेव सुक्किला च्चेव। गेविज्जगाणं दे
वाणं दो रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प.। इति ठतीयोद्द शकसमाप्ताः॥३॥ ॥ समयाति वा आवलियाति वा जी
वाति वा अजीवाति वा पवुच्चति। आणापाणूति वा थोवा ति वा जीवा ति वा अजीवातिया पवुच्चति। ख
णाति वा लवा ति वा जीवा ति वा अजीवा ति वा प वुच्चति। एवं मुहुत्ता ति वा अहोरत्ता ति वा पक्खा ति
वा मासा ति वा उडू ति वा अयणा ति वा संवच्छरा ति वा जुगा ति वा वाससता ति वा वाससहस्सा इ वा वा
ससतसहस्सा ति वा वासकोडी इ वा पुव्वंगा ति वा पुव्वा ति वा तुडियंगा ति वा तुडिया ति वा अडडंगा ति वा
अडडा ति वा अववंगा ति वा अववा ति वा हुहुयंगा ति वा हुहुया ति वा उप्पलंगा ति वा उप्पला इ वा पउमंगा
ति वा पउमा ति वा णलिणंगा ति वा णलिणा इ वा अच्छणिउरंगा ति वा अच्छणिउरा ति वा अउअंगा ति वा अ
उआ ति वा पउयंगा इ वा पउया ति वा चूलितंगा ति वा चूलिता ति वा सीसपहेलियंगा ति वा। पलिउवमा ति वा।
+ नउअंगा ति वा। नउआ ति वा + १

सागारोवमातिवा। उसप्पिणीतिवा। उस्सप्पिणीतिवा। जीवातिवा। अजीवातिवा पवुच्चति। गामातिवा। णगराति
निगमातिवा। रायहाणीतिवा। खेडातिवा। कब्बडातिवा। मडंबाइवा। दोणमुहातिवा। पट्टणातिवा। आगराति
वा। आसमातिवा। संवाहातिवा। संनिवेसाइवा। घोसाइवा। आरामातिवा। उज्जाणातिवा। वणाइवा। वणसंडातिवा
वावीतिवा। पुक्खरिणीतिवा। सरातिवा। सरपंति। तावा। अगडातिवा। तलागातिवा। दहातिवा। नदीतिवा। पुढवी
तिवा। उदहीतिवा। वातखंधातिवा। उवासंत रातिवा। वलतातिवा। विग्गहातिवा। दीवातिवा। समुद्दाति
वा। वेलाइवा। वेतिताविवा। दारातिवा। तोरण णातिवा। णेरतितावासातिवा। जाव वेमाणियाइवा
माइवा। कप्पातिवा। कप्पविमाणावासातिवा वासहरपव्वतातिवा। कूडातिवा। कूडागारातिवा। विज
यातिवा। रायहाणीतिवा। जीवातिवा। अजी॥ वाइवा। पवुच्चइ। छायातिवा। आतवातिवा। दोसिणाति
वा। अंधकारातिवा। उम्माणातिवा। अतिताणगिहातिवा। उज्जाणगिहातिवा। अवलिंबातिवा। सणिप्पवातातिवा
जीवातिवा। जीवातिवा। पवुच्चइ। दोरासी। पं० तं० जीवरासीचेव। अजीवरासीचेव। दुविहे बंधे पं० तं० पेज्जबं
धेचेव। दोसबंधेचेव। जीवाणं दोहिंठाणेहिं पावं कम्मं बंधइ। तं० रागाचेव। दोसेचेव। जीवाणं दोहिंठाणेहिं

पावंकम्मं उदीरेंति। तं० अब्भोवगमिताचेव। उवक्कमिताते चेव। एवं वेदेंति। एवं णिज्जरेंतिअब्भो
वगमितातेचेव। उवक्कमिताते चेव। दोहिंठाणेहिं आता सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति। तं० देस
णविआता सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति। सव्वेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति। एवं फुसित्ताणं। एवं फुडित्ताणं
एवं संवट्टइत्ताणं। दोहिंठाणेहिं आता केवलिप। न्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणताते। तं० खएणचेव। उवसमेणचे
व। एवं जाव मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा। तं० ख। एणचेव। उवसमेणचेव। दुविहे अद्धोवमिते। पं० तं० प
लिओवमेचेव। सागरोवमेचेव। से किंतं प लिओवमे। पलिओवमे। जं जोयणविच्छिन्नं। पल्लं एगा
हियप्परूढाणं। होज्ज निरंतरं निचितं भरियं वालग्ग कोडीणं। वाससए वाससए एक्केक्के अवहडंमि॥
जो कालो सो कालो बोधव्वो उवमा एगस्स पल्लस्स एतेसिं पल्लाणं। कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिता तं सागरो
वमस्स एगस्स भवे परीमाणं। दुविहे कोहे। पं० तं० आयपइट्ठितेचेव। परपइट्ठिएचेव। एवं णेरइयाणं। जाव वे
माणियाणं॥ एवं जाव मिच्छादंसणसल्ले। दुविहा संसारसमावन्नगा जीवा। पं० तं० तसाचेव। थावराचेव। दुवि
हा सव्वजीवा। पं० तं० सिद्धाचेव। असिद्धाचेव। दुविहा सव्वजीवा। पं० तं० सइंदियाचेव। अणिंदियाचेव। एवं एसा गाहा।

ठाणांगसू फासमंता। जाव सरीरी चेव असरीरी चेव. सिद्ध सइंदिय काए जोगा वेद कसाय लेसा य णाणुव
उगाहार भासगा चरिम य ससरीरी १३ दो मरणाइं समणेणं भगवता महावीरेणं समणाणं णिग्गंथा
णं णो णिच्चं वण्णियाइं णो णिच्चं कित्तियाइं णो णिच्चं बुइयाइं णो णिच्चं पसत्थाइं णो णिच्चं अब्भणुण्णायाइं भवंति
तं वलायमरणे चेव वसट्टमरणे चेव एवं णियाणमरणे चेव तब्भवमरणे चेव. गिरिपडणे चेव त
रुपडणे चेव जलपवेसे चेव जलणपवेसे चेव विसभक्खणे चेव सत्थोवाडणे चेव दो मर
णाइं जाव णो णिच्चं अब्भणुण्णायाइं भवंति। कारणेण पुण अप्पडिकुट्ठाइं तं वेहाणसे चेव
गिद्धपट्ठे चेव। दो मरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं जाव
अब्भणुण्णायाइं भवंति। तं पाओवगमणे चेव भत्तपच्चक्खाणे चेव, पाओवगमणे दुविहे पं. तं. णीहारिमे चेव
अणीहारिमे चेव. णियमं अपडिकम्मे। भत्तपच्चक्खाणे दुविहे पं. तं. णीहारिमे चेव अणीहारिमे चेव। णियमं
सपडिकम्मे। के अयं लोगे? जीवच्चेव अजीवच्चेव. के अणंता लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव। के सासया लो
ए? जीवच्चेव अजीवच्चेव। दुविहा बोधी पं. तं. णाणबोधी चेव दंसणबोधी चेव। दुविहा बुद्धा पं. तं. णाणबुद्धा १८

ते अवधि मनः पर्यव ज्ञानावर्णी ... ज्ञानावर्णी ... केवलज्ञानने आवर्णे ॥१॥ पडुप्पन्नविणासिए वर्त्तमान काल ...
... आगामी ... धनादिकनो ... ॥ अंतकिरिया करिते केवलज्ञानादेवलोक ...
तेअवधि मनःपर्यवज्ञानादि केवली ... ॥८॥

चेव दंसणबुद्धा चेव एवं मोहे मूढा। णाणावरणिज्जे कम्मे दुविहे पं. तं. देसणाणावरणिज्जे चेव सव्वणाणावरणि
ज्जे चेव। दरिसणावरणिज्जे कम्मे एवं चेव। वेयणिज्जे कम्मे दुविहे पं. तं. सातावेयणिज्जे चेव असातावेय
णिज्जे चेव। मोहणिज्जे कम्मे दुविहे पं. तं. दंसणमोहणिज्जे चेव चरित्तमोहणिज्जे चेव। आउए कम्मे दुविहे
पं. तं. अद्धाउए चेव भवाउए चेव। णामे कम्मे दुविहे पं. तं. सुभणामे चेव असुभणामे चेव। गोत्ते कम्मे दु
विहे पं. तं. उच्चागोए चेव णीयागोए चेव। अंतराइए कम्मे दुविहे पं. तं. पडुप्पन्नविणासिए चेव पि
हितआगामिपहं। दुविहा मुच्छा पं. तं. पेज्जवत्तिता चेव दोसवत्तिता चेव। पेज्जवत्तिता मु
च्छा दुविहा पं. तं. माते चेव लोभे चेव। दोसवत्तिता मुच्छा दुविहा पं. तं. कोहे चेव माणे चेव। दुविहा
आराहणा पं. तं. धम्मियाराहणा चेव केवलिआराहणा चेव। धम्मियाराहणा दुविहा पं. तं. सुयधम्माराह
णा चेव चरित्तधम्माराहणा। केवलिआराहणा दुविहा पं. तं. अंतकिरिता चेव कप्पविमाणोववत्तिता चेव। दो
तित्थगरा नीलुप्पलसमा वन्नेणं पं. तं. मुणिसुव्वए चेव अरिहनेमी चेव। दो तित्थगरा पियंगुसमा वन्नेणं पं. तं.
मल्ली चेव पासे चेव। दो तित्थयरा पउमगोरा वन्नेणं पं. तं. पउमप्पहे चेव वासुपुज्जे चेव। दो तित्थयरा चंदगो

ठाणांगसू

राणं। पं तं। चंदपलि चेव उप्फरदंता चेव। सव्वप्प वा य पुक्खरवरस्स णं दुवे वेइ पं। पुक्खरवरदीववया णं कालोदनाराए
तं। अन्तरन हुवे ताणरकारुदुन्नाराणं। पं तं। पुव्वे पुक्खरद्धे चेव पच्छिमद्धे चेव। अंतो णं मणुस्सखेत्तस्स दो समुद्दा पं
तं। लवणे चेव। कालोए चेव। दो चक्कवट्टी अपरिचत्तकामभोगा कालमासे कालं किच्चा। अहे सत्तमाए पुढवीए
अपतिट्ठाणे णरए नेरइयत्ताए उववन्ना। तं सुभूमे। बंभदत्ते चेव। असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं
देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दो सागारोवमाइं ठिती पं। ई
साणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं सातिरेगाइं दो सागरोवमाइं ठिती पं। सणंकुमारे कप्पे देवाणं
जहन्नेणं दो सागरोवमाइं ठिती पं। माहिंदे कप्पे देवाणं जहन्नेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं ठिती
पं। दोसु कप्पेसु कप्पित्थियाओ पं तं। सोहम्मे चेव ईसाणे चेव। दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा पं तं। सोहम्मे
चेव ईसाणे चेव। दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा पं तं। सोहम्मे चेव ईसाणे चेव। दोसु कप्पेसु देवा फास
परियारगा पं तं। सणंकुमारे चेव माहिंदे चेव। दोसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा पं तं। बंभलोगे चेव लंतगे
चेव। दोसु कप्पेसु देवा सद्दपरियारगा पं तं। महासुक्के चेव सहस्सारे चेव। दो इंदा मणपरियारगा पं तं। पा 20

णते चेव अच्चुए चेव। जीवा णं दुट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा
तं तसकायनिव्वत्तिए चेव थावरकायनिव्वत्तिए चेव। एवं उवचिणिंसु वा उवचिणंति वा उवचिणिस्संति वा
बंधिंसु वा बंधंति वा बंधिस्संति वा उदीरिंसु वा उदीरंति वा उदीरिस्संति वा वेदिंसु वा वेदंति वा वेदिस्संति
वा णिज्जरिंसु वा णिज्जरंति वा णिज्जरिस्संति वा। दुपएसिया खंधा अणंता पं। दुपएसोगाढा पोग्गला अ
णंता पं। एवं जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पं। दुट्ठाणं बीयं अज्झयणं समत्तं ॥२॥ ॥ तउ
इंदा पं तं। णामिंदे ठवणिंदे दविंदे। तओ इंदा पं तं। णाणिंदे दंसणिंदे चरित्तिंदे। तओ इंदा
पं तं। देविंदे असुरिंदे मणुस्सिंदे। तिविहा विउव्वणा पं तं। बाहिरए पोग्गले परियादित्ता एगा वि
उव्वणा। बाहिरए पोग्गले अपरियादित्ता एगा विउव्वणा। बाहिरए पोग्गले परियादित्ता वि अपरियादित्ता
एगा विउव्वणा। तिविहा विउव्वणा पं तं। अब्भंतरए पोग्गले परियादित्ता एगा विउव्वणा। अब्भंतरए पोग्गले अप
रियादित्ता एगा विउव्वणा। अब्भंतरए पोग्गले परियादित्ता वि अपरियाइत्ता वि विउव्वणा। तिविहा विउव्वणा पं तं
बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियादित्ता एगा विउव्वणा। बाहिरब्भंतरए पोग्गले अपरियादित्ता एगा विउव्वणा। बाहिर

कतिसंचिया·एकाइसमयएकउपजइ॥१॥

ठाणांगसू अंतरं य णं णालुपरियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि गा वि उब्भवणा। तिविहा णेरइया। पं तं। कतिसंचिता। अकति
संचिता। अवत्तगसंचिता। एवमेगिंदियवज्जा वेमाणिया। तिविहा परियारणा। पं तं। एगे देवे अन्नदेवे अन्ने
सिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेति। अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेति। अप्पणामेव अप्पा
णं विउव्विय २ परियारेति। एगे देवे णो अन्ने देवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेति।
अप्पणिज्जियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेति। अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेति। एगे
देवे णो अन्ने देवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ॥ णो अप्पणिज्जियाओ। अप्पणामेव अप्पाणं विउव्वि
य २ परियारेति। तिविहे मेहुणे पन्नत्ते तं० दिव्वे माणुस्से तिरिक्खजोणिए। तओ मेहुणं गच्छंति तं०
देवा मणुस्सा तिरिक्खजोणिया। तओ मेहुणं सेवंति तं इत्थी पुरिसा णपुंसगा। तिविहे जोगे पं तं मण
जोगे वइजोगे कायजोगे। एवं णेरतियाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे पओगे पं तं
मणपओगे वइपओगे कायप्पओगे। जहा जोगो विगलिंदियवज्जाणं तहा पओगो वि। तिविहे करणे पं तं
मणकरणे वतिकरणे कायकरणे एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं। तिविहे करणे पं तं आरंभकर २१

णे संरंभकरणे समारंभकरणे णिरंतरं जाव वेमाणियाणं तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति
भवति×२ तं। पाणे अइवाइत्ता भवति मुसं वइत्ता भवति। तहारूवं समणं वा माहणं वा। अफासुएणं अणेसणिज्जेणं। असणपाण
×दुच्चेतेहिं×३ खाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवति तिहिं ठाणेहिं जीवा। अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा दी
हाउयत्ताए कम्मं पकरेंति। णो पाणे अतिवातित्ता भवति णो मुसं वइत्ता भवइ। तहारूवं समणं वा मा
हणं वा। फासुएसणिज्जेणं। असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणे
हिं जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति
तं। पाणे अइवाइत्ता भवति। मुसं वइत्ता भवइ॥ तहारूवं समणं वा माहणं वा। हीलित्ता। निंदित्ता। खिंसि
त्ता। गरहित्ता। अवमाणित्ता। अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीतिकारएणं। असणं वा ४ पडिलाभित्ता भवति। इ
च्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं प
एण करेंति तं। णो पाणे अइवाइत्ता भवइ णो मुसं वइत्ता भवति तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता नमंसित्ता सक्का
रित्ता सम्माणित्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासित्ता। मणुन्नेणं पीतिकारएणं। असणं वा पाणं वा खाइ

ठाणांगसू

मणा इमणं पडिलाभित्ता भवइ। ३ इच्चतिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउयत्ताय कम्मं पकरंति। तओ गुत्तीओ पं० तं०
मणगुत्ती। वयगुत्ती। कायगुत्ती। संजतमणुस्साणं तातो गुत्तीतो पं० तं० मण। वइ। काए। तओ अगुत्तीओ पं० तं० म
ण अगुत्ती। वइ अगुत्ती। काय अगुत्ती। एवं नेरइयाणं। जाव थणियकुमाराणं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं।
असंजयमणुस्साणं। वाणमंतरजोइसियाणं॥ वेमाणियाणं। ४ तओ दंडा पं० तं० मणदंडे। वइदंडे। कायदं
डे। विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं तिवि हा गरहा पं० तं० मणसा वेगे गरहति। वयसा वेगे गरह
ति। कायसा वेगे गरहति। पावाणं कम्मा णं अकरणताए। अहवा गरहा तिविहा पं० तं० दीहं पे
गे अद्धं गरहति रहस्सं पेगे अद्धं गरहति। का यं पेगे पडिसाहरति पावाणं कम्माणं अकरणयाए तिवि
हे पच्चक्खाणे। पं० तं० मणसा वेगे पच्चक्खाति। व यसा वेगे पच्चक्खाति। कायसा वेगे पच्चक्खाति एवं जह गरहा
तहा पच्चक्खाणे वि दो आलावगा भाणियव्वा। तातो रुक्खा पं० तं० पत्तोवगे। पुप्फोवगे। फलोवगे। ५ एवामेव तओ
पुरिसजाता पं० तं० पत्तोवारुक्खसमाणे। पुप्फोवारुक्खसमाणे। फलोवारुक्खसमाणे। २ तातो पुरिसजाया पं०
तं० नामपुरिसे। ठवणपुरिसे। दव्वपुरिसे ३ तओ पुरिसजाया पं० तं० नाणपुरिसे। दंसणपुरिसे। चरित्तपुरिसे २२

वेदशब्द ते पुरुष॥ चिंध॰ दाढीमूछादिक॥ अभिलाप॰ बोलमात्र॥

तओ पुरिसजाया पं० तं० वेदपुरिसे। चिंधपुरिसे। अभिलावपुरिसे। ४ तिविहा पुरिसजाया पं० तं० उत्तमपुरिसा। म
ज्झिमपुरिसा। जहन्नपुरिसा। ५ उत्तमपुरिसा तिविहा पं० तं० धम्मपुरिसा। भोगपुरिसा। कंमपुरिसा। धम्मपुरिसा। अ
रिहंता। भोगपुरिसा चक्कवट्टी। कंमपुरिसा वासुदेवा। मज्झिमपुरिसा तिविहा पं० तं० उग्गा। भोगा। राइन्ना। ६ जहन्न
दासा पुरिसा तिविहा पं० तं० भयगा। भाइल्लगा। तिवि हा मच्छा पं० तं० अंडया। पोयया। संमुच्छिमा। १ अंडयामच्छा
तिविहा पं० तं० इत्थी। पुरिसा। णपुंसगा। २ पोयमच्छा तिविहा पं० तं० इत्थी। पुरिसा। णपुंसगा। ३ तिविहा प
क्खी पं० तं० अंडया। पोयया। संमुच्छिमा। १ अंडयापक्खी तिविहा पं० तं० इत्थी। पुरिसा। णपुंसगा
। ३ पोतयपक्खी तिविहा पं० तं० इत्थी पुरिसा णपुं सगा। ३ एवं एएणं अभिलावेणं उरपरिसप्पा इ भाणि
यव्वा भुजपरिसप्पा उ भाणियव्वा एवं चेव ति॥ तिविहा इत्थीओ पं० तं० तिरिक्खजोणियाओ मणुस्सित्थीओ देवित्थी
ओ। १ तिरिक्खजोणीओ इत्थीओ तिविहा पं० तं० जलचरीओ। थलचरीओ। खहचरीओ। मणुस्स इत्थीओ तिविहा पं० तं० क
म्मभूमीओ। अकंमभूमीओ। अंतरदीवगाओ। ३ तिविहा पुरिसा पं० तं० तिरिक्खजोणीपुरिसा। मणुस्सपुरिसा। देवपु
रिसा। तिरिक्खजोणिपुरिसा तिविहा पं० तं० जलचरा। थलचरा। खहचरा। २ मणुस्सपुरिसा तिविहा पं० कम्मभूमिगा

ठाणांगसू अकम्मभूमिगा। अंतरदीवगा ३ तिविहा णपुंसगा पं०। तं०। णेरतियनपुंसगा। तिरिक्खजोणियनपुंसगा। मणुस्सनपुं-
सगा। ४ तिरिक्खजोणियनपुंसगा तिविहा। पं०। तं०। जलयरा। थलयरा। खहयरा। ५ मणुस्सनपुंसगा तिविहा पं-
तं। कम्मभूमिगा। अकम्मभूमिगा। अंतरदीवगा। ६ तिविहा तिरिक्खजोणिया। पं। तं। इत्थी पुरिसा नपुंसगा। ७ ने-
रइयाणं तओ लेसाओ पं। तं। कण्हलेसा। नीलले- सा। काउलेसा। ८ असुरकुमाराणं तओ लेसाओ संकिलिट्ठाओ
। पं। तं। कण्हलेसा। नीललेसा। काउलेसा। ९ ए- वं थणियकुमाराणं। १० एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्स-
स्सतिकाइयाण वि। तेउकाइयाणं वाउका- इयाणं। बेइंदियाणं तेइंदियाणं। चउरिंदियाणं तउ
लेसा। जहा नेरइयाणं। पंचिंदियतिरिक्खजो- णियाणं तओ लेसाओ संकिलिट्ठाओ। पं। तं। कण्हलेसा। नी-
ललेसा। काउलेसा। पंचिंदियतिरिक्खजोणि- याणं तओ लेसाओ असंकिलिट्ठाओ। पं। तं। पम्हलेसा। सुक्कले-
स्सा। तेउलेस्सा। एवं मणुस्साण वि। वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं। वेमाणियाणं तओ लेसाओ। पं। तं। तेउले-
सा। पम्हलेसा। सुक्कलेसा। १४ तिहिं ठाणेहिं तारारूवे चलेज्जा। तं। विकुव्वमाणे वा। परियारेमाणे वा। ठाणाओ वा
ठाणं संकममाणे वा। तारारूवे चलेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवे विज्जुयारं करेज्जा। तं। विकुव्वमाणे वा। परियारेमाणे वा

तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा। इड्ढिं जुतिं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे देवे विज्जु-
यारं करेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवे थणियसद्दं करेज्जा। तं। विकुव्वमाणे एवं जहा विज्जुयारं तहेव थणियसद्दं
पि। तिहिं ठाणेहिं लोगंधयारे सिया। तं। अरहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं। अरहंतपन्नत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे। पु-
व्वगते वोच्छिज्जमाणे। २ तिहिं ठाणेहिं लोउ- ज्जोते सिया। तं। अरहंतेहिं जायमाणेहिं। अरहंतेहिं पव्व-
यमाणेहिं। अरहंताणं णाणुप्पयमहिमासु। ३ तिहिं ठाणेहिं देवंधकारे सिया। तं। अरहंतेहिं वोच्छि-
ज्जमाणेहिं। अरहंतपन्नत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे। पुव्वगते वोच्छिज्जमाणे। ३ तिहिं ठाणेहिं दे-
वुज्जोते सिया। तं। अरहंतेहिं जायमाणेहिं। अरहंतेहिं पव्वयमाणेहिं। अरहंताणं णाणुप्पयम-
हिमासु। ४ तिहिं ठाणेहिं देवसंनिवाए सिया। तं। अरहंतेहिं जायमाणेहिं। अरहंतेहिं पव्वयमाणेहिं।
नाणं। अरहंताणं णाणुप्पयमहिमासु। एवं देवुक्कलिया। देवकहकहए। ५ तिहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्व-
मागच्छंति। अरहंतेहिं जायमाणेहिं। अरहंतेहिं पव्वयमाणेहिं। अरहंताणं णाणुप्पयमहिमासु। एवं सामा-
णिया १ तायत्तीसगा २ लोगपाला ३ अग्गमहिसीओ देवीओ। ५ परिसोववन्नगा देवा ६ अणियाहिवई। ७ आ-

आयरक्खा देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति तिहिं ठाणेहिं देवा अब्भुट्ठेज्जा अरहंतेहिं जायमाणेहिं जाव तं चेव
एवमासणाइं चलेज्जा सीहणायं करेज्जा चेलुक्खेवं करेज्जा तिहिं ठाणेहिं देवाणं चेइयरुक्खा चलेज्जा तं अ-
रहंतेहिं तं चेव तिहिं ठाणेहिं लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा अरहंतेहिं जायमाणेहिं अरहंतेहिं पव्व-
यमाणेहिं अरहंताणं णाणुप्पयमहिमासु ॥ तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो तं अम्मापिउणो भट्टिस्स ध-
म्मायरियस्स संपातोवि य णं केइ पुरिसे अम्मापियरं सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेत्ता
सुरभिणा गंधवट्टएणं उव्वट्टित्ता तिहिं उदगेहिं मज्जावित्ता सव्वालंकारविभूसियं करेत्ता मणु-
न्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भोयावेत्ता जावज्जीवं पिट्ठिवडेंसयाए परिवहेज्जा
तेणावि तस्स अम्मापिउस्स दुप्पडियारं अहे णं से तं अम्मापियरं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइ-
त्ता परूवित्ता ठावित्ता भवति तेणामेव तस्स अम्मापिउस्स सुप्पडियारं भवति समणाउसो ॥ केइ महच्चे दरिद्दं स-
मुक्कसेज्जा तए णं से दरिद्दे समुक्किट्ठे समाणे पच्छा पुरं च णं विउलभोगसमिति-
समन्नागते यावि विहरेज्जा तए णं से महच्चे अन्नया कयाइ दरिद्दीहूए समाणे तस्स दरिद्दीहूतस्स समाणे तस्स

दरिद्दस्स अंतियं हव्वमागच्छेज्जा तए णं से दरिद्दे तस्स भट्टिस्स सव्वस्समवि दलयमाणे तेणावि तस्स दुप्पडियारं भवति
अहे णं से तं भट्टिं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवति तेणामेव तस्स भ-
ट्टिस्स सुप्पडियारं भवति । केति तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुव-
यणं सोच्चा निसम्म कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने तए णं से देवे तं ध-
म्मायरियं दुब्भिक्खाओ वा देसाओ सुभिक्खं देसं साहरेज्जा कंताराओ वा णिक्कंतारं करेज्जा दीहकालि-
एणं वा रोगातंकेणं अभिभूतं समाणं विमोएज्जा तेणावि तस्स धम्मायरियस्स दुप्पडियारं
भवति अहे णं से तं धम्मायरियं केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भट्ठं समाणं भुज्जो वि केवलिपन्नत्ते धम्मे आ-
घवित्ता जाव ठावित्ता भवति तेणामेव तस्स धम्मायरियस्स सुप्पडियारं भवति ॥ तिहिं ठाणेहिं संप-
न्ने अणगारे अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीईवएज्जा तं अणिदाणयाए दिट्ठिसंपन्न-
याए जोगवाहियाए ॥ तिविहा उस्सप्पिणी पं तं उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पि समाओ भाणियव्वाओ जाव दूस-
मदूसमा तिविहा ओसप्पिणी पं तं उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पि समाओ भाणियव्वाओ जाव सुसमसुसमा

ठाणांगसू

॥१४ तिहिं ठाणेहिं अच्छिन्नेपोग्गलचलेज्जा । तं । आहारिज्जमाणेवापोग्गलचलेज्जा । विकुव्वमाणेवापोग्गलचले
ज्जा । ठाणाओवाठाणंसंकामिज्जमाणेपोग्गलेचलेज्जा । तिविहेउवही । पं । तं । कम्मोवही । सरीरोवही । बाहिरभं
डमत्तोवही । एवंअसुरकुमाराणंभाणियव्वं । एवंएगिंदियनेरइयवज्जंजाववेमाणियाणं । अहवातिविहेउ
वही । पं । तं । सचित्ते । अचित्ते । मीसए । एवंनेरइ॥ याणंजाववेमाणियाणं । तिविहेपरिग्गहे । पं । तं । कम्मपरि
ग्गहे । सरीरपरिग्गहे । बाहिरभंडमत्तपरिग्गहे । एवंअसुरकुमाराणं एवंएगिंदियनेरइयवज्जंजाववेमा
णियाणं ॥ अहवातिविहेपरिग्गहे । पं । तं । सचित्ते । अचित्ते । मीसए । एवंनेरइयाणंनिरंतरंजावव
वेमाणियाणं । ४ तिविहेपणिहाणे । पं । तं । मणपणिहाणे । वयपणिहाणे । कायपणिहाणे । एवंपंचिंदि
याणंजाववेमाणियाणं । तिविहेसुप्पणिहाणे । पं । तं । मणसुप्पणिहाणे । वयसुप्पणिहाणे । कायसुप्पणि
हाणे । संजयमणुस्साणं तिविहेसुप्पणिहाणे । पं । तं । मणसुप्पणिहाणे । वइसुप्पणिहाणे । कायसुप्पणिहा
णे । तिविहेदुप्पणिहाणे । पं । तं । मणदुप्पणिहाणे । वइदुप्पणिहाणे । कायदुप्पणिहाणे । पंचिंदियाणंजाववे
माणियाणं । तिविहाजोणी । पं । तं । सीता । उसिणा । सीतोसिणा । एवंपंचेंदियाणं । जावविगलिंदियाणंतेउकाइय २५

वज्जाणं । संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । संमुच्छिममणुस्साणय । तिविहाजोणी । पं । तं । सचित्ता । अचित्ता । मीसि
या । एवंएगिंदियाणं । विगलिंदियाणं । संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । संमुच्छिममणुस्साणय । तिविहाजो
णी । पं । तं । संवुडा । वियडा । संवुडवियडा । तिविहाजोणी । पं । तं । कुम्मुन्नया । संखावत्ता । वंसीपत्तिया । कुम्मुन्नता
णंजोणी । उत्तमपुरिसमाऊणं । कुम्मुन्नताएणंजोणीए तिविहा उत्तमपुरिसा गब्भंवक्कमंति । तं । अरहंता । चक्क
वट्टी । बलदेववासुदेवा । संखावत्ताजोणी इत्थिरयणस्स । संखावत्ताएणंजोणीए बहवेजीवायपोग्ग
लायवक्कमंति । चयंति । उववज्जंति । नोचेवणं निप्फज्जंति । वंसीपत्तिताणंजोणी पिहुजणस्स । वं
सीपत्तियाएजोणीए बहवेपिहुजणा गब्भंवक्कमंति । तिविहावणस्सइकाइया । पं । तं । संखेज्जजीविया । अ
संखेज्जजीविया । अणंतजीविया । जंबुद्दीवेदीवे भारहेवासे तउतित्था । पं । तं । मागहे । वरदामे । पभासे । ए
वंएरवएवि । जंबुद्दीवेदीवे महाविदेहेवासे । एगमेगेचक्कवट्टिविजये तओतित्था । पं । तं । मागहे । वरदा
मे । पभासे । एवंधायइसंडेदीवे पुरच्छिमद्धेवि । पच्चत्थिमद्धेवि । पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धेवि । पच्चत्थि
मद्धेवि । ५ जंबुद्दीवेदीवे भरहेरवएसुवासेसु । तीताएउस्सप्पिणीए सुसमाएसमाए तिन्निसागरोवमकोडा

ठाणांगसू

कोडाकोडीओ कालो छट्ठा। एवं उसप्पिणीए नवरं पडिलोमं। आगमिस्साए उस्सप्पिणीए एवं चेव। एवं धायइसंडपुरत्थिम
द्धेवि एवं पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धेवि कालो भाणियव्वो। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु
तीताए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया तिण्णि गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं। तिण्णि पलिओवमाइं परमाउं पालइत्था।
एवं इमीसे ओसप्पिणीए आगमिस्साए उस्सप्पिणीए। जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया तिगाउ
याइं उड्ढं उच्चत्तेणं पं। तिण्णि पलिओवमाइं परमाउं पालयंति। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे।
जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए। तओ वंसाओ उप्पज्जिंसु वा
। उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। अरहंतवंसा चक्कवट्टिवंसा दसारवंसा। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थि
मद्धे। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए। तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उ
प्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। तं। अरहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। तओ
अहाउयं पालयंति। तं। अरहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा। तओ मज्झिममाउयं पालयंति। तं। अरहंता चक्कवट्टी
बलदेववासुदेवा। बायरतेउकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं ठिती पन्नत्ता। बायरवाउकाइयाणं उक्को 26

सेणं तिन्नि वाससहस्साइं ठिती। पं। अह भंते सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एतेसिं णं धन्नाणं
कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लंछियाणं मुद्दियाणं पिहिताणं केवइ
यं कालं जोणी संचिट्ठति। गोयमा। जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलाय
ति। तेण परं जोणी पविद्धंसति। तेण परं जोणी वि। द्धंसति। तेण परं बीए अबीए भवति। तेण परं जोणीवोच्छेदे
पं। दोच्चाए णं सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइ याणं उक्कोसेणं तिन्नि सागरोवमाइं ठितीपं। १ तच्चाए णं
वालुयप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं णेरइ याणं तिन्नि सागरोवमाइं ठिती पण्णत्ता। २ पंचमाए णं
धूमप्पभाए पुढवीए तिन्नि निरयावाससयसह स्सा पन्नत्ता। तिसु णं पुढवीसु णेरइयाणं उसिणवेय
णा य। पं। तं। पढमाए दोच्चाए तच्चाए। ३ तिसु णं पु ढवीसु णेरइया णं उसिणवेयणं पच्चणुब्भवमाणा विहरं
ति। तं। पढमाए दोच्चाए तच्चाए। तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं। पं। तं। अप्पइट्ठाणे णरए जंबुद्दीवे दीवे स
व्वट्ठसिद्धिविमाणे। तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं पं। तं। सीमंतए णरए समयक्खेत्ते ईसीपब्भारा पुढवी। तओ
समुद्दा पगतीए उदगरसा। पं। तं। कालोदे पुक्खरोदे सयंभुरमणे। तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा। पं। तं।

मसिद्धा॰ अजितरयरयसमा। तेते उज्झावइ। ते संघा ति इंदअलोच करइ॥ चउ॰ मज्झिम तिड्डा आवर तथा अणते उज्झावइ॥ गाथा॰ आहिरि लोयरिय
दाते अणते उज्झावइ॥१०॥

ठाणांगसू

लवणे कालोदे सयंभुरमणे। तउ लोगा। णिस्सीला। णिव्वता। णिग्गुणा। णिम्मेरा। णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासा
कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पतिट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववज्जंति। तं। रायाणो मंड
लीया जे य महारंभा कोडुंबी। तउ लोए सुसीला सुव्वया सग्गुणा समेरा सपच्चक्खाणपोसहोववासा का
लमासे कालं किच्चा सव्वट्टसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति। तं। रायाणो परिचत्तकामभोगा सेणा
वती पसत्थारो। बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा तिवन्ना। पं। तं। किण्हा। नीला। लोहिया। आणयपाण
यारणच्चुएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं तिन्नि रयणीउ उड्ढं उ
च्चत्तेणं पण्णत्ता। तउ पन्नत्तीउ कालेणं अहिज्जंति। तं। चंदपन्नत्ती। सूरपन्नत्ती। दीवसागरपन्नत्ती। तिठाण
स्स पढमो उद्देसो सम्मत्तो॥३॥१॥ ॥तिविहे लोगे। पं। तं। णामलोगे। ठवणलोगे। दव्वलोगे। तिविहे
लोगे। णाणलोगे। दंसणलोगे। चरित्तलोगे। तिविहे लोगे। पं। तं। उड्ढलोगे। अहोलोगे। तिरियलोगे। चमर
स्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तउ परिसाउ। पं। तं। समिता। चंडा। जाया। अब्भिंतरिता समिता। मज्झिमता चं
डा। बाहिरिता जाया। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सामाणिताणं देवाणं तउ परिसाउ। पं। तं। समिता। २७

ताम॰ द्वि बआ नउ बीन उजाग॥२॥

जहेव चमरस्स। एवं तावत्तीसगाणवि। लोगपालाणं। तुंबा तुडिया पव्वा। एवं अग्गमहिसीणवि। बलिस्सवि एवं चेव
जाव अग्गमहिसीणवि। धरणस्स य सामाणियतावत्तीसगाणं च। समिता चंडा जाता। लोगपालाणं अग्ग
महिसीणं। ईसा तुडिया। दढरहा। जहा धरणस्स तहा सेसाणं भवणवासीणं। कालस्स णं पिसाइंदस्स पिसाय
रन्नो। तउ परिसाउ। पं। तं। ईसा तुडिया दढरहा। एवं सामाणिय अग्गमहिसीणंपि। एवं जाव गीयरतिगीयज
साणं। चंदस्स णं जोतिसिंदस्स जोतिसरन्नो तउ परिसाउ। पं। तं। तुंबा। तुडिया। पव्वा। एवं सामाणिय
अग्गमहिसीणं। एवं सूरस्सवि। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो तउ परिसाउ। पं। तं। समिता चं
डा जाया। एवं जहा चमरस्स जाव अग्गमहिसीणं। एवं जाव अच्चुतस्स लोगपालाणं। तउ जामा। पं।
तं। पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। तिहिं जामेहिं आया केवलीपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए
पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। एवं जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा। पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे
जामे। तउ वया। पं। तं। पढमे वते मज्झिमे वते पच्छिमे वते। तिहिं वतेहिं आया केवलीपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए। तं।
पढमे वते मज्झिमे वते पच्छिमे वते। एसो चेव गमो णेयव्वो। जाव केवलनाणं। तिविहा बोधी। पं। तं। णाणबोधी दं

+पच्छिम व॰२

परतोपडिबद्ध॰ अनेरा मोरा श्रावक ते इहलोकप्रतिबंध॥ तथा सम्नि नइ प्रतिबंधइ॥ मगतः॰ सजनादिक नइ प्रतिबंधि॥२॥ तुइ मांवयन्ना॰ परनी प्र
रणा इलिइ॥ पुइ श्रावईता॰ अनेरू कोई न साडी लेजाइ नई प्रव्रज्या लिवरावइ॥ कइ आवईत्ता॰ बोलावी नइ दिइ जो मनापरि॥ उववाय॰ गुरू समी
पि वसता प्रव्रज्या लइ॥ १॥ अखाय॰ गुर्वादिकनु उपदेशे सांभली लइ॥ संगार॰ माहो माहि बोलकी धउ कइ जे आपणि साथि दिख्या लो जासइ
॥४॥

सणबोधी। चरित्तबोधी। तिविहा बुद्धा। पं। तं। णाणबुद्धा दंसणबुद्धा। चरित्तबुद्धा। एवं मोहे मूढा। तिविहा पव्वज्जा। पं। तं।
इहलोगपडिबुद्धा। परलोगपडिबुद्धा। दुहतोपडिबुद्धा। तिविहा पव्वज्जा। पं। तं। पुरतो पडिबुद्धा। मग्गतो पडिबुद्धा।
पडिबद्धा। तिविहा पव्वज्जा। पं। तं। तुयावइत्ता। पुयावइत्ता। बुयावइत्ता। तिविहा पव्वज्जा। पं। तं। उवातपव्वज्जा। अक्खा
तपव्वज्जा। संगारपव्वज्जा। ततो णियंठा णोसण्णोवउत्ता। पं। तं। पुलाए णियंठे सिणाते। ततो णियंठा सन्नणोसन्नोवउ
त्ता। पं। तं। बउसे पडिसेवणाकुसीले कसायकुसीले। ततो सेहभूमीओ। पं। तं। उक्कोसा। मज्झिमा। जहन्ना।
उक्कोसा छम्मासा। मज्झिमा चउमासा। जहन्ना सत्तराइंदिया। ततो थेरभूमीओ। पं। तं। जातिथेरे सुत
थेरे परियायथेरे। सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जातिथेरे। ठाणंगसमवायधरे समणे णिग्गं
थे सुयथेरे। वीसवासपरियाए णं समणे णिग्गंथे परियायथेरे। तओ पुरिसजाया। पं। तं। सुमणे। दुम्मणे।
णोसुमणे णोदुम्मणे। ततो पुरिसजाया। पं। तं। गंता णामेगे सुमणे भवति। गंता णामेगे दुम्मणे भवति।
गंता णामेगे णोसुमणे णोदुम्मणे भवति। ततो पुरिसजाया। पं। तं। जामीतेगे सुमणे भवति। जामीतेगे दु
म्मणे भवति। जामीतेगे णोसुमणे णोदुम्मणे भवति। एवं जाइस्सामीतेगे सुमणे भवति। ३। ततो पुरिसजा

ठाणांगसू

३ठा

आलावा १२७९ त्रिक कालि उपरि ज्ञाति वा। गाथा। ज्ञा दूछइ। ज्ञास्सि॥ ३॥

नो संनोवउत्ता॰ आहार संज्ञादिक न करइ॥४॥ सन्नो नो सन्नोवउत्ता॰ किहारइक उन प्रवत्तिइ॥४॥

गंता नाम मेगे सुमणे १ दुमणे। २ नो सुमणे। नो दुमणे॥ ३ १३२ बोल उपरि। त्रणि त्रणि आलावा ७६९ एक सम वइ ७७ सड स्त्रव रसगंध

२८

सफर्स। ९ पांच उपरि छछ

ताया। पं। तं। अगंता णामेगे सुमणे भवति। ३। एवं ततो पुरिसजाया। पं। तं। णजामियाग सुमणे भवति। ३। ए हा ततो पुरि
सजाया। पं। तं। णजामियाग सुमणे भवति। ३। ३। एवं आगंता णामेगे सुमणे भवति। एवमीतेगे सुएस्सामीति
णाग सुमणे भवति। ३। एवं एएणं अभिलावेणं गंता य आगंता य। आगंता खलु तधा अणागंता। चिट्ठित्ता चिट्ठि
त्ता। णिसितित्ता चेव। णाचेव। णा चेव दंताय। अ हंताय। छिंदित्ता खलु तधा। अछिंदित्ता। बुतित्ता णासितित्ता चेव
णा चेव दत्ता य। अदत्ता य भुंजित्ता खलु तधा। अभुंजित्ता लभित्ता अलभित्ता पविइत्ता चेव। णा चेव
सुतित्ता असुतित्ता। जुज्झित्ता खलु तधा। अ जुज्झित्ता जइत्ता। अजइत्ता य। पराजिणित्ता चेव॥
णा चेव। सद्दा। रूवा। रसा गंधा। फासा। तादेवा। हाणाय। निसीलस्स। गरहित्ता। पसत्था। पुणसीलवं तस्स
॥ एवं एक्केक्के तिति तिति उ आलावगा भणि यव्वा। सद्दसुणित्ता। णामेगे सुमणे भवति। एवं सुणेमीति
॥ एवं असुणेत्ता णामेगे सुमणे भवति। ३। नसुणेमीति। ३। णसुणिस्सामीति। ३। एवं रूवाइं गंधाइं रसाइं फासाइं
एक्केक्केणं छ छ आलावगा भाणियव्वा। १२७ आलावग भवति। ततो ठाणा णिसीलस्स णिव्वयस्स णिग्गुणस्स
णिम्मेरस्स णिपच्चक्खाणपोसहोववासस्स गरहिता भवति। अस्सिं लोगे गरहिते भवति। अववाते गरहिते भ

ठाणांगसू

वंति। आयाती गरहिता भवति। त ठाणा सुसीलस्स सुव्वयस्स सुगुणस्स सपच्चक्खाणपोसहोववासस्स पसत्था
भवंति। तं। अस्सिं लोगे पसत्थे भवति। उववाए पसत्थे भवति। आजाती पसत्था भवति। तिविधा संसारसमावन्नगा
जीवा पं. तं. इत्थी पुरिसा नपुंसगा। तिविधा सव्वजीवा पं. तं. सम्मद्दिट्ठी मिच्छदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी। अहवा ति
विधा सव्वजीवा पं. तं. पज्जत्तगा अपज्जत्तगा। णोपज्जत्तगा णोअपज्जत्तगा। एवं सम्मद्दिट्ठि परित्ता पज्जत्तगा सु
हुमा सन्नि भविया। तिविधा लोगट्ठिती। पं. तं. आगासपइट्ठिए वाते वातपतिट्ठिए उदधी उदधिप
तिट्ठिया पुढवी। तओ दिसाओ पं. तं. उड्ढा अ दातिरिया। तिहिं दिसाहिं जीवाणं गती पवत्तति उड्ढाते
अहाते तिरियाते। एवं आगती वक्कंती आहारे वुड्ढी निवुड्ढी गतिपरियाते समुग्घाते कालसंजो
गे १ दंसणाभिगमे २ णाणाभिगमे ३ ति। दिवाणं दिसाहिं जीवाणं अजीवाभिगमे पं. तं. उड्ढाते अहाते ति
रियाते ४ एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एवं मणुस्साणवि। तिविधा तसा पं. तं. तेउकाइया वाउकाइया
उराला तसा पाणा। तिविधा थावरा पं. तं. पुढविकाइया आउकाइया वणस्सतिकाइया। तओ अच्छेज्जा पं. तं. सम
ये पदेसे परमाणू। १ एवमभेज्जा २ अडज्झा ३ अगिज्झा ४ अणड्ढा ५ अमज्झा ६ अपएसा ७ तओ अविभातिमा पं. तं.॥ २९

*जीवाभिगमे ४

समाते पदेसे परमाणू। अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोतमादी समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी। किंभया
पाणा समणाउसो। गोयमाती समणा निग्गंथा समणं भगवं महावीरं उवसंकमंति उवसंकमित्ता वंदंति नमंस
ति नमंसित्ता एवं वयासी। णो खलु वयं देवाणुप्पिया एयमट्ठं जाणामो वा पासामो वा। तं जति णं देवाणुप्पि
या एयमट्ठं णो गिलायंति परिकहित्तए तमिच्छामो णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमट्ठं जाणित्तए। अज्जोत्ति
समणे भगवं महावीरे गोयमाती समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी। दुक्खभया पाणा समणा
उसो। से णं भंते दुक्खे केण कडे। जीवेणं कडे पमादेणं। से णं भंते दुक्खे कहं वेतिज्जति। अप्प
मादेणं। अन्नउत्थिया णं भंते एवं आतिक्खंति एवं भासंति एवं पन्नवेंति एवं परूवेंति कहन्नं समणाणं
निग्गंथाणं किरिया कज्जति। तत्थ जा सा कडा कज्जइ नो तं पुच्छंति। तत्थ जा सा कडा नो कज्जति नो तं पुच्छंति। त
त्थ जा सा अकडा नो कज्जति नो तं पुच्छंति। तत्थ जा सा अकडा कज्जति तं पुच्छंति। से एवं वत्तव्वं सिता। अकिच्चं दुक्खं
अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं। अकट्टु अकट्टु पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेदेंतित्ति वत्तव्वं। जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एव
माहंसु। अहं पुण एवमातिक्खामि एवं भासामि एवं पन्नवेमि एवं परूवेमि। किच्चं दुक्खं फुसं दुक्खं कज्जमाणकडं दुक्खं क

ठाणांगसू

इयाणा३दा। जीवा। सन्ना। वयणं वयं तिन्नि। वत्तव्वं सिया। तहप्पगारा सव्वे उ उ इह सउसंघता।।८।। ।।तिहिं ठाणेहिं
मायी मायं कट्टु णो आलोतज्जा। णो पडिक्कमेज्जा। णो णिंदिज्जा। णो गरिहिज्जा। णो उट्टेज्जा। णो विसोहेज्जा।
णो अकरणयाए अब्भुट्टेज्जा। णो अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जेज्जा। तं अकरिंसु वाहं करेमि वाहं
करिस्सामि वाहं। तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोतेज्जा पडिक्कमेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा। अकित्ती
वा मे सिया। अवन्ने वा मे सिया। अविणए वा मे सिया। तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा
वंना। पडिवज्जेज्जा। तं किं वा मे परिहाइस्स तिजसे वा मे परिहाइस्सति। इच्चाइ सक्कारे वा मे परि
हाइस्सति। ३ तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा। पडिक्कमेज्जा। जाव पडिवज्जेज्जा। तं मायी मायं कट्टु अ
स्सिं लोगे गरहिते भवति। उववाए गरहिते भवति। आयाती गरहिया भवति। ३ तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु
आलोएज्जा। जाव पडिवज्जेज्जा। तं अमायिस्स णं। अस्सिं लोगे पसत्थे भवति। उववाते पसत्थे भवति। आयाती पस
त्था भवति। ३ तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा। जाव पडिवज्जेज्जा। तं णाणट्टयाते। दंसणट्टयाते। चरि
त्तट्टयाते। ३ ततो पडिसिज्जा यो पं तं। सुत्तधरे। अत्थधरे। तदुभयधरे। कप्पति। णिग्गंथाण वा। णिग्गंथीण वा। ततो व 30

उगाय• उना• हरि वत्ती• लज्जा निमित्ति• दुगंछा विन्नाय• प्रवचनउड्डाह निमत्ति• २• आयररक्खा• धर्म चोदणाइ कराआत्मा दुर्गतिपडइ उ राखि• त्तुसिणीए
मन्यआ वलंबिइ• एकमेव धनुडा मज्जाणी उठीनइ एकांति जर रहइ• ३• मयका• आणिवारलगइ प्राश्चित देइं सत्त घउ करइ• वच्छीवारसत्ता बाकी घ

त्थाइं धारित्तए वा। परिहरित्तए वा। तं जहा। जंगिते। भंगिते। खोमिते। कप्पइ। निग्गंथाण वा २ तओ पायाइं धारित्तए वा परि
हरित्तए वा। तं। लाउयपाए वा। दारुपाए वा। मट्टियापाए वा। तिहिं ठाणेहिं वत्थं धरेज्जा। तं। हिरिपत्तियं। दुगुंछा
पत्तियं। परिसहवत्तियं। तउ आयरक्खा पं। तं। धम्मियाते पडिचोयणाते पडिचोएत्ता भवति। तुसिणीते वा सि
या। उट्ठित्ता वा। आताते एकंतमंतमवक्कमेज्जा। णिग्गंथस्स णं गिलायमाणस्स कप्पति। ततो वियडदत्तीओ प
डिगाहित्तते। तं उक्कोसा। मज्झिमा। जहन्ना। तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं संभोगियं विसं
भोतियं करेमाणे णातिक्कमति। तं। सतं वा दिट्ठुं। सड्ढस्स वा निसम्मा। तच्चं मोसं आउट्टति। चउ
ठाणाओ आउट्टति। तिविधा अणुन्ना पं तं आयरियत्ताए। उवज्झायत्ताए। गणित्ताते। तिविहा समणुन्ना
पं तं आयरियत्ताते। उवज्झायत्ताते। गणित्ताते। एवं उवसंपया। एवं विजहणा। तिविधे वयणे पं तं। तव्वय
णे। तदन्नवयणे। णोअवयणे। तिविधे अवयणे पं तं। णोतव्वयणे। णोतदन्नवयणे। अवयणे। तिविहे म
णे पं तं। मणे। तयन्नमणे। णोअमणे। तिविहे अमणे पं तं। णोतंमणे। णोतयन्नमणे। अमणे। तिहिं ठा
णेहिं अप्पवुट्ठीकाते सिता। तं। तंसि च णं देसंसि वा। पदेसंसि वा। णो बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य

उज्जाणीग
छवारिरि
काउइ• ५•
लइ दिइं• स
मेव का इस
कअ नावा
रदेवानउ•
सठासिवा•
साधर्मिक
कन्हिसांभ
लोनउ ६
तेव मठो•
घसाद्वि क•
तंत्वयर वय
ठो• तेरुचा
आनेरू• पत्रा•
नोअवमठो
इंकउत्व इ
त्यादि• ८•

ठाणांगसू

उदगत्ताते वक्कमंति। विउक्कमंति। चयंति। उववज्जंति। देवा णागा जक्खा भूता णो सम्मं आराहिता भवंति। अन्नत्थ समुट्ठितं उदगपोग्गलं परिणतं वासितुकामं अन्नं देसं साहरंति। अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठितं परिणतं वासितुकामं वाउकाए विधुणति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिगाते सिता। तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठीकाते सिया। तंसि च णं देसंसि वा पदेसंसि वा बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताते वक्कमंति। विउक्कमंति। चयंति। उववज्जंति। देवा जक्खा नागा भूता सम्मं आराहिता भवंति। अन्नत्थ समुट्ठितं उदगपोग्गलं परिणयं वासितुकामं तं देसं साहरंति। अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठितं परिणयं वासितुकामं णो वाउआते विधुणति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाते सिता। तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए। णो चेव णं संचातेति हव्वमागच्छित्तते। अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते गिद्धे गढिते अज्झोववन्ने से णं माणुस्सते कामभोगे णो आढाति। णो परियाणाति। णो अट्ठं बंधति। णो नियाणं पगरेति। णो ठिइपकप्पं पकरेति। १ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते गिद्धे गढिते अज्झोववन्ने। तस्स णं माणुस्सते पेम्मे वोच्छिन्ने दिव्वे संकंते भवति २ ३१

अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते जाव अज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवति। इण्हिं गच्छं मुहुत्तेणं गच्छं। तेणं कालेणं अप्पाउया माणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचातेति हव्वमागच्छित्तते। तिहिं ठाणेहिं देवे अहुणोववन्ने देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचातेइ हव्वमागच्छित्तते। अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिते अगिद्धे अगढिते अणज्झोववन्ने। तस्स णं एवं भवति। अत्थि णं मम माणुस्सते भवे आयरिएति वा। उवज्झातेति वा। पवत्तीति वा। थेरेति वा। गणीति वा। गणधरेति वा। गणावच्छेतेति वा। जेसिं पभावेणं मते इमा एतारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुती दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते। तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि। कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि। १ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिते जाव अणज्झोववन्ने। तस्स णं एवं भवति। एस णं माणुस्सते भवे णाणीति वा। तवस्सीति वा। अतिदुक्करदुक्करकारगं तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि। २ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु जाव अणज्झोववन्ने

जाव पज्जुवासामि

उदगत्ताए वक्कमंति। विउक्कमंति। चयंति। उववज्जंति। देवा णागा जक्खा भूता। णो सम्ममाराहिता भवंति। अन्नत्थ स
मुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणतं वासितुकामं अन्नं देसं साहरंति। अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठितं परिणतं वासितुका
मं वाउकाए विधुणति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिगाए सिता। तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिता। तंसिं
च णं देसंसि वा पदेसंसि वा बहवे उदगजोणिता जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति। विउक्कमंति।
चयंति। उववज्जंति। देवा जक्खा णागा भूता सम्ममाराहिता भवंति। अन्नत्थ समुट्ठितं उदगपोग्गलं परिण
यं वासितुकामं तं देसं साहरंति। अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठितं परिणयं वासितुकामं णो वाउ
काए विधुणति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिता। तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे दे
वलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएति हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववन्ने देवे दे
वलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते गिद्धे गढिते अज्झोववन्ने से णं माणुस्सते कामभोगे णो आढाति। णो प
रियाणाति। णो अट्ठं बंधति। णो णियाणं पगरेति। णो ठितिपकप्पं पकरेति। १ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु
दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते गिद्धे गढिते अज्झोववन्ने। तस्स णं माणुस्सए पेम्मे वोच्छिन्ने दिव्वे संकंते भवति २ ३२

अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते जाव अज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवति। इयण्हिं न गच्छं
मुहुत्तेणं गच्छं। तेणं कालेणं अप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति। इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने
देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएति हव्वमागच्छित्तए। तिहिं ठाणेहिं दे
वे अहुणोववन्ने देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएति हव्वमागच्छित्तए। अहुणो
ववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिते अगिद्धे अगढिते अणज्झोववन्ने। तस्स णं
एवं भवति। अत्थि णं मम माणुस्सए भवे आयरिएति वा। उवज्झाएति वा। पवत्तीति वा। थेरेति
वा। गणीति वा। गणधरेति वा। गणावच्छेदेति वा। जेसिं पभावेणं मए इमा एतारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा
देवजुती दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते। तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि सक्कारेमि
सम्माणेमि। कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि। १ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभो
गेसु अमुच्छिते जाव अणज्झोववन्ने। तस्स णं एवं भवति। एस णं माणुस्सए भवे णाणीति वा तवस्सीति वा अतिदुक्क
रदुक्करकारगे तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि। २ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु जाव अणज्झोववन्ने त

जाव पज्जुवासामि

ठाणांगसू

आए पच्चायाति अन्निएणं ममस्स माणुस्साते लवमाताति वा जाव सुण्हाति वा तं गच्छामि णं तेसिमं तियं पाउब्भवामि पा
सउ ता मे इमं एतारूवं दिव्वं देविड्ढिं देवजुतिं देवाणुभावं लद्धं पत्तं अभिसमन्नागयं इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं अ
हुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएति हव्वमागच्छित्तए। ३ ततो ठाणाइं दे
वे पीहेज्जा तं माणुस्सगं भवं १ आरिए खेत्ते जम्मं २ सुकुलपच्चायाति ३ तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा तं अ
हो णं मए संते बले संते वीरिए संते पुरिसक्कारपरक्कमे खेमंसि सुभिक्खंसि आयरियउवज्झाए
हिं विज्जमाणेहिं कल्लसरीरेणं णो बहुए सुते अहीते १ अहो णं मए इहलोगपडिबद्धेणं
परलोगपरंमुहेणं विसयतिसितेणं णो दीहे सामण्णपरियाए अणुपालिते २ अहो णं मए इड्ढिरस
सायगरुएणं भोगासंसगिद्धेणं णो विसुद्धे चरित्ते फासिते ३ इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा ति
ठाणाइं विमाणाभरणाइं णिप्पभाइं पासित्ता कप्परुक्खगं मिलायमाणं पासित्ता अप्पणो तेयलेस्सं प
रिहायमाणिं जाणित्ता इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमागच्छेज्जा तं अहो णं मए इमाओ एतारूवाओ दि
व्वाओ देविड्ढीओ दिव्वाओ देवजुतीओ दिव्वाओ देवाणुभावाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागताओ चइतव्वं भविस्सति २ अहो णं मए ३२

उव्विग्गा० खासता॥ विउव्विया० भोगार्थं विकुर्वइ॥ परिजाणिता० तार्थंकरादिकनरवीरवा आवरे ते विमान॥७॥

माउउयं पित्तं सुक्कं तंसि तदुभयसंसट्ठं तप्पढमयाए आहारं आहारेत्ता उववज्जति॥२ अहो णं मए कलमलजंबा
लाते असुतीते उव्वट्टणिताते गब्भवसहीते वसियव्वं भविस्सइ ३ इच्चेतेहिं तिहिं ३ तिसंठिया वि
माणा पं० तं० वट्टा तंसा चउरंसा ३ तत्थ णं जे ते वट्टा विमाणा ते णं पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिता सव्वतो सम
ता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा पन्नत्ता तत्थ णं॥ जे ते तंसा विमाणा ते णं सिंघाडगसंठाणसंठिता दुहतो
पागारपरिक्खित्ता एगतो वेइयापरिक्खित्ता ति दुवारा पं० तत्थ णं जे ते चउरंसा विमाणा ते णं अक्खाडग
संठाणसंठिता सव्वतो समंता वेतियापरिक्खित्ता चउदुवारा पं० तिपइट्ठिया विमाणा पं० तं० घणोदधि ति
पतिट्ठिता घणवातपइट्ठिया उवासंतरपइट्ठि ता तिविधा विमाणा पं० तं० अवट्ठिता वेउव्विता परिजा
णिता तिविधा नेरइया पं० तं० सम्मादिट्ठी मिच्छादि ट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणि
याणं ४ ततो दुग्गतीतो पं० तं० णेरइयदुग्गई तिरियदुग्गई मणुयदुग्गई ५ ततो सुगतीतो पं० तं० सिद्धि
सोगती देवसोगती मणुस्सोगती ६ ततो दुग्गता पं० तं० णेरइयदुग्गता तिरिक्खजोणियदुग्गता मणु
स्सदुग्गता ततो सुगता पं० तं० सिद्धिसोगता देवसुगता मणुस्ससुगता ७ चउत्थभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति

फलितउ॰ काष्टादिकमाजनइ॰ आलाघालतो॰ उवस्रे॰ आजिगदवरीव॰२॰ कंवगिल्न॰ कांइएकघको अन्नादिमेतुकुइ॰ साफुरु॰ गमवादिकनिमितिघाटा आदिनइविषइ साफरतो॰ तेव आसंगपणिवेत॰ साजन इगाउ घालतां कुइ॰४

ठाणांगसू

तउ आणगाइं पडिगापडिवन्नस्स। तं० उस्सनिस्सा। संसत्तिस्सा। वाउलावाणा वहेलवित्तिस्सणं निरुक्कस्सकप्पंति। तउ पाणगा इं पडिमापडिवन्नस्स। तं० तिलोदए। तुसोदए। जवोदए। अहे मत्तविय स्सणं निरुक्कस्स कप्पंति। तउ पाणगाइं पडि गापडिवन्नस्स। तं० आयामए। सोवीरए। सुद्धवियडे। तिविहे उवहडे। पं० तं० फलिहोवहडे। सुद्धोवहडे। संसट्ठोव हडे। तिविहे उग्गहिते। पं० तं० जं च उग्गिण्हति जं च साहरति जं च आसगंसि पक्खिवति। तिविहा उमोय रिया। पं० तं० उवगरणोमोयरिया। भत्तपाणो-मोयरिता। भावोमोयरिता। उवगरणोमोयरिता तिविहा पं० तं० एगवत्थे। एगपाए। चियत्तोवहिसाइज्जणता। तउ ठाणा णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा अ हियाते असुभाते अखमाते अणिस्सेसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति। तं० कूअणता। कक्करणता। अ वज्झाणया। तउ ठाणा णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा हियाते सुहाते खमाते णिस्सेसाए आणुगामियत्ताए भवंति। तं०। अकूअणता। अकक्करणता। अणवज्झाणया। तउ सल्ला। पं० तं०। मायासल्ले। णिदाणसल्ले। मिच्छादंसणसल्ले। तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेयलेस्से भवति। आयावणताते। खंतिखमाते। अपाणगेणं तवोकम्मेणं। तिमासि यं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति ततो दत्तीउ भोयणस्स पडिगाहित्तए ततो पाणगस्स। एगरातियं भिक्खुपडिमं सम्मं अणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तउ ठाणा अहिताते असुभाते अखमाते अ

विवसाय॰ निश्चेयनु करिवु॰ पवखे॰ अवधज्ञानादिकइकरा॰ पवइ॰ इंद्रीइकरी॰ आणुगामि॰ धुआडाकइकरा॰॥

णिस्सेसाते अणाणुगामियत्ताते भवंति। तं०। उम्मायं वा लभिज्जा। दीहकालियं वा रोयातंकं पाउणेज्जा। केव लिपन्नत्तातो धम्मातो भंसेज्जा। एगरातियं भिक्खुपडिमं सम्मं अणुपालेमाणस्स अणगारस्स ततो ठाणा हिताते सुभाते खमाते णिस्सेसाते आणुगामियत्ताए भवंति। उहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा। मणपज्जवनाणे वा से समुप्पज्जेज्जा। केवलिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा। जंबुद्दीवे तउ कम्मभूमीउ पं० तं०। भरहे। एरवते। महाविदे हे। एवं धायइसंडे दीवे पुरच्छिमद्धे। जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। तिविहे दंसणे पं० तं०। सम्मदंस णे। मिच्छदंसणे। सम्मामिच्छदंसणे। तिविहा रुती। पं० तं०। सम्मरुती। मिच्छरुती। सम्मामिच्छरुई। ति विधे पउगे। पं० तं०। सम्मपउगे। मिच्छपउगे। सम्मामिच्छपउगे। तिविधे ववसाते। पं० तं०। धम्मिते ववसा ते। अधम्मिए ववसाते। धम्मियाधम्मिए ववसाते। अहवा तिविधे ववसाते। पं० तं०। पच्चक्खे। पच्चइते। आ णुगामिते। अहवा तिविधे ववसाते। पं० तं०। इहलोइते। परलोइते। इहलोगिते परलोगिते। इहलोगिते ववसाते तिविहे। पं० तं०। लोगिते। वेतिते। सामतिते। लोगिते ववसाते तिविधे। पं० तं०। अत्थे धम्मे कामे। वेतिते ववसाते तिविधे। पं० तं०। रिउव्वेदे। सामवेते। जउव्वेदे। सामतिते ववसाते तिविधे। पं० तं०। णाणे। दंसणे। चरि

देशवा॰ गुरुप्रत्यनीक आचार्यादिकनइ विषइ द्वेष ॥ निरंतर वंदणादिक नुं ॥ नागदत्त दीसे गुरु उपरि जे राग करइ तउ तिउ परि द्वेष करइ ॥ अनइ द्वेष करतउ तेउपरि राग करइ ॥

ठाणांगसू तं॰ ७ तिविधा उ आज्ञाणी पं॰ तं॰ सामा दंडा भेदा॥ ॥ तिविहा पोग्गला पं॰ तं॰ पओगपरिणता मीसापरिणता वीससाप
रिणता॥ तिपतिट्ठिया णरगा पं॰ तं॰ पुढवीपतिट्ठिता आगासपतिट्ठिता आयपतिट्ठिया॥ णेगमसंगहववहाराणं पुढ
विपइट्ठिया उज्जुसुतस्स आगासपतिट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपतिट्ठिया॥ तिविधे मिछत्ते पं॰ तं॰ अकिरिता अ
विणता अन्नाणे॥ अकिरिया तिविधा पं॰ तं॰ पओगकिरिया समुदाणकिरिया अन्नाणकिरिया॥ पओगकिरिया
तिविधा पं॰ तं॰ मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया॥ समुदाण
किरिया तिविधा पं॰ तं॰ अणंतरसमुदाणकिरिया परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकि
रिता॥ अन्नाणकिरिता तिविधा पं॰ तं॰ मतिअन्नाणकिरिता सुतअन्नाणकिरिता विभंगनाणकिरिता॥ अ
विणते तिविहे पं॰ तं॰ देसच्चाती निरालंबणता नाणेपज्जदोसे॥ अन्नाणे तिविधे पं॰ तं॰ देसन्नाणे सव्वन्नाणे
भावन्नाणे॥ तिविधे धम्मे पं॰ तं॰ सुयधम्मे चरित्तधम्मे अत्थिकायधम्मे॥ तिविधे उवक्कमे पं॰ तं॰ धम्मिते उवक्क
मे अधम्मिते उवक्कमे धम्मिताधम्मिते उवक्कमे॥ अहवा तिविधे उवक्कमे पं॰ तं॰ आतोवक्कमे परोवक्कमे तदु
भयोवक्कमे॥ एवं वेयावच्चे अणुग्गहे अणुसट्ठी उवालंभे एवमेक्केक्के तिन्नि तिन्नि आलावगा जहेव उवक्कमे॥ ३५

आगमलागि इं॰ आ॰ व्याख्यात्व रता छइ ॥ तिकां॰ वा ... ति ॥

तिविहा कहा पं॰ तं॰ अत्थकहा धम्मकहा कामकहा॥ तिविहे विणिच्छए पं॰ तं॰ अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए॥
कामविणिच्छए॥ तहारूवं णं भंते समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किंफला पज्जुवासणा॥ सवणफला
॥ से णं भंते सवणे किंफले॥ णाणफले॥ से णं भंते णाणे किंफले॥ विन्नाणफले॥ एवमेतेणं अभिलावेणं
इमा गाहा अणुगंतव्वा॥ सवणे णाणे य विन्नाणे पच्चक्खाणे य संजमे॥ अणण्हते तवे चेव वोदाणे अकिरिया णि
व्वाणे॥१॥ जाव से णं भंते अकिरिया किंफला॥ निव्वाणफला॥ से णं भंते निव्वाणे किंफले॥ सिद्धिगइगमण
पज्जवसाणफले पन्नत्ते समणाउसो॥ तइयट्ठाणस्स तइओ उद्देसओ॥३॥ ॥पडिमापडिवन्न
स्स णं अणगारस्स कप्पंति ततो उवस्सया पडिलेहित्तए तं॰ अहे आगमणगिहंसि वा अहे वियडगि
हंसि वा अहे रुक्खमूलगिहंसि वा॥ एवमणुन्नवेत्तए उवातिणित्तए॥ पडिमापडिवन्नस्स णं अणगारस्स क
प्पंति ततो संथारगा पडिलेहित्तए तं॰ पुढविसिला कट्ठसिला अहासंथडमेव॥ एवमणुन्नवेत्तए उवातिणि
त्तए॥ तिविधे काले पं॰ तं॰ तीते पडुप्पन्ने अणागते॥ तिविधे समए पं॰ तं॰ तीते पडुप्पन्ने अणागते॥ एवं आवलिया
आणापाणू थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते जाव वाससतसहस्से पुव्वंगे पुव्वे जाव ओसप्पिणी॥ तिविधे पोग्ग

लक्खणियाइ पं.तं. तीतपडुप्पन्नअणागते। तिविहे वयणे पं.तं. एगवयणे। दुवयणे। बहुवयणे। अहवा ति
विहे वयणे पं.तं. इत्थिवयणे। पुमवयणे। णपुंसगवयणे। अहवा तिविहे वयणे पं.तं. तीतवयणे पडु
प्पन्नवयणे। अणागयवयणे। तिविहा पन्नवणा पं.तं. णाणपन्नवणा। दंसणपन्नवणा। चरित्तपन्नवणा। ति
विधे सम्मे पं.तं. नाणसम्मे। दंसणसम्मे। चरित्तसम्मे। तिविधे उवघाते पं.तं. उग्गमोवघाते। उप्पायणोव
घाए एवं विसोही। तिविहा आराहणा पं.तं.। णाणाराहणा। दंसणाराहणा। चरित्ताराहणा। णाणाराह
णा तिविधा पं.तं. उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना। एवं दंसणाराहणा वि। चरित्ताराहणा वि। तिविधे
संकिलेसे पं.तं. नाणसंकिलेसे दंसणसंकिलेसे चरित्तसंकिलेसे। एवं असंकिलेसे वि। एवमतिक्क
मे वि। वइक्कमे वि। अइयारे वि। अणायारे वि। तिण्हमतिक्कमाणं आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा। निंदेज्जा गरहे
ज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं. णाणातिक्कमस्स दंसणातिक्कमस्स चरित्तातिक्कमस्स। एवं वइक्कमाण वि अतिचा
राणं अणायाराणं। तिविधे पायच्छित्ते पं.तं. आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे। जंबुद्दीवे
मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तओ अकम्मभूमीओ पं.तं. हेमवते हरिवासे देवकुरा। जंबुद्दीवे मंदरस्स ३५

उत्तरेणं तउ अकम्मभूमीउ पं.तं. उत्तरकुरा रम्मगवासे एरन्नवए। जंबुमंदरस्स दाहिणेणं तउ वासा पं.तं. भरहे
हेमवए हरिवासे। जंबुमंदरउत्तरेणं तउ वासा पं.तं. रम्मगवासे हेरन्नवाते एरवाते। जंबुमंदरदाहिणे
णं तउ वासहरपव्वता पं.तं. चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे। जंबुमंदरउत्तरेणं तउ वासहरपव्वता पं.तं. णी
लवंते रुप्पी सिहरी। जंबुमंदरस्स दाहिणेणं तउ महादहा पं.तं. पउमदहे महापउमदहे तिगिंछदहे त
त्थ णं तउ देवताउ महिड्ढियाउ जाव पलिउवमट्ठितीयाउ परिवसंति तं. सिरी हिरी धीती। एवं उत्तरेण
वि। णवरं केसरिदहे महापोंडरीयदहे पोंडरीयदहे। देवताउ कित्ती बुद्धी लच्छी। जंबु
मंदरदाहिणेणं चुल्लहिमवंताउ वासहरपव्वताउ पउमदहाउ महादहाउ तउ महानदी
उ पवहंति तं. गंगा सिंधू रोहितंसा। जंबुमंदरउत्तरेणं सिहरीउ वासहरपव्वताउ पोंडरीयद्दहाउ म
हादहाउ तउ महानदीउ पवहंति तं. सुवन्नकूला रत्ता रत्तवती। जंबुमंदरपुरत्थिमेणं सीताए महाणदीए उत्तरे
१८ णं तउ अंतरनदीउ पं.तं. गाहावती दहवती पंकवती। जंबुमंदरपुरत्थिमेणं सीताए महाणदीए दाहि
णेणं तउ अंतरणदीउ पं.तं. तत्तजला मत्तजला उम्मत्तजला। जंबुमंदरपच्चत्थिमेणं सीउदाए महाणदीए

इंदाहिणेणं तातो अंतरणदीओ पं. तं. खीरोदा सीहसोता अंतोवाहिणी। जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीतो-
दाए महाणदीए उत्तरेणं तओ अंतरणदीओ पं. तं. उम्मिमालिणी फेणमालिणी गंभीरमालिणी। एवं धायइसं-
डदीवे पुरच्छिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणदीउत्ति णिरवसेसं भाणियव्वं जाव पुक्खरव-
रदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे तहेव निरवसेसं भाणियव्वं ॥ तिहिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा। तं. अहे णं इमीसे र-
यणप्पभाए पुढवीए उराला पोग्गला णिवतेज्जा। तते णं ते उराला पोग्गला णिवतमाणा देसं पुढवी-
ए चलेज्जा। १ महोरगे वा महिड्ढीए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उ-
म्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा। णागसुवन्नाण वा संगामंसि वट्टमाणंसि देसं पुढ-
वीए चलेज्जा ॥ ३ इच्चेतेहिं तिहिं ठाणेहिं केव॥ लिकप्पा पुढवी चलेज्जा। तं. अहे णं इमीसे रयणप्पभाते
पुढवीते घणवाते गुप्पेज्जा। तते णं से घणवाते गुविते समाणे घणोदहिमेएज्जा। तते णं से घणोदही
तेइए समाणे केवलिकप्पं पुढविं चालेज्जा। देवे वा महिड्ढीते वा जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स वा इ-
ड्ढिं जुतिं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलिकप्पं पुढविं चालेज्जा। देवासुरसंगामंसि ३६

वा वट्टमाणंसि वा केवलिकप्पा पुढवी चालेज्जा। इच्चेतेहिं तिहिं तिविहा देवकिब्बिसिया पं. तं. तिपलिओवमट्ठितीता
१ तिसागरोवमट्ठितीता २ तेरससागरोवमट्ठितीया ३ कहि णं भंते तिपलिओवमट्ठितीता देवकिब्बिसिया प-
रिवसंति। उप्पिं जोतिसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थ णं तिपलिओवमट्ठितीता देवकिब्बिसिया परि-
वसंति। १ कहि णं भंते तिसागरोवमट्ठितीता देवकिब्बिसिया परिवसंति। उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं हेट्ठिं स-
णंकुमारमाहिंदे कप्पे एत्थ णं तिसागरोवमट्ठि। देवकिब्बिसिया परिवसंति। २ कहि णं भंते तेरस-
सागरोवमट्ठितीया देवकिब्बिसिया परिवसंति। उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स हेट्ठिं लंतगक-
प्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठितीता देवकि॥ ब्बिसिया परिवसंति। ३ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो
बाहिरपरिसाते देवाणं तिन्नि पलिओवमाइं ठिती पन्नत्ता। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भिंतरपरिसाते
देवीणं तिन्नि पलिओवमाइं ठिती पं. ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो बाहिरपरिसाए देवीणं तिन्नि पलिओवमाइं
ठिती पं. तिविहे पायच्छित्ते पं. तं. णाणपायच्छित्ते दंसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते। ३ तओ अणुग्घातिमा पं.
तं. हत्थकम्मं करेमाणे मेहुणं सेवमाणे राईभोयणं भुंजमाणे। तओ पारंचिता पं. तं. दुट्ठे पारंचिते पमत्ते।

पडू० स्वादाउ२मतकत्रकुरु॥ तथा स्त्रीनासह मानसदोषादित्रकुरु॥ तथा ज्ञातिभडु॥२॥ दुसन्ना० सम्मावता दोस्वा॥ दुष्टः दुष्टा त्मा॥ मूढः॥ वगुह्य० ऊमतया
ग्राही॥४॥ सामायकचारित्र॥६॥ पंचमहाव्रतादि॥ निवेसमाण० परिहारविसुद्धचारित्र नइविसमप्रवेशकरिवुं॥८॥ निवठि० परिहारविसुद्धचारि
त्रथकानीसरवानास्थिति॥८॥

पारंचिते। अन्नमन्नं करेमाणे पारंचिते ३। ततो अणवठ्ठप्पा पं. तं. साहम्मियाणं तेणं करेमाणे। अन्नसाहम्मिया-
णं तेणियं करेमाणे। हत्थातालं दलयमाणे। ततो णो कप्पंति पव्वावित्तए। तं. पंडए वातिए कीवे। एवं मुंडावि-
त्तए सिक्खावित्तए उवट्ठावेत्तए संभुंजित्तए संवासित्तए। ततो अवायणिज्जा पं. तं. अविणीए विगतीपडिबु-
द्धे। अविओसवितपाहुडे। ततो कप्पंति वातित्तए। ततो विणीए अविगतीपडिबद्धे। विओसवियपाहुडे। तओ
दुसन्नप्पा पं. तं. दुट्ठे मूढे वुग्गाहिते। तओ सुसन्नप्पा पं. तं. अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिते। ततो मंडलि- अ
यपव्वता पं. तं. माणुसुत्तरे कुंडलवरे॥ रुयगवरे। ततो महतिमहालता पं. तं. जंबुद्दीवे
यमंदारश्च। सयंभुरमणसमुद्दे बंभलोए कप्पे। तिविधा कप्पठिती पं. तं. सामाइयकप्प-
ठिती। छेदोवट्ठावणियकप्पठिती णिव्विसमाणकप्पठिती। अहवा तिविहा कप्पठिती पं. तं. णिव्विट्ठकप्प-
ठिती जिणकप्पठिती थेरकप्पठिती। नेरइयाणं ततो सरीरगा पं. तं. वेउव्विते तेयए कम्मए। असुरकु-
माराणं ततो सरीरगा एवं चेव सव्वेसिं देवाणं। पुढविकाइयाणं ततो सरीरगा पं. तं. ओरालिते तेयए
कम्मए। एवं वाउकाइयवज्जाणं जाव चउरिंदियाणं। गुरुं पडुच्च ततो पडिणीता पं. तं. आयरियपडिणीते ३३

इहलोकनानास्तिपाइइतेप्रतिनीक०१

उवज्झायपडिणीते। थेरपडिणीते। गतिं पडुच्च ततो पडिणीया पं. तं. इहलोयपडिणीए परलोयपडिणीए दुह-
ओलोगपडिणीए। समूहं पडुच्च ततो पडिणीता पं. तं. कुलपडिणीए गणपडिणीए संघपडिणीते। अणुकं-
पं पडुच्च ततो पडिणीता पं. तं. तवस्सिपडिणीए गिलाणपडिणीए सेहपडिणीए। भावं पडुच्च ततो पडिणी-
ता। तं. णाणपडिणीए दंसणपडिणीए चरित्तपडिणीए। सुयं पडुच्च ततो पडिणीता पं. तं. सुत्तपडिणीते
अत्थपडिणीते तदुभयपडिणीए। ततो पि-तियंगा पं. तं. अट्ठी अट्ठिमिंजा केसमंसुरोमनहे। तओ मा-
उयंगा पं. तं. मंसे सोणिते मत्थुलिंगे। तिहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे महानिज्जरे महापज्जव-
साणे भवति। तं. कया णं अहं अप्पं वा बहुं वा सुयं अहिज्जिस्सामि। कया णं अहं एकल्लविहारप-
डिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि। कया णं अहं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिते भत्तपाणप-
डियाइक्खिते पाओवगते कालं अणवकंखमाणे विहरिस्सामि। एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे
निग्गंथे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवति। तिहिं ठाणेहिं समणोवासते महानिज्जरे महापज्जवसाणे
भवति। कया णं अहं अप्पं वा बहुयं वा परिग्गहं परिच्चइस्सामि। कया णं अहं मुंडे भवित्ता आगारातो अण

परमाणु।परमाणु अनइ आडिआ वइ।ते लइ गतिहणाइ॥ लुखपणाइ गति हणाइ॥ लोक नइ अंतिगति हणाइ॥४॥ छद्मस्थ मनुष्य नइ एक नेत्र
वरक्कु॥ देवतानइ २ नेत्र बाहु अवधिज्ञान॥ केवलीनइ नेत्र बीजु श्रुतज्ञान॥ओ ओ अवधि मनःपर्यायज्ञान॥२॥

ठाणांगसू गारियं पवइस्सामि।२ कयाणं अहं अपछिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिते भत्तपाणपडियातिक्खाते पा
उवगते कालं अणवकंखमाणे विहरिस्सामि।३ एवं समणसा।सवयसा।सकायसा।पागडेमाणे।समणोवास
ए महानिझरे महापज्जवसाणे भवति। तिविहे पोग्गलपडियाते पं।परमाणुपोग्गले।परमाणुपोग्गलं पप्प
डिहनिज्जा। लुक्खत्ताते वा पडिहणिज्जा। लोगंते वा पडिहनिज्जा। तिविहे चक्खू।पं।तं।एगंचक्खू।बेचक्खू।ति
चक्खू। छउमत्थाणं मणुस्सए चक्खू। देवा बिचक्खू। तहारूवसमणस्स वा।माहणस्स वा।उप्पन्ननाणदंसणध
रे से णं तिचक्खू। तिविधे अ भिसमागमा।पं।तं।उड्ढं।अहं।तिरियं। जया णं तहारू
वस्स समणस्स वा।माहणस्स वा।अतिसेसना णदंसणे समुप्पज्जति।से णं तप्पढमताते उड्ढमभिसमेति
ततो तिरितं।ततो पच्छा अहं।अहोलोगे णं दुर भिगमे पन्नत्ते।समणाउसो।तिविहा इड्ढी।पं।तं।देवड्ढी।राइ
ड्ढी।गणिड्ढी।देवड्ढी।पं।तं।विमाणड्ढी।विगुव्वणिड्ढी।परियारणिड्ढी।अहवा देविड्ढी तिविहा।पं।तं।सचित्ता।अचित्ता
मीसिता।राइड्ढी।तिविधा।पं।तं।रन्नो।अतियाणिड्ढी।रन्नो निज्जाणिड्ढी।रन्नो बलवाहण।कोस।कोठागारिड्ढी।अ
हवा राइड्ढी तिविहा।पं।तं।सचित्ता।अचित्ता।मीसिता।गणिड्ढी तिविहा।पं।तं।णाणिड्ढी।दंसणिड्ढी।चरित्तिड्ढी।अह ३८

वा गणिड्ढी तिविहा।पं।तं।सचित्ता।अचित्ता।मीसिया।ततो गारवा।पं।तं।इड्ढीगारवे।रसगारवे।सातागारवे।तिवि
धे करणे।पं।तं।धम्मिते करणे।अधम्मिए करणे।धम्मिताधम्मिए करणे।तिविहे भगवता धम्मे।पं।तं।सुअहिज्झिते।सु
ज्झाति।तो सुतवस्सितो।जया सुअहिज्झियं भवति।तदा सुज्झातियं भवति।जया सुज्झातियं भवति।तदा सुत
वस्सियं भवति।से सुअहिज्झिते सुज्झातिते।सुतव स्सिते सुयक्खाते णं भगवता धम्मे पन्नत्ते।तिविधा वत्ती।पं।तं
जाणू।अजाणू।वितिगिच्छा।एवामज्झोववज्जणा।परि यावज्जणा।तिविधे अंते।पं।तं।लोगंते।वेयंते।समयंते
ततो जिणा।पं।तं।ओहिजिणे।मणपज्जव णाणजिणे।केवलनाणजिणे।ततो केवली।पं।त
ओहिनाणकेवली।मणपज्जवनाणकेवली। केवलनाणकेवली।ततो अरहा।पं।तं।ओहिनाणअर
हा।मणपज्जवनाणअरहा।केवलनाणअरहा ततो लेसाओ दुब्भिगंधाओ।पं।तं।कण्हलेसा।णीललेसा।का
उलेसा।ततो लेसाओ सुब्भिगंधाओ।पं।तं।तेउपम्हसुक्कलेसा।एवं दुग्गतिगामिणीओ।सोग्गतिगामिणीओ।सं
किलिट्ठाओ।असंकिलिट्ठाओ।अमणुन्नाओ।मणुन्नाओ।अविसुद्धाओ।विसुद्धाओ।अप्पसत्थाओ।पसत्थाओ।सीतलुक्खाओ
णिद्धुण्हाओ।तिविहे मरणे।पं।तं।बालमरणे।पंडियमरणे।बालपंडियमरणे।बालमरणे तिविहे।पं।तं

DR BHAU DAJI MEMORIAL
डाक्टर भाऊदाजी

ठाणांगसू

ठितलेसा। संकिलिट्ठलेसा पज्जवजातलेसा। पंडियमरणे तिविहे पं तं ठितलेसा असंकिलिट्ठलेसा अप
ज्जवजातलेसा ३ बालपंडितमरणे तिविहे पं तं ठितलेसा असंकिलिट्ठलेसा अपज्जवजातलेसा। तओ
ठाणा अव्ववसितस्स अहिताते असुभाते अखमाते अणिस्सेसाते अणाणुगामियत्ताते भवंति। तं से णं
मुंडे भवित्ता अगारातो अणगारियं पव्वइते। णिग्गंथे पावयणे संकिते कंखिते वितिगिच्छिते भेदसमा
वन्ने कलुससमावन्ने णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहति णो पत्तियति णो रोयति। तं परिस्सहा अभिजुं
जिय २ अभिभवंति णो से परिस्सहे अभि जुंजिय २ अभिभवइ। से णं मुंडे भवित्ता अगारातो
अणगारियं पव्वइते पंचहिं महव्वएहिं संकि ते जाव कलुससमावन्ने पंच महव्वताइं णो सद्दहति
जाव णो से परिस्सहे अभिजुंजिय २ अभिभव ति। से णं मुंडे भवित्ता अगारातो अणगारियं पव्वइते छहिं
जीवनिकाएहिं अभिभवइ। ३ तओ ठाणा ववसियस्स हिताते जाव अणुगामियत्ताते भवंति। तं से णं मुंडे भवित्ता अ
गारातो अणगारियं पव्वइते। णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिते णिक्कंखिते जाव नो कलुससमावन्ने णिग्गंथं पावय
णं सद्दहति पत्तियति रोएति। से परिस्सहे अभिजुंजिय २ अभिभवति। नो तं परिस्सहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति ३५

से णं मुंडे भवित्ता अगारातो अणगारियं पव्वइते समाणे पंचहिं महव्वएहिं णिस्संकिए जाव परिस्सहे अभिजुंजि
य २ अभिभवइ। नो तं परिस्सहा अभिजुंजिय अभिभवंति। से णं मुंडे भवित्ता अगाराउ अणगारियं पव्व
इए छहिं जीवनिकाएहिं णिस्संकिते जाव परिस्सहे अभिजुंजिय २ अभिभवति। नो तं परिस्सहा अभिजुंजिय २ अभि
भवंति। ३ एगमेगा णं पुढवी तिहिं वलएहिं सव्व ओ समंता संपरिक्खित्ता। तं घणोदधिवलएणं घणवातवल
एणं तणुवायवलएणं। नेरइयाणं उक्कोसे णं तिसमतितेणं विग्गहेणं उववज्जंति। एगिंदियवज्जं
जाव वेमाणियाणं। खीणमोहस्स णं अरहो तओ कम्मंसा जुगवं खिज्जंति। तं णाणावरणिज्जं दं
सणावरणिज्जं अंतरातियं। अभिईणक्खत्ते तारे पं। तं एवं सवणे अस्सिणी भरणी मगसिरे पूसे
जेट्ठा ३ धम्माओ णं अरहाओ संती अरहा तिहिं सागरोवमेहिं तिचउभागपलिउवमऊणएहिं वीतिक्कंतेहिं
समुप्पन्ने। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी। मल्ली णं अरहा तिहिं
पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइते। एवं पासेवि। समणस्स णं भगवतो महावीरस्स तिन्नि सया चउ
द्दसपुव्वीणं। अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसन्निवातीणं जिणा इव अवितहं वागरमाणं ३

क्कोसिया। तिहुसपुढविसुं पयाकुज्जा। तव तिविढ यरावक वही ठाधा। तं संताकुंड। आराउ गागागविज्ज विमाणप
त्थडा पन्नत्ता। तं। हिट्ठिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे। मज्झिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे। उवरिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे॥
हिट्ठिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे तिविहे पं। तं। हिट्ठिमहेट्ठिमगेविज्ज विमाणपत्थडे। हिट्ठिममज्झिमगेविज्ज। हिट्ठिम
उवरिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे। मज्झिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे तिविहे पं। तं मज्झिमहिट्ठिमगगेविज्ज विमा
णपत्थडे मज्झिममज्झिमगगेविज्ज मज्झिमउवरिम। मगेविज्ज। उवरिमउवरिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे तिवि
हे पं। तं। उवरिमहिट्ठिमगगेविज्ज उवरिम। मज्झिमगगेविज्ज उवरिमउवरिमगगेविज्ज विमाणपत्थडे। जी
वाणं तिट्ठाणणिव्वत्तिते पोग्गले पावकम्मत्ता। ए चिणिंसु वा चिणिंति वा। चिणिस्संति वा। तं इत्थिणिव्व
त्तिते। पुरिसनिव्वत्तिते। णपुंसगणिव्वत्तिते। एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेदतह णिज्जरा चेव। ति
पातसिताखंधा अणंता पन्नत्ता। एवं जाव तिगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता॥ तिट्ठाणं ततियं अज्झयणं सम्मत्त
॥३॥ ॥चत्तारि अंतकिरियाओ पं। तं। तत्थ खलु इमा पढमा अंतकिरिया। अप्पकम्मपच्चायाते यावि भवति।
सेणं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वतिते संजमबहुले संवरबहुले समाहिबहुले लूहे तीरट्ठी।

उवहाणवं। दुक्खक्खवे तवस्सी। तस्सणं णो तहप्पगारे तवे भवति। णो तहप्पगारा वेयणा भवति। तहप्पगारे पुरि
सजाते दीहेणं परियाएणं सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वाति सव्वदुक्खाणमंतकरेइ। जहा से भरहे राया चाउर
तचक्कवट्टी। पढमा अंतकिरिया। २ अहावरा दोच्चा अंतकिरिया। महाकम्मपच्चायाते यावि भवति। सेणं मुंडे भवित्ता
अगाराओ अणगारियं पव्वतिते संजमबहुले संवरबहुले जाव उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी। तस्सणं त
हप्पगारे तवे भवति। तहप्पगारा वेयणा भवति। तहप्पगारे पुरिसजाते निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झ
ति जाव अंतं करेति। जहा से गयसुमाले अणगारे दोच्चा अंतकिरिया। ३ अहावरा तच्चा अं
तकिरिया। महाकम्मपच्चाते यावि भवति। सेणं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वतिते। जह
दोच्चा नवरं दीहेणं परियाएणं सिज्झति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेति। जहा से सणं कुमारे राया चाउर
तचक्कवट्टी तच्चा अंतकिरिया। ४ अहावरा चउत्था अंतकिरिया। अप्पकम्मपच्चायाते यावि भवति। सेणं मुंडे
भवित्ता जाव पव्वतिते संजमबहुले जाव तस्सणं णो तहप्पगारे तवे भवति। तहप्पगारा वेयणा भवति। त
हप्पगारे पुरिसजाए णिरुद्धेणं परियाएणं सिज्झति। जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेति। जहा सा मरुदेवा भग

उच्चुगाति ३।३।२६ गति उच्चु ३।३।२ निवो ४ गति उन्नत म उच्चे गुणो ॥ ५॥

ठाणांगसू
ठाणा ४

वती । एवं जाव अंतकिरिया । ४ चत्तारि रुक्खा पं० तं० उन्नए नाममेगे उन्नए १ उन्नए नाममेगे पणए २ पणए नाममेगे
उन्नते ३ पणए नाममेगे पणते । ४ एवं चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० उन्नए नाममेगे उन्नए तहेव जाव पणए नाममे
गे पणए । चत्तारि पं० तं० उन्नए नाममेगे उन्नयपरिणए उन्नए नाममेगे पणयपरिणए ३ पणए नाममेगे उन्न
यपरिणए पणए नाममेगे पणयपरिणए ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए नाममेगे उन्नय
परिणए तहेव चउभंगो । ४ चत्तारि रुक्खा पं० तं० उन्नए नाममेगे उन्नयरूवे तहेव चउभंगो । ४ एवामेव चत्ता
रि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए नाममेगे उन्नयमणे ४ एवं संकप्पे । पन्ने दिट्ठी । सीलाचारे पर ×ववहारे×६
क्कमे । एगे पुरिसजाए पडिवक्खो नत्थि । ४ चत्तारि रुक्खा पं० तं० उज्जू नाममेगे उज्जू नाममेगे वंके च ×उज्जू×१
उ भंगो । ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० उज्जू नाममेगे उज्जू ४ एवं जहा उन्नतपणतेहिं गमो तहा उज्जुवं
केहि वि भाणियव्वो । जाव परक्कमे । पडिमापडिवन्ने समणमणगारं कप्पंति । चत्तारि भासाओ भासित्तए । तं० जाय
णी पुच्छणी अणुन्नवणी पुट्ठस्स वागरणी । चत्तारि भासाजाता पं० तं० सच्चमेगं भासज्जायं बीयं मोसं तइयं सच्चा
मोसं चउत्थं असच्चामोसं ४ चत्तारि वत्था पं० तं० सुद्धे नाममेगे सुद्धे १ सुद्धे नाममेगे असुद्धे २ असुद्धे नाममे ४१

पुत्र तथाऽतिजात्तिरूपः बाप थकी अधिके गुणे जिम वसुदेव राजानु पुत्र वासुदेव ॥ अनुजातः बाप ना सरिखा गुण जिम ... पुत्र अनुपुत्र ॥ अपजातः
बाप थकी ऊगुणो ... जिम ... सुत ॥ कुलिंगाल ... कंडरीक ॥२॥ कुरव ॥ कोऊ फल ॥ वल्लि ... का लिंगा
ढिक ॥ मिंढविसाण ... ॥७॥

गे सुद्धे ३ असुद्धे नाममेगे असुद्धे । ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे चउभंगो ४ एवं प
रिणतरूवे । ४ वत्था सपडिवक्खा । चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धमणे । चउभंगो ४ एवं संकप्पे जा
व परक्कमे । चत्तारि सुता पं० तं० अतिजाते अणुजाते अवजाते कुलिंगाले । चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० सच्चे ना
मं एगे सच्चे । सच्चे नाममेगे असच्चे ४ एवं परिणते जाव परक्कमे । चत्तारि वत्था पं० तं० सुती णाममेगे सुती । सुई
नाममेगे असुती चउभंगो ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० सुती नाममेगे सुती चउभंगो । एवं
जहेव सुद्धेणं वत्थेणं भणितं तहेव सुतिणा वि जाव परक्कमे । चत्तारि कोरवा पं० तं० अंबपल
बकोरवे तालपलंबकोरवे वल्लिपलंबकोरवे मेंढविसाणकोरवे । एवामेव चत्तारि पुरिस
जाता पं० तं० अंबपलंबकोरवसमाणे तालपलंबकोरवसमाणे वल्लिपलंबकोरवसमाणे मेंढविसा
णकोरवसमाणे । चत्तारि घुणा पं० तं० तयक्खाते छल्लिक्खाते कट्ठक्खाते सारक्खाते । एवामेव चत्तारि भिक्खागा पं
० तं० तयक्खायसमाणे जाव सारक्खायसमाणे । तयक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स सारक्खायसमाणे तवे पन्नत्ते
सारक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स तयक्खायसमाणे तवे पन्नत्ते । छल्लिक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स कट्ठक्खाय

समाणे न विद्धंसेत्ते। कूडागारसमाणे सालं लिंखागारे बलिखाग्रसमाणे तवं संसारे। चउविहा वणस्सतिकाति
ता। पं। तं। अग्गबीया। मूलबीया। पोरबीया। खंधबीया। चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने नेरइए णिरयलोगंसि
इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए। णो चेव णं संचाएति हव्वमागच्छित्तए। १ अहुणोववन्ने नेरइए णिरय
लोगंसि समुब्भूयं वेयणं वेयमाणे इच्छेज्जा। मा णुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए। णो चेव णं संचाएति। हव्वमाग
च्छित्तए। २ अहुणोववन्ने नेरइए निरयलोगंसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा
माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए। णो चेव णं संचाएति हव्वमागच्छित्तए। ३ अहुणोववन्ने नेरइए
निरयवेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइतंसि अणिज्जिन्नंसि इच्छेज्जा। नो चेव णं संचाएति णिरय
लाउअंसि कम्मंसि णो त्ववणं संचाएति हव्वमागच्छित्तए। इच्चेतेहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने नेरइते
जाव नो चेव णं संचाएति हव्वमागच्छित्तए। ४ कप्पंति णिग्गंथीणं चत्तारि संघाडीओ। धारित्तए वा परिहरित्तए वा। तं
एगं दुहत्थवित्थारं। दो तिहत्थवित्थाराओ। एगं चउहत्थवित्थारं। चत्तारि झाणा। पं। तं। अट्टज्झाणे। रोद्दज्झाणे। धम्मज्झाणे।
सुक्कज्झाणे। अट्टज्झाणे चउव्विहे। पं। तं। अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसतिसमन्नागते यावि भव ४२
अमनोज्ञ कहतां पाडूआ शब्दादिक तेहनउ संयोग उपनउ तिवारइ तेहना वियोगनी चिंता करइ जाणइ एहनउ वियोग थाइ
तउ वारु॥

मनोज्ञ शब्दादिक तेहनइ संयोगि उपनइ तिहनउ अवियोगनी चिंतवइ। इम जाणइ एहनउ विरह म थाउ॥२॥ आर्तो कहतां रोग ऊपनउ
तेहनउ वियोगनी चिंतवइ॥ परिजु कहतां प्रीतिकारियउ काम भोगनउ संयोग ऊपनउ जा एथी तेहनउ अवियोगनी चिंतवइ
ति। मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमन्नागते यावि भवति। २ आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्प
ओगसतिसमन्नागते यावि भवति। ३ परिज्झुसितकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमन्नागते यावि
भवति। अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा। पं। तं। कंदणता। सोतणता। तिप्पणता। परिदेवणता। रुद्दज्झाणे च
उव्विहे। पं। तं। हिंसाणुबंधि। मोसाणुबंधि। तेणाणुबंधि। सारक्खणाणुबंधि। रुद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा।
पं। तं। उस्सन्नदोसे। बहुदोसे। अन्नाणदोसे। आमरणंतदोसे। धम्मज्झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे
पं। तं। आणाविजए। अवायविजए। विवागविजए। संठाणविजए। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि
लक्खणा। पं। तं। आणारुई। णिसग्गरुई। सुत्तरुई। ओगाढरुई। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा
पं। तं। वायणा। पडिपुच्छणा। परियट्टणा। अणुप्पेहा। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ। पं। तं। अणिच्चा
णुप्पेहा। असरणाणुप्पेहा। संसाराणुप्पेहा। सुक्कज्झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे। पं। तं। पुहुत्तवितक्के सवि
यारी। एगत्तवितक्के अवियारी। सुहुमकिरिए अणियट्टी। समुच्छिन्नकिरिए अप्पडिवाती। सुक्कस्स णं झाणस्स च
त्तारि लक्खणा। पं। तं। अव्वहे। असंमोहे। विवेगे। विउस्सग्गे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा। पं। तं। खं
दिकनइ विषइ प्रवर्त्ते बहुदोष ते बहुलदोष॥ अज्ञान कुशास्त्रसंस्कार तेहथी हिंसादिक अधर्म स्वरूपेषु धर्मबुद्धय...
अज्ञानदोष॥ आमरणांत सदैव दोष॥ आणावि० आज्ञानउ निरणउ॥ अवा० अपाय ते रागद्वेष... विव
...विपाक... कर्म तेहनउ॥ संठा० द्वीपसमुद्र निरणउ॥ ... उपदेश रुची॥

ता।पुत्ते।महावीरे।अछावसु कम्मसुं णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पं।तं।अणंतवत्तियाणुप्पेहा।विप्परिणामाणुप्पे
हा।असुभाणुप्पेहा।अवायाणुप्पेहा। चउव्विहा देवाण ठिती पं।तं।देवे णामेगे।देवसिणाते नामेगे।देव
पुरोहिते नामेगे।देवपज्जलणे नामेगे।चउव्विहे संवासे पं।तं।देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा
।देवे णाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा।छवी णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा।छवी णाममेगे छवी
ते सद्धिं संवासं गच्छेज्जा।चत्तारि कसाया पं।तं।कोहकसाए।माणकसाए।मायाकसाए।लोभकसाए
एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं।२४ चउपतिट्ठिते कोहे पं।तं।आतपइट्ठिए।परपतिट्ठिए।
तदुभयपतिट्ठिते।अपतिट्ठिए।एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं।२४ एवं जाव लोभे।वेमाणियाणं
।२४ चउहिं ठाणेहिं कोधुप्पत्ती सिता।तं।खेत्तं पडुच्चा।वत्थुं पडुच्चा।सरीरं पडुच्चा।उवहिं पडुच्चा।एवं णेरइया
णं जाव वेमाणियाणं।२४ जाव लोभे वेमाणियाणं २४ चउव्विधे कोहे पं।तं।अणंताणुबंधी कोहे।अपच्चक्खाणे कोहे
।पच्चक्खाणावरणे कोहे।संजलणे कोहे।एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं।२४ एवं जाव लोभे वेमाणिया २
४ चउव्विहे कोहे पं।तं।आभोगणिव्वत्तिए।अणाभोगणिव्वत्तिए।उवसंते।अणुवसंते।एवं णेरइयाणं जाव ४३

माणियाणं।२४ एवं जाव लोभे वेमाणियाणं।२४ जीवा णं चउहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिंसु।तं।कोहेणं
माणेणं।मायाए।लोभेणं।एवं जाव वेमाणियाणं।२४ एवं चिणंति।एस दंडओ।एवं चिणिस्संति।एस दंडओ।एवमे
तेणं तिन्नि दंडगा।एवं उवचिणिंसु।उवचिणंति।उवचिणिस्संति।बंधिंसु ३ उदीरिंसु ३ वेदेंसु ३ निज्जरिंसु।णि
ज्जरेंति।निज्जरिस्संति जाव वेमाणियाणं।एवमे।छक्कपदं ति चउवीसदंडगा णेयव्वा।जाव निज्जरिस्संति।च
त्तारि पडिमाओ पं।तं।समाहिपडिमा।उवहाणपडिमा।विवेगपडिमा।विउस्सग्गपडिमा।चत्तारि पडिमा
।पं।तं।भद्दा।सुभद्दा।महाभद्दा।सव्वतोभद्दा।चत्तारि पडिमाओ पं।तं।खुड्डिया मोयपडिमा।महल्
लिया मोयपडिमा।जवमज्झा।वइरमज्झा।चत्तारि अत्थिकाया अजीवकाया पं।तं।धम्मत्थिकाए।अधम्म
त्थिकाए।आगासत्थिकाए।पोग्गलत्थिकाए।चत्तारि अत्थिकाया अरूविकाया पं।तं।धम्मत्थिकाए।अधम्मत्थि
काए।आगासत्थिकाए।जीवत्थिकाए।चत्तारि फला पं।तं।आमे णाममेगे आममहुरे।आमे णाममेगे पक्कमहुरे
।पक्के णाममेगे आममहुरे।पक्के णाममेगे पक्कमहुरे।एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं।तं।आमे णाममे
गे आमफलसमाणे।४ चउव्विहे सच्चे पं।तं।काउज्जुयया।भासुज्जुयया।भावुज्जुयया।अविसंवायणाजोगे
सव्व उ० एकेकी दिसइं अहोरात्र ॥८॥ खुडि० उ कृष्णे १६ स कं परि० जघन्य १४ स कं॥ महल्लि० जघन्य १६ स कं। जिमा पडि
वे जइ उ १८ स कं २ पार २॥

व संपासंति॰ आयरा पासे छहं पुणो अने रान्नु नहे मए ७॥ ... नो ... तेन वदिमत शिष्य॰ ... विसंवादि साधु गुरु ...
... ३। ... २ ... ३ ... सा धु ३ ... तिन कल्याणवा ... नात॥ ७॥

ठाणांग४ चउव्विहे मोसे। पं.तं. काय अणुज्जुयया। भासअणुज्जुयया। भावअणुज्जुयया। विसंवादणाजोगे। चउव्विहे प
णिहाणे। पं.तं. मणपणिहाणे। वइपणिहाणे। कायपणिहाणे। उवकरणपणिहाणे। एवं ... पंचिंदि ४ म... ४२
याणं। जाव वेमाणियाणं। चउव्विहे सुप्पणिहाणे। पं.तं. जाव उवगरणसुप्पणिहाणे। एवं संजयमणुस्सावि
चउव्विहे दुप्पणिहाणे। पं.तं. मणदुप्पणिहाणे जाव उवकरणदुप्पणिहाणे। एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणि
याणं। ४ चत्तारि पुरिसजाया। पं.तं. आवात भद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए संवासभद्दए णाममेगे णो आवात ४ संवासभद्द ९४५
भद्दए ... गे आवातभद्दएवि संवासभ द्दएवि एगे णो आवायभद्दए णो संवासभद्दए। चत्ता
रि पुरिसजाया। पं.तं. अप्पणो णाममेगे वज्जं पासति णो परस्स। परस्स णाममेगे वज्जं पासति। ४। चत्तारि पुरि
सजाया। पं.तं. अप्पणो णाममेगे वज्जं उदीरेति णो परस्स। चत्तारि पुरिसजाया। पं.तं. अप्पणो णाममेगे वज्जं
उवसामेति णो परस्स। ४। चत्तारि पुरिसजाया। पं.तं. अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेति। ४। एवं वंदेति णाममेगे णो
वंदावेइ। ४। एवं सक्कारेइ। सम्माणेति। पूएइ। वाएइ। पडिपुच्छति। पुच्छेइ। वागरेति। सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थ
धरे। अत्थधरे णाममेगे णो सुत्तधरे। ४। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चत्तारि लोगपाला। पं.तं. सोमे ४४

जमे। वरुणे। वेसमणे। एवं बलिस्सवि। सोमे जमे। वेसमणे। वरुणे। धरणस्स कालपाले। कोलपाले। सेलपाले
संखपाले। एवं भूयाणंदस्स चत्तारि लोगपाला। कालपाले। कोलपाले। संखपाले। सेलपाले। वेणुदेवस्स चि
त्ते। विचित्ते। चित्तपक्खे। विचित्तपक्खे। वेणुदालिस्स चित्ते। विचित्ते। विचित्तपक्खे। चित्तपक्खे। हरिकंतस्स पभे। सुप्पभे
पभकंते। सुप्पभकंते। हरिस्सहस्स पभे। सुप्पभे। सुप्पभकंते। पभकंते। अग्गिसिहस्स तेउ। तेउसिहे। तेउक
ते। तेउप्पभे। अग्गिमाणवस्स तेउ। तेउसिहे। तेउप्पभे। तेउकंते। पुन्नस्स रूए। रूयंसे। रूयकंते
रूयप्पभे। एवं विसिट्ठस्स रूए। रूयंसे। रूय प्पभे। रूयकंते। जलकंतस्स। जले। जलरते। ज
४ जलप्पभे १ लकंते। जलप्पभे। जलप्पहस्स। जले। जलरए जलकंते। अमियगतिस्स। तुरियगती। खिप्पगती। सीह
विक्कमगती। अमितवाहणस्स तुरियगती। खिप्प गती। सीहविक्कमगती। सीहगती। वेलंबस्स। काले। म
हाकाले। अंजणे। रिट्ठे। पभंजणस्स काले। महाकाले। रिट्ठे। अंजणे। घोसस्स आवत्ते। वियावत्ते। णंदियावत्ते
महाणंदियावत्ते। महाघोसस्स आवत्ते। वियावत्ते। महाणंदियावत्ते। णंदियावत्ते। १० सक्कस्स। सोमे जमे
वरुणे। वेसमणे। ईसाणस्स सोमे जमे। वेसमणे। वरुणे। एवं एगंतरिता जाव अच्चुतस्स। चउव्विहा वाउकुमारा

MEMORIAL

परिकर्म-सिद्धश्रेण्यादिकनो विवरणं॥ सूत्रादि- आवश्यकादि बहुश्रुतपरिवार तां च तत्रास्ये- पुद्गल- पुर्वगत आव॥ अनुयोग तीर्थकरादि
क। चक्रवर्त्यादिकना मातापितादिकनो विचार॥ प्रमाण काल- पल्यादिकनो अनुप्रमाण॥ अद्धा काल- समयादिक आउ क्रियादि॥२॥
पाताल कलसस्वामि नु॥१

ठाणांगसू(त्र)

पं० तं० काले। महाकाले। वेलंबे। पभंजणे। चउव्विहा देवा पं० तं० भवणवासी। वाणमंतरा। जोइसिया। वेमाणिया
वासीणं। चउव्विहे पमाणे पं० तं० दव्वप्पमाणे। खेत्तप्पमाणे। कालप्पमाणे। भावप्पमाणे। चत्तारि दिसा कुमारिम
हत्तरियाओ पं० तं० रूया। रूयंसा। सुरूवा। रूयावती। चत्तारि विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ पं० तं० चित्ता। चित्तकणगा स
तेरा। सोतामणी। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पं० तं०। ईसा
णस्स णं देविंदस्स देवरन्नो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पं०। चउव्विहे पायच्छित्ते
पं० तं० णाणपायच्छित्ते। दंसणपायच्छित्ते। च(रित्त)पायच्छित्ते। चियत्तकिच्चपायच्छित्ते। चउव्विहे पा
यच्छित्ते पं० तं० पडिसेवणापायच्छित्ते। संजोयणापायच्छित्ते। आरोवणापायच्छित्ते। पलिउंचणापायच्छि
त्ते। चउव्विहे संसारे पं० तं० दव्वसंसारे। खेत्तसंसारे। कालसंसारे। भावसंसारे। चउव्विहे दिट्ठिवाए पं० तं० प
रिकम्मं। सुत्ताइं। पुव्वगए। अणुजोगे। चउव्विहे काले पं० तं० पमाणकाले। अहाउयनिव्वत्तिकाले। मरणकाले। अ
द्धाकाले। चउव्विहे पोग्गलपरिणामे पं० तं० वन्नपरिणामे। गंधपरिणामे। रसपरिणामे। फासपरिणामे। भरहेरव
तेसु णं वासेसु पुरिम-पच्छिमवज्जा मज्झिमगा बावीसं अरहंता भगवंता चाउज्जामं धम्मं पन्नवेंति तं० स० ४५

कठिनतर- मदवीकाष्ठ अदनादि॥ पक्कतर- चक्कमासपत्ता आम्र गुडा आदिक नरम॥ लोहतर- ताहरा पत्ता आम्र लोहसादि॥ मक्कतर- उद्धतय
ता आंबरनादिक॥१॥

व्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं एवं मुसावायाओ। अदिन्नादाणाओ। सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं। सव्वेसु णं महावि
देहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं। जाव सव्वाओ बहिद्धा
दाणाओ वेरमणं। चत्तारि दुग्गतीओ पं० तं० णेरइयदुग्गती। तिरिक्खदुग्गती। मणुस्सदुग्गई। देवदुग्गई। चत्तारि
सोग्गईओ पं० तं० सिद्धसोग्गती। देवसोग्गती। मणु(स्स)सोग्गती। सुकुलपच्चायाति। चत्तारि दुग्गता पं० तं० नेरइ
यदुग्गया। तिरिक्खदुग्गया। मणुयदुग्गया। देवदुग्गता। चत्तारि सुग्गता पं० तं० सिद्धिसुग्गता। जाव सुकु
लपच्चाया। पढमसमयजिणस्स णं चत्तारि कम्मंसा खीणा भवंति तं० णाणावरणिज्जं। दंस
णावरणिज्जं। मोहणिज्जं। अंतराइयं। उप्पन्ननाणदंसणधरे णं अरहा जिणे केवली चत्तारि क
म्मंसा वेदेति तं० वेदणिज्जं। आउयं। णामं। गोतं। पढमसमयसिद्धस्स णं चत्तारि कम्मंसा जुगवं खिज्जंति
तं० वेयणिज्जं। आउयं। णामं। गोतं। चउहिं ठाणेहिं हासुप्पत्ती सिता तं० पासेत्ता। भासेत्ता। सुणेत्ता। संभरेत्ता। च
उव्विहे अंतरे पं० तं० कट्ठंतरे। पम्हंतरे। लोहंतरे। पत्थरंतरे। एवामेव इत्थिए वा। पुरिसस्स वा। चउव्विहे
अंतरे पं० तं० कट्ठंतरसमाणे। पम्हंतरसमाणे। लोहंतरसमाणे। पत्थरंतरसमाणे। चत्तारि भयगा पं० तं० दिव दिवसादिक ३३॥१॥

[illegible]

सत्तात। उन्नामणयात। वद्धवणयात। पत्नाइ णयात। चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे पच्छ
न्नपडिसेवी। पच्छन्नपडिसेवी णाममेगे णो संपागडपडिसेवी। एगे संपागडपडिसेवी वि पच्छन्नपडिसेवी वि। एग
गे णो संपागडपडिसेवी णो पच्छन्नपडिसेवी। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सोमस्स महारन्नो चत्ता
रि अग्गमहिसीओ पं० तं० कणगा। कणगलता। चि। तगुत्ता वसुंधरा। एवं जमस्स वरुणस्स वेसमणस्स। बलि
स्स णं वतिरोयणिंदस्स वतिरोयणरन्नो सो। मस्स महारन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ पं० तं० मित्तगा सुभ
द्दा विज्जुता असणी। एवं जमस्स वेसमण। स्स धरणस्स णं नागकुमारिंदस्स णागकुमा
ररन्नो कालवालस्स महारन्नो चत्तारि अग्गमहि सीओ पं० तं० असोगा। विमला। सुप्पभा। सुदंसणा। एवं
जाव संखवालस्स। भूताणंदस्स णं णागकुमा रिंदस्स णागकुमाररन्नो कालवालस्स महारन्नो चत्तारि
अग्गा पं० तं० सुणंदा। सुभद्दा। सुजाता। सुमणा। एवं जाव सेलवालस्स। जहा धरणस्स एवं सव्वेसिं दाहिणिंद लोग
पालाणं जाव घोसस्स। जहा भूताणंदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाणं। कालस्स णं पिसाइंदस्स
पिसायरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ पं० तं० कमला। कमलप्पभा। उप्पला। सुदंसणा। एवं महाकालस्स वि। सुरूव ४६

स्स णं भूतिंदस्स भूतरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ पं० तं० रूववती। बहुरूवा। सुरूवा। सुभगा। एवं पडिरूवस्स वि। पु
न्नभद्दस्स णं जक्खिंदस्स जक्खरन्नो चत्तारि अग्गमहि० पुन्ना। बहुपुत्तिता। उत्तमा। तारगा। एवं माणिभद्दस्स वि
भीमस्स णं रक्खसिंदस्स रक्खसरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ पं० तं० पउमा। वसुमती। कणगा। रतणप्पभा। एवं महा
भीमस्स वि। किंनरस्स णं किंनरं। चत्तारि अग्गा पं०। तं० वडेंसा। केतुमती। रतिसेणा। रतिप्पभा। एवं किंपुरिसस्स
वि। सप्पुरिसस्स णं किंपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्ग महिसीओ पं० तं० रोहिणी। णवमिता। हिरी। पुप्फवती। एवं
महापुरिसस्स वि। अतिकायस्स णं महोरगिं दस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ पं० तं० भुयगा। भुयगाव
ती। महाकच्छा। फुडा। एवं महाकायस्स वि। गी। तरतिस्स णं गंधव्विंदस्स चत्तारि अग्गा पं० तं० सुघोसा। वि
मला। सुस्सरा। सरस्सती। एवं गीयजसस्स वि। चंद स्स णं जोतिसिंदस्स जोतिसरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ पं
तं० चंदप्पभा। दोसिणाभा। अच्चिमाली। पभंकरा। एवं सूरस्स वि। णवरं सूरप्पभा। दोसिणाभा। अच्चिमाली। पभंक
रा। इंगालस्स णं महागहस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ पं० तं० विजया। वेजयंती। जयंती। अपराजिया। एवं सव्वेसिं
महग्गहाणं जाव भावकेतुस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो। सोमस्स महारन्नो। चत्तारि अग्गा। पं० तं० रोहि

ठाणांगसू

णी।मयणा विन्ना। सामा। एवं जाव वेसमणस्स। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो। सोमस्स महारन्नो। चत्तारि अग्गमहि
तं।पुढवी।राती।रयणी।विज्जू।एवं जाव वरुणस्स।चत्तारि गोरसविगतीओ।पं।तं।खीरं।दहिं।सप्पिं।णवणीतं।चत्ता
रि सिणेहविगतीओ।पं।तं।तेल्लं।घयं।वसा।णवणीतं।चत्तारि महाविगतीओ।पं।तं।महुं।मंसं।मज्जं।णवणीतं।चत्ता
रि कूडागारा।पं।तं।गुत्ते णामेगे गुत्ते।गुत्ते णाममेगे अगुत्ते।अगुत्ते णाममेगे गुत्ते।अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते
।एवामेव चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।गुत्ते णाममेगे गुत्ते ४ चत्तारि कूडागारसालाओ।पं।तं।गुत्ता णाममेगा
गुत्तदुवारा।गुत्ता णाममेगा अगुत्तदुवारा। अगुत्तदुवारा णाममेगा अगुत्ता। एवामेव चत्तारि इत्थीओ
।पं।तं।गुत्ता णाममेगा गुत्तिंदिया ४ चउव्विहा ओगाहणा।पं।तं।दव्वोगाहणा।खेत्तोगाहणा।कालोगाह
णा।भावोगाहणा।चत्तारि पन्नत्तीओ अंगबाहिरियाओ।पं।तं।चंदपन्नत्ती।सूरपन्नत्ती।जंबूपन्नत्ती।दीवसागरपन्न
त्ती। चउट्ठाणस्स पढमो उद्देसओ।१। ॥चत्तारि पडिसंलीणा।पं।तं।कोहपडिसंलीणे।माणपडिसंलीणे।मायाप
डिसंलीणे।लोभपडिसंलीणे।चत्तारि अपडिसंलीणा।पं।तं।कोहअपडिसंलीणे।जाव लोभअपडिसंलीणे।च
त्तारि पडिसंलीणा।पं।तं।मणपडिसंलीणे।वतिपडिसंलीणे।कायपडिसंलीणे।इंदियपडिसंलीणे। चत्तारि अ ४७

पडिसंलीणा।पं।तं।मणअपडिसंलीणे।जाव इंदियअपडिसंलीणे।४ चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।दीणे णाममेगे
दीणे।दीणे णाममेगे अदीणे।अदीणे णाममेगे दीणे।अदीणे णाममेगे अदीणे।चत्तारि पुरिसजाता पं
तं।दीणे णाममेगे दीणपरिणते।दीणे णाममेगे अदीणपरिणते।अदीणे णाममेगे दीणपरिणते।अदीणे
णाममेगे अदीणपरिणते।चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।दीणे णाममेगे दीणरूवे।४।एवं दीणमणे।४ दीण
संकप्पे ४ दीणपन्ने ४ दीणदिट्ठी ४ दीणसीलाचारे ४ दीणववहारे ४।ए। चत्तारि पुरिसजाया।पं
तं।दीणे णाममेगे दीणपरक्कमे।दीणे णाममेगे अदीणे।४।एवं सव्वेसिं चउभंगो
भाणियव्वो।चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।दीणे णाममेगे दीणवित्ती।४।एवं दीणजाती।दीणभासी।
दीणोभासी।४।चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।दीणे णाममेगे दीणसेवी।४।एवं दीणे णाममेगे दीण
परियाए।तं।४।दीणे णाममेगे दीणपरियाले।सव्वत्थ चउभंगो।१७।चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।अज्जे णाममेगे
अज्जे।४।चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।अज्जे णाममेगे अज्जपरिणए।४।एवं अज्जरूवे अज्जमणे अज्जसंकप्पे
।अज्जपन्ने।अज्जदिट्ठी।अज्जसीलाचारे।अज्जववहारे।अज्जपरक्कमे।अज्जवित्ती।अज्जजाती।अज्जभासी।अज्ज

ठाणांगसू उ नासी॥ अट्ठट्ठामए॥ एवं अट्ठपरियाए। अट्ठपरियाए। एवं सव्वस्स आलावगा। ५७ जहा दीणेणं भणिया तहा
अद्दीणेण वि भणियव्वा॥ चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ अज्जे णामं एगे अज्जभावे अज्जे णामं एगे अणज्जभावे अणज्जे ण
नामं एगे अज्जभावे अणज्जे णामं एगे अणज्जभावे। ५८ चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ जातिसंपन्ने कुलसंपन्ने बलसंपन्ने
रूवसंपन्ने। एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं॰ तं॰ जातिसंपन्ने जाव रूवसंपन्ने। चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ जाति
संपन्ने णामं एगे नो कुलसंपन्ने। कुलसंप॰ णामं एगे नो जाइसंपन्ने एगे कुलसंपन्ने वि जाति
संपन्ने वि एगे नो जातिसंपन्ने नो कुल॰ संपन्ने एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ जाति
संपन्ने ४ चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ जातिसंपन्ने॥ नामं एगे नो बलसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजा
या पं॰ तं॰ जातिसंपन्ने। चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ जाइ संपन्ने नामं एगे नो रूवसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिस
जाया पं॰ तं॰ जातिसंपन्ने नामं एगे नो रूवसंपन्ने रूवसंपन्ने नामं एगे ४ चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ कुलसंपन्ने
नामं नामं एगे नो बलसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ कुलसंपन्ने नामं एगे नो बलसंपन्ने
४ चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ कुलसंपन्ने णामं एगे णो रूवसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ कुल ५८

४ चत्तारि उसभा पं॰ तं॰ बलसंपन्ने णामं एगे णो रूवसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ बलसंपन्ने
नामं एगे णो रूवसंपन्ने ४ चत्तारि हत्थी पं॰ तं॰ भद्दे मंदे मिते संकिन्ने। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰
भद्दे मंदे मिते संकिन्ने। चत्तारि हत्थी पं॰ तं॰ भद्दे णामं एगे भद्दमणे भद्दे णामं एगे मंदमणे भद्दे णामं ए
गे मियमणे भद्दे नामं एगे संकिन्नमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ भद्दे णामं एगे भद्दमणे भद्दे
णामं एगे मंदमणे भद्दे णामं एगे मियमणे॥ भद्दे णामं एगे संकिन्नमणे। चत्तारि हत्थी पं॰ तं॰ मं
दे नामं एगे भद्दमणे मंदे नामं एगे मंदमणे। मंदे णामं एगे मियमणे मंदे णामं एगे संकि
न्नमणे एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ मंदे णामं एगे भद्दमणे तं चेव। चत्तारि हत्थी पं॰ तं॰ मिते
णामं एगे भद्दमणे॥ मिते णामं एगे मंदमणे मिते नामं एगे मियमणे मिते णामं एगे संकिन्नमणे
एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं॰ तं॰ मिते णामं एगे भद्दमणे तहेव। चत्तारि हत्थी पं॰ तं॰ संकिन्ने नामं एगे भद्द
मणे संकिन्ने नामं एगे मंदमणे संकिन्ने नामं एगे मियमणे संकिन्ने नामं एगे संकिन्नमणे। चत्तारि हत्थी पं॰ तं॰
संकिन्ने नामं एगे भद्दमणे संकिन्ने नामं एगे मंदमणे संकिन्ने नामं एगे मियमणे संकिन्ने नामं एगे संकि

त्तमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं तं। संकिन्नेनाममेगे भद्दमणे। तंचेव जाव संकिन्नणाममेगे संकिन्ने
।मधुगुलियपिंगलक्खो अणुपुव्वसुजायदीहणंगूलो। पुरओ उदग्गधीरो सव्वंगसमाहितो भद्दो॥ १ चलबहल
विसमचम्मो थूलसिरो थूलएण पेएण। थूलणहदंतवालो हरिपिंगललोयणो मंदो॥ २ तणुओ तणुयग्गी
वो तणुयतओ तणुयदंतणहवालो। भीरू तत्थु॥ विग्गो तासी तसावि भवे मितणामं। ३ एतेसिं हत्थीणं थोवाथोवं
तु जो अणुहरति हत्थी। रूवेण व सीलेण व॥ सो संकिन्नोत्ति णायव्वो॥ ४ भद्दो मज्जइ सरए मंदो उण
मज्जति वसंतंमि। मिउ मज्जति हेमंते संकिन्नो सव्वकालंमि॥ ५ चत्तारि विकहाओ। पं तं। इत्थिकहा
।भत्तकहा। देसकहा। रायकहा। इत्थिकहा चउव्विहा। पं तं। इत्थीणं जाइकहा। इत्थीणं कुलकहा। इत्थीणं रू
वकहा। इत्थीणं णेवत्थकहा। भत्तकहा चउव्विहा। पं तं। भत्तस्स आवावकहा। भत्तस्स णिव्वावकहा। भत्त
स्स आरंभकहा। भत्तस्स णिट्ठाणकहा। देसकहा चउव्विहा। पं तं। देसविहिकहा। देसविकप्पकहा। दे
सच्छंदकहा। देसनेवत्थकहा। रायकहा चउव्विहा। पं तं। रन्नो अतिजाणकहा। रन्नो निज्जाणकहा। रन्नो बल
वाहणकहा। रन्नो कोसकोट्ठागारकहा। चउव्विहे धम्मकहा। पं तं। अक्खेवणी। विक्खेवणी। संवेगणी। निव्वेग ४९

णी। अक्खेवणी कहा चउव्विहा। पं तं। आयारक्खेवणी। ववहारक्खेवणी। पन्नत्तिक्खेवणी। दिट्ठिवातक्खेवणी
। विक्खेवणी चउव्विहा। पं तं। ससमयं कहेइ। ससमयं कहित्ता परसमयं कहेइ। परसमयं कहित्ता स
समयं ठावतित्ता भवति। सम्मावातं कहेइ। सम्मावातं कहित्ता मिच्छावातं कहेइ। मिच्छावातं कहित्ता स
म्मावातं ठावित्ता भवति। संवेगणी कहा चउव्विहा। पं तं। इहलोगसंवेगणी। परलोगसंवेगणी। आतसरीर
संवेगणी। परसरीरसंवेगणी। णिव्वेगणी कहा चउव्विहा। पं तं। इहलोगे दुच्चिन्ना कम्मा। इहलोगे दु
हफलविवागसंजुत्ता भवंति। १ इहलोगे दुच्चिन्ना कम्मा परलोके दुहफलविवागसंजुत्ता भ
वंति। २ परलोगे दुच्चिन्ना कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। ३ परलोगे दुच्चिन्ना कम्मा
परलोए दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। ४ इहलोगे सुचिन्ना कम्मा इहलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता
भवंति। १ इहलोगे सुचिन्ना कम्मा परलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति॥ २ एवं चउभंगो। ४ चत्तारि पु
रिसजाता। पं तं। किसे णाममेगे किसे। किसे णाममेगे दढे। दढे णाममेगे किसे। दढे णाममेगे दढे। चत्ता
रि पुरिसजाया। पं तं। किसे णाममेगे किससरीरे। किसे णाममेगे दढसरीरे। दढे णाममेगे किससरी

ए क कृश्य नर क ग्रीतप नर कर वुं ... बोधात्र्प्रधिविस्तायन ... नरकर्मी नरह ... समाप्ता ... ज्ञानदर्शना ... [illegible]

४दढणाममाणदढसरीर४१ नरकर्मी नरह ... बोधरूअधिविसाह। ज्ञानदर्शना ... ॥२॥

ठाणंगसू

दृ।४ चत्तारि पुरिसजाया पं०तं० किसस्स नाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जति णो दढसरीरस्स णाममेगस्स णा
णदंसणे समुप्पज्जति णो किससरीरस्स एगस्स किससरीरस्स वि णाणदंसणे समुप्पज्जति दढसरीरस्स वि
एगस्स वि णो किससरीरस्स णाणदंसणे समुप्पज्जति णो दढसरीरस्स ४ चउहिं ठाणेहिं निग्गंथाण वा निग्गंथी
णवा अस्सिं समयंसि अतिसेसे नाणदंसणे। समुप्पज्जिउकामे वि न समुप्पज्जेज्जा। तं० अभिक्खणं अभि
क्खणं इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं कहेत्ता भवति विवेगेण विउस्सग्गेणं णो सम्ममप्पा
णं भावित्ता भवति पुव्वरत्तावरत्तकालस मयंसि णो धम्मजागरियं जागरइत्ता भवति फासु
यस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स णो सम्मं गवेसित्ता भवति ४ इच्चेतेहिं चउहिं ठाणेहिं नि
ग्गंथाण वा निग्गंथीण वा जाव नो समुप्पज्जेज्जा ४ चउहिं ठाणेहिं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा अतिसेसे णाणदं
सणे समुप्पज्जिउकामे समुप्पज्जेज्जा तं० इत्थीकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं णो कहेत्ता भवति विवेगेणं वि ।नि।३
उस्सग्गेणं सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवति पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरइत्ता भवति
फासुयस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स सम्मं गवेसित्ता भवति इच्चेतेहिं चउहिं ठाणेहिं निग्गंथाण वा ४ ५०

तदे० सावुं अवि के० नाम मात्र ... सो ... मुख ... आमतं करे० आपणा संसारनउ अंत करि। पुणा परनुं अंत न करइ॥ ते सामान्य साधु १ ... ॥

अस्समंपु०... परापुंडरीक... टालवासम र्थ॥ नोपरस० ११

जाव समुप्पज्जेज्जा नो कप्पति निग्गंथाण वा ४ चउहिं महापाडिवएहिं सज्झायं करित्तए तं० आसाढपाडिवए
इंदमहपाडिवए कत्तियपाडिवए सुगिम्हगपाडिवए णो कप्पइ निग्गंथाण वा ४ चउहिं संझाहिं सज्झायं करेत्तए
तं० पढमाते पच्छिमाते मज्झण्हे अड्ढरत्ते कप्पइ निग्गंथाण वा ४ चउक्कालं सज्झायं करेत्तए पुव्वण्हे अव
रण्हे पओसे पच्चूसे ४ चउव्विहा लोगठिती पं०तं०। आगासपइट्ठिते वाते वातपतिट्ठिए उदधी उदधिपतिट्ठि
या पुढवी पुढवीपइट्ठिया तसा थावरा पाणा। ४ चत्तारि पुरिसजाता पं०तं० तहे नाममेगे नोतहे नाम
मेगे [illegible] सोवत्थी नाममेगे पधाणे नाममेगे ४ चत्तारि पुरिसजा
या पं०तं० आयंतकरे नाममेगे णो परंतकरे। परंतकरे णाममेगे णो आयंतकरे। एगे आ
यंतकरे वि परंतकरे वि। एगे णो आयंतकरे णो परंतकरे॥ ४ चत्तारि पुरिसजाता पं०तं० आयंतमे नाम
मेगे णो परंतमे ... चत्तारि पुरिसजाया पं०तं० आयंदमे नाममेगे णो परंदमे ४ चउव्
विधा गरहा पं०तं० उवसंपज्जामित्तेगा गरहा वितिगिच्छामित्तेगा गरहा जं किंचि मिच्छामीतेगा गरहा एवं
पि पन्नत्तेगा गरहा ४ चत्तारि पुरिसजाया पं०तं० अप्पणो नाममेगे अलमंथू भवति णो परस्स परस्स नाममे

मार्गपर्यं॥२॥ ... ॥४ ... ॥ वामे ... ॥ तथाज्ञातविषये ... ॥ ... वायुमंडल
तेनपत्तापरिता ... ॥१८॥

ठाणांगसू

गंञ्जलमंघूलवतिाणा अप्पणाणा गञ्जप्पाणा विपलमंघूलवति। अपरस्स विए णामणा अप्पणा अलमंघूलव
ति।णापरस्स एव चत्तारि मग्गा।पं।तं।उज्जू नाम एगेउज्जू।उज्जू नामाम एगे वंके।वंके नाम एगे उज्जू।वंके णाम
एगे वंके।३एवामेव चत्तारि पुरिसजाया।पं।तं उज्जू नामामेगे उज्जू।४ चत्तारि मग्गा।पं।तं।खेमे नाम एगे खे
मे।खेमे णाम एगे अखेमा।ह्ल।एवामेव चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।खेमे णाम एगे खेमे।ह्ल।५।६।चत्ता
रि मग्गा।पं।तं खेमे णाम एगे खेमरूवे।खेमे णाम एगे अखेमरूवे।६ एवामेव चत्तारि पुरिसजा
या।पं।तं।खेमे नाम एगे खेमरूवे।ह्ल।७ चत्तारि संबुक्का।पं।तं।वामे नाम एगे वामावत्ते।वा
मे नाम एगे दाहिणावत्ते।दाहिणे नाम एगे वामावत्ते।दाहिणे नाम एगे दाहिणावत्ते।एवामेव
चत्तारि पुरिसजाया।पं।तं वामे नाम एगे वामावत्ते।ह्ल।चत्तारि धूमसिहाउ।पं।तं।वामे नाम एगे वामावत्ते
।४।१०एवामेव चत्तारि त्थीउ।पं।तं।वामे णाम एगे वामावत्ता।४।११ चत्तारि अग्गिसिहाउ।पं।तं।वामा णाम एगे
वामावत्ता।ह्ल।१२एवामेव चत्तारि त्थियाउ।पं।तं।वामा णाम।ह्ल।१३ चत्तारि वायमंडलिया।पं।तं।वामा णाम एग
गा वामावत्ता।ह्ल।१४एवामेव चत्तारि त्थियाउ।पं।तं।वामा णाम।४।चत्तारि वायमंडलिया।पं।तं।वामा नाम एगे वामा ५२

वत्ता।४एवामेव चत्तारि त्थीउ।पं।तं।१५वामा णाम एगा वामावत्ता।१६चत्तारि वणसंडा।पं।तं।वामे नाम एगे वामाव
त्ता।४एवामेव चत्तारि पुरिसजाया।पं।तं।वामे णाम एगे वामावत्ते।४।१७ चउहिं ठाणेहिं निग्गंथे णिग्गंथिं
आलवमाणे वा।संलवमाणे वा।णा तिक्कमति।पंथं पुच्छमाणे।पंथं देसमाणे।असणं वा पाणं वा।खाइम
साइमं दलमाणे वा दलावेमाणे वा।तमुक्काय स्सणं चत्तारि णामधेज्जा।पं।तं।तमेति वा।तमुक्काते ति वा
।अंधकारे ति वा।महंधकारे ति वा।तमुक्काय स्सणं चत्तारि णामधेज्जा।पं।तं।लोगंधकारेति वा।लो
गतमसे ति वा।देवंधकारे ति वा।देवतम सेति वा।४ तमुक्काय स्सणं चत्तारि नामधेज्जा।पं।तं
।वातफलिहे ति वा।वातफलिहखोभे ति वा देवारन्ने ति वा।देववूहे ति वा।तमुक्काए णं चत्तारि क
प्पे आवरित्ता चिट्ठंति।सोधम्मीसाणं सणंकुमार माहिंदा।चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।संपागडपडिसेवी
णामं एगे णामं पच्छन्नपडिसेवी णामं एगे।पडुप्पन्ननंदी नाम एगे णिस्सरणंदी णामं एगे।चत्तारि सेणा
उ।पं।तं।जइत्ता णामं एगे णो पराजिणित्ता।पराजिणित्ता णामं एगे णो जइत्ता।एगा जइत्ता वि पराजे
णित्ता वि।एगा नो जइत्ता।नो पराजिणित्ता।एवामेव चत्तारि पुरिसजाता।पं।तं।जइत्ता नाम एगे नो पराजि।

ठाणांगसू

णित्ता कं। चत्तारि मिरूणाउ पं॰ तं। जइत्ताणमंपयाणाइयई जइन्नाण मामायपराजिणति पराजिणित्ताणामेगे
गाइयति। पराजिणित्ताणामामेगायपराजिणाति। एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं॰ तं। जइत्ता नामामेगे
पराजिणित्ता कं। चत्तारि केतणा पं॰ तं। वंसीमूलकेतणए। मेंढविसाणकेतणाते। गोमुत्ति केतणाते। अवि
लेहणिता केतणाते। एवामेव चउविधा माया। पं॰ तं। वंसीमूल केतणासमाणा। जाव अविलेहणिता। वं
सीमूल केतणासमाणं मायं अणुपविट्ठा। जीवे कालं करेति। णेरइएसु उववज्जति। मेंढविसा
णाकेतणासमाणं मायं मणुपविट्ठ जीवे कालं करेति। तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति। गो
मुत्ति तं जाव कालं करेति। मणुस्सेसु उववज्जति। अवलेहणिता जाव देवेसु उववज्जति। चत्तारि
थंभा पं॰ तं। सेलथंभे। अट्ठिथंभे। दारुथंभे। ति। णिसलायथंभे। एवामेव चउविध माणा पं॰ तं। सेलथंभ
समाणे। जाव तिणिसलताथंभसमाणे। सेलथंभसमाणं माणं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेति। नेरतिए
सु उववज्जति। एवं जाव तिणिसलताथंभसमाणं माणं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेति। देवेसु उववज्जति। च
त्तारि वत्था पं॰ तं। किमिरागरत्ते। कद्दमरागरत्ते। खंजणरागरत्ते। हलिद्दरागरत्ते। एवामेव चउविधे लोभे पं॰ तं ५२

किमिरागरत्तवत्थसमाणे। खंजणरागरत्तवत्थसमाणे। कद्दमरागरत्तवत्थसमाणे। हलिद्दरागरत्तसमाणे। किमि
रागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ नेरइएसु उववज्जति। तहेव जाव हलिद्दरागरत्तवत्थस
माणं लोभमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जति। चउव्विहे संसारे पं॰ तं। णेरतियसंसारे जाव देव
संसारे। चउविहे आउते पं॰ तं। णेरतिताउते। जाव देवाउते। चउविहे भवे पं॰ तं। नेरतिभवे जाव देवभवे।
चउविहे आहारे पं॰ तं। असणे पाणे खाइमे साइमे। चउविहे आहारे पं॰ तं। उवक्खरसंपन्ने। उवक्ख
डसंपन्ने। परिजुसियसंपन्ने। सभावसंपन्ने॥ चउविहे बंधे। पं॰ तं। पगतिबंधे। ठितीबंधे। अणुभा
वबंधे। पदेसबंधे। चउविहे उवक्कमे। पं॰ तं। बंधणावक्कमे। उदीरणावक्कमे। उवसामणावक्कमे।
विपरिणामणावक्कमे। बंधणावक्कमे चउवि। हे पं॰ तं। पगतिबंधणावक्कमे। ठितीबंधणावक्क
मे। अणुभावबंधणावक्कमे। पदेसबंधणावक्कमे। उदीरणावक्कमे। चउविहे पं॰ तं। पगतिउदीरणावक्कमे
ठितीउदीरणावक्कमे। अणुभावउदीरणावक्कमे। पदेसउदीरणावक्कमे। चउविहे पं॰ तं। पगतिउवसमेणाव उवसमेणोवक्कमे
क्कमे। ठिति अणुभाव उवसामणावक्कमे। विप्परिणामणावक्कमे। चउविधे पं॰ तं। पगति ठिती अणुभावसंविप्प

संक्रम: कर्म बंधकालनइ प्रदेसवत्‌॥१॥ नधत्त: कर्मएकठामेसवु॥ निकाच: कर्मनुनिकाचवु॥२॥

ठाणांगसू

+निरवसेससव्वे +५

चउव्विहे अप्पाबहुते। पं०तं० पगतिअप्पाबहुए ठिति। अणुभावपएस अप्पाबहुते। चउव्विहे संकमे। पं०तं० पगति
संकमे। ठिती अणुभाव पएससंकमे। चउव्विहे णिधत्ते। पं०तं० पगतिणिधत्ते। ठिती अणुभावपएसनिधत्ते। चउव्विहे निगति
ते। पं०तं० पगतिणिगातिते। ठिति अणुभावपएसणिगातिते। चत्तारि एक्का। पं०तं० दविएक्कते। माउयपएक्कते। पज्जवे इ
क्कते। संगहेइक्कते। चत्तारि कती। पं०तं० दवितकती। माउयकती। पज्जवकती। संगहकती। चत्तारि सव्वा। पं०तं०
णामसव्वे। ठवणसव्वे। आएससव्वे।। माणुसुत्तरस्सणं पव्वयस्स चउदिसिं चत्तारि कूडा। पं०तं०
रयणे। रतणुच्चते। सव्वरयणे। रतणसंचये। जंबूदीवे भरहेरवतेसु वासेसु तीताते उस्स
प्पिणीए सुसमसुसमाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो हुत्था। जंबूदीवे दीवे भरहेरवते इ
माए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो हुत्था। जंबूदीवे आगमेस्साते
उस्सप्पिणीते सुसमसुसमाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो भविस्सइ। जंबूदीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरु
वज्जाओ। चत्तारि अकम्मभूमीओ। पं०तं० हेमवते हेरन्नवते हरिवासे रम्मगवासे। चत्तारि वट्टवेयड्ढपव्वता। पं०तं०
सद्दावती वियडावती गंधावती मालवंतपरिताते। तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढीता जाव पलिओवमट्ठितीता परिवसं ५३

ति तं० साती पभासे अरुणे पउमे। जंबूद्दीवे महाविदेहे वासे चउव्विहे। पं०तं० पुव्वविदेहे। अवरविदेहे देव
कुरा। उत्तरकुरा। सव्वेवि णं णिसढणीलवंतवासहरपव्वता। चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं। चत्तारि गाउय
सयाइं उव्वेहेणं। पं०तं० जंबुद्दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीताए महानदीए उत्तरेणं कूले चत्तारि व
क्खारपव्वया। पं०तं० चित्तकूडे। पम्हकूडे। णलिणकूडे। एगसेले। जंबूमंदरपुरसीताए महानदीए दाहिण
कूले चत्तारि वक्खारपव्वया। पं०तं० तिकूडे। वेसमणकूडे। अंजणे। मातंजणे। जंबूमंदरपच्चत्थि
मेणं सीओदाए महानतीए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वता। पं०तं० अंकावती। पम्हावती। आसीवि
से सुहावहे। जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणतीते उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया। पं०तं० चंदप्पव्वते सू
रपव्वते। देवपव्वते। णागपव्वते। जंबूमंदरस्स पव्वयस्स चउसु विदिसासु चत्तारि वक्खारपव्वया। पं०तं० सोम
णसे। विज्जुप्पभे। गंधमायणे। मालवंते। जंबूदीवे महाविदेहे वासे जहन्नपए चत्तारि अरहंता। चत्तारि चक्क
वट्टी। चत्तारि बलदेवा वासुदेवा। उप्पज्जिंसुवा। उप्पज्जंति वा। उप्पज्जिस्संति वा। जंबूदीवे मंदरपव्वते। चत्तारि वणा
। पं०तं० भद्दसालवणे। णंदणवणे। सोमणसवणे। पंडगवणे। चत्तारि अभिसेगसिलाओ। पं०तं० पंडुकंबलसिला। अइ

पंडुकंबलसिला। रत्तकंबलसिला। अतिरत्तकंबलसिला। मंदरचूलियाएणं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं
पन्नत्ता। धायइसंडदीवे। पुरच्छिमद्धे विक्खालंड्डादि कारेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति। एवं जाव पुक्खरवरदीव
पच्छिमद्धे। जाव मंदरचूलियत्ति। जंबूदीवे आवस्सगं तु कालाउ चूलियाजाव धायइसंडपुक्खरवरेय। पुव्व
वरपासा। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स चत्तारि दारा। पं। तं। विजए वेजयंते जयंते अपराजिते तेणं दारा चत्ता
रि जोयणाइं विक्खंभेणं तावतियं चेव पवेसेणं। पं। तत्थणं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठि
तीया परिवसंति। विजए वेजयंते जयंते। अपराजिते। जंबूदीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं
णं चुल्लहिमवंतवासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिन्नि २ जोयणसयाइं ओगाहित्ता। एत्थणं
चत्तारि अंतरदीवा। पं। तं। एगोरुयदीवे। आभासिय। दीवे। वेसाणितदीवे। णंगोलियदीवे। तेसुणं दीवेसु चउ
व्विहा मणुस्सा परिवसंति। एगुरूया। आभासिया। वेसाणिया। णंगोलिया। तेसुणं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणस
मुद्दं चत्तारि २ जोयणसयाइं ओगाहेत्ता। एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा। पं। तं। हयकन्नदीवे। गयकन्नदीवे। गोकन्नदी
वे। सक्कुलिकन्नदीवे। तेसुणं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति। तं। हयकन्ना। गयकन्ना। गोकन्ना। सक्कुलिक ५४

न्ना। तेसुणं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं पंच २ जोयणसयाइं ओगाहित्ता। एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा। पं। तं
। आयंसमुहदीवे। मेंढगमुहदीवे। अओमुहदीवे। गोमुहदीवे। तेसुणं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा
। तेसिणं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं छ २ जोयणसयाइं ओगाहित्ता। एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा। पं। तं।
आसमुहदीवे। हत्थिमुहदीवे। सीहमुहदीवे। वग्घमुहदीवे। तेसुणं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसुणं दी
वाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं सत्त २ जोयणसयाइं ओगाहित्ता। एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा। पं। तं। आ
सकन्नदीवे। हत्थिकन्नदीवे। अकन्नदीवे। कन्नपाउरणदीवे। तेसुणं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा
। तेसुणं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं अट्ठ २ जोयणसयाइं ओगाहित्ता। एत्थणं चत्तारि अंतर
दीवा। पं। तं। उक्कामुहदीवे। मेहमुहदीवे। विज्जुमुहदीवे। विज्जुदंतदीवे। तेसुणं दीवेसु मणुस्सा भाणिय
व्वा। तेसुणं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं णव २ जोयणसयाइं ओगाहित्ता। एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा। पं
। तं। घणदंतदीवे। लट्ठदंतदीवे। गूढदंतदीवे। सुद्धदंतदीवे। तेसुणं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति। घण
दंता। लट्ठदंता। गूढदंता। सुद्धदंता। जंबूदीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चत्तारि वि

उ चउविदिसासु लवणसमुद्दं तिन्नि २ जोयणसयाइं उगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा पं० तं० एगूरुयदीवे आभासं
तहेव निरवसेसं भाणियव्वं । जाव सुद्धदंता । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाउ वेतितंताउ चउदिसिं लवणसमु-
द्दं पंचाणउयं जोयणसयाइं उगाहित्ता एत्थ णं महतिमहालता महालिंजरसंठाणसंठिता चत्तारि महापायाला
पं० तं० वलयामुहे केउए जूवए ईसरे । तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठितीता परिवसंति तं०
काले महाकाले वेलंबे पभंजणे । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाउ वेतितंताउ चउदिसिं लव-
णसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं उगाहित्ता एत्थ णं चउण्हं वेलंधरणागराईणं चत्तारि आ-
वासपव्वता पं० तं० गोथूभे उदओभासे संखे दगसीमे । तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढीया जाव पलिओवमट्ठितीता
परिवसंति गोथूभे सिवए संखे मणोसिला । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाउ वेइयंताउ चउसु वि-
दिसासु लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं उगाहित्ता एत्थ णं चउण्हं अणुवेलंधरणागराईणं चत्तारि आ-
वासपव्वता पं० तं० कक्कोडए विज्जुप्पभे केलासे अरुणप्पभे । तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढीया जाव पलिओवमट्ठिती-
ता परिवसंति तं० कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे । लवणेणं समुद्देणं चत्तारि चंदा पभासिंसु वा पभा-

सिंति वा पभासिस्संति वा चत्तारि सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा चत्तारि कित्तियाउ जाव चत्तारि भ-
रणीउ चत्तारि अग्गी जाव चत्तारि जमा चत्तारि अंगारगा जाव चत्तारि भावकेऊ लवणस्स णं समुद्दस्स चत्तारि दा-
रा पं० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिते ते णं दारा णं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावतियं चेव पवेसे-
णं पं० तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठितीता परिवसंति विजए वेजयंते जयंते अपराजि-
ए धायइसंडे दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पं० जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स ब-
हिता चत्तारि भरहा चत्तारि एरवयाइं एवं । जहा सद्दुद्देसए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जा-
व चत्तारि मंदरा चत्तारि मंदरचूलियाउ । णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चत्तारि चक्कवा-
लविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउद्दिसिं चत्तारि अंजणगपव्वता पं० तं० पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वते दाहि-
णिल्ले अंजणगपव्वते पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वते उत्तरिल्ले अंजणगपव्वते । ते णं अंजणगपव्वता चउरा-
सीतिं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं तद-
णंतरं च णं मायाए २ परिहायमाणा २ उवरिमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं पं० । मूले इक्कतीसं जोयणसह

गणांगसू

णा

स्साइं उव्वत्तवासं जोयणसतं परिक्खेवेणं उवरिं तित्ति विंश जोयणसहस्साइं पंचं च बावट्ठं जोयणसतं परिक्ख
वेणं मूले विछिन्ना मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिता सव्वअंजणमया अच्छा जाव पडिरूवा
तेसिणं अंजणगपव्वयाणं उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पं तेसिणं बहुसमरमणिज्जाणं भूमिभागाणं
बहुमज्झदेसभागे चत्तारि सिद्धायतणा पंसत्ता तेसिणं सिद्धायतणा एगं जोयणसयं आयामेणं पंस
त्ता मंडयाइं विरकंभेणं बावत्तरि जोयणाइं उड्ढंउच्चत्तेणं तेसिंसिद्धायतणइं चउदिसिं चत्तारि दारा
पं तं देवदारा असुरदारा णागदारा सुवन्नदारा तत्थणं दारेसु चउव्विहा देवा परिवसंति
तं देवा असुरा णागा सुवन्ना तेसिणं दाराणं पुरतो चत्तारि मुहमंडवा पं तेसिणं मुहमंडवाणं पु
रओ चत्तारि पिछाघरमंडवा पं तेसिणं पेछाघर मंडवाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि वतिरामता अक्काडगा
पं तेसिणं वयरामयाणं अक्काडगाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि मणिपाढिताओ पं तासिणं मणिपाढिताणं उव
रिं चत्तारि सीहासणा पंसत्ता तेसिणं सीहासणाणं उवरिं चत्तारि विजयदूसा पंनत्ता तेसिणं विजयदूसगाणं बहुम
ज्झदेसभाग चत्तारि वइरामता अंकुसा पं तेसुणं वतिरामतेसु अंकुसेसु चत्तारि कुंभिका मुत्तादामा पं तेणं कुं ५६

भिकामुत्तादामा पन्नयं २ अन्नेहिं तदद्धउच्चत्तपमाणमित्तेहिं चउहिं अद्धकुंभिकेहिं मुत्तादामेहिं सव्वतो समंता संप
रिखित्ता तेसिणं पेछाघरमंडवाणं पुरओ चत्तारि मणिपेढियाओ पंनत्ताओ तासिणं मणिपेढियाणं उवरिं चत्ता
रि २ चेतितथूभा पंनत्ता तासिणं चेतितथूभाणं पत्तेयं २ चउदिसिं चत्तारि मणिपेढियातो पं तासिणं मणि
पेढिताणं उवरिं चत्तारि जिणपडिमाउ सव्वरयणामतिता संपलियंकणिसंणाउ थूभाभिमुहाउ चिट्ठंति
तं रिसभा वद्धमाणा चंदाणणा वारिसेणा तस्साणं चेतितथूभाणं पुरतो मणिपढिताओ पं तासिणं
मणिपढिताणं उवरिं चत्तारि चेतितरुक्खा पं तं तेसिणं चेतितरुक्खाणं पुरओ चत्तारि मणिपे
ढियाउ पं तासिणं मणिपढियाणं उवरिं चत्तारि महिंदज्झया पं तेसिणं महिंदज्झयाणं पुरओ चत्ता
रि णंदाउ पुक्खरणीउ पं तं तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं २ चउदिसिं चत्तारि वणसंडा पं तं पुरच्छिमेणं दा
हिणेणं पच्चच्छिमेणं उत्तरेणं पुव्वेणं असोगवणं दाहिणउ दाइ सत्तिवन्नवणं अवरेणं चंपगवणं उत्तरेणं चार
पास्स २ तत्थ णं जे से पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वते तस्स णं चउदिसिं चत्तारि णंदाउ पुक्खरिणीउ पं तं णंदुत्तरा णं
दा आणंदा णंदिवद्धणा तत्तो णं णंदापुक्खरणीउ एगं जोयणसयसहस्सं आयामेणं पन्नासं जोयणसहस्सा

इंविक्खंभेणं दसजोयणसताइं उव्वेहेणं। तासिं णं पुक्खरणीणं पत्तेयं २ चउदिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा
पं०। तेसिं णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरतो चत्तारि तोरणा। पं० तं०। तासिं णं पुक्खरणीणं पत्तेयं २ चउदिसिं चत्तारि व
णसंडा पं० तं० पुरतो दाहिणे पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं। असोगवणं जाव चूयवणं। तत्थ णं तासिं णं पुक्खरणीणं
बहुमज्झदेसभागे चत्तारि दधिमुहगपव्वया पं०। ते णं दधिमुहगपव्वया चउसट्ठिं जोयणसहस्साइं
उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं। सव्वत्थ समा पल्लगसंठाणसंठिता। दस जोयणसहस्सा
इं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्च तेवीसे जोयणसते परिक्खेवेणं सव्वरयणा
मता अच्छा जाव पडिरूवा। तेसिं णं दधिमुहगपव्वयाणं उवरिं बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा पं०। सेसं जहे
व अंजणगपव्वताणं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव चूतवणं उत्तरे पासे। तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले अंज
णगपव्वते तस्स णं चउदिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पं० तं० भद्दा विसाला कुमुदा पुंडरगिणी। ताओ णं
दाताओ पुक्खरणीओ एगं जोयणसयसहस्सं सेसं तं चेव जाव दधिमुहगपव्वता जाव वणसंडा। तत्थ णं जे से प
च्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वते तस्स णं चउदिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पं० तं० णंदिसेणा अमोहा गोथूभा सु ५७

दंसणा। सेसं तं चेव। तहेव दधिमुहगपव्वता। तहेव सिद्धायतणा जाव वणसंडा। तत्थ णं जे से उत्तरिल्ले अंजण
गपव्वते तस्स णं चउदिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पं० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया। ताओ णं पु
क्खरणीओ एगं जोयणसयसहस्सं सेसं तं चेव पमाणं तहेव दधिमुहगपव्वता। तहेव सिद्धायतणा जाव वणसं
डा। णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभागे चउसु विदिसासु चत्तारि रतिकर
गपव्वता पं० तं० उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वते दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वते दाहिण
पच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वते। ते णं रतिकरगपव्वता दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस
गाउयसताइं उव्वेहेणं सव्वत्थ समा झल्लरिसंठाणसंठिता। दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्क
तीसं जोयणसहस्साइं छच्च तेवीसे जोयणसते परिक्खेवेणं सव्वरयणामता अच्छा जाव पडिरूवा।
तत्थ णं जे से उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वते। तस्स णं चउदिसिं ईसाणस्स देवरन्नो चउण्हमग्गमहिसीणं जं
बुद्दीवपमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ पं० तं० णंदुत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा। कण्हाते कण्हराईते रामाते राम
रक्खियाते। तत्थ णं जे से दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वते। तस्स णं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो चउ

इमस्स णं दिसाए णं जंबूदीवपमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ पं. तं. समणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा पउमा
सिवाए सुतीते अंजूए। तत्थ णं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वते तस्स णं चउदिसिं सक्कस्स देवि
दस्स देवरन्नो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबूद्दीवपमाणमित्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पं. तं. भूता भूतवडेंसा गोथू
भा सुदंसणा अमलाते अच्छराते णवमिताते   रोहिणीते। तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वते
तस्स णं चउदिसिमीसाणस्स चउण्हमग्गमहिसीणं   जंबूदीवपमाणमित्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पं. तं. रयणा
रतणुच्चया सव्वरतणा रतणसंचया वसूते   वसुगुत्ताते वसुमित्ताते वसुंधराते। चउव्विहे सच्चे
पं. तं. णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावस   च्चे। आजीवियाणं चउव्विहे तवे पं. तं. उग्गतवे घोरत
वे रसणिज्जूहणता जिब्भिंदियपडिसंलीणता   चउव्विहे संजमे पं. तं. मणसंजमे वतिसंजमे कायसंज
मे उवगरणसंजमे। चउव्विधे चियाते पं. तं. मणचियाते वतिचियाते कायचियाते उवगरणचियाते। चउव्वि
धा अकिंचणता पं. तं. मणअकिंचणता वतिअकिंचणता कायअकिंचणता उवगरणअकिंचणता। बितीओ उ
द्देसओ समत्तो॥ ॥चत्तारि राईओ पं. तं. पव्वयराती पुढविराती वालुयराती उदगराती। एवामेव चउव्विहे ५८

कोहे पं. तं. पव्वयरातिसमाणे पुढविरातिसमाणे वालुयरातिसमाणे उदगरातिसमाणे। पव्वयरातिसमाणं
कोहं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जति। पुढविरातिसमाणं कोहमणुपविट्ठे तिरिक्खजो
णिएसु उववज्जति। वालुयरातिसमाणं कोहं अणुपविट्ठे मणुस्सेसु उववज्जति। उदगरातिसमाणं कोहमणुप
विट्ठे समाणे देवेसु उववज्जति। चत्तारि उदगा पं.   तं. कद्दमोदए खंजणोदए वालुओदए सेलोदए। एवामे
व चउविहे भावे पं. तं. कद्दमोदगसमाणे खंज   णोदगसमाणे वालुओदगसमाणे सेलोदगसमाणे।
कद्दमोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे का   लं करेइ णेरइएसु उववज्जति। एवं जाव सेलोदग
समाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवे   सु उववज्जति। चत्तारि पक्खी पं. तं. रुतसंपन्ने नाममेगे
णो रूवसंपन्ने णो रुतसंपन्ने। एगे रुतसंपन्नेवि   रूवसंपन्नेवि एगे   णो रूवसंपन्ने णो रुतसंप
न्ने। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं. तं. रुतसंपन्ने नाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि पुरिसजाया पं. तं. पत्ति
यं करेमीतेगे पत्तियं करेति पत्तियं करेमीतेगे अप्पत्तियं करेति अप्पत्तियं करेमीतेगे पत्तियं करेइ। अ
प्पत्तियं करेमीतेगे अप्पत्तियं करेमिति। चत्तारि पुरिसजाया पं. तं. अप्पणो णाममेगे पत्तियं करेति णो परस्स

४ रू व संप
न्ने नाममेगे ४
४

ठाणांगसू

परस्स नाममेगे पत्तियं करेति एगे अप्पणो ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० पत्तियं पावेसामीतेगे पत्तियं पवेसइ अप
त्तियं पवेसामीतेगे अप्पत्तियं पावेसति चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० अप्पणो नाममेगे पत्तियं पावेसइ अप्पणो परस्स नाम
परस्स ४ चत्तारि रुक्खा पं० तं० पत्तोवए पुप्फोवए फलोवए छायोवए एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं०
पत्तोवारुक्खसमाणे पुप्फोवारुक्खसमाणे फ- लोवारुक्खसमाणे छायोवारुक्खसमाणे भारण्णं वहमा
णस्स चत्तारि आसासा पं० तं० जत्थ णं अंसाओ अंसं साहरइ तत्थवि ता से एगे आसासे पण्णत्ते
जत्थवि य णं उच्चारं वा पासवणं वा परिट्ठ- वेति तत्थवि ता से एगे आसासे पण्णत्ते जत्थवि य णं
णागकुमारावासंसि वा सुवण्णकुमारावासंसि वा वासं उवेति तत्थवि ता से एगे आसासे पण्णत्ते जत्थवि य णं
आवकहाए चिट्ठति तत्थवि ता से एगे आसासे पं० एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि आसासा पं० तं० सील ×जत्थविय णं×
व्वत गुणव्वत वेरमण पच्चक्खाण पोसहोववासाइं पडिवज्जति तत्थवि य से एगे आसासे पण्णत्ते जत्थवि य णं सामाइ
यं देसावगासियं सम्ममणुपालेइ तत्थवि ता से एगे आसासे पं० जत्थवि य णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु
पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेइ तत्थवि ता से एगे आसासे पण्णत्ते जत्थवि य णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणा ५९

झूसणा झूसिते भत्तपाणपडियाइक्खिते पाओवगते कालं अणवकंखमाणे विहरति तत्थवि ता से एगे आसासे
पण्णत्ते चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उदितोदिते णाममेगे उदितत्थमिते णाममेगे अत्थमितोदिते णाम
मेगे अत्थमितत्थमिते णाममेगे भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी णं उदितोदिते बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्क
वट्टी उदितत्थमिते हरिएसबले णमणगारे णं अत्थमितोदिते कालेणं सोयरिये अत्थमितत्थमिते चत्ता
रि जुम्मा पं० तं० कडजुम्मे तेओए दावरजु- म्मे कलिओए नेरतियाणं चत्तारि जुम्मा पं० तं० कडजुम्मे
तेओए दावरजुम्मे कलिओए एवं असुर- कुमाराणं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइया
णं आउ तेउ वाउ वणस्सति बेंदियाणं ते- इंदियाणं चउरिंदियाणं पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं
मणुस्साणं वाणमंतरजोइसियाणं वेमाणि- याणं सव्वेसिं जहा णेरइयाणं चत्तारि सूरा पं० तं० खंतिसू
रे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे खंतिसूरा अरहंता तवसूरा अणगारा दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदे
वे चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उच्चे णाममेगे उच्चच्छंदे उच्चे णाममेगे णीयच्छंदे णीए णाममेगे उच्चच्छंदे णी
ए णाममेगे णीयच्छंदे असुरकुमाराणं चत्तारि लेसाओ पं० कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा तेउलेसा एव

नाना । रथ २ तुरंगे । बयदादि संयुक्त २ तुरंगे । आसवालेकरी संयुक्त २ । ठाना नानाविशेष ८ सारका । एक तेऊतरइ पदि ... ७ कथा । ... दिक सांहत ... तुरंगे । आसवारसहित ११

ठाणांगसू जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं । वाणमंतराणं सव्वेसिं जहा असुरकुमाराणं
॥ चत्तारि रुक्खा पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए । उन्नए णाममेगे पणए । पणए णाममेगे उन्नए । पणए णाममेगे
पणए । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए । उन्नए णाममेगे पणए । ४ । ह० चत्तारि रुक्खा
पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयपरिणए । उन्नए णाममेगे पणयपरिणए । ह० एवामेव चत्तारि पुरिसजाया
पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयपरिणए । ह० चत्तारि रुक्खा पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयरूवे । उन्नए णाममे
गे उन्नयरूवे । ह० एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयरूवे । ह० चत्तारि पुरिसजा
या पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयमणे । ह० एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयसं
कप्पे । ह० चत्तारि उज्जू पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्न । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्न
एवं उन्नयमणे । चत्तारि अंतो लावण्णा । तत्थ उन्नए णाममेगे विपडिसत्तारूवे पुरिसजाता उ० वासा लह चत्तारिसार
दी पं० तं० जाया वइत्ता णाममेगे णो विजाया वइत्ता वि । जाया वइत्ता नाममेगे णो जाया वइत्ता । एगे णो जाया वइत्ता
वि विजाया वइत्ता वि । एगे णो जाया वइत्ता णो विजाया वइत्ता । चत्तारि हया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्न णाम ६०

जुगारिया । रथ तुंगमकर तुंबि वकारियानु । बोरनत ५ ताता नकरा सारत्तु । प्रुवउ रक्कइतेरथ ४ । कुफा । उपरि गांधिइ संपन्न ननकसइ । पति सपसं पनतेआउ ल नाकुरया । एक गधि संपन्न । पति कप संपनुं नस । ह कं के क पहिनुं कुक । एक गंधइ संपन्न । तया सपइ संपनते तो नानपुक । एक गंध संपन्नुं न ह । रूपसंप कुलनह ते सा वलि नापुक ॥ ६ ॥

ग उन्नए । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए । ह० एवं उन्नयपरिणए । उन्नयरूवे । उन्नयसीले
साव सिं पडिवक्खो पुरिसजाता चत्तारि गया पं० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए ह० । एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं०
। उन्नए णाममेगे उन्नए । ह० एवं जहा हयाणं तहा गयाण वि नाणियव्वं । पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया । चत्ता
रि उज्जुगारिता पं० तं० पंथ जाती णाममेगे णो उप्पहजाती । उप्पहजाती णाममेगे णो पंथजाई । एगे पंथजा
ती वि उप्पहजाती वि । एगे णो पंथजाती णो उप्पहजाती । चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० चत्तारि पुप्फा पं०
तं० रूवसंपन्ने नाममेगे णो गंधसंपन्ने । गंधसंपन्ने नाममेगे णो रूवसंपन्ने । एगे रूवसंपन्ने वि गंध
संपन्ने वि । एगे णो रूवसंपन्ने णो गंधसंपन्ने । एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० रूवसंपन्ने नाममेगे
णो सीलसंपन्ने । ह० ... चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० जातिसं
पन्ने नाममेगे णो कुलसंपन्ने । ह० चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० जातिसंपन्ने नाममेगे णो बलसंपन्ने । बलसंपन्ने
नाममेगे णो जातिसंपन्ने । एवं जातीए रूवेण । चत्तारि आलावगा । एवं जातीए सुएण । ह० एवं जातीए
सीलेण य । ह० एवं जातीए चरित्तेण य । ह० एवं कुलेण बलेण य । ह० एवं कुलेण रूवेण य । ह० कुलेण य चरित्ते

× चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० कुलेण य × १ × सुतेण य ह० । कुलेण य सीलेण य ह० ।
कुलेण य × १

नवदिमत स्वपि गुवीस्किनु वैयावच करइ जधा वांछइ न सो॰ जुम्हइ सागइ तीन कल्या॰ तथा प्रतिमा धरे॰ वाचाइ सागइ श्री आर्य॰ श्री गाइ सागइ समापुवृजा
इसाधु॰१॥

ठाणांगसू

णयाए ४ चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ एवं बलेण य सुतेण य ४ एवं बले
णय सीलेण य ४ एवं बलेण य चरित्तेण य ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० रूवसंपन्ने नाममेगे णो सुयसंप
न्ने ४ एवं रूवेण य सीलेण य ४ रूवेण य चरित्तेण य ४ चत्तारि पुरिसा पं० तं० सुयसंपन्ने नाममेगे णो सीलसंपन्ने
४ एवं सुतेण य चरित्तेण य ४ चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० सीलसंपन्ने नाममेगे णो चरित्तसंपन्ने ४ एते एक्कती
सं भंगा भाणितव्वा चत्तारि फला पं० तं० आमलगमहुरे मुद्दितामहुरे खीरमहुरे खंडमहुरे एवामेव
चत्तारि आयरिया पं० तं० आमलगमहुरफलसमाणे जाव खंडमहुरफलसमाणे चत्तारि पु
रिसजाता पं० तं० आतवेतावच्चकरे नाममेगे नो परवेतावच्चकरे ४ चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० क
रेति नाममेगे वेयावच्चं णो पडिच्छइ पडिच्छइ नाममेगे वेयावच्चं नो करेइ ४ चत्तारि पुरिसजाता पं०
तं० अट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे माणकरे णाममेगे णो अट्ठकरे एगे अट्ठकरेवि माणकरेवि
एगे णो अट्ठकरे णो माणकरे चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० गणट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४ चत्तारि पुरिस
जाता पं० तं० गणसंगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० गणसोभकरे णाममेगे णो 62

गणसोभकरे॰ पूजा वकारगुवधारइ पणि मानन करइ॰१॥ तथा गुणसोभ॰ किपा सोगिपाय अतदेई सुध करइ॰१॥ रूव जहति॰ रूप छोडइ पणि धर्म न छोडइ कारण
वशेष रकाइ एक साधु लिंग मुकइ॥ वाचइ सागइ पासत्थादि श्री गइ सागइ तेकंडरीक वतु॥ वंउ एउ सागइ सुसाधु॥२॥ एक धर्म मुकइ पणि गछनी सामाचा
री न मूकइ ३॥ धमारिया केता इधर्म उपदेशइ देइ समकत वृतियाग धर्म वाणि॥ उपदेशा आयरिय॰ गुरु करइ श्री मह॰ एक मसतो उपरि वाचनादिक नगु
वइ अन सू॥५॥

माणकरे ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० गणसोहिकरे णाममेगे णो माणकरे ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० रूवं
नाममेगे जहति नो धम्मं १ धम्मं नाममेगे जहति नो रूवं २ एगे रूवंपि जहति धम्मंपि जहति ३ एगे नो रूवं ज
हति नो धम्मं ४ चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० धम्मं नाममेगे जहति नो गणसंठिति ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० पि
यधम्मे नाममेगे नो दढधम्मे १ दढधम्मे नाममेगे नो पियधम्मे २ एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि ३ ए
गे नो पियधम्मे नो दढधम्मे ४ चत्तारि आयरिया पं० तं० पव्वावणायरिते नाममेगे नो उवट्ठावणा
यरिते १ उवट्ठावणायरिए णाममेगे नो पव्वावणायरिए २ एगे पव्वावणायरितेवि एगे उ
वट्ठावणायरितेवि ३ एगे नो पव्वावणायरिते नो उवट्ठावणायरिते ४ धम्मायरिए चत्तारि आयरिया
पं० तं० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४ धम्मायरिए चत्तारि अंतेवासी पं० तं० पव्वावणंते
वासी नाममेगे णो उवट्ठावणंतेवासी ४ धम्मंतेवासी चत्तारि अंतेवासी पं० तं० उद्देसणंतेवासी नाममेगे णो
वायणंतेवासी १ वायणंतेवासी ४ धम्मंतेवासी चत्तारि निग्गंथा पं० तं० रातीणिए समणे निग्गंथे महाकम्मे
महाकिरिए अणायावी असमिते धम्मस्स अणाराधते भवति ओमरातिणिते समणे निग्गंथे अप्पकम्मे अप्प

धार्मिक्रिया वागइ॰१॥ रुमक पकारि धर्म आचरी न सकइ॰१

रायणीए॰
रात्नाइवड
इ॥२॥ माणा
आरा॰ आता
पनान सइ॰
समित॰ सुध
समति नपा
लइ॥१॥

[illegible]
[illegible]

ठाणांग ४

किरिते। आतावी समिते धम्मस्स आराहते भवति। २ ओमरातिणिते समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिते॥
अणाती असमिते धम्मस्स अणाराहते भवति। ३ ओमरातिणिते अप्पकम्मे अप्पकिरिते आतावी समि-
त कम्मस्स आराहते भवति। ४ चत्तारि णिग्गंथीओ पं. तं. रातिणिया समणी णिग्गंथी एवं चेव ४ चत्तारि सम-
णोवासगा पं. तं. रातिणिते समणोवासए म- हाकम्मे तहेव ४ चत्तारि समणोवासियाओ पं. तं. रातिणिते
समणोवासिता महाकम्मा तहेव चत्तारि ग- मा चत्तारि समणोवासगा पं. तं. अम्मापितिसमाणे भा-
तिसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे। च- त्तारि समणोवासगा पं. तं. अद्दागसमाणे पडाग-
समाणे खाणुसमाणे खरकंटयसमाणे। ४ समणस्स णं भगवतो महावीरस्स समणोवासगा-
णं सोधम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे चत्तारि प- लिओवमाइं ठिती पं. चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने दे-
वे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएति हव्वमागच्छित्तते। तं. अहुणोववन्ने
देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते गिद्धे गढिते अज्झोववन्ने। से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ
णो परियाणाति णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेति णो ठितिपगप्पं पगरेति। १ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु ६२

दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते. तस्स णं माणुस्सते पेम्मे वोच्छिन्ने दिव्वे संकंते भवति। २ अहुणोववन्ने देवे
देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिते ४ तस्स णं एवं भवति। इण्हिं गच्छं मुहुत्तेणं गच्छं तेणं कालेणं अप्पा-
उया मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति। ३ अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु कामभोगेसु मुच्छिते ४ तस्स
णं माणुस्सए गंधे पडिकूले पडिलोमे तावि भव- ति। उड्ढंपि य णं माणुस्सए गंधे जाव चत्तारि पंच जोयणस-
ताइं हव्वमागच्छति. ४ इच्चेतेहिं चउहिं ठाणेहिं अ- हुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लो-
गं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएति हव्वा॥ हव्वमागच्छित्ता। चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने दे-
वे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छि- त्ता तं. अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु कामभो-
गेसु अमुच्छिते जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवति। अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिते ति वा उव-
ज्झाए ति वा पवित्तणी ति वा थेरे ति वा गणी ति वा गणधरे ति वा गणावच्छेदे ति वा जेसिं पभावेण मा तइमा एया-
रूवा दिव्वा देवड्ढी दिव्वा देवजुत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवा-
सामि। १ अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णामेवं भवति। एस णं माणुस्सए भवे णा

मित्रे॰ बाल विस्यानामित्र॥ सखा॰ साथइ वाध्या सहा सुखइ सुखा दुःखा दुःखा॥ सहाए॰ कार्यादिक नइ विषइ सखाइ॥ संगए॰ देसं घातइ मित्रता कुइ॥५॥

ठाणांगसू णीतिवा। तवस्सीतिवा। अइदुक्करदुक्करकारग। तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि। जाव पज्जुवासामि। २ अहुणो
ववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवति। अत्थि णं मम माणुस्सए भवे माताति वा जाव
सुण्हाति वा। तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि। पासंतु ता मे इममेतारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुतिं लद्धं पत्तं
अभिसमन्नागतं। ३ अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवति। अत्थि णं म
म माणुस्सए भवे मित्तेति वा सहीति वा सुहीति वा सहाएति वा संगएति वा। तेसिं च णं अम्हे अन्नमन्नस्स सं अन्न
गारे पडिसुते भवति। जो मे पुव्विं चयति से संबोहेतव्वे। इच्चेतेहिं जाव संचाएति हव्वमागच्छि
त्तए ४ चउहिं ठाणेहिं लोगंधकारे सिया। तं अरहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरहंतपन्नत्ते धम्मे वोच्छि
ज्जमाणे पुव्वगते वोच्छिज्जमाणे जायतेजे वोच्छिज्जमाणे चउहिं ठाणेहिं लोउज्जोते सिया। तं अरहंतेहिं जाय
माणेहिं। अरहंतेहिं पव्वयमाणेहिं। अरहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। अरहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु। एवं
देवंधगारे देवुज्जोते। देवसन्निवाते। देवुक्कलिया ते। देवकहकहते। चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं
लोगं हव्वमागच्छंति। एवं जहा तिट्ठाणे जाव लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा। तं अरहंतेहिं जाय ६२

माणेहिं जाव अरहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु। चत्तारि दुहसेज्जाओ पं०। तं०। तत्थ खलु इमा पढमा दुहसेज्जा। से
णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वतिते। णिग्गंथे पावयणे संकिते कंखिते वितिगिच्छिते भेयस
मावन्ने कलुससमावन्ने। निग्गंथं पावयणं णो सद्दहति। णो पत्तियति। णो रोएइ। निग्गंथं पावयणं असद्दह
माणे। अपत्तियमाणे। अरोएमाणे। मणं उच्चावयं नियच्छति। विणिघातमावज्जति। पढमा दुहसेज्जा। अ
हावरा दोच्चा दुहसेज्जा। से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ जाव पव्वतिते। सएणं लाभेणं णो तुस्सति। परस्स
लाभमासाएति। पीहेति पत्थेति। अभिलसति। परस्स लाभमासाएमाणे जाव अभिलसमाणे
मणं उच्चावयं नियच्छइ। विणिघातमावज्जति। दोच्चा दुहसेज्जा। अहावरा तच्चा दुहसेज्जा। से
णं मुंडे भवित्ता। जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे आसाएइ। जाव अभिलसति। दिव्वमाणुस्सए का
मभोगे आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं नियच्छति। विणिघातमावज्जति। तच्चा दुहसेज्जा।
अहावरा चउत्था दुहसेज्जा। से णं मुंडे जाव पव्वइए। तस्स णं एवं भवति। जया णं अहं अगारवासमावसामि
तदा णं अहं संवाहणपरिमद्दणगातब्भंगगातुच्छोलणाइं लभामि। जप्पभिइं च णं अहं मुंडे जाव पव्वतित

ठाणांगसू

तए लिंइचणं अद्देसं वादण जाव गाउ ब्बालणाइं णालभामि। स णं सं बाह्मण जाव गाउ ब्बालगाइं लभामि। मूणं सं
वाह्मण जाव गाउ ब्बालणाइं आसाति जाव अभिलसमाणे आसायमाणे जाव मणं उच्चावतं नियच्छति। विणिघा
यमावज्जति। चउत्था दुहसेज्जा। चत्तारि सुहसेज्जाओ पं। तं। तत्थ खलु इमा पढमा सुहसेज्जा। से णं मुंडे भवित्ता अ
गाराता अणगारितं पव्वतिए। णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिते णिक्कंखिते निव्वितिगिच्छे नो भेदसमावन्ने नो क
लुससमावन्ने निग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तीइ रोएइ सद्दहमाणे पत्तितमाणे रोएमाणे नो मणं उच्चावयं नि
यच्छति। णो विणिघातमावज्जति। पढमा सुहसेज्जा। अहावरा दोच्चा सुहसेज्जा। जाव पव्वतिते
स तेणं लाभेणं तुस्सति। परस्स लाभं णो आसातेति णो पीहेति णो पत्थेति णो अभिलसति। परस्स लाभं
मणासायमाणे जाव अणभिलसमाणे नो मणं उच्चावतं णियच्छति। णो विणिघातमावज्जति। दोच्चा सुह
सेज्जा। अहावरा तच्चा सुहसेज्जा। अहावरा तच्चा सुहसेज्जा। से णं मुंडे जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभो
गे णो आसाति जाव णो अभिलसति। दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासायमाणे जाव अणभिलसमाणे णो
मणं उच्चावतं णियच्छति। णो विणिघातमावज्जति। तच्चा सुहसेज्जा। अहावरा चउत्था सुहसेज्जा। से णं मुंडे। ६४

आयंतकरे॰ आपणो आत्मानइ आभवनो हितकारी … परंतकरे॰ … दुग्गए॰ दरिद्रपणाइ उपनु पछइ दुर्गति जाइ॥ सुग्गए॰ सुरिद्रपणाइ उपनु पछइ …
इत्यर्थः॥२१॥

जाव पव्वतिते तस्स णं एवं भवति। जइ ताव अरहंता भगवंतो हट्ठा आरोगा बलिया कल्लसरीरा। अन्नयरा
इं ओरालाइं कल्लाणाइं विउलाइं पयताइं पग्गहिताइं महाणुभागाइं कम्मक्खयकरणाइं तवोकम्माइं प
डिवज्जंति। किमंग पुण अहं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं नो सहामि खमामि तितिक्खेमि अहियासेमि।
ममं च णं अब्भोवगमिओवक्कमियं सम्ममसहमाणस्स अक्खममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहिया
सेमाणस्स किं मन्ने कज्जति। एगंतसो मे पावे कज्जति। ममं च णं अब्भोवगमिओ जाव सम्मं सह
माणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मन्ने कज्जति। एगंतसो मे निज्जरा कज्जति॥ चउत्था सुहसे
ज्जा। चत्तारि अवायणिज्जा पं। तं। अविणीए विगईपडिबद्धे अविओसवितपाहुडे माई। चत्तारि वाइ
णिज्जा पं। तं। विणीते अविगतिपडिबद्धे विओसवितपाहुडे अमाती। चत्तारि पुरिसजाया पं। तं। आयंत
करे नाममेगे नो परंतकरे। परंतकरे नाममेगे नो आतंतकरे। एगे आतंतकरे वि परंतकरे वि। नो आयंतकरे नो परंतकरे।
चत्तारि पुरिसजाया पं। तं। दुग्गए नाममेगे दुग्गए। दुग्गए नाममेगे सुग्गए। सुग्गए नाममेगे दुग्गए। सुग्गए
नाममेगे सुग्गए। चत्तारि पुरिसजाया पं। तं। दुग्गए नाममेगे दुव्वए। दुग्गए नाममेगे सुव्वए। सुग्गए नाममेगे

दुरिद्रयराइ अथनु आनंद पाडु को ध्रइ रलियाति ॥१॥ दुगतिगामी तेहवा कर्त्तव्य करइ जेणइ करी दुगति जाइ ॥२॥ तमे अन्धकारु अज्ञानपणइ ज्ञान ॥ यहि लु
अज्ञानपणइ ज्ञानरूप उद्योत ॥४॥ तमबल वीरादिक तेहनइ अंधकारनुं बल बीजइ जाणइ कठिमारा प्रमुख ॥ त्रीजइ जाणइ साधु तेहनइ ज्ञानादिक
करी कर्मक्षय करइ ॥ साधु धर्मध्यानादिइं करी रागादिकनी कर्मक्षय करइ ॥५॥ परिनाय कर्म ताप सादिक तेणइ आरंभ मुक्या ॥ पता सम कलनथा

ठाणांगसू

दुहए सुगएनाममेगे सुहते ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० दुग्गतेनाममेगे दुप्पडिताणंदे दुग्गतेनाममेगे सु
पडिताणंदे ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० दुग्गतेनाममेगे सुग्गतिगामी दुग्गइनाममेगे सुग्गतिगामी ४ च
त्तारि पुरिसजाया पं० तं० दुग्गतिनाममेगे दुग्गतिगाते दुग्गतिनाममेगे सुगतिगाते ४ चत्तारि पुरिसजाता पं
० तं० तमेनाममेगे तमे तमेनाममेगे जोती ॥ जोतीणाममेगे तमे जोतीणाममेगे जोती ४ चत्तारि पुरि
सजाया पं० तं० तमेनाममेगे तमबले तमे नाममेगे जोतिबले जोतीनाममेगे तमबले जोती
नाममेगे जोतीबले चत्तारि पुरिसजा ता पं० तं० तमेनाममेगे तमबलपज्जणे तमेना
ममेगे जोतीबलपज्जणे ४ चत्तारि पुरि सजाया पं० तं० परिन्नायकम्मा नाममेगे नापरिन्नात
सन्ने परिन्नातसन्नेणाममेगे णोपरिन्नातक म्मे चिणामे परिन्नातकम्मे ४ चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० प
रिन्नायकम्मेणाममेगे नापरिन्नातगिहावासे परिन्नायगिहावासेणाममेगे णो परिन्नातकम्मे ४ चत्तारि
पुरिसजाता पं० तं० परिन्नातसन्नेणाममेगे नापरिन्नातगिहावासे परिन्नातगिहावासेणाममेगे ४ चत्तारि पुरि
सजाता पं० तं० इहत्थेणाममेगे नापरत्थे परत्थेनाममेगे नो इहत्थे ४ चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० एगेणाममेगे

॥ बीजइ अ
गइ आवर्त्ति
समय गइ बी
बीजइ जाइ
साधु ॥ वउथ
गइ मथ्य
वसफित वृ
॥७॥ रूप गु
णि कादिक ॥
बीजइ जाइ
साधु ॥ त्रीजइ
जाइ श्राव
क ॥ वउथु जा
गइ माछीय
मुख ॥११॥

६५

छाया एकेन्यानइ करी वाधइ ... दोष करी वाधइ रागद्वेषइ करी होणउ थाइ ॥ त्रीजइ जाणइ ज्ञानदर्शनवाधइ मथ्यादि
त्रकारु थाइ ॥ चउथइ जाणइ रीध धो थाइ पुण्य तप संयम वाधइ ॥१॥ आभने जाति साधु आग्नेगुरो करी आ का पि ॥ बीजइ जाणइ जाति साधु सम्य पणि
गुरा हीरा ॥२॥

गवड्ढति एगेणं एगेति एगेणं णाममेगे वड्ढइं दोहिं हायंति दोहिं णाममेगे वड्ढति एगे एणं हायंति एगे दो
हिं नाममेगे हायंति दोहिं वड्ढति ४ चत्तारि कंथगा पं० तं० आइन्ने नाममेगे आइन्ने आइन्ने नाममेगे खलु
के खलुंकेनाममेगे आइन्ने खलुंके नाममेगे खलुंके ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० आइन्ने नाममे
गे आइन्ने चउभंगो ४ चत्तारि कंथगा पं० तं० आ इन्ने नाममेगे आइन्नताते विहरति आइन्ने नाममेगे
खलुंकत्ताते विहरति ४ एवामेव चत्तारि पु रिसजाता पं० तं० आइन्ने आइन्नताए विहरइ चउभंगो
चत्तारि कंथका पं० तं० जातिसंपन्ने नाम मेगे णो कुलसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजा
ता पं० तं० जातिसंपन्ने नाममेगे चउभंगो ४ चत्तारि कंथगा पं० तं० जातिसंपन्ने नाममेगे णो बल
संपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० जा तिसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४ चत्तारि कंथगा
पं० तं० जातिसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० जातिसंपन्ने णाममेगे
णो रूवसंपन्ने ४ चत्तारि कंथगा पं० तं० जाइसंपन्ने नाममेगे णो जयसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया
पं० तं० जातिसंपन्ने ४ एवं कुलसंपन्नेण बलसंपन्नेण य ४ कुलसंपन्नेण य रूवसंपन्नेण य ४ कुलसं

पन्नणामं जायसंपन्नणामं ४ एवं बलसंपन्नणामं ४ रूवसंपन्नणामं ४ बलसंपन्नणामं जायसंपन्नणामं
४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० ... चत्तारि कंथगा पं० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो जायसंपन्ने ४ चत्तारि पु
रिसजाया पं० तं० सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरति सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सियालत्ताए
विहरइ सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीह। त्ताए विहरइ सियालत्ताए णाममेगे सियालत्ताए विहरइ
चत्तारि लोगसमा पं० तं० अपइट्ठाणे णरए जंबुद्दीवे पालए जाणविमाणे सव्वट्ठसिद्धे महावि
माणे चत्तारि लोगसमा सपक्खिं सपडिदि सिं पं० तं० सीमंतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे
इसीपब्भारा पुढवी उड्ढलोगे णं चत्तारि बिसरीरा पं० तं० पुढविकाइया आउवणस्सइ उरालया
तसपाणा अहोलोगे णं चत्तारि बिसरीरा पं० तं० एवं चेव एवं तिरियलोए वि ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं०
हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते चत्तारि सिज्जपडिमाओ पं० तं० चत्तारि वत्थपडिमाओ पं० तं० चत्तारि
पायपडिमाओ पं० तं० चत्तारि ठाणपडिमा चत्तारि सरीरगा जीवफुडा पं० तं० वेउव्विए आहारए तेयए क
म्मए चत्तारि सरीरगा कम्मुम्मीसगा पं० तं० उरालिए वेउव्विए आहारए तेयए चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे ६६

फुडे पं० तं० धम्मत्थिकाएणं अधम्मत्थिकाएणं जीवत्थिकाएणं पुग्गलत्थिकाएणं चउहिं बायरकाए
हिं उववज्जमाणेहिं लोगे फुडे पं० तं० पुढविकाइएहिं आउ वाउ वणस्सइकाइएहिं चत्तारि पएसग्गेणं तुल्ला पं०
तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए लोगागासे एगजीवे चउण्हमेगसरीरं नो सुपस्सं भवइ तं० पुढविकाइयाणं
आउ तेउ वणस्सइकाइयाणं चत्तारि इंदियत्था पुट्ठा वेदेंति तं० सोतिंदियत्थे घाणिंदियत्थे जिब्भिंदियत्थे
फासिंदियत्थे चउहिं ठाणेहिं जीवा य पोग्गला य णो संचाएंति बहिया लोगंताओ गमणयाए तं०
गतिअभावेणं णिरुवग्गहत्ताए लुक्खत्ताए लोगाणुभावेणं चउव्विहे णाते पं० तं० आहर
णे आहरणतद्देसे आहरणतद्दोसे उवण्णासोवणए आहरणे चउव्विहे पं० तं० अवाए उवाए ठवणा
कम्मे पडुप्पन्नविणासी आहरणतद्देसे चउव्विहे पं० तं० अणुसिट्ठी उवालंभे पुच्छा णिस्सावयणे आहर
णतद्दोसे चउव्विहे पं० तं० अधम्मजुत्ते पडिलोमे अत्तोवणीते दुरुवणीते उवण्णासोवणए चउवि
हे पं० तं० तव्वत्थुते तदन्नवत्थुते पडिनिभे हेतू चउव्विहे पं० तं० जावते थावते वंसते लूसते अहवा
हेऊ चउव्विहे पं० तं० पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे अहवा हेऊ चउव्विहे पं० तं० अत्थित्तं अत्थि सो हेऊ

ठाणांगसू

पासामंसोवमे० पाडु दुःख आपइ उमासते सतीउप माइ॥ पुत्रमंसोवमे० स्नेह परतया दुःखइ व्यंतर॥ आसीविसा० जेहनी डाढइ विषवसइ॥ ११॥

पसप्पाका० भोगनइ अर्थि इ देशादेशांतर जाइ तथा आरंभ परिग्रह प्रमुख विस्तार॥ भोग थका स्त्रीयादिक सुषते संबंधित॥४॥
इंगाले० थोडा काल लगइ दाहइ॥ मुम्मुरोव० घणा काल दाहइ॥ सीतवेदनाइ त्यादिक प्रत॥ हिमसीतल० अत्यंत सीत वेदना जनक आहार॥७॥
कंकोवमे० कोकोदिक पंखी नइ दुर्जर आहार सम्यग् थई परिणाम पामइ तेम आहार॥ बिलोवमे० बिलनइ विखइ

अछिंतंणछिंतं सादिक्क । णछिंतं अछिंसोदिक्क । णछिंतंणछिंसादिक्क । चउव्विहे संखाणे । पं० तं० पडिकम्मा । ववहारे
रज्जुरासी । अहोलोगे णं चत्तारि अंधगारं करंति । तं० णरगा । नरगावासा । णेरइया पावाइं कम्माइं । असुभा पोग्गला
। ४ तिरियलोगे णं चत्तारि उज्जोतं करंति । तं० चंदा । सूरा । मणी । जोती । उड्ढलोगे णं चत्तारि उज्जोतं करंति । देवा दे
वीओ । विमाणा । आभरणा । चउत्थट्ठाणस्स तइउद्देसो सम्मत्तो ॥३॥ ॥ चत्तारि पसप्पगा पं० तं० अणुप्पन्नाणं भो
गाणं उप्पाइत्ता एगे पसप्पए । पुव्वुप्पन्नाणं भोगाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए । अणुप्पन्नाणं सोक्खाणं
उप्पाइत्ता एगे पसप्पए । पुव्वुप्पन्नाणं सोक्खाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए । णेरइयाणं चउ
व्विहे आहारे पं० तं० इंगालोवमे । मुम्मुरोवमे । सीतले । हिमसीतले । तिरिक्खजोणियाणं चउव्विहे आ
हारे पं० तं० कंकोवमे । बिलोवमे । पाणमंसोवमे । पुत्तमंसोवमे । मणुस्साणं चउव्विहे आहारे पं० तं० अ
सणे जाव साइमे । देवाणं चउव्विहे आहारे पं० तं० वन्नमंते । गंधमंते । रसमंते । फासमंते । चत्तारि जातिआसी
विसा पं० तं० विच्छुयजातीआसीविसे मंडुक्कजातीआसीविसे उरगजातिआसीविसे मणुस्सजातिआसीविसे । वि
च्छुयजातिआसीविसस्स णं भंते केवइए विसए पन्नत्ते पभू णं विच्छुयजातिआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदि

केई एक इं विषप्रक्षेप करता । बिलनइ विषइ लागइ नही तथा वलि काई सवादै नही । एणीउपमाइ केतला एक तिर्यंच नइ आहार आलकस्य लक्कसगली मांहि उतारि पणि काई एक वार स्वाद वेइ नही ॥ ८॥

लगा सरोकि० उपधादिक निरूउ विवुं॥ एइ विषयकी ॥ भावथकी प्रायश्चित पडवजइ नकी ॥१०॥ अंतो शल्य० मध्ये शल्य जीवादिक एड व्याधकी॥ भावथकी अतीचारादि शल्य गुरो न कहवुं॥ १॥

सहमाणा० शरीर विषपरिणमइ॥ विकसइ फाटइ॥ एतलु विषय कह्यु॥ तिगिछगा० द्रव्यतः कुशादि॥ भावतः रागादिक॥५॥
॥ वणकरे० सोमरसावि० शस्त्रादिक। काढि नइ शरीर छेद करइ॥ परिमासी वलतुं छेद मेलइ नही॥ एड विषयकी॥ भावथकी अतीचार

विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए । विसए से विसट्टताए नो चेव णं संपत्तीए करेंसु वा करेंति वा करिस्संति
वा । मंडुक्कजातिआसीविसस्स पुच्छा । पभू णं मंडुक्कजातिआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसट्टमेसं
तं चेव जाव करेस्संति वा । उरगजाति पुच्छा । पभू णं उरगजातिआसीविसे जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं सेसं
तं चेव जाव करेस्संति । मणुस्सजाति पुच्छा । पभू णं मणुस्सजातिआसीविसे समयखेत्तप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसे
णं विसपरिणतिं विसट्टमाणिं करेत्तए । विसए से विसट्टताए णो चेव णं जाव करिस्संति वा । चउव्विहे वा
ही पं० तं० वातिते । पित्तिते । सिंभिते । सन्निवातिते । चउव्विहा तिगिच्छा पं० तं० विज्जो उ सहाइं आउ
रे परियारए । चत्तारि तिगिच्छगा पं० तं० आततिगिच्छए नाममेगे णो परतिगिच्छए । परतिगिच्छए नाम
मेगे । ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० वणकरे नाममेगे णो वणपरिमासी । वणपरिमासी नाममेगे णो वणकरे
एगे वणकरेवि वणपरिमासीवि एगे णो वणकरे णो वणपरिमासी । चत्तारि पुरिसजाता पं० तं० वणकरे णा
ममेगे णो वणसारक्खी ४ चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० वणकरे नामं एगे णो वणसारोही ४ चत्तारि वणा पं० तं० अंतो
सल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४ एवामे

रादिक वर्षीकरइ॥ परराल वाँतु उपशमन करइ॥८॥ वणसारक्खी० पाटापीइ प्रमुख तेहनुं रखाबुं न करइ॥ एड विषयकी भावथकी वुरी अतीचारादि तेहनु कारण कुसीलादिसंसर्ग तेहनु परिहार बोधुं न करइ॥१०॥

वत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। अंतोसल्ले णाममेगे। ४। चत्तारि वणा। पं।तं। अंतोदुट्ठे नामं एगे णो बाहिं दुट्ठे बाहिं दुट्ठे नाममेगे णो अंतो। ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। अंतोदुट्ठे नाममेगे णो बाहिं दुट्ठे। चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। सेयंसे णाममेगे सेयंसे। सेयंसे नाममेगे पावंसे। पावंसे णाममेगे सेयंसे। पावंसे नाममेगे पावंसे। चत्तारि पुरिसा। पं।तं। सेयंसे नाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए। सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए। ४। चत्तारि पुरिस। पं।तं। सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति मन्नति। सेयंसे तिणाममेगे पावंसेत्ति मन्नति। ४। चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। सेयंसे नाममेगे सेयंसेत्ति सालिसते मन्नति। सेयंसे नाममेगे पावंसेत्ति सालिसते मन्नति। ४। चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। आघवइत्ता णाममेगे णो पविभावइत्ता। पविभावइत्ता णाममेगे णो आघवइत्ता। ४। चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। आघवइत्ता णाममेगे णो उंछजीविसंपन्ने। उंछजीविसंपन्ने णाममेगे णो आघवइत्ता। ४। चउव्विहा रुक्खविगुव्वणा। पं।तं। पवालत्ताते। पत्तत्ताए। पुप्फत्ताए। फलत्ताए। चत्तारि वादिसमोसरणा। पं।तं। किरियावादी। अकिरियावादी। अन्नाणियावादी। वेणइयावादी। णेरइयाणं। चत्तारि वादिसमोसरणा। पं।तं। किरियावादी जाव वेणइयावादी। एवमसुरकुमाराणवि जाव थणियकुमाराणं। एवं विगलिंदियवज्जं जाव वे

माणियाणं। चत्तारि मेहा। पं।तं। गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता। वासित्ता णाममेगे णो गज्जित्ता। एगे गज्जित्तावि वासित्तावि। एगे णो गज्जित्ता णो वासित्ता। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता। विज्जुयाइत्ता णाममेगे। ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता। ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। कालवासी णाममेगे णो अकालवासी। ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। कालवासी णाममेगे णो अकालवासी। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी। ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं।तं। खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता। णिम्मवइत्ता णाममेगे णो जणइत्ता। ४। एवामेव चत्तारि अम्मापियरो। पं।तं। जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। देसवासी णाममेगे णो सव्ववासी। ४। एवामेव चत्तारि रायाणो। पं।तं। देसाहिवती णाममेगे णो सव्वाहिवती। ४। चत्तारि मेहा। पं।तं। पुक्खलसंवट्टते। पज्जुन्ने। जीमूते। जिम्हे। पुक्खलसंवट्टए

ठाणांगसू

वंदलनु कंडी उ तेमाहि प्राह्मिवं ... [illegible]
त्या करत्न सहित आभर्णा ६ प्रथम नागइ अन्यताथी। बीजइ पासहा बीजइ गुरु ... [illegible] सालिसपू सालिपरिवाए। सालि ... [illegible]
आन ई गाथादिक ... [illegible] सालपरिवारे ... [illegible]
सहित ॥८॥

णं महामाद्दणं। रायाणं वासाणं दसवाससहस्सा इं ठावेंति। एकमेक्कएणं महामद्दयाणं दसवासाइं ठावेंति। जाइत्ते
णं महामद्दयाणं दसवासाइं ठावेंति। किमएणं महामदेणं बद्धहिं वासहियगं वासंठावेंति। राणावासा वुइ॥
चत्तारि करंडगा पं० तं०। सोवागकरंडए। वासिताकरंडए। गाहावतिकरंडए। रायकरंडए। एवामेव चत्तारि आ
यरिया पं० तं०। सोवागकरंडसमाणे। वेसिताकरं डगसमाणे। गाहावइकरंडसमाणे। रायकरंडसमाणे। च
त्तारि रुक्खा पं० तं०। साले णाममेगे सालप रियाए। साले णाममेगे एरंडपरियाए। एरंडे णाममे
गे चत्तारि आयरिया पं० तं०। साले णाममेगे सालपरियाए। साले णाममेगे एरंडपरियाए। ए
रंडे णाममेगे ४ चत्तारि रुक्खा पं० तं० साले णा ममेगे सालपरियाए। ६ एवामेव चत्तारि आयरिया
पं० तं०। साले णाममेगे सालपरियाए। ६। सा ल दुममज्झयारे जह साले णाम होति दुमराया इय सुं
दर आयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे। एरंडमज्झयारे जह साले णाम होइ दुमराया। इय सुंदर आयरिए मंग
लसीसे मुणेयव्वे। सालदुममज्झयारे एरंडे णाम होति दुमराया इय मंगल आयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे
एरंडमज्झयारे एरंडे णाम होइ दुमराया। इय मंगल आयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे। ४ चत्तारि मच्छा पं० तं०॥

दए

एरणापरि ... [illegible]
घरिवरिइ लुभइ नागइ ... [illegible] मधु। मायानुगोलु ... [illegible]
वु। त्रिमताभइ मायानुगोलु ... [illegible] करी ... [illegible] ॥३॥

अणुसोयचारी। पडिसोयचारी। अंतचारी। मज्झचारी। एवामेव चत्तारि भिक्खागा पं० तं०। अणुसोयचारी। पडिसोय
चारी। मज्झचारी। चत्तारि गोला पं० तं०। मधुसित्थगोले। जउगोले। दारुगोले। मट्टियागोले। एवामेव चत्तारि पुरि
सजाया पं० तं०। मधुसित्थगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला पं० तं०। अयगोले। तउगोले। तंबगोले। सीसगोले
। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं०। अयगोल समाणे। जाव सीसगोलसमाणे। चत्तारि गोला पं० तं०। हिर
ण्णगोले। सुवन्नगोले। रयणगोले। वयरगो ले। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं०। हिरण्णगोलस
माणे। जाव वइरगोलसमाणे। चत्तारि पत्ता पं०। असिपत्ते। करपत्ते। खुरपत्ते। कलंबचीरियापत्ते
एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं०। अ सिपत्तसमाणे। जाव कलंबचीरियपत्तसमाणे। चत्तारि
कडा पं० तं०। सुंबकडे। विदलकडे। चम्मकडे कंबलकडे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं०। सुंबकड
समाणे। जाव कंबलकडसमाणे। चउव्विहा चउप्पया पं० तं०। एगखुरा। दुखुरा। गंडीपदा। सणप्फदा। चउव्विहा
पक्खी पं० तं०। चम्मपक्खी। लोमपक्खी। समुग्गपक्खी। विततपक्खी। चउव्विहा खुड्डपाणा पं० तं०। बेइंदिया। तेइंदि
या। चउरिंदिया। संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया। चत्तारि पक्खी पं० तं०। णिवतित्ता णाममेगे णो परिवतित्ता परि
... [illegible] ॥१०॥ नवतित। ... [illegible]
... [illegible]
... [illegible]
... [illegible] ॥११॥

Left margin: ... [illegible]

Right margin: ... [illegible]

... [illegible] BHAU DAJI

नकोइ तमिकरानइ उवदेसानाचतकामा अव्यतथापुर्वी ऋषिपकइ ऋषि। बुधतअकार्मजता। सम क्रिया देगातपुन बुध: सविवेक
मनस्कादि त्यक: १॥ बीजइ भागइ बुधस्तवे वाअबुध विविक्त मनस्कात॥ २ पकिलइ भागइ समरुसंकृत क्रिया। बीजइ भांगइ क्रियापुरा
सम्यकरहित॥ २॥ बधक्रिम॥ बुधसास्तनुआणा बुधकृत्य कार्यनइ विषइसम भाइनही॥५॥ अयंकंपइ॥ प्रतिक बुधा बीजइ भागइ तीर्थं करइ॥

ठाणांगसू चुइत्तानामंएगानोनिवइत्ता एगेनिवत्तमाविपरिच्चतित्ताविएगेनोसवतित्तानोपरिचतित्ता एवामेव चत्तारि
सिरकाएगे पं.तं. णिवतित्ताणाममेगेनोपरिचतित्ता ४ चत्तारि पुरिसजाया पं.तं. णिक्कट्ठेणाममेगे णिक्कट्ठ
निक्कट्ठेनाममेगे अणिक्कट्ठे ४ चत्तारि पुरिसजाया पं.तं. णिक्कट्ठेणाममेगे णिक्कट्ठप्पा णिक्कट्ठेनाममेग
अनिक्कट्ठप्पा ४ चत्तारि पुरिसजाया पं.तं. बुद्धे नाममेगे बुद्धे बुद्धेनाममेगे अबुद्धे ४ चत्तारि पुरिसजा
या पं.तं. बुद्धेनाममेगे बुद्धहियए ४ चत्तारि पुरिसजाया पं.तं. अयाणुकंपए णाममेगे नाय
णुकंपए ४ चउव्विहे संवासे पं.तं. दे वे आसुरे रक्खसे माणुसे चउव्विहे संवासे पं.तं.
देवेणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छंति दे वे नाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छंति असुरेनाम
मेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छंति असुरेनाममे गे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छंति असुरेनाममेगे देवीए
सद्धिं संवासं गच्छंति असुरेनाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छंति चउव्विहे संवासे पं.तं. देवेनाममेगे दे
वीए सद्धिं संवासं गच्छंति देवेनाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छंति रक्खसे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं ग
च्छंति रक्खसे नाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छंति ४ चउव्विहे संवासे पं.तं. देवे नाममेगे देवीए सद्धिं संवा ७०

आपथासे॥ चारित्रनाफल नुविना स॥५॥ समकतपो॥ आहार आप धादिकनइ मार्थइ तप करइ निमुक्तजीव॥ बाज आत्मा कहिवइ आज्ञा वकाकारइ॥
७॥ जतकर्म॥ रक्षाविधान॥ कोउ॥ सौभाग्यमित्र सनानादिक करावइ॥८॥ मार्गतरा॥ धर्मकरातांविघ्न न करइ॥ पुत्री॥ दोजाकुतव नीआरांकुं करइ
॥७॥

सं गच्छंति देवेणाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छंति मणुस्से नाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छंति मणुस्से
नाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छंति ४ चउव्विहे संवासे पं.तं. असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छं
ति असुरेनाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छंति चउव्विहे संवासे पं.तं. असुरे नाममेगे असुरीए सद्धिं
संवासं गच्छंति असुरे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छंति ४ चउव्विहे संवासे पं.तं. रक्खसे नाममेगे
रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छंति रक्खसे नाममेगे माणुसीए सद्धिं संवासं गच्छंति चउव्विहे अवद्धंसे पं.तं. वढं
आसुरे अभिओगे संमोहे देवकिब्बिसे चउहिं ठाणेहिं जीवा असुरत्ताए कम्मं पगरेंति तं. को
वसीलताए पाहुडसीलयाए संसत्ततवोक म्मेणं निमित्ताजीवयाए तं. चउहिं ठाणेहिं जीवा अभिओ
गत्ताए कम्मं पगरेंति तं. अत्तुक्कोसेणं परपरि वाएणं भूतिकम्मेणं कोउयकरणेणं चउहिं ठाणेहिं
जीवा संमोहत्ताए कम्मं पगरेंति तं. उम्मग्गदेसणाए मग्गंतराएणं कामासंसपओगेणं भिज्झानियाणकरणे
णं चउहिं ठाणेहिं जीवा देवकिब्बिसियत्ताए कम्मं पगरेंति अरहंताणं अवन्नं वयमाणे अरहंतपन्नत्तस्स ध
म्मस्स अवन्नं वदमाणे आयरियउवज्झायाणं अवन्नं वदमाणे चाउवन्नस्स संघस्स अवन्नं वदमाणे चउव्विहा

विहग· कहइ ऋद्धिक पदवी पामु ३ मोया वमता· रत्नादिक मुकावी दिक्षा देइ ३ वपक्षित· मरम सतोक नतुलो जादेअाडी दिक्षा देइ २ पु
पुरुसत नारक नतु नउ। वराहिगिरहित। धर्म कथा कहीनइ आजा वका करइ॥ निर्स· सरयणाइ आओ विका करइ॥ सा मासंपरिता आओ विका करइ
॥४॥ नउ इपूकार करसरणी वावीय· एकवार तुं वावुं॥ परिवावी· वारं तरि वावी वावीय साविनीपरि॥ नंदी या एकवार रहा॥ दिनु इकु॥

पव्वज्जा। पं। तं। इहलोगपडिबद्धा परलोगपडिबद्धा दुहओलोगपडिबद्धा अप्पडिबद्धा। चउव्विहा पव्वज्जा। पं। तं।
पुरओपडिबद्धा मग्गओपडिबद्धा दुहओपडिबद्धा चउव्विहा पव्वज्जा। पं। तं। ओवायपव्वज्जा। अक्खायपव्वज्जा संगा
रपव्वज्जा॥ विहगपव्वज्जा। चउव्विहा पव्वज्जा। पं। तं। तुयावइत्ता। पुयावइत्ता मोयावइत्ता परिपूयावइत्ता चउवि
हा पव्वज्जा। पं। तं। नडखइया। भडखइया सीहखइया। सियालखइया। चउव्विहा किसी। पं। तं। वाविया परिवा
विया। णिंदिता। परिणिंदिता। एवामेव चउव्विहा पव्वज्जा। पं। तं। वाविता। परिवाविता। णिंदिता। परिणिंदिया। ए
वामेव चउव्विहा पव्वज्जा। पं। तं। धन्नपुंजितसमाणा। धन्नविरल्लितसमाणा। धन्नविक्खित्तसमाणा। ध
न्नसंकड्ढितसमाणा। चत्तारि सन्ना। पं। तं। आहारसन्ना। भयसन्ना। मेहुणसन्ना। परिग्गहसन्ना। चउहिं ठाणे
हिं आहारसन्ना समुप्पज्जति। ओमकोट्ठताते। छुहावेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं। मतीते। तदट्ठोवओगेणं। चउ
हिं ठाणेहिं भयसन्ना समुप्पज्जति। तं। हीणसत्तताते। भयवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं। मतीते। तदट्ठोवओगेणं।
चउहिं ठाणेहिं मेहुणसन्ना समुप्पज्जति। तं। चितमंससोणियाए। मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं। मतीते। तदट्ठो
वओगेणं। चउहिं ठाणेहिं परिग्गहसन्ना समुप्पज्जइ। तं। अविमुत्तयाए। लोभवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मती
ओम· अणा इरत कोटुदरं॥ मति· आहारकथा सांभलवइ॥ तेअर्थनउ उपयोगदेवइ॥ ८॥ हीण सत्व पणाइ॥ मती· भयकारक वात सांभलीतथा बीहा
मणुं देखीनइ देखी॥ तेअर्थानइ विचइउपयोग॥ ३॥ अविमुक्त· सपरिग्रहपणाइ॥ मती· सचेतनादिक परिग्रह देखीनइ॥ ११॥

संगार· इति मनोनि॥ कलुण· उक्छकरुणाइक मादि कामसइ कामसेवा आं लिहीनपुरुषपामइ॥ २॥ कह्लाण· लोकुर॥ उन्नपाशेइर· निमलइ॥ पत्नीपरियु
रष उन्नाणो· वारुहिद्दासजरहीन पुरुषाकइ पउड्ढी वीजइ जागइ कइ इ या निविषइ गंभीर॥ ३॥ उन्नाणा मासी· कान कवेसमइ छोलरसरीखुं हो
सइ॥ गं भीरु आसी· सा कडी कोनकआ उड़ो सरीखुंदी सइ ए ताणि परिपुरुष तो छडो सरीखुंदी सइ बीजइ जागइ गंभीर सरीखइ हो सइ॥ ४॥

लोतदट्ठोवओगेणं। चउव्विहा कामा। पं। तं। सिंगारा। कलुणा। बीभच्छा। रोद्दा। सिंगारा कामा देवाणं। कलुणा कामा
मणुयाणं। बीभच्छा कामा। तिरिक्खजोणियाणं। रोद्दा कामा। णेरइयाणं। चत्तारि उदगा। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे
उत्ताणोदए। उत्ताणे णामं एगे गंभीरोदए। गंभीरे णामं एगे उत्ताणोदए। गंभीरे णामं एगे गंभीरोदए।
एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणहियए। उत्ताणे णामं एगे गंभीरहियए। ४। चत्तारि उ
दगा। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणोभासी। उत्ताणे णामं एगे गंभीरोभासी। ४। एवामेव चत्तारि पु
रिसजाया। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणोभासी। उत्ताणे णामं एगे गंभीरोभासी। ४। चत्तारि
उदही। पं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणोदही। उत्ताणे णामं एगे गंभीरोदही। ४। एवामेव चत्तारि पुरि
सजाता। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणहियए। ४। चत्तारि उदही। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणोभासी
उत्ताणे णामं एगे गंभीरोभासी। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं। तं। उत्ताणे णामं एगे उत्ताणोभासी। ४। चत्ता
रि तरगा। पं। तं। समुद्दं तरामीतेगे समुद्दं तरइ। समुद्दं तरामीतेगे गोपयं तरति। गोपयं तरामीतेगे। ४। चत्तारि
तरगा। पं। तं। समुद्दं तरामीतेगे समुद्दं विसीयति। समुद्दं तरेत्ता णामं एगे गोपए विसीयति। ४। चत्तारि कुंभा पं। तं।

वाणंगसू
उत्ता अतीक
रसहिता श्री
जइ जाणइ
न बलदेक
रीमससतो
जइ तेराइ
वसरिखा
रजसहिता
निमवारित्र
बुधइजाग
इ कयासवा
सहित अन
निमविशेष
घणाअती
वार सहित
॥ ५॥

घटो वारकु
नीर बुं घणी
परिवदुं यव
ज्ञान सहित
जागइ सामा
य क वारित
बीजइ जागइ
सज्ञान अ
रावणा पूक
वार आदीना
वार रहित
नो वार वारइ
ज्ञानसहित
निम ज्ञान
पण वरतइ
विमनाग की
घुंजइ घणा
हि अतीवार
रहित विसुध
वारित्र। बीज
उजागइ ज्ञान
उपरोता श्री
-७२
त्रीसारते स
हिता तिम
वारित्र

तरगाप· स
मुद्रप्राय स
वरके आ
रस उपरे
जागइ पछे
सवेकति आ
दरीनइ निव
र्तो बीजा
गइ रावृति
आदरइ श्री
जइ जागइ
जाणइ
तिम आदर
इ। चउथइ
सदखिदे
आव तिम आद
रस अनइ रे
रावृति आद
रइ॥ ९॥ २॥
वसंदीत· उ
यमा दिक
अनुष्ठान
निरवहान
सकइ॥ २॥

अरहित
समुद्र इनइ
बयआजा
तेवेलिअा
श्री जाणि
जुं लयामा
लेआ श्री
माहि ग्रस
मुद्र नइ का
करवेलिआ
नवइ करी
छेलर निम
वाट बीजइ
जागइपहिलं
पातलं बेल
आमा माहे
उन्हुडी श्री
उजागइ बेहि
पाकी बीलइ
नय वन्धइ
जागइ उडा
जलने स्मा
न कां॥ ६॥

पुन्ने॰ आपो मिष्टा प्रमाणापेत। अनइ घृतादिकइ। बीजइ भागइ तुछ हालु। त्रीजइ भणइ। तुछ॰ अवयवइ। पातइ रता परिपूर्ण रूप। पुन्न॰ ज्ञात्या
दिगुणे करी। वली पूर्ण धनादिकइ करी। अनइ भावित ज्ञानादिकइ करी तथा पूर्व॰: पूर्णात। १॥ भासी॰ तेह सरीखुं दीसइ। बीजी पूर्वे नत॰
॥२॥ पुनरूप॰ पुरूरूप पुरुषनु परिग्रहमात्रा॥ ४॥ तेज्ञानादिकइ पुरुष। अनइ रूप पइ पइ रजोहरणादिकइ करी पुरुषां सारां साधु॥ १॥

।तं। पुन्ने नाममेगे पुन्ने। पुन्ने नाममेगे तुच्छे। तुच्छे नाममेगे पुन्ने। तुच्छे नाममेगे तुच्छे। एवामेव चत्तारि पुरिस
जाया। पं०तं। पुन्ने नाममेगे पुन्ने। चत्तारि कुंभा। पं०। पुन्ने नाममेगे पुन्नोभासी। पुन्ने नाममेगे तुच्छोभासी। तुच्छे
नाममेगे पुन्नोभासी। तुच्छे नाममेगे तुच्छोभासी। एवं चत्तारि पुरिसजाया। पं०तं। चत्तारि कुंभा। पं०तं। पुन्ने नाममे
गे पुन्नरूवे। पुन्ने नाममेगे तुच्छरूवे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं०तं। पुन्ने नाममेगे पुन्नरूवे ४ चत्ता
रि कुंभा। पं०तं। पुन्ने वि एगे पियट्ठे। पुन्ने वि एगे अवदले। तुच्छे वि एगे पियट्ठे। तुच्छे वि एगे अवदले। ए
वामेव चत्तारि पुरिसजाया। पं०तं। पुन्ने वि एगे पियट्ठे तहेव। चत्तारि कुंभा। पं०। तं। पुन्ने वि एगे वि
स्संदति। पुन्ने वि एगे णो विस्संदति। तुच्छे वि एगे विस्संदति। तुच्छे वि एगे णो विस्संदइ। एवामेव चत्तारि पुरि
सजाया। पं०तं। पुन्ने वि एगे विस्संदति तहेव चत्ता। रि कुंभा। पं०तं। भिन्ने जज्जरिए। परिस्साई। अपरिस्साई। एवा
मेव चउव्विहे चरित्ते। पं०तं। भिन्ने जाव अपरिस्साई। चत्तारि कुंभा। पं०। तं। महुकुंभे नाममेगे महुप्पिहाणे। महु
कुंभे नाममेगे विसप्पिहाणे। विसकुंभे नाममेगे महुप्पिहाणे। विसकुंभे नाममेगे विसप्पिहाणे। एवामे
व चत्तारि पुरिसजाया। पं०तं। महुकुंभे नाममेगे महुप्पिहाणे। ४ हिययमपावमकलुसं जीहा वि य महुरभा

ठाणांगसू

३२

बीमंसा॰ परख्यु जोवा नइ अर्थइ॥ पडोवेमा॰ ते बिहु प्रकारि अर्थ अश्री ॥ अविहि बालक अनइ रांधन करा बानइ अर्थ॥ आत्मा पंका घरना
इज्ञा ते इ करी प्रीहा उपजइ॥ पड बाधको सतां वइ छ॥ पग संको जाइ॥ पग संको ज्ञा कुइ॥ अनइ बलइन ही॥ सुत्रे नाम सुभ॰ नरतप्र पुरुन प्रथ
म १॥ बीजइ बलइ इत॥२ बलइ हादिक पापप्रकृति नइ उदय कष्ट सहि अनइ अकाम निर्जरा नइ करइ करा विविति रादि गति पामइ॥ नपइ भ

सिणी। जंमि पुरिसंमि विज्जति से महुकुंभे महुप्पिहाणे। हिययमपावमकलुसं जीहा वि य कडुयभासि
णी। जंमि पुरिसंमि विज्जति से महुकुंभे विसप्पिहाणे। जं हिययं कलुसमयं जीहा वि य महुरभासिणी। जं
मि पुरिसंमि विज्जति से विसकुंभे महुप्पिहाणे। जं हिययं कलुसमयं जीहा वि य कडुयभासिणी। जं
मि पुरिसंमि विज्जति से विसकुंभे विसप्पिहाणे। चउव्विहा उवसग्गा। पं०तं। दिव्वा। माणुसा। तिरिक्खजोणिया।
आयसंचेयणिज्जा। दिव्वा उवसग्गा चउव्विहा। पं०तं। हासा। पउसा। वीमंसा। पुढो वेमाता। माणुस्सा उव
सग्गा चउव्विहा। पं०तं। हासा पउसा वीमंसा कुसीलपडिसेवणया। तिरिक्खजोणिया उवस
ग्गा चउव्विहा। पं०तं। भया। पदोसा। आहारहेउं अवच्चलेणसारक्खणया। आयसंचेयणिज्जा उ
वसग्गा चउव्विहा। पं०तं। घट्टणता। पवडणता। थंभणता। लेसणता। चउव्विहे कम्मे। पं०तं। सुभे नाममेगे सुभे।
सुभे नाममेगे असुभे। असुभे नाममेगे ४ चउव्विहे कम्मे। पं०तं। सुभे नाममेगे सुभविवागे। सुभे नाममेगे अ
सुभविवागे। असुभे नाममेगे सुभविवागे। असुभे नाममेगे असुभविवागे ४ चउव्विहे कम्मे। पं०तं। पगडीक
म्मे। ठिईकम्मे। अणुभावकम्मे। पएसकम्मे। चउव्विहे संघे। पं०तं। समणा। समणीओ। सावगा। सावियाओ। च

आरजरउदक कंन्नो १ वतलाई कमतिथोडो नइ वहितघरइ॥ नसानइ तरिवारउ वते सरो घणमति अनुक्रमइ आवइ॥२॥ मतिनामिमते॰ आहलोग उपका
र अन्नपानादिकइ करी परलोक त्रप्रकार सुदगतिनु पुक्कां वाडवुं॥ पृतलइ सुगुरु १॥ बीजइ स्त्रीयादिक॥ त्रीजइ प्रतिकूलवचन बोलीनइ
वैराग्य उपाय॥३॥ इहलोकइ प्रतिकूल अनइ परलोकि प्रतिकूल॥७॥ मतिरूवे॰ अंतरंगस्नेहसहित बाहरि त्रप्रकार करवा थकउ मित्ररूप॥

ठाणांगसू

उविहा बुद्धी पं० तं० उप्पत्तिया वेणतिता कम्मिया पारिणामिया। चउव्विहा मई पं० तं० उग्गहमई ईहामई अवायम
ई धारणामती। अहवा चउव्विहा मती पं० तं० अरंजरोदगसमाणा वियरोदगसमाणा सरोदगसमाणा सा
गरोदगसमाणा। चउव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा पं० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा। चउव्विहा
सव्वजीवा पं० तं० मणजोगी वइजोगी का यजोगी अजोगी। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा पं० तं० इत्थिवे
यगा पुरिसवेदगा णपुंसगवेदगा अवेद गा। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा पं० तं० चक्खुदंसणी अच
क्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी। अ हवा चउव्विहा सव्वजीवा पं० तं० संजया १ असंजया २
संजयासंजया णोसंजया णोअसंजता च त्तारि पुरिसजाता पं० तं० मित्ते नाममेगे मित्ते मित्ते णाम
मेगे अमित्ते अमित्ते णाममेगे मित्ते अमित्ते णाममेगे अमित्ते। चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० मित्ते णाममे
गे मित्तरूवे चउभंगो। चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्ते मुत्ते णाममेगे अमुत्ते ४ चत्तारि पुरि
सजाया पं० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्तरूवे ४ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चउगइया चउआगइया पं० तं० पंचिं
दियतिरिक्खजोणिए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणे णेरइएहिंतो वा तिरिक्खजोणिएहिंतो

बीजइ बाहि उपकाररहित॥ त्रीजइ स्नेहरहित बाह्य उपकार करवा॥३॥ चउथइ बेहु रहित॥४॥

५२

वड्डस्थानके परना कृतागुणनइ नसाडइ॥ कोधिइ करी॥ परपुजा असहिवइ॥ कीधा गुण नइ आलोपावइ॥ मथ्या मतिकरी॥७॥ वड्डस्थानके
परमना कृतागुणकथावइ॥ गुरु सन्निधि वसता॥ परनइ अनुवाम अनुकूल वसता॥ कार्यनइ हेति ज्ञानादि॥ कीधाउ उपगारनु करिवुं॥१॥

वा मणुस्सेहिंतो वा देवेहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेव णं से पंचिंदियतिरिक्खजोणिए पंचिंदियतिरिक्खजो
णियत्तं विप्पजहमाणे णेरइयत्ताए वा जाव देवत्ताए वा उवागच्छेज्जा। मणुस्सा चउगइया चउआगतिता एवं चे
व मणुस्सा वि। बेइंदियाणं जीवा असमारभमाणस्स चउव्विहे संजमे कज्जति तं० जिब्भामयातो सोक्खातो अ
ववरोवित्ता भवति जिब्भामएणं दुक्खेणं असंजो गेत्ता भवति फासमयातो सोक्खातो अववरोवेत्ता भव
इ एवं चेव बेइंदियाणं जीवा समारंभमाणस्स चउव्विधे असंजमे कज्जति तं० जिब्भामयातो सोक्खा
तो ववरोवित्ता भवति जिब्भामतेणं दुक्ख णं संजोगेत्ता भवति फासमयातो सोक्खातो ववरो
एवं चेव। सम्मद्दिट्ठिताणं णेरइयाणं चत्तारि किरियाओ पं० तं० आरंभिता पारिग्गहिता मातावत्तिया
अपच्चक्खाणकिरिया। सम्मद्दिट्ठिताणं असुरकु माराणं चत्तारि किरियाओ पं० तं० एवं चेव। एवं विगलिंदिय
वज्जं जाव वेमाणियाणं। चउहिं ठाणेहिं संते गुणे णासेज्जा तं० कोहेणं पडिनिवेसेणं अकयण्णुयाए मिच्छत्ताभि
णिवेसेणं। चउहिं ठाणेहिं असंते गुणे दीविज्जा तं० अब्भासवत्तितं परछंदाणुवत्तितं कज्जहेउं कतपडिकतेति
वा। णेरइयाणं चउहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिता तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं एवं जाव वेमा

×नासि×३

ततं वीणादिकं॥ विततं मुरजादि॥ घनं कंसालादि॥ झुसिरं वंशादिकं॥४॥

ठाणांगसू

णियाणं। णेरइयाणं चउहिं ठाणेहिं णिवत्तिते सरीरए पं तं। कोहनिवत्तिए जाव लोभनिवत्तिए एवं जाव वेमाणि-
याणं। चत्तारि धम्मदारा पंनत्ता तंजहा। खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे। चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरतियत्ताए कम्मं पकरें-
ति। तंजहा महारंभताते महापरिग्गहाते पंचिंदियवहेणं कुणिमाहारेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा तिरिक्खजो-
णियत्ताए कम्मं पगरेंति। माइल्लताते णियडि- ल्लताते अलियवयणेणं कूडतुलकूडमाणेणं। चउहिं
ठाणेहिं जीवा मणुस्सत्ताते कम्मं पगरेंति। तंजहा पगतिभद्दताते पगतिविणीययाए साणुक्कोस-
याते अमच्छरिताते। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवाउयत्ताए कम्मं पगरेंति। तंजहा सरागसंजमेणं
संजमासंजमेणं बालतवोकम्मेणं अकाम- णिज्जराए। चउव्विहे वज्जे पं तं। तते वितते घणे झुसि-
रे। चउव्विहे णट्टे पं तं। अंचिए रिभिए आरभडे भिसोले। चउव्विहे गेए पं तं। उक्खित्तए पत्तए मंदए रोविंदए।
चउव्विहे मल्ले पं तं। गंथिमे वेढिमे पूरिमे संघातिमे। चउव्विहे अलंकारे पं तं। केसालंकारे वत्थालंकारे
मल्लालंकारे आभरणालंकारे। चउव्विहे अभिणए पं तं। दिट्ठंतिए पाडिसुते सामंतोवातणिए लोगमज्झा-
वसिए। सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा चउवन्ना पं तं। णीला लोहिता हालिद्दा सुक्किला। महासुक्कसह- ३४

गंथिम- मालादि॥ वेढिम- मुकुटादि॥ पूरिम- अनेकछिद्रसहित कुंभकारादि पूरइ॥ संघातिम- घणामालादि॥

सक्किम-रूमसमडइ॥ गज्जे-गद्यनायरिइ छंदरहितम्॥ पज्जे-पद्यबंधविमुक्ता॥ कत्थे-कथायद्यवधक्रांत छंदनद्॥ गेए-
गानारोगि॥ समुग्घात- सारीरवा जीवनाप्रदेशानुं प्रक्षेपवुं॥

स्सारेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं चत्तारि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पंनत्ता। चत्तारि उद-
गगब्भा पं तं। उस्सा महिया सीता उसिणा। चत्तारि उदगगब्भा पं तं। हेमगा अब्भसंथडा सीतोसिणा पंचरूवि-
या। माहे उ हेमगा गब्भा फग्गुणे अब्भसंथडा। सीतोसिणा उ चित्ते वइसाहे पंचरूविता। चत्तारि माणुस्सीगब्भा पं तं।
इत्थित्ताए पुरिसत्ताते णपुंसगत्ताते बिंबत्ताए। अप्पं सुक्कं बहुं ओयं इत्थी तत्थ जायति। अप्पं ओयं ब-
हुं सुक्कं पुरिसो तत्थ जायति। दोण्हंपि रत्तसुक्काणं तुल्लभावे णपुंसओ। इत्थीओयसमाओगे बिंबं तत्थ जा-
यति। उप्पायपुव्वस्स णं चत्तारि चूल- वत्थू पं। चउव्विहे कव्वे पं तं। गज्जे पज्जे कत्थे गेए।
णेरतियाणं चत्तारि समुग्घाता पं तं। वेयणा- समुग्घाते कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घा-
ए वेउव्वियसमुग्घाए। एवं वाउक्काइयाणवि। अरहतो णं अरिट्ठनेमिस्स चत्तारि सता चोद्दसपुव्वी-
णमजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसण्णिवाईणं जिणो इव अवितहं वागरमाणाणं उक्कोसिता चोद्द-
सपुव्विसंपया हुत्था। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वादीणं सदेवमणुयासुराते परिसाए
अपराजियाणं उक्कोसिता वादिसंपया हुत्था। हेट्ठिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया पंनत्ता। तंजहा

आवर्त्ता घुमरी वक्रनइ आकरि ... आवर्त्त ... वलिमा गांठिनी परि आवर्त्तसमि ... पक्षिया दिक मांसादिकनइ अर्थइ आवर्त्त करइ ... परी उपकार ... नइ विषइ ... मनजन ... लोभ ... अर्थीनासइ उपजाववानु कारण ॥४॥

ठाणांगसू

माहिंदे ईसाणे सणंकुमार माहिंद मज्झिल्ला । चत्तारि कप्पा पडिपुन्नचंदसंठाणसंठिया पन्नत्ता तंजहा बंभ
लोग लंतग महासुक्क सहस्सारे उवरिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया पन्नत्ता तंजहा आणत
पाणत आरणे अच्चुते । चत्तारि समुद्दा पत्तेयरसा पं० तं० लवणोए वरुणोते खीरोदे घतोदे चत्तारि
आवत्ता पन्नत्ता तं० खरावत्ते उन्नतावत्ते गूढावत्ते आ मिसावत्ते एवामेव चत्तारि कसाया पं० तं० खरावत्तसमा
णे कोहे उन्नतावत्तसमाणे माणे गूढावत्तसमाणे माया आमिसावत्तसमाणे लोभे खरावत्तसमाणं
कोहं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेति णेरइएसु उववज्जइ उन्नतावत्तसमाणं एवं चेव गूढाव
त्तसमाणं मायमेवं चेव आमिसावत्तसमाणं लो भमणुपविट्ठे जीवे कालं करेति णेरइएसु उवव
ज्जति ४ अणुराहानक्खत्ते चउतारे पन्नत्ते तंजहा पु व्वासाढ एवं चेव जीवाणं चउट्ठाणनिव्वत्तिते पोग्ग
ले पावकम्मत्ताते चिणिंसु वा चिणिंति वा चिणिस्संति वा नेरइयनिव्वत्तिते तिरिक्खजोणियनिव्वत्तिते मणु
स्सनिव्वत्तिते देवनिव्वत्तिते एवं चिणिंसु वा उवचिणिंति वा उवचिणिस्संति वा एवं बंध उदीर वेद तह निज्जरा चेव चउप
देसिया खंधा अणंता चउपएसोगाढा पोग्गला अणंता चउसमयट्ठितीया पोग्गला अणंता चउगुणकालगा पोग्गला अणंता जाव चउगु

३५

महाव्रत प्रकार पातिमा ... संग संबंध करइ ॥५॥ सन्मादिक नइ विषइ ... राग ... मुर्छाइ ॥ विणाघाय मरणपामइ ... सादिक नीपरइ तथा संसार पामइ ॥६॥

महदरत्नस्थापना
५६७८७
७८७५६
७५६७८
६७८७५
८७५६७

णं चउरंसाणं पोग्गलाणं अणंता पन्नत्ता चउत्थं ठाणं समत्तं ॥४॥ ४॥ ॥ पंच महव्वया पं० तं० सव्वातो पा
णातिवायातो वेरमणं । जाव सव्वातो परिग्गहातो वेरमणं पंचाणुव्वता पं० तं० थूलातो पाणाइवायातो वेरम
णं थूलातो मुसावायातो वेरमणं थूलातो अदिन्नादाणातो वेरमणं सदारसंतोसे इच्छापरिमाणे पंच वन्ना पं
तं० किण्हा नीला लोहिता हालिद्दा सुक्किला पंच रसा पं० तं० तित्ता जाव मधुरा पंच कामगुणा पं० तं० सद्दा
रूवा गंधा रसा फासा पंचहिं ठाणेहिं जीवा स ज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं एवं रज्जंति मुच्छंति
गिज्झंति अज्झोववज्जंति पंचहिं ठाणेहिं जी वा विणिघायमावज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं
पंच ठाणा अपरिण्णाता जीवाणं अहिताते असु भाते अखमाते अणिस्सेसाते अणाणुगामियत्ताते
भवंति तं० सद्दा जाव फासा पंच ठाणा सुपरिन्ना ता जीवाणं हिताते सुभाते जाव आणुगामियत्ताते
भवंति तं० सद्दा जाव फासा पंच ठाणा अपरिण्णाता जीवाणं दुग्गतिगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा पंच
हिं ठाणेहिं जीवा दोग्गतिं गच्छंति तं० पाणातिवातेणं जाव परिग्गहेणं पंचहिं ठाणेहिं जीवा सोगतिं गच्छंति तं०
पाणातिवातावेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं पंच पडिमाओ पं० तं० भद्दा सुभद्दा महाभद्दा सव्वतोभद्दा

सर्वतोभद्र
बेत्र लघु
...
५६७८७१०११
८७१०११५६७
११५६७८७१०
७८७१०११५६
१०११५६७८७
६७८७१०११५
७१०११५६७८

लघुस्थापना
१२३४५
३४५१२
५१२३४
२३४५१
४५१२३

वडीस्थापना
१२३४५६७
४५६७१२३
७१२३४५६
३४५६७१२
६७१२३४५
२३४५६७१
५६७१२३४

खोभाइजइ·पमाडइ॥२॥ आम अल·पृथ्वी नउ विषय थोडउ जाणी देखनइ बीहइ तथा घणा जीव जंतु समर्थ्य दीठा नइ आतंत कुंथुआ नी राशि दीठा पिण पृथ्वी देखीनइ विस्मय करी पमाडइ॥२॥ इंदं·पृथवी॥ बभ·आप रसम अग्नि॥ सम्म·वाउ॥ पजाप·वनस्पती॥१ संघ स्वामी॥२

ठाणांगसू अट्ठसरपडिमा॥ पंच थावरकाया पं॰ तं॰ इंदे थावरकाए बंभे थावरकाए सिप्पे थावरकाए सुमती थावरकाए प
जावच थावरकाए। पंच थावरकायाधिपती पं॰ तं॰ इंदे थावरकायाधिपती जाव पायावच्चे थावरकायाधिपती। पंचहिं
ठाणेहिं ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामे वि तप्पढमताते खंभातेज्जा तं॰ अप्पभूतं वा पुढविं पासित्ता तप्पढ
मताते खंभातेज्जा कुंथुरासिभूतं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमताते खंभातेज्जा महतिमहालयं वा महो
रगसरीरं पासित्ता तप्पढमताते खंभातेज्जा देवं वा महिड्ढियं जाव महेसक्खं पासित्ता तप्पढमताते खं
भातेज्जा पुरेसु वा पोराणाइं महतिमहालयाइं महानिहाणाइं पहीणसामिताति पही
णसेउयाइं पहीणगुत्तागाराइं उच्छिन्नसामियाइं उच्छिन्नसेउयाइं उच्छिन्नगुत्तागाराइं जाइं इमाइं
गामागरनगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंबाहसंनिवेसेसु सिंघाडगतिगचउक्कचच्च
रचउम्मुहमहापहपहेसु णगरनिद्धमणेसु सुसाणसुन्नागारगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठावणभवणगिहेसु
संनिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमताते खंभातेज्जा। सेसं तहेव इच्चेतेहिं पंचहिं ठाणेहिं ओहिदंसणे
समुप्पज्जिउकामे तप्पढमताते खंभातेज्जा। पंचहिं ठाणेहिं केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमता ५६

दुगम·दुर्भिक्ष वान नेइ जणी वीसकइ॥ दुभिक्ष आरव्यात कुं॥ कुभिव वरि रसमनावे वुं॥ दुक्खिक्रिया अनुष्ठाननुं करिवुं॥७॥ गावं विनीया·सद्दाइ वर वाफ बंदे खाइवुं॥ किति·नाममात्र कंच॥ पसक·श्लाघा॥ १ कवानर विषउ अनुमति दीधी॥२॥ वेया·साधु द्वान॥१२

ताए णो खंभातेज्जा तं॰ अप्पभूतं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमताते णो खंभातेज्जा। सेसं तहेव जाव भवणगिहे
सु संनिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाते णो खंभातेज्जा। सेसं तहेव इच्चेतेहिं पंचहिं ठाणे
हिं जाव नो खंभातेज्जा। णेरइयाणं सरीरगा पंचवन्ना पंचरसा पं॰ तं॰ किण्हा जाव सुक्किल्ला। तित्ता जाव मधु
रा। एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच सरीरगा पं॰ तं॰ ओरालिते वेउव्विते आहारते तेयते कम्मते। ओ
रालियसरीरे पंचवन्ने पंचरसे पं॰ तं॰ किण्हे जाव सुक्किल्ले। तित्ते जाव मधुरे। एवं जाव कम्मग
सरीरे। सव्वेवि णं बादरबोंदिधरा कलेवरा पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा। पं
चहिं ठाणेहिं पुरिमपच्छिमगाणं जिणाणं दुग्गमं भवति तं॰ दुआइक्खं दुविभज्जं दुपस्सं दुति
तिक्खं दुरणुचरं। पंचहिं ठाणेहिं मज्झिमगाणं जिणाणं सुग्गमं भवति तं॰ सुआतिक्खं सुविभज्जं सुपस्सं सु
तितिक्खं सुरणुचरं। पंच ठाणाइं समणेणं भगवता महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वन्निताइं निच्चं कि
तिताइं णिच्चं बुइयाइं निच्चं पसत्थाइं निच्चमब्भणुन्नाताइं भवंति तं॰ खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे। पंच ठाणाइं समणे
णं भगवता महावीरेणं जाव अब्भणुन्नायाइं भवंति तं॰ सच्चे संजमे तवे चिताते बंभचेरवासे। पंच ठाणाइं स

मं जाव अब्भणुन्नाइं भवंति तं० उक्खित्तचरते। निक्खित्तचरते। अंतचरते। पंतचरते। लूहचरते। पंच ठाणाइं जाव
अब्भणुणाइं भवंति तं० अन्नातचरते। अन्नइलायचरे। मोणचरते। संसट्ठकप्पिते। तज्जातसंसट्ठकप्पिते। पंच
ठाणाइं जाव अब्भणुन्नाताइं भवंति। उवनिहिते। सुद्धेसणिते। संखादत्तिते। दिट्ठलाभिते। पुट्ठलाभिते। पंच ठाणा
इं जाव अब्भणुण्णाताइं भवंति तं० आयंबिलिते। निव्वितिते। पुरिमड्ढिते। परिमितपिंडवातिते। भिन्नपिंडवातिते
पंच ठाणाइं जाव अब्भणुन्नायाइं भवंति तं० अरसाहारे। विरसाहारे। अंताहारे। पंताहारे। लूहाहारे
पंच ठाणाइं जाव भवंति। अरसजीवी। विरसजीवी। अंतजीवी। पंतजीवी। लूहजीवी। पंच ठाणा
इं जाव भवंति तं० ठाणातिते। उक्कुडुआसणिते पडिमट्ठाती। वीरासणिए। णेसज्जिए। पंच ठाणाइं जाव भ
वंति तं० दंडायतिते। लगंडसाती। आतावते। अवाउडते। अकंडूयते। पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे म
हानिज्जरे महापज्जवसाणे भवति तं० अगिलाते आयरियवेयावच्चं करेमाणे एवं उवज्झायवेयावच्चं करे
माणे। थेरवेयावच्चं। तवस्सिवेयावच्चं। गिलाणवेयावच्चं करेमाणे पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे महानिज्ज
रे महापज्जवसाणे भवति तं० अगिलाते सेहवेयावच्चं करेमाणे। अगिलाते कुल। अगि। गण। अगि। संघ ७७

विसंभोगी इ० असंभोगी करवानो धर्म सहित। स्थानक सेवइ ते फेरी नइ॥ ते फेरी नइ बीजई सेवी नइ गुरु आगलि न आलोवइ॥ आलोई ते प्रायश्चित्त लेइ नहीं॥ प्रायश्चित्त लेइ नइ करइ नहीं॥२॥ स्थविर कल्पी ना सामाचारी तेहनी मर्यादा रीतिनी स्थिति ते घणु घणुं अतिक्रमइ गुरु रूठा शुं करस्ये॥४॥

व। अगिलाते साहम्मियवेयावच्चं करेमाणे पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं संभोतितं विसंभोति
तं करेमाणे णातिक्कमति तं० सकिरियट्ठाणं पडिसेवित्ता भवति। पडिसेवित्ता णो आलोतित्ता। आलोइत्ता
णो पट्ठवेति। पट्ठवित्ता णो णिव्विसति। जाव इमाइं थेराणं ठितिपकप्पाइं भवंति ताइं अतियंचिय पडिसेवति
से हंदहं पडिसेवामि किं मं थेरा करिस्संति। पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे साहम्मियं पारंचितं करेमा
णे णातिक्कमति तं० सकुलवसति अब्भुट्ठित्ता भवति। गणवसति। गणस्स भेताते अब्भुट्ठित्ता भवति
हिंसाप्पेही। छिद्दप्पेही। अभिक्खणं २ पसिणायतणाइं पउंजित्ता भवति। आयरियउवज्झाय
स्स णं गणंसि पंच वुग्गहट्ठाणा पं० तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि। आणं वा धारणं वा नो सम्मं पउं
जित्ता भवति। आयरियउवज्झाए णं गणंसि आधारातिणिताते कितिकम्मं नो सम्मं पउंजित्ता भवंति। आय
रियउवज्झाते गणंसि जे सुतपज्जवजाते धारेति ते काले २ णो सम्ममणुप्पवातेत्ता भवति। आयरियउवज्झा
ए गणंसि गिलाणसेहवेयावच्चं नो सम्मं अब्भुट्ठित्ता भवति। आयरियउवज्झाते गणंसि अणापुच्छियचारी यावि
हवइ नो आपुच्छियचारी। आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंच अवुग्गहट्ठाणा पं० तं० आयरियउवज्झाए गणं २

उपकरण पोताना संभोगी नइ समर्पइ नहीं आज्ञा गच्छ मांहि काढ्या नथाइ॥१॥

रिप्रवर्त्तावइ नहीं॥२॥ कृत आचार्य स्थविरवा आंगि तेह नइ कालइ। संयमक वा वन्नादिक देइ नहीं॥३॥ आचार्य उपाध्याय आज्ञादिक नावे यावत् आदि कनइ विषइ समयोचित वंदनक नइ॥४॥ ७॥ जे आदिक वेदनावच्छा रकरइ आपणु पुछेइ चालइ॥ ७॥

गुणी जे ग्लान आदिक नइ विषइ कल्पादिक करावइ॥५॥ विग्रह स्थान कलह ना स्थानक॥ गच्छ मांहि आचार्य उपाध्याय गच्छ मांहि आज्ञा करावा ना कल्पवृत्त मा धारणा धरावी वार आलोवइ॥ प्राय श्चित्त थइ र बुहु निग्रंथ बोल समक प्रकारि प्रवर्तावइ नहीं॥२॥ दिक्षाव डाने नइ वंदनादिक सम्यक प्रक

सि। आणं वा। धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवंति। पंचमद्धारणिता तं आयरिए नाउ सुतपज्जवजातं धारेति ते काल
समम्मं। अपवं। गिलाणं। सेहवेतावच्चं। सम्मं अरिते भवंति। गणंसि आउट्ठिय चारिया विभवंति। णं आ
णपुत्थियचारी। पंच निसिज्जाउ पं। तं। उक्कुडुवी गोदोहिता समपायपुत्ता पलितंका। अद्धपलितंका। पंच अ
ज्जवट्ठाणा पं। तं। साधुअज्जवं साधुमद्दवं साधु लाघवं साधुखंती साधुमुत्ती। पंचविहा जोइसिया पं। तं।
चंदा सूरा गहा णक्खत्ता ताराउ। पंचविहा देवा पं। तं। भविअदव्वदेवा णरदेवा धम्मदेवा देवाति
देवा भावदेवा। पंच विहा परियारणा पं। तं। कायपरियारणा फासपरियारणा रूवपरियार
णा सद्दपरियारणा मणपरियारणा चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो पंच अग्गमहिसी
ओ पं। तं। काली राती रयणी विज्जु मेहा। बलिस्सणं वतिरोयणिंदस्स वतिरोयणरन्नो पंच अग्गमहिसी
ओ पं। तं। सुंभा णिसुंभा रंभा णिरंभा मयणा। चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो पंच संगामिता अणि
ता पंच संगामिया णिधिवती पं। तं। पायत्ताणिते पीढाणिते कुंजराणिते महिसाणिते रहाणिते। दुमे पा
यत्ताणियाधिवती। सोदामी आसराया पीढाणियाधिवती। कुंथू हत्थिराया कुंजराणिताधिवती। लोहितक्ख

॥थोडानीअन्याका॥

महिसाणिताधिवती। किंनरे रहाणिताधिवती। बलिस्सणं वतिरोयणिंदस्स वतिरोयणरन्नो पंच संगामिता णि
ताधिवती पं। तं। पायत्ताणिते जाव रहाणिते। महद्दुमे पायत्ताणिताधिवती। महासोदामे आसराया पीढाणि
ताधिवती। मालंकारो हत्थिराया कुंजराणिताधिपती। महालोहितक्खे महिसाणिताधिपती। किंपुरिसे र
हाणिताधिपती। धरणस्सणं णागकुमारिंदस्स पंच संगामिता अणिया पंच संगामिताधिपती पं। तं। पायत्ता
णिते जाव रहाणिते। भद्दसेणे पायत्ताणिताधिपती। जसोधरे आसराया पीढाणिताधिपती। सुदंस
णे हत्थिराया कुंजराणिताधिपती। नीलकंठे महिसाणियाधिपती। आणंदे रहाणिताधि
वई। भूयाणंदस्सणं नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो पंच संगामिया पं। तं। पंच संगामियाहिवई
पं। तं। पत्ताणीए जाव रहाणीए। दक्खे पत्ताणियाहिवई। सुग्गीवे आसराया पीढाणियाहिवई। सुविक्कमे
हत्थिराया कुंजराणिताहिवई। सेयकंठे महिसाणियाहिवई। नंदुत्तरे रहाणियाहिवई। वेणुदेवस्सणं सुव
न्निंदस्स सुवन्नकुमाररन्नो पंच संगामिया णिहिपती पं। तं। पत्ताणीता एवं जधा धरणस्स तधा वेणुदेवस्स वि वे
णुदालियस्स जहा भूताणंदस्स जधा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स जधा भूताणंदस्स

ठाणांगसूत्र

पडिक० गतिपडिह संयमनरपालवई ॥ दिवाधिदिक स्वर्गगतिपाम ना गौगतेह नुप्रतिसंबंध करै कनायरि ॥ आजाव० जाति वांछया दिकुलगुरु वादि ॥१॥ कर्म० कृषि वाणिज्य ॥ सिपविज्ञान स्त्रुंच ॥ छद्मस्थ उदयआव्या परीसह उपसर्ग सहइ ॥११॥

तथ्ससाहसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो पंचसंगामिता अणिता पंचसंगामि
ताणिताधिपती। पं तं। पायत्ताणिते जाव उसभाणिते। हरिणेगमेसी पायत्ताणिताधिपती। वाऊ आसराया पीढाणि
ताधिपई एरावणे हत्थिराया कुंजराणिताधिपती दामड्ढी वसभाणिताधिवती। माढरे रधाणिताधिपती ईसा
णस्स णं देविंदस्स देवरन्नो पंच संगामिया अणि   ता जाव पायत्ताणिते पीढा कुंजरा वसभा रधाणिते लहुपर
क्कमे पायत्ताणिताधिवती महावाऊ आसराया   पीढाणि पुप्फदंते हत्थिराया कुंजराणियाहिवती महा
दामड्ढी वसभाणि माहामाढरे रधाणिया   हिवई जधा सक्कस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जा
व आरणस्स जधा ईसाणस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्ला   णं जाव अच्चुतस्स सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भं
तरपरिसाए देवाणं पंच पलिउवमाइं ठिती पं तं।   ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भंतरपरिसाते देवाणं पंच प
लिउवमाइं ठिती पं० ॥ पंचविहा पडिहा पं तं गतिपडिहा ठितीपडिहा बंधणपडिहा भोगपडिहा बलवी
रियपुरिसयारपरक्कमपडिहा पंचविधे आजीवे पं तं जातिआजीवे कुलाजीवे कम्माजीवे सिप्पाजीवे लिं
गाजीवे पंच रायककुधा पं तं खग्गं छत्तं उप्फेसं पाहणाउ वालवीयणी पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे णं उदि

२४

BHAU DAJI

एपुरुष मद्यसमोह नायकर्म उदय आव्यु छइ तथा मनमत्रमदरादि करइ करीते शादि करी ॥ ग्रहीउना० दत्तादि ग्रही नइ बाहरि काढइ ॥ नर्भ० दुर्वचन कही रासि करी बांधइ ॥ रुंध० बंधिया ना इ विधइ छातइ ॥ हस्तादिक छेदइ ॥ आवयव छेदइ ॥ पमार० मुर्छागत करइ ॥ उपद्रव० मारि ॥ छेदइ नै बलात कारिइ उदाली लिइ ॥ केगटुल इ मुकइ ॥ भेद० गोजउ ॥ अवहर० चोरइ देवता आदि छितती थी ॥ का० उदीरणा करइ इति ॥ ...

न्नो परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तितिक्खेज्जा अहियासेज्जा। उदिन्नकम्मे खलु अयं पुरिसे
उम्मत्तगभूते तेण मे एस पुरिसे अक्कोसति वा। अवहसति वा णिच्छोडेति वा णिब्भंछेति वा बंधेति वा
रुंभति वा छविछेदं वा करेति पमारं वा नेति उद्दवेइ वा वत्थं पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुंछणमच्छिंदति
वा विच्छिंदति वा अवहरति। जक्खाइट्ठे खलु अयं   पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसति वा तहेव जाव अव
हरति वा। ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उ।   दिन्ने भवति तेण मे एस पुरिसे अक्कोसति वा जाव
अवहरति वा। ममं च णं सम्मं असहमाणस्स   अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणधिया
समाणस्स किं मन्ने कज्जति एगंतसो मे पावे   कम्मे कज्जति ममं च णं सम्मं सहमाणस्स जाव अ
हियासमाणस्स किं मन्ने कज्जति एगंतसो मे निज्ज   रा कज्जति ॥ इच्चेतेहिं पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे उदिन्ने
परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिन्ने परिसहोवसग्गे सम्मं
सहेज्जा जाव अहियासेज्जा तं। खित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसति वा तहेव जाव अ
वहरति वा दित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरति वा। जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे

गीकर्म उदय आव्यु जउ ॥४॥ बतविक्ष० पुत्रादिक नइ सोकइ चेतना नाठी छइ चेतना ॥ पुत्रजन्मादिक उन्मत्त चित ते थाइ करी ॥२॥

हेतुकं धूमादिकं अग्निनुं हेतु॰ मथा अङ्हीअ॰ श्रीजाणि वुं॥ जिम समयुद्दृष्टी जाणइ तिम म थाइ ॥ छद्मस्थ जाणइ तेहवुं॥ न देखइ॥ तेहवुं न स दहइ॥ नवनुं निरधारवुं॥ न पामइ॥ मरवुं तेप वार अज्ञानइ मिथ्या दृष्टि तइ॰ अज्ञान मरण मरइ॥५॥ पूर्वे कहे हेतु ते जाणइ करी न इ समगन जाणइ॥ मिथ्याची सम्यग्दृष्टी जाणइ॥ वलीएयाइ पांचे हेतु सम्यग्दृष्टी जाणइ सम्यग ज्ञान सहित छद्मस्थ मरण मर ॥३॥६॥

वाणांगसू

वणमएस पुरिसजाव अवहरति वा उममं वणं तज्जा वा वयणिच्छ कामे त दिव्वे सवति तेणमेयस पुरिसजाव अवहरति वा धम्मं सुणंस म्मंसहमाणं खममाणं तितिक्खमाणं अहियासेमाणं किं मन्ने बहावअन्ने तू मज्झा समणा निग्गंथा उतिन्ने परिसहोवसग्गे एवंसम्मं सहिस्सति जाव अहियासिस्संति पंचहिं ठाणेहिं केवली उतिन्ने परिस्सहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा पंचहेऊ पं॰ तं॰ हेउं न जाणति हेउं ण पासति हेउं ण बुज्झति हेउं णाभिगच्छति हेउं अन्नाणमरणं मरति पंचहेऊ पं॰ तं॰ हेउणा ण जाणति जाव हेउणा अन्नाणमरणं मरति पंच हेऊ पं॰ तं॰ हेउं जाणइ जाव हेउं छउमत्थमरणं मरति पंच हेऊ पं॰ तं॰ हेउणा जाणति जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरति पंच अहेऊ पं॰ तं॰ अहेउं ण जाणति जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरति पंच अहेऊ पं॰ तं॰ अहेउणा ण जाणति जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरति पंच अहेऊ पं॰ तं॰ अहेउं जाणति जाव अहेउं केवलिमरणं मरति पंच अहेऊ पं॰ तं॰ अहेउणा जाणति जाव अहेउणा केवलिमरणं मरति केवलिस्स णं पंच अणुत्तरा पं॰ तं॰ अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिते पउमप्पभे णं अरहा पंचचित्ते हुत्था तं॰ चित्ता

अहेतु॰ अवधिज्ञान मनपर्यव ज्ञान॥ केवलज्ञाना छद्मस्थ तेहवुं न जाणइ केवली नी अपेक्षाइ वली पांचे अहेतुका छद्मस्थ तेहवुं न जाणइ तेहवुं केवली जाणइ तेहवुं पंच अहेतु केवली सम्यक प्रकारि जाणइ॥३॥८॥

८७

गर्भथी॰ गर्भांतर संहरण॥१॥ महाव्रत॰ धर्मनु अरिहंत तथा समुद्रमांहि ज्ञान पर्या॥२॥

हिं चुते चइत्ता गब्भं वक्कंते चित्ताहिं जाते चित्ताहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए चित्ताहिं अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाते णिरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने चित्ताहिं परिणिव्वुते पुप्फदंते णं अरहा पंचमूले हुत्था मूलेणं चुते चइत्ता गब्भं वक्कंते एवं चेव एवमेतेणं अभिलावेणं इमातो गाहातो अणुगंतव्वातो पउमप्पभस्स चित्ता मूले य पुणो होइ पुप्फदंतस्स पुव्वाइं आसाढा सीयलस्स उत्तर विमलस्स भद्दवता रेवतिता अणंतजिणो पूसो धम्मस्स संतिणो भरणी कुंथुस्स कत्तियाउ तहा रेवतीतो य अरस्स अस्सिणि य सुव्वयस्स नमिणो य नेमिणो चित्ता पासस्स विसाहाउ पंच य हत्थुत्तरे वीरो समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे होत्था तं॰ हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिते हत्थुत्तराहिं जाते हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए हत्थुत्तराहिं अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने पंचट्ठाणस्स पढमो उद्देसओ॥ ॥नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा इमाओ उद्दिट्ठाओ गणियाओ वियंजियाओ पंच महण्णवाओ महानदीओ अंतो मासस्स दुक्खुत्तो वा तिक्खुत्तो वा उत्तरित्तए वा संतरित्तए वा तं॰ गंगा जउणा सरऊ एरावती मही पंचहिं ठाणेहिं क

ठाणांगसू

राजादिक नइ भय॰ दुरत॰ महानइ अथवा मलइ॥ पवनहि॰ ... ॥१॥ पाउस॰ आसाढ चउमासुं पहिलउ॥२॥ वासे संजा॰ कालकोप्प ... सार संजालकर ... आचार्यादिकनुं काईक रहिवाकु
यनइ हेति॥ बहिया॰ आचार्यादिक अनेरइ क्षेत्रे चउमासुं रहिवाकुइं तिहां पकी वेयावचादिकनइ अर्थे जाइ॥४॥

भंति। सेतेयंसि वा। दुब्भिक्खंसि वा। पव्वाहेज्ज वणं। काइ उदयंसि वा। एज्जमाणंसि महया वणं अणारिएहिं। णो कप्पइ
निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा। पढमपाउसंसि गामाणुगामं दुइज्जित्तए। तं नयंसि वा। दुब्भिक्खंसि वा। जाव महता वा।
अणारिएहिं वा। वासावासं पज्जोसविताणं। णो कप्पइ। निग्गंथाण वा गामाणुगामं दूइज्जित्तए। तं जहा। पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ। तं॰ णा
णट्ठयाए। दंसणट्ठयाए। चरित्तट्ठयाए। आयरियउव ज्झाया वा से वीसुंभेज्जा। आयरियउवज्झायाण वा। बहिता वेया
वच्चकरणयाए॥ पंच अणुग्घातिता। पं॰ तं॰ ह त्थकम्मं करेमाणे। मेहुणं पडिसेवमाणे। राईभोयणं
भुंजमाणे। सागारियपिंडं भुंजमाणे। रायपिंडं भुंजमाणे। पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे रायं
तेउरमणुपविसमाणे नाइक्कमति। तं॰ नगरे सि या सव्वतो समंता गुत्ते गुत्तदुवारे। बहवे समणमाहणा णो
संचाएंति। भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा प विसित्तए वा। तेसिं विन्नवणट्ठताए रायंतेउरमणुपविसेज्जा। प
डिहारियं वा पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणमाणे रायंतेउरमणुपविसेज्जा। हतस्स वा गयस्स वा दुट्ठस्स
आगच्छमाणस्स भीते रायंतेउरमणुपविसेज्जा। परो व णं सहसा वा बलसा वा गहाय अंतेउरमणुपवेसेज्जा।
बहिता व णं आरामगयं वा उज्जाणगयं वा रायंतेउरजणो सव्वतो समंता संपरिक्खिवित्ताणं निवेसिज्जा। इच्चेतेहिं

पांचे कारणे राजांतेउर मांहि राजादिक नइ बीनववा नइ काजइ जाइ॥७॥

× पंचहिं ठाणेहिं कप्प ५×२

८१

दुवियडा॰ वस्त्ररहित॥ दुन्निसन्ना॰ पाडूइ बइठी हुइ॥ शुक्रादिकनइ विषइ वीर्यपुद्गल॥२॥ गलत॰ रोगादिकइ करी व्याप्त ... व्यापा
पु॥ दोमणा॰ सोकादिक संकित॥३॥ वावन्न॰ रोगादिकइ ... करी व्याप्त॥७॥

पंचहिं समणे णिग्गंथे जाव णातिक्कमइ। पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं असंवसमाणी वि गब्भं धरेज्जा। तं॰ इत्थी
दुव्वियडा। दुन्निसन्ना सुक्कपोग्गले अधिट्ठिज्जा। सुक्कपोग्गलसंसिट्ठे व से वत्थे। अंतो जोणीए अणुपवेसे
ज्जा। सयं वा सा सुक्कपोग्गले अणुपवेसेज्जा। परो वा सा सुक्कपोग्गले अणुपवेसेज्जा। सीओदगवियडेण वा
से आयममाणी। तस्स सुक्कपोग्गला अणुपवेसेज्जा। इच्चेतेहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव धारेज्जा। पंचहिं ठाणेहिं
इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धारे ज्जा। तं॰ अप्पत्तजोव्वणा। अतिक्कंतजोव्वणा। जातिवंझा
। गेलन्नपुट्ठा। दोमणंसिया। इच्चेतेहिं पंच ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि
नो गब्भं धरेज्जा। तं॰ निच्चोउया। अणोउया। वावन्नसोया। वाविद्धसोया। अणंगपडिसेवणी। इच्चेतेहिं
इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धारे ज्जा। तं॰ उउंमि णो णिगामपडिसेवणी ता वि भवति। समाग
ता वा से सुक्कपोग्गला पडिविद्धंसंति। उदिन्ने वा से पित्तसोणिते। पुरा वा देवकम्मणा। पुत्तफले वा नो निव्विट्ठे भ
वति। इच्चेतेहिं जाव धारेज्जा। पंचहिं ठाणेहिं निग्गंथा निग्गंथीओ य एगतओ ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेत
माणा णातिक्कमंति। तं॰ अत्थेगइया निग्गंथा य निग्गंथीओ य एगं महं अगामियं छिन्नावायं दीहमद्धमडविमणुपवि
उउकालें विना॥
श्रा

अनेलए· रवैन्नइते समणा सा कि करात्याहं सविहा साधु अनेरा साधुनइ आचवानइ आर्थइ पासिआगाकुतइ॥ सवेलिमा· साधु धूमात तादिक ते साधुनइ अालवानइ अर्थे पासइ रहइ १ १ स्थापरि॥ दित्तइ· दर्पइ व्यक्तलवित्त थाइ कुतइ इमज्ञाने निग्गंथाथवाविय· कारणा वसिसा धीइ पुत्रादिकि नइ प्रव्रज्यादीधाहइ मारि वीजा साधुनु कर॥२॥

ठाणांगसू

डा। तान्नगयलाहाणंवा सच्छंवा। निसीहियंवा चेतेमाणेणातिक्कमति। अह्नगतियाणिग्गंथावा ग्गामंसिवा एग
ंसिवा। जावरायहाणिंसिवा वासंउवागता एगतिया ज्जत्थ उवस्सयं लभंति। एगतिया णालभंति। तत्थगतिं तो
हाणंवा जावनातिक्कमति। अह्नगणातिनानिग्गंथाय। रनागकुमारावा संसिवा वासंउवागता। तत्थगजावणातिक्क
मंति। अामासगादीसंतिात इच्छंति। निग्गंथाची। वरपडितालापडिगाहिन्नते जावणातिक्कमंति। जुवाणा
दीसति। तइच्छंति निग्गंथीन मर्छणपडितातात। पडिगाहिन्नात तत्थगतितालहाणंवा जावणातिक्कमंति
इच्छांतदिंपंचहिंठाणेहिं जावनातिक्कमंति पंचहिंठाणेहिं समणेनिग्गंथे अचेलए सचेलयाहिं
निग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमति तं।। खित्तचित्ते समणे णिग्गंथे विज्जमाणेहिं अचेलए
सचेलियाहिं निग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाति क्कमति। एवामातणगमएणं दित्तेति तं इरक्कातिहृ उम्माय
पत्ते निग्गंथीपव्वावियए समणे णिग्गंथीहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलए सचेलियाहिं निग्गंथीहिं सद्धिं
संवसमाणे णातिक्कमति। पंचआसवदारा पं। तं। मिच्छत्तं। अविरती। पमादो कसाता जोगा। पंचसंवरदारा। पं। तं
समत्तं विरती। अपमादो अकसातित्तं अजोगित्तं। पंचदंडा पं। तं अह्लादंडे। अणट्ठादंडे। हिंसादंडे अकम्हादंडे

तत्थगतिउ हाणंवा

८२

आगमक- तज्ञानीमो यतिमारइ॥ ॥१०॥

मिथ्यादिट्ठीनइ आति· पविग लंदिमारि वज्रकयानु करिवुंनथीय इपि विग लंदिमारि अथ अपूलगिसम्यक करइ तेपोडाकालु आश्री॥२॥ परिगा· सद्योषत पाप मूणा प्र का अधिक तेहनुं छांडवुं॥ ववहारे· पांचप्रकारेप्रमाण्णित दिवु अनइ लेवुं आगमे· केवमनःपर्यव अ वधिवउदह पर्व दशपुर्व नवपूर्वे श्रुत· आचारंगादिक श्रुतधर॥ आरणा· गीतार्थप्राय श्रुतदेइता साजे तेहज धरासवइ॥ आणा॰गु

दिट्ठी विपरियासियामिच्छादिट्ठियाणं णेरइयाणं पंचकिरिताउ पं। तं आरंभिता परिग्गहिता मायावत्तिता
अपच्चक्खाणकिरिया धमिच्छादंसणवत्तिता एवं सव्वेसिं निरंतरं जाव मिच्छादिट्ठिताणं वेमाणितायां नवरं वि
गलिंदितांणमिच्छदिट्ठीणं तत्रेति मसंतदवापंचकिरियाता। पं। तं काइता अहिगरणिता पाउसिया उपा
रिताबणियाधमाणा निवातकिरियाणेरइया णांपंच एवं निरंतरं जाववेमाणियाणं। पंचकिरिताउ पं
तं। आरंभिता जाव मिच्छादंसणवत्तिता णेरइ याणं पंचकिरिता। निरंतरं जाव वेमाणियाणं पंचकि
रियाता पं। तं दिट्ठिता पुट्ठिता पाडुविता उसामंतोवणिवाइया धसाहत्थित एवं णेरइ
याणं जाववेमाणियाणं पंचकिरिताता। पं। तं णेसत्थिता आणवणिता वेयारणिया अणा
भोगवत्तिता अणवकंखवत्तिता एवं जाव वेमाणियाणं पंचकिरिताउ। पं। तं पेज्जवत्तिता दोसवत्ति
या पओगकिरिया समुदाणकिरिया धइरियावहियाए एवं मणुस्साणवि सेसाणं नत्थि। पंचविहापरिन्ना
पं। तं उवहिपरिन्ना उवस्सयपरिन्ना कसायपरिन्ना जोगपरिन्ना भत्तपाणपरिन्ना। पंचविहे ववहारे पं। तं आ
गमसुत्ते आणा धारणा जीए तत्थ आगमे सिता आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा णो से तत्थ आगमे सि

+जीए×१

वादिकहि सातरिकइ अनइ ज्ञाहा दिकनइ आलोयणादीअ जोइतेपुवा दिनइ पुछी नइदेइ॥ आ ज्ञातकल्या दिकइ करा दि॥ आगमे केवली आ दिकहुइतु तेणाइ करा प्रायश्चित देवुं तेन हुइतु श्रुतिक व्यवहारवुं तेन हुइतु आज्ञा इदेवुं। तेन हुइतु धार णाइदेवुं। तेन हुइतु जी तकल्यादि केवुं इमते स्यामारइ॥

अथा॰ जेणाइ २ तेणाइ मनसरि॥ जिदंर जिदंर तेणाइर प्रयोजिन्त इ। तथा २ तहि २ तेहं २ । तेणाइ [illegible] आसि अंगाइ तइ ॥ सनेलिमा॰ साध्व ध्वी माता
रत्न इ॥ सुपु [illegible] नावा इं तु सम्मक प्रकार इ प्राय श्च तदेतु आज्ञानु आराधक कुइ ॥४॥ तहि २ तेहं २ तेणाइ [illegible] निरश्रयादिक वेयावच्चादिक कार्य तेहनी निश्रा
कल्याप्र वतेता वसि करा न सकइ ॥५॥ उवघात॰ संयमनइ घात ॥७॥ परिक्रमे॰ वस्त्रपात्रादि कर्म [illegible] साधुनइ सुताजागता [illegible] करिया निद्रामांहि इंद्री मो कलाप्र वर्ता न वइसा नवादिक मर्यादा तु उलंघवु ॥१॥

ठाणांगसू

या इच्छा से तत्थ सुतं सिया । सुतेणं ववहारं पट्ठवेज्जा ।   णो से तत्थ सुते सिया
एवं जाव जहा से तत्थ जीतेणं ववहारं पट्ठवेज्जा इच्चेतेहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा । तंजहा आगमेणं जाव जीतेणं
जहा जहा से तत्थ आगमे जाव जीते तहा तहा ववहारं पट्ठवेज्जा । से किमाहु भंते आगमबलिया समणा निग्गंथा इच्चे
तं पंचविधं ववहारं जया जया जहिं जहिं तया तया तहिं तहिं अणिस्सितोवस्सितं सम्मं ववहरमाणे समणे नि
ग्गंथे आणाते आराधते भवति । संजतमणुस्सा   णं सुत्ताणं पंच जागरा प० तं सद्दा जाव फासा । संजतमणु
स्साणं जागराणं पंच सुत्ता प० तं सद्दा जाव फा॥   सा असंजयमणुस्साणं सुत्ताणं वा जागराणं वा प० तं
सद्दा जाव फासा । पंचहिं ठाणेहिं जीवा रयं आ   दिज्जंति तं पाणातिवातेणं जाव परिग्गहेणं । पंचहिं ठा
णेहिं जीवा रयं वमंति तं पाणातिवातवेरमणेणं   जाव परिग्गहवेरमणेणं । पंचमासियं णं भिक्खुपडिमं प
डिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति पंच दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पंच पाणगस्स पंचविधे उवघाते प० तं उग्ग
मोवघाते उप्पायणोवघाते एसणोवघाते परिकम्मोवघाते परिहरणोवघाते पंचविहा विसोही प० तं उग्ग
मविसोही उप्पायणविसोही एसणाविसोही परिकम्मविसोही परिहरणाविसोही पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुल्ल

परिहरण॰ वस्त्रमात्रादिक अपरा [illegible] दुना वरकु ॥२॥

८३

लबोधियत्ताए कम्मं पकरेंति तं अरहंताणं अवन्नं वदमाणे अरहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स अवन्नं वदमाणे आयरियउव
ज्झायाणं अवन्नं वदमाणे चाउवन्नस्स संघस्स अवन्नं वदमाणे विवक्कतवबंभचेराणं देवाणं अवन्नं वदमाणे
पंचहिं ठाणेहिं जीवा सुलभबोधियत्ताए कम्मं पगरेंति तं अरहंताणं वन्नं वदमाणे जाव विवक्कतवबंभचेरा
णं देवाणं वन्नं वदमाणे पंच पडिसंलीणा प० तं   सोइंदियपडिसंलीणे जाव फासिंदियपडिसंलीणे पंच अप
डिसंलीणा प० तं सोइंदियअपडिसंलीणे जा   व फासिंदियअपडिसंलीणे पंचविधे संवरे प० तं सोतिं
दियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे पंचवि   धे असंवरे प० तं सोइंदिय जाव फासिंदियअसं
वरे पंचविधे संजमे प० तं सामातितसंजमे   छेदोवट्ठावणियसंजमे परिहारविसुद्धितसंजमे
सुहुमसंपरागसंजमे अहक्खायचरित्तसंजमे   एगिंदियाणं जीवा असमारभमाणस्स पंचविधे संजमे क
ज्जति तं पुढविकातियसंजमे जाव वणस्सतिकातितसंजमे एगिंदियाणं जीवा समारभमाणस्स पंचविधे अ
संजमे कज्जति तं पुढविकातितअसंजमे जाव वणस्सतिकातितअसंजमे पंचिंदियाणं पंचविधे संजमे क
ज्जति तं सोतिंदितसंजमे जाव फासिंदियसंजमे पंचिंदियाणं जीवा समारभमाणस्स पंचविधे असंजमे कज्ज

*जीवा असमारभमाणस्स ×२

तिंतं ।फासिंदिय असंजमाओ जाव फासिंदिय असंजमं सव्वपाणभूयजीवसत्ताणं असमारंभमाणस्स पंचविधे संजमे

।मकज्जति ।तंजहा एगिंदित संजमे ।जाव पंचिंदित संजमे ।सव्वपाणभूयजीवसत्ताणं समारंभमाणस्स पंचविधे असं

जमे कज्जति ।तंजहा एगिंदित असंजमे ।जाव पंचिंदिय असंजमे ।पंचविधा तणवणस्सतिकाइया पं।तं। अग्गबीया

मूलबीया पोरबीया ।खंधबीया बीयरुहा ।पंचविधे आयारे पं।तं ।णाणायारे ।दंसणायारे ।चरित्तायारे

तवायारे ।वीरियायारे ।पंचविधे आयारपकप्पे पं।तं मासिते उग्घातिते ।मासिय अणुग्घातिए ।चउमा

सिए उग्घातिए ।चाउम्मासिए अणुग्घातिते आरोवणा पंचविहा पं।तं। ठविया ।पट्ठविया ।कसि

णा ।अकसिणा ।हाडहडा ।जंबूद्दीवस्स मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं सीताए महानदीए उत्तरे

णं पंच वक्खारपव्वता पं।तं। मालवंते ।चित्तकूडे ।बंभकूडे ।पम्हकूडे ।णलिणकूडे ।एगसेले ।जंबुद्दीव

दीवस्स पुरच्छिमेणं सीताए महाणदीए दाहिणेणं पंच वक्खारपव्वता पं।तं तिकूडे ।वेसमणकूडे ।अंजणे ।मायंजणे ।सो

मणसे ।जंबूमंदरपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं सीतोदाए महाणदीए दाहिणेणं पंच वक्खारपव्वता पं।तं विज्जुप्पभे ।अंकावती ।पम्हा

वती ।आसीविसे ।सुहावहे ।जंबूमंदरपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं सीतोदाए महानदीए उत्तरेणं पंच वक्खारपव्वता पं।तं। चंद

५४

पव्वते ।सूरपव्वते ।णागपव्वते ।देवपव्वते। गंधमादणे ।जंबूमंदरदाहिणेणं देवकुराए पंच महद्दहा

।पं।तं। निसहद्दहे ।देवकुरुद्दहे ।सूरद्दहे ।सुलसद्दहे ।विज्जुप्पभद्दहे ।जंबूमंदरउत्तरेणं उत्तरकुराए पंच मह

द्दहा पं।तं। नीलवंतद्दहे ।उत्तरकुरुद्दहे ।चंदद्दहे ।एरावणद्दहे ।मालवंतद्दहे ।सव्वेविणं वक्खारपव्वया सिया

सीतोयाओ महाणईओ मंदरं वा पव्वतंतेणं पंच जोयणसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच गाउयसताइं उव्वेहेणं धायइ

संडदीवे पुरच्छिमेणं मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं सीताए महाणदीए उत्तरेणं पंच वक्खारपव्व

ता पं।तं मालवंते ।एवं जहा जंबुद्दीवे तहा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे वक्खारदहा

तउव्वेहं भाणियव्वं ।समयक्खेत्तेणं पंच भरहाइं पंच एरवताइं ।एवं जहा चउट्ठाणे बितीयउद्देसे त

हा एत्थवि भाणियव्वं जाव पंच मंदरा ।पंच मंदरचूलियाओ ।णवरं उसुयारा णत्थि ।उसभेणं अरहा कोसलिए

पंच धणुसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ।भरहेणं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ।बा

हुबली णं अणगारे एवं चेव ।बंभीणं अज्जा एवं चेव ।एवं सुंदरीवि ।पंचहिं ठाणेहिं सुत्ते विबुज्झेज्जा ।तं।

सद्देणं ।फासेणं ।भोयणपरिणामेणं ।णिद्दक्खएणं ।सुविणदंसणेणं ।पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे णिग्गंथि

ठाणांगसू त्रकरिंके ॥९०॥

गिह्माणेवा। आलवाणेवा णातिक्कमति निग्गंथं चणं अन्नयरेसु पसुजातिएसु वा पक्खिजातिएसु वा उद्दा तत्था नच्चणि
गंथे णिग्गंथिं गिह्माणे वा। अवलंबमाणे वा णाइक्कमति निग्गंथे णिग्गंथिं दुग्गंसि वा। विसमंसि वा। पक्खल
माणिं वा पवडमाणिं वा गिह्माणे वा। अवलंबमाणे वा णातिक्कमति णिग्गंथे णिग्गंथिं सेयंसि वा पंकंसि वा
पणगंसि वा उदगंसि वा उक्कसमाणिं वा उवुज्झमाणिं वा गिह्ण अवलंब णातिक्कमति ३ निग्गंथे निग्गंथिं निना
वं आरुहमाणे वा ओरोहमाणे वा णातिक्कम ति खित्तचित्तं दित्तचित्तं जक्खाइट्ठं +भत्तपाणपडि
याइक्खितं निग्गंथे निग्गंथिं गिह्माणे वा॥ अवलंबमाणे वा णातिक्कमति ५ आयरियउवज्झा
यस्स णं गणंसि पंच अतिसेसा पं. तं. आयरिय उवज्झाए अंतो उवस्सगस्स पाए निगिज्झिय २ पप्फोडेमा
मा णे वा पमज्जेमाणे वा णातिक्कमति १ आयरियउवज्झाए उवस्सगस्स उच्चारपासवणं विगिंचमाणे वा विसोधेमाणे
वा णातिक्कमति २ आयरियउवज्झाए पभू इच्छा वेयावडियं करेज्जा इच्छा णो करेज्जा ३ आयरियउवज्झाए अंतो
उवस्सगस्स एगरायं वा दुरायं वा वसमाणे आयरियउवज्झाए बाहिं उवस्सगस्स एगरायं वा दुरायं वा वसमाणे णाति
क्कमति ४ पंचहिं ठाणेहिं आयरियउवज्झायस्स गणावक्कममाणे पं. तं. आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धा

+उम्मायपत्तं। उवसग्गपत्तं। साहिगरणं। सपायच्छित्तं ॥७

८५

रणं वा नो सम्मं पउंजित्ता भवति आयरियउवज्झाए गणंसि आधारायणियाए कितिकम्मं वेणइयं णो सम्मं प
उंजित्ता भवति आयरियउवज्झाए गणंसि जे सुयपज्जवजाते धारेति ते काले नो सम्ममणुप्पवादेत्ता भव
ति आयरियउवज्झाए गणंसि सगणियाए वा परगणियाए वा निग्गंथीए बहिल्लेसे भवति मित्ते णाति गणे वा
से गणाओ अवक्कमेज्जा तेसिं संगहोवग्गहट्ठयाए गणावक्कमणे पन्नत्ते। पंचविहा इड्ढीमंता मणुस्सा
पं. तं. अरहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा भावियप्पाणो अणगारा। पंचमट्ठाणस्स बिइओ। पंच अत्थि
काया पं. तं. धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए धम्म
त्थिकाए अवन्ने अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे से समासओ
पंचविधे पं. तं. दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगं दव्वं खेत्तओ लोगप्पमाण
मेत्ते कालओ ण कयावि णासी न कयाइ न भवति ण कयाइ ण भविस्सइ त्ति भुविं च भवति य भविस्सति य धुवे
णितिए सासते अक्खए अव्वए अवट्ठिते णिच्चे भावओ अवन्ने अगंधे अरसे अफासे गुणओ गमणगुणे अ
धम्मत्थिकाए अवन्ने एवं चेव णवरं गुणओ ठाणगुणे आगासत्थिकाए अवन्ने एवं चेव णवरं खेत्तओ लोगालो

ठाणांगसू

गयपमाणमित्ते। गुणतो। अवगाहणागुणे॥ सेसं तं चेव। जीवत्थिकाए णं। अवन्ने। एवं चेव। णवरं दव्वउ णं जीवत्थिकाए
अणंताइं दव्वाइं अरूवि। जीवे सासते। गुणतो। उवओगगुणे। सेसं तं चेव। पोग्गलत्थिकाए पंचवन्ने पंच
रसे। दुगंधे। अट्ठफासे। रूवी। अजीवे। सासते। अवट्ठिते। जाव दव्वउ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं। खेत्तउ
लोगप्पमाणमित्ते। कालतो ण कयाइ णासि। जाव। भावतो वन्नमंते। गंधमंते। रसमंते। फासमंते। गुणतो गहणगुणे। पंचगतीतो पं० तं० निरयगती। तिरियगती। मणुयगती। देवगती। सिद्धिगती। पंच इंदियत्था पं० तं०। सोतिंदियत्थे। जाव फासिंदियत्थे। पंच मुंडा पं० तं०। सोतिंदियमुंडे। जाव फासिंदियमुंडे। अहवा पंच मुंडा पं० तं०। कोहमुंडे। माणमुंडे। मायामुंडे लोभमुंडे। सिरमुंडे। अहेलोगे णं पंच बायरा पं० तं०। पुढविकाइया। आउ। वाउ। वणस्सइ। उराला तसा पाणा। उड्ढलोगे णं पंच बादरा पं० एवं चेव। तिरियलोगे णं पंच बादरा पं० तं० एगिंदिता। जाव पंचिंदिता। पंचविधा बायरतेउकाइया। पं० तं० इंगाले। जाला। मुम्मुरे। अच्ची। अलाते। पंचविधा बादरवाउकाइया। पं० तं० पाईणवाते। पडीणवाते। दाहिणवाते। उदीणवाते। विदिसिंवाते। पंचविधा अचित्ता वाउकाइया। पं० तं० अक्कंते। धंते। पीलिए। सरीराणुगते। संमुच्छिमे। पंच नियंठा। पं० तं० पुलाते। बउसे। कुसीले

८६

नियंठे सिणाते। पुलाए पंचविहे पं० तं० णाणपुलाते। दंसणपुलाते। चरित्तपुलाते। लिंगपुलाते। अहासुहुमपु
लाते नामं पंचमे। बउसे पंचविहे पं० तं० आभोगबउसे। अणाभोगबउसे। संवुडबउसे। असंवुडबउसे। अ
हासुहुमबउसे नामं पंचमे। कुसीले पंचविधे पं० तं० णाणकुसीले। दंसणकुसीले। चरित्तकुसीले। लिंगकु
सीले। अहासुहुमकुसीले नामं पंचमे। नियंठे पंचविहे पं० तं० पढमसमयनियंठे। अपढमसमयनियंठे।
चरिमसमयनियंठे। अचरिमसमयनियंठे। अहासुहुमनियंठे नामं पंचमे। सिणाते पंचविधे पं० तं०
अच्छवी। असबले। अकम्मंसे। संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली। अपरिस्सावी।
कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा पंच वत्थाइं धारित्तए वा। परिहरित्तए वा। तं० जंगिते। भंगिते। साणिते। पोत्तिते।
तिरीडपट्टे णामं पंचमे। कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा पंच रयहरणाइं धारित्तए वा। परिहरित्तए वा। तं० उण्णिते।
उट्टिते। साणते। पच्चापिच्चिए। मुंजापिच्चिते। नामं पंचमे। धम्मं णं चरमाणस्स। पंच णिस्साठाणा। पं० तं० छक्काया। गणे।
राया। गाहावती। सरीरं। पंच णिही। पं० तं० पुत्तनिही। मित्तनिही। सिप्पणिही। धणणिही। धन्नणिही। पंचविहे सो
ते पं० तं० पुढविसोते। आउसोते। तेउसोते। मंतसोते। बंभसोते। पंच ठाणाइं समणेणं भगवता महावीरेणं समणाणं निग

×ब×३

अकले॰ याइया॰ कद्दू॰ मादिकं॰ आक्रमितः॥ वंते॰ धमसिया॰ दिक॥ अनुवरत्तन वीतीः॥ संसोचा॰ दि॥ वीजणादि कय का॰ पञ्ज॥ २८॥

ठाणांगसूत्र

गमणगुणे। मिव। गुणातो। अधम्मात्थिकाए एवं चेव। णवरं ठाणगुणे। आगासत्थिकाए अवन्ने एवं चेव णवरं। दव्वउणं जीवत्थिकाए
अणंताइं दव्वाइं अरूवि। जीवसासते गुणाते। गुणाततो उवओगगुणे। एवं चेव। पोग्गलत्थिकाए पंचवन्ने पंच
रसे। दुगंधे। अट्ठफासे। रूवी। अजीवे सासते अवट्ठिते जाव दव्वउणं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं खेत्त
लोगप्पमाणमेत्ते कालतो ण कयाइ णासि। जाव। णिच्चे। भावतो वन्नमंते गंधमंते रसमंते फासमंते गुणतो ग
हणगुणे। पंचगतीओ पं. तं. निरयगती। तिरि यगती। मणुयगती। देवगती। सिद्धिगती। पंच इंदियत्था पं.
तं. सोतिंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे। पंच मुं डा पं. तं. सोतिंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे अहवा
पंच मुंडा पं. तं. कोहमुंडे माणमुंडे मायामुंडे लोभमुंडे। सिरमुंडे। अहेलोगे णं पंच बायरा पं. तं. पुढ
विकाइया आउ वाउ वणस्सइ ओराला तसा पा णा। उड्ढलोगे णं पंच बादरा पं. एवं चेव तिरियलोगे णं पंच बा
यरा पं. तं. एगिंदिया जाव पंचिंदिया। पंचविहा बायरतेउकाइया पं. तं. इंगाले। जाला मुम्मुरे अच्ची अलाते। पंच
विहा बादरवाउकाइया पं. तं. पाईणवाते। पडीणवाते दाहिणवाते। उदीणवाते। विदिसिवाते। पंचविहा अचि
त्ता वाउकाइया पं. तं. अक्कंते। धंते। पीलिए। सरीराणुगते संमुच्छिमे। पंच नियंठा पं. तं. पुलाते। बउसे। कुसीले ८६

अणिह॰ असमाव॰ सकी उपक्र॰ अननु॥ तथा कारनी॥ तथा सिरानु॥ १ जिगीम॰ वनसमी वसेष॥ साणाइ॥ कनु॥ ३ पोत्ति॰ कपासी उ॰ ४॥ तिरडुपट॰ वस्त्र
नीकालि नुनी पर्नु॥ ५॥ उरणा॰ गाडरानारोमनु॥ उट्टा॰ उटनारोमनु॥ सणाइ॰ सिणि सूत्रनु॥ पञ्चापि॰ अति विसेष कूटनीपट्ट॥ मुंजनु॥ ८॥

निग्गंठे सिणाते। पुलाए पंचविहे पं. तं. णाणपुलाते। दंसणपुलाते। चरित्तपुलाते। लिंगपुलाते। अहासुहुमपु
लाते नामं पंचमे। बउसे पंचविहे पं. तं. आभोगबउसे। अणाभोगबउसे। संवुडबउसे। असंवुडबउसे। अ
हासुहुमबउसे। नामं पंचमे। कुसीले पंचविहे पं. तं. णाणकुसीले। दंसणकुसीले। चरित्तकुसीले। लिंगकु
सीले अहासुहुमकुसीले नामं पंचमे नियंठे। पंचविहे पं. तं. पढमसमयनियंठे। अपढमसमयनियंठे
। चरिमसमयनियंठे। अचरिमसमयनियंठे। अहासुहुमनियंठे। नामं पंचमे सिणाते पंचविहे पं. तं.
। अच्छवी। असबले। अकम्मंसे। संसुद्ध णाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अपरिस्सावी
कप्पइ निग्गंथाण वा ३ पंच वत्थाइं धारित्तए वा॥ परिहरित्तए वा। तं. जंगीते। भंगीते। साणीते पोत्तिते
तिरिडपट्टे णामं पंचमे। कप्पइ निग्गंथाण वा २ पंच रयहरणाइं धारित्तए वा। परिहरित्तए वा। तं. उण्णीते
उट्टिते। साणाते। पच्चापिच्चिए मुंजापिच्चिते। नामं पंचमे। धम्मं चरमाणस्स। पंच णिस्साठाणा। पं. तं. छक्काया गण
राया गाहावती सरीरं। पंच णिही पं. तं. पुत्तनिही। मित्तनिही। सिप्पणिही। धणणिही धन्नणिही। पंच विहे सो
ते पं. तं. पुढविसोते। आउसोते। तेउसोते। मंतसोते। बंभसोते पंचठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण याणति ण

×ब×२

पासति । तं धम्मत्थिकातं अधम्मत्थिकातं आगासत्थिकायं । जीवं असरीरपडिबंधं परमाणुपोग्गलं एयाणि चेव उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणति पासति धम्मत्थिकातं जाव परमाणुपोग्गलं । अहेलोगेणं पंच अणुत्तरा महतिमहालता निरता पं तं काले महाकाले रोरुते महारोरुते अपतिट्ठाणे उड्ढलोगेणं पंच अणुत्तरा महतिमहालता महाविमाणा पं तं विजये वेजयंते जयंते अपराजिते सव्वट्ठसिद्धे पंच पुरिसजाता पं तं हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते उदयणसत्ते पंच मच्छा पं तं अणुसोतचारी पडिसोतचारी अंतचारी मज्झचारी सव्वचारी एवामेव पंच भिक्खागा पं तं अणुसोतचारी जाव सव्वसोतचारी पंच वणीमगा पं तं अतिहिवणीमते किवणवणीमते माहणवणीमते साणवणीमते समणवणीमते पंचहिं ठाणेहिं अचेलए पसत्थे भवति तं अप्पा पडिलेहा लाघविए पसत्थे रूवे तवे अणुन्नाते विउले इंदियनिग्गहे पंच उक्काला पं तं दंडुक्काले रज्जुक्काले तेणुक्काले देसुक्काले सव्वुक्काले पंच समितीतो पं तं इरियासमिती भासा जाव पारिट्ठावणियासमिती पंचविधा संसारसमावन्नगा जीवा पं तं एगिंदिया जाव पंचिंदिया एगिंदिया पंचगइया पंचागतिता पं तं एगिंदिए

८३

एगिंदितसु उववज्जमाणे एगिंदितेहिंतो जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से एगिंदिए एगिंदितत्तं विप्पजहमाणे एगिंदितत्ताते वा जाव पंचिंदितात्ते वा गच्छेज्जा बेइंदिया पंचगतिता पंचागइया एवं चेव एवं जाव पंचिंदिया पंचगतिता पं तं पंचिंदिया जाव गच्छेज्जा पंचविधा सव्वजीवा पं तं कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाती अहवा पंचविधा सव्वजीवा पं तं नेरइया जाव देवा सिद्धा अह भंते कलामसूर तिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसतीणपलिमंथगाणं एतेसिं णं धन्नाणं कुट्ठाउत्ताणं जहा सालीणं जाव केवतितं कालं जोणी संचिट्ठति गोयमा जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पंच संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायति जाव तेण परं जोणीवोच्छेदे पन्नत्ते पंच संवच्छरा पं तं णक्खत्तसंवच्छरे जुगसंवच्छरे पमाणसंवच्छरे लक्खणसंवच्छरे सणिंचरसंवच्छरे [illegible] जुगसंवच्छरे पंचविहे पं तं चंदे चंदे अभिवड्ढिते चंदे अभिवड्ढिते चेव पमाणसंवच्छरे पंचविहे पं तं नक्खत्ते चंदे उऊ आदिच्चे अभिवड्ढिते लक्खणसंवच्छरे पंचविहे पं तं समगं नक्खत्ता जोगं जयंति समगं उडू परिणमंति ण

उण्हं णातिसीतो बहूदतो होति नक्खत्तो। ससिसगलपुन्नमासी जोतेति विसमचारी नक्खत्ते। कडुओ बहूद-
तो वा तमाहु संवच्छरं चंदं। विसमं पवालिणो परिणमंति। अणुदूसु देंति पुप्फफलं। वासं ण सम्म वासति तमा-
हु संवच्छरं कम्मं। पुढविदगाणं च रसं पुप्फफलाणं च देइ आदिच्चो। अप्पेणवि वासेणं सम्मं निप्फज्जए सस्सं।
आदिच्चतेयतविता खणलवदिवसा उऊ परिणमंति। पूरेति निन्नथलाइं तमाहु अभिवड्ढितं जाण। पंचवि-
हे जीवस्स णिज्जाणमग्गे। पं. तं. पातेहिं ऊरूहिं उरेणं सिरेणं सव्वंगेहिं। पाएहिं णिज्जायमाणे निरय-
गामी भवति। ऊरूहिं निज्जायमाणे तिरियगामी भवति। उरेणं णिज्जायमाणे मणुयगामी भव-
ति। सिरेणं निज्जायमाणे देवगामी भवति। सव्वंगेहिं निज्जायमाणे सिद्धिगतिपज्जवसाणे
पन्ने। पंचविहे छेयणे। पं. तं. उप्पायछेयणे। वियछेयणे। बंधछेयणे। पएसछेयणे। दोधारछेयणे।
पंचविहे आणंतरिए। पं. तं. उप्पायणंतरिते वियणंतरिते पतसाणंतरिते। समयाणंतरिते। सामंताणंतरिते।
पंचविहे अणंतते। पं. तं. णामणंतते। ठवणाणंतते। दव्वाणंतते। गणणाणंतते। पदेसाणंतते। अहवा पंचविहे
अणंतते। एगंतोणंतते। दसवित्थाराणंतते। सव्ववित्थाराणंतते। सासयाणंतते। पंचविहे णाणे। पं. तं. आ-

भिणिबोहियणाणे। सुयणाणे। ओहिणाणे। मणपज्जवणाणे। केवलणाणे। पंचविहे णाणावरणिज्जे कम्मे
। पं. तं. आभिणिबोहियणाणावरणिज्जे। जाव केवलणाणावरणिज्जे। पंचविहे सज्झाए। पं. तं. वायणा। पु-
च्छणा। परियट्टणा। अणुप्पेहा। धम्मकहा। पंचविहे पच्चक्खाणे। पं. तं. सद्दहणसुद्धे। विणयसुद्धे। अणुभास-
णासुद्धे। अणुपालणासुद्धे। भावसुद्धे। पंचविहे पडिक्कमणे। पं. तं. आसवदारपडिक्कमणे। मिच्छत्तप-
डिक्कमणे। कसायपडिक्कमणे। जोगपडिक्कमणे। भावपडिक्कमणे। पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं वा-
एज्जा। तं. संगहट्ठयाते। उवग्गहणट्ठयाते। णिज्जरणट्ठयाते। सुत्ते वा मे पज्जवयाते भवि-
स्सति। सुत्तस्स वा अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाते। पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खेज्जा। तं. णाणट्ठयाते। दंसणट्ठया-
ते। चरित्तट्ठयाते। वुग्गहविमोयणट्ठयाते। अहत्थे वा भावे जाणिस्सामि त्तिकट्टु। सोहम्मीसाणेसु णं कप्पे-
सु विमाणा पंचवन्ना। पं. तं. किण्हा जाव सुक्किला। सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंच जोयणसयाइं
उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं पंच रयणी
उड्ढं उच्चत्तेणं पं. नेरइया पंचवन्ने पंचरसे पोग्गले बंधेसु वा बंधिस्संति वा। तं. किण्हा जाव सुक्किल तित्ते

ठाणांगसू

जावमखुरा।एवंजाववमाणिता।जंबूदीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं गंगं महानदीं पंचमहानदीउ समप्पें
ति।तं।जउणा।सरऊ।आसी।कोसी।मही।जंबूमंदरस्स दाहिणेणं सिंधुमहानदीं पंचमहानदीउ समप्पेंति।तं।
सतद्रू।वितत्था।विभासा।एरावती।चंदभागा।जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तं महानइं पंचमहानईउ समप्पेंति।तं।किं
ण्हा।महाकिण्हा।नीला।महानीला।महातीरा।जंबू मंदरस्स उत्तरेणं रत्तावतीं महानइं पंचमहानईउ समप्पेंति
।तं।इंदा।इंदसेणा।सुसेणा।वारिसेणा।महाभोगा। पंच तित्थगरा कुमारवासमज्झावसित्ता मुंडं भवि
त्ता पव्वइया।तं।वासुपुज्जे।मल्ली।अरिट्ठनेमी। पासे।वीरे।चमरचंचाए रायहाणीए।पंचसभा।पं
तं।सुहम्मा।उववायसभा।अभिसेयसभा। अलंकारियसभा।ववसायसभा।एगमेगाए णं इंद
ट्ठाणे।पंचसभाउ।पं।तं।सभासुहम्मा जाव ववसायसभा।पंच णक्खत्ता।पंचतारा।पं।तं।धणिट्ठा।रोहिणी।
।पुणव्वसू।हत्थो।विसाहा।जीवाणं पंचट्ठाणनिव्वत्तिते पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा।चिणंति वा।चिणि
स्संति वा।तं।एगिंदियनिव्वत्तिते जाव पंचिंदियनिव्वत्तिते।एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेद तह निज्जरा चेव
पंचपएसिया खंधा अणंता पन्नत्ता।पंचपएसोगाढा पोग्गला अणंता पन्नत्ता।जाव पंचगुणलुक्खा पोग्गला

८९

वड्यानइ आ
प्रीतइसावु
५॥

सद्धीपरुष॰ श्रद्धावंत॥ सत्ये॰ जे प्रतिज्ञा करइ ते पूरवा प्रतिज्ञा पालवा विषम सुरपरुषव्रत पुरुषगच्छ पालवा जोगि पुरुष॥३॥ मेधावी॰ मर्यादा करवाना
३ विषइ तत्पर पुरुषव्रत छइ गच्छ ने मर्यादा नुं पालवा विकद्धु उ तथा मेधा श्रुत तद्राग शक्ति तद्भूत॥ बहुश्रुत॰ प्रभूत सूत्र अर्थ सूरप जे हनइ॥४
[illegible]

णता पन्नत्ता।पंचट्ठाणस्स पढमाध्ययनसमत्तं॥५॥ ॥छहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहति गणं धारित्तए॥
तं।सड्ढी पुरिसजाते।सच्चे पुरिसजाते।मेहावी पुरिसजाते।बहुस्सुते पुरिसजाते।सत्तिमं।अप्पाधिकरणे।
छहिं ठाणेहिं निग्गंथे निग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा नाइक्कमइ।तं।खित्तचित्तं।दित्तचित्तं।जक्खाइट्ठं
उम्मायपत्तं।उवसग्गपत्तं।तं।साहिकरणं।छहिं॥ ठाणेहिं निग्गंथा निग्गंथीउ य साहम्मियं कालगतं समायर
माणा णाइक्कमंति।तं।अंतोहिंतो वा बाहिं णीणेमाणा वा।बाहिंतो वा निब्बाहिं णीणेमाणा।उवेहमा
णा वा।उवासमाणा वा।अणुन्नवेमाणा वा।तुसिणीए वा संपव्वयमाणा।छट्ठाणाइं छउमत्थे सव्व
भावेणं ण जाणति ण पासति।धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं।आयासं जीवमसरीरपडिबद्धं परमा
णुपोग्गलं सद्दं।एताणि चेव उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे जाव सव्वभावेणं जाणइ पासति।धम्म
त्थिकायं जाव सद्दं।छहिं ठाणेहिं सव्वजीवाणं णत्थि इड्ढीति वा।जुतीति वा।जसेइ वा।बलेइ वा।वीरिएइ वा
।पुरिसक्कारपरक्कमेति वा।तं।जीवं वा अजीवं करणताए।अजीवं वा जीवं करणताए।
[illegible]।एगसमएणं दो भासाउ भासित्तए।सयंकडं वा

छउस्थान
के साधु सा
ध्वीसाहमी
नइमरण
नइ अवस
रि मरण सु
बधि नी कि
रिया करता
अनेरा साधु
नइ आज्ञा वि
उपा आमाहि
घी बाहरि क
ढता १ बाहरि
थकी आमत
बाहरि लि ३
जाता॰२॥ वेद
माला॰ नोकर
नी किद॰म
ति नइ पास
इ रात्रि जागवुं
६ तेह नी आ
ज्ञा नाहि करइ
नइ परठव
वा नि मति
करिवुं॥५॥
आण बोल्य
इ उतमपरठ

कम्मांवदमिवा मावा वरपवि। सुक्कमंपायलंवा किंदिन्नतवा लिंदिन्नतवा अगणिकातणवा सम्मादिहिन्ना ता ब
हितावा लोगंतागमणताते। छज्जीवनिकाया। पं.तं. पुढविक्काइया। जाव तसकाइया। छ ताखगहा। पं.तं. सुक्के
वक्कस्संति। बुहे अंगारते सनिच्छरे केतु। छव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा। पं.तं. पुढविकाइया। जाव तस
काइया। छगइया। छ आगतिता। पं.तं. पुढवि॥ कातिता। पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिं
तो वा जाव तसकाइएहिंतो वा गच्छा। से चे वणं पुढविकानिते पुढविकातितत्तं विप्पजहमाणे पु
ढविकातितत्ताते वा जाव तसकातितत्ताते वागच्छा। आउकातिया वि छगतिता। छ आगतिता
एवं जाव तसकातिता। छव्विहा सव्वजीवा। पं.तं. आभिणिबोहियनाणी। जाव केवलनाणी। अहवा छ
व्विहा सव्वजीवा। पं.तं. एगिंदिया। जाव पंचिंदिया अणिंदिया। अहवा छव्विहा सव्वजीवा पं.तं. उरालीयसरीरी
वेउव्वियसरीरी। आहारगं। तेअगसरीरी। कम्मगसरीरी। असरीरी। छव्विहा तणवणस्सतिकातिता। पं.तं. अग्ग
बीया मूलबीया पोरबीया। खंधबीया बीयरुहा। संमुच्छिमा। छट्ठाणाइं सव्वजीवाणं णो सुलभाइं भवंति तं माणु
स्सए भवे। आयरिए खेत्ते। जंमे सुकुलपच्चायाती। केवलीपन्नत्तस्स धम्मस्स सवणता सुधम्मस्स सवणता सुतस्स

अजाणीय ७

वा सद्दहणता। सद्दहितस्स वा पत्तितस्स वा रोतितस्स वा सम्मं काएणं फासणता। छ इंदियत्था पं.तं. सोइंदियत्थे।
जाव फासिंदियत्थे। नोइंदियत्थे। छव्विहे संवरे पं.तं. सोतिंदियसंवरे। जाव फासिंदियसंवरे। णोइंदियसंवरे
। छव्विहे असंवरे पं.तं. सोइंदियअसंवरे जाव फासिंदियअसंवरे। णोइंदियअसंवरे। छव्विहे साते पं.तं. सो
इंदियसाते। जाव नोइंदियसाते। छव्विहे असाते पं.तं. सोतिंदियअसाते। जाव नोइंदियअसाते। छव्विहे
पायच्छित्ते पं.तं. आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे। तदुभयारिहे। विवेगारिहे। विउस्सग्गारिहे। तवा
रिहे। छव्विहा मणुस्सा पं.तं. जंबूदीवगा। ध यइसंडदीवगा। धायतिसंडदीव पच्चत्थिमद्धगा। पो
क्खरवरदीवड्ढ पुरत्थिमद्धगा। पुक्खरवरदीवड्ढ पच्चत्थिमद्धगा। अंतरदीवगा। अहवा छव्विहा मणुस्सा।
पं.तं. संमुच्छिममणुस्सा। गब्भवक्कंतितमणुस्सा। कम्मभूमगा १ अकम्मभूमगा २ अंतरदीवगा ३ छव्विहा इ
ड्ढीमंता मणुस्सा। पं.तं. अरहंता। चक्कवट्टी। बलदेवा। वासुदेवा। चारणा विज्जाचारणा। छव्विहा अणिड्ढीमंता म
णुस्सा। पं.तं. हेमवगा। हेरन्नवतगा। हरिवंसगा। रम्मवसगा। कुरुवासिणो। अंतरदीवगा। छव्विहा उसप्पिणी
। पं.तं. सुसमसुसमा। जाव दुसमदुसमा। छव्विहा ओसप्पिणी। पं.तं. दुसमदुसमा। जाव सुसमसुसमा। जंबुद्दी

×छउम ६×८

ठाणांगसूत्र

वि अवराइसुवि वासेसु तीताती उसप्पिणीते। सुसमसुसमाते समाते मणुया बधणुसहस्साइं उड्डं उच्चत्तेणं हुत्था। ब
त्रि अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालयित्था। जंबुद्दीवे अवरविदेहवासेसु इमीसे उस्सप्पिणीते सुसमसुस
माए समाए एवं चेव जंबुद्दीवमंदरवाततो आगामेस्साए उस्सप्पिणीते सुसमसुसमाते एवं चेव। जाव बद्धअद्ध
पलिओवमाइं परमाउं पालेस्संति। जंबुद्दीवे २ देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया बधणुसहस्साइं उड्डं उच्च
त्तेणं पं। बद्ध अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालंति। एवं धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धे चत्तारि आलावगा जा
व पुक्खरवरदीवड्डपच्चच्छिमद्धे चत्तारि आ। लावगा। बविहे संघयणे पं तं। वतिरोसभणारा
यसंघयणे उसभणारायसंघयणे नारायसं। घयणे। अद्धनारायसंघयणे खीलितासंघयणे छेव
ट्ठसंघयणे। बविहे संठाणे पं तं। समचउरंसे णग्गोहपरिमंडले साती खुज्जे वामणे हुंडे। बट्ठाणा अ
णुवन्न आहिताते असुहाते अखमाते अनीसेसाए अणाणुगामियत्ताते भवंति। तं। परियाते। परियाले। सुत
ताले। लाभे पूतासक्कारे बट्ठाणाइं अत्तवतो हिताते जाव आणुगामियत्ताते भवंति तं। परियाते। परियाले सु
ते पूतासक्कारे बविहा जाइ आरिया मणुस्सा पं तं। अंबट्ठा य कलंदा य वेदेहा य वेदगादि तिना हरिता चंचुणा चे ए९

वक्कंति॰ उपत्तं॥ वक्काउगारीर नीव कि॥ नदुःख॰ हानि॥ गतिप जोम गमन॥ मात्र परलोकगमनस्थानकी॥ कालसंमोग॰ समयत्रमाकिते कालव ...तिसं
वध ...॥ दंसण॰ देश ...॥ उमाद॰ माहिम ... ॥ ९॥

व। बट्ठाणाइं उज्जातित बविहा कुलारिया मणुस्सा पं तं। उग्गा। भोगा। राइन्ना। इक्खागा। णाता। कोरव्वा। बविहा
लोगट्ठिती पं तं। आगासपतिट्ठिते वाए वातपतिट्ठिते उदही उदधिपतिट्ठिया पुढवी। पुढविपइट्ठिया तसा ३
थावरा पाणा। अजीवा जीवपइट्ठिया। जीवा कम्मपतिट्ठिया। बद्दिसाओ पं तं। पातीणा। पडीणा। दाहिणा। उत्तरा
उड्डा। अधा। बहिं दिसाहिं जीवाणं गती पवत्तति तं। पातीणाते जाव अधाते। एवं आगती। वक्कंती। आ
हारे वुड्डी निवुड्डी। विगुव्वणा। गतिपरियाते। समुग्घाते। कालसंजोगे। दंसणाभिगमे। णाणाभिग
मे। जीवाभिगमे। अजीवाभिगमे। एवं पंचिं। दियतिरिक्खजोणियाण वि मणुस्साण वि। बहिं ठा
णेहिं समणे निग्गंथे आहारमाहारेमाणे णाति। क्कमति तं। वेयणवेयावच्चे। इरियट्ठाए य संजम
ट्ठाए तह पाणवत्तियाए छट्ठं पुण धम्मचिंताए १ बहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे आहारं वोच्छिंदमाणे णाति
क्कमति तं। आतंके उवसग्गे तितिक्खणे बंभचेरगुत्तीते। पाणदयातवहेउं सरीरवुच्छेयणट्ठाए। बहिं ठा
णेहिं आता उम्मायं पाउणेज्जा तं। अरहंताणं अवन्नं वदमाणे अरहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स अवन्नं वदमाणे
आयरियउवज्झायाणं अवन्नं वदमाणे चाउवन्नस्स अवन्नं वदमाणे जक्खावेसेण चेव मोहणिज्जस्स चेव क

प्रमादः कडाउमत्तोगरहित ॥ १ ॥ भुत · जुरमवुं ॥ पडिलेहणाप्रमादः वस्त्रप्रकारिद्रव्य वस्त्रमात्रादिक ॥ क्षेत्र व्याकरादिक नइ विषइ ॥ कालत्रे गोइ कालि तेत्र अ
नुष्ठानकरुं तोई तेका लत्तोग्रनइ विषइप्रमादः ॥ भाव धर्मजागरतेहनइ विषइप्रमाद ॥ ६ ॥

गणांगसू

मस्स उदयणं छव्विहे पमाते । पं । तं । मज्जपमाते । णिद्दपमाते । विसयपमाते । कसायपमाते । जूतपमाते । पडि
लेहणापमाते । छव्विहा पमायपडिलेहणा । पं । तं । आरभडा सम्मद्दा वज्जेतव्वा य मोसली ततिता । पप्फोडणा चउत्थी
विक्खित्ता वेतिया छट्ठा । छव्विहा अप्पमायपडिलेहणा । पं । तं । अणच्चावितं अवलितं अणाणुबंधि अमोसलिं चेव
। छप्पुरिमा नव खोडा पाणी पाणिविसोहणी । छ लेसाउ । पं । तं । कण्हलेसा । जाव सुक्कलेसा । पंचिंदियतिरि
क्खजोणियाणं छ लेसाउ । पं । तं । कण्हलेसा । जाव सुक्कलेसा । एवं मणुस्स देवाण वि । सक्कस्स णं देविं
दस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो छ अग्गमहि सीता । पं । सक्कस्स णं देविंदस्स देव जमस्स महार
न्नो छ अग्गमहिसीउ । पं । ईसाणस्स णं देविंदस्स म ज्झिमपरिसाते देवाणं छ पलिउवमाइं ठिती । पं । छ दिसि
कुमारिमहत्तरिताता । पं । तं । रूता रूतंसा सरूवा । रूवती । रूयकंता रूतप्पभा । छ विज्जुकुमारिमहत्तरिताते
। तं । आला सक्का सतारा । सोतामणी । इंदा । घणविज्जुया । धरणस्स णं नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो छ अग्ग
महिसीउ । पं । तं । आला । मक्का । सातरा सातामणी । इंदा घणविज्जुया । भूताणंदस्स णं नागकुमारिंदस्स नागकुमा
ररन्नो छ अग्गमहिसीउ । पं । तं । रूता । रूतंसा । सुरूवा । रूवावती । रूता । कंता । रूतप्पभा । जहा धरणस्स तहा साव्वे ॥ ८२

मर्मेलेउनइ
विवादकर
इ ॥ ८ ॥

खिपप्रिय · संकलुद्धलादि स्फर सिम्याउइ काक्रिगृह ॥ बहुका · शय्याउ वइठा स्त्रीवस्त्रपुष्फचंदनादिकं स्फरस्पर्श सातउ औदिक अनेकप्रकारिजाणि
॥ ध्रुव · निश्रुतचिन्ह कवारस्त्री आदिक स्पर स्पर्श कइ अनइ जिज्ञारइ तेह जि स्परस्पर्श नउ भोग मनइ तवरूरइ ते जाणि ॥ अणसि · निश्रारहित
पूर्वइ कारादिकं स्परस्पर्श अनुमान व्यवहारु इ · सातम दुखिया दिते हनइ आनमानिवस्तु नु मानमानइ ॥ असंदिग्ध · सर्वसंदेहरहित ॥ पुराणा · घणा
पुराणा · ... तेजु ... इ ३४

सिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स जहा भूताणंदस्स तहा साव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स धरणस्स णं ना
गकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो छ सामाणिय साहस्सीउ पन्नत्ता । एवं भूताणंदस्स वि जाव महाघोसस्स छ
व्विहा उग्गहमती । पं । तं । खिप्प मोगिण्हति । बहुमोगिण्हति । बहुविधमोगिण्हति । धुवमोगिण्हति
अणिस्सियमोगिण्हइ असंदिद्धमोगिण्हति । छव्वि हा ईहामती । पं । तं । खिप्पमीहती । बहुमीहती । जाव असं
दिद्धमीहति । छव्विहा अवायमती । पं । तं । खिप्पम वेति । जाव असंदिद्धं अवेति । छव्विहा धारणा । पं । तं । बहुं
धारइ बहुविहं धारइ पोराणं धारति दु द्धरं धारति । अणिस्सितं धारति असंदिद्धं धारइ छ
व्विहे बाहिरते तवे । पं । तं । अणसणं उमोदरिता भिक्खातरिता रसपरिच्चाते कायकिलेसो पडिसंलीण
ता । छव्विधे अब्भिंतरिते तवे । पं । तं । पायच्छित्तं विणउ वेयावच्चं तहेव सज्झाउ झाणं विउस्सग्गो । छव्विहे वि
वादे । पं । तं । उसक्कतित्ता । उस्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता । भ इत्ता । भेलतित्ता । छव्विहा खुड्डा
पाणा । पं । तं । बेंदिता । तेंदिता । चउरिंदिता । संमुच्छिमपंचिंदितं तिरिक्खजोणिता तेउकातिता वाउकातिता छव्वि
हा गोयरचरिता । पं । तं । पेडा अद्धपेडा । गोमुत्तिता पतंगविहिता संबुक्कावट्टा गंतुपच्चागता । जंबुद्दीवे णं

कालनुं वि
श्रामहाणादि ॥
॥ ६ ॥ दुष · गलि
उ कस्तूरी · पू
कवारउस
रीअवसर
ज्ञोइनइ विवा
द करइ ॥ उत्त
कहा · आपणा
पुण्यतिहि आ
तु नर करीन
इ जापइ ॥ अ
अणुलोम · स
मर्तअनुलो
मवचनइ
करीतेहनु
उपक्रियाकरी
विवाद करइ
॥ सर्वथा आ
पणा समर्था
इ जाणीनइ
प्रतिलोमव
चनइ करी
जापइ ॥ भइ
ता · सेवीनइ
॥ लोभेइत्ता ·
भाहि मेली
नइ तेहनइ

अवक्कंत· अकम्मनाइं सर्वसरन्नावयकइन्नषु॥२॥ पाक्कमइदेवलोकिक्कपूरन्नर॥३॥

ठाणांगसू

दस्सपव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए । बहुबक्कंतमहानिरता । पं॰ तं॰ । लोललोलुते । उद्दाह
तिद्दाह । जराते । पज्जराते । चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए बहुबक्कंता महानिरता । पं॰ तं॰ । आरे वा मारे वा
रूाते । खाडुखाडु । बंभलोगे णं कप्पे बेविमाणपत्थडा । पं॰ तं॰ । आराते विराते । णीराते । निम्माले । वितिमिरा विसुद्दे
। चंदस्सणं जोतिसिंदस्स जोतिसरन्नो बेणक्खत्ता पुव्वंलोगा समखेत्ता । तीसतिमुहुत्ता । पं॰ तं॰ । पुव्वाभद्दावया
कत्तिता । मघा पुव्वाफग्गुणी । मूला पुव्वाआसा । ढा । चंदस्सणं जोतिसिंदस्स जोतिसरन्नो बेणक्खत्ता णत्त
लोगा । अवहूसखेत्ता पन्नरसमुहुत्ता । पं॰ तं॰ । स त्तिसता भरणी । अद्दा । अस्सेसा । साती । जेट्ठा । चंद
स्सणं जोतिसिंदस्स जोतिसरन्नो बेनक्खत्ता ३ बंउभयलोगा दिवड्ढखेत्ता । पणयालीसमुहुत्ता । पं॰ तं॰
रोहिणि । पुणव्वसू । उत्तराफग्गुणी । विसाहा । उत्त रासाढा । उत्तरभद्दवया । अभिचंदेणं कुलकरे बेधणुसया
इं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था । भरहेणं राया चाउरंतचक्कवट्टी । बेपुव्वसतसहस्साइं महाराया हुत्था । पासस्सणं अर
हउ पुरिसादाणियस्स बेसया वादीणं सदेवमणुयासुराते परिसाते । अपराजियाणं वा पुव्वबुद्धेणं अरिहा बहि
पुरिससतेहिं सद्धिं मुंडे जाव पव्वइए । चंदप्पभेणं अरहा बेमासे छउमत्थे हुत्था । ततिंदियाणं जीवा असमा ९३

रभमाणस्स बेविहे संजमे कज्जति । तं॰ घाणामातो सोक्खातो अववरोवेत्ता भवति । जिब्भामातो सोक्खातो अववा
रोवेत्ता भवति । चउरिंदियाणं जीवा समारभमाणस्स बेविहे असंजमे कज्जति । तं॰ घाणामातो सोक्खा
तो ववरोवेत्ता भवति । घाणामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवति । फासमतेणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवति
। जंबूदीवे बेअकम्मभूमीओ । पं॰ तं॰ हेमवते । हेरन्नवए । हरिवासे । रम्मगवासे । देवकुरा । उत्तरकुरा । जं
बूदीवे बेवासा । पं॰ तं॰ । भरहे एरवते । हेमवते हेरन्नवए । हरिवासे । रम्मगवासे । जंबुदीवे बेवासहर
पव्वता । पं॰ तं॰ । चुल्लहिमवंते । महाहिमवंते । निसढे । नीलवंते । रुप्पि सिहरी । जंबूमंदरस्स दा
हिणेणं बेकूडा । पं॰ तं॰ । चुल्लहिमवंतकूडे । वेसमणकूडे । महाहिमवंतकूडे । वेरुलितकूडे
। निसढकूडे । रुयगकूडे । जंबूमंदरस्स उत्तरेणं बेकूडा । पं॰ तं॰ । नीलवंतकूडे । उवदंसणकूडे । रुप्पिकू
डे । मणिकंचणकूडे । सिहरिकूडे । तिगिंछकूडे । जंबूदीवे बेमहद्दहा । पं॰ तं॰ । पउमद्दहे । महापउमद्दहे
तिगिंछेद्दहे । केसरिद्दहे । महापुंडरीयद्दहे । पुंडरीयद्दहे । तत्थणं बेदेवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओव
मट्ठितीताओ परिवसंति । तं॰ सिरी । हिरी । धिती । कित्ती । बुद्धि लच्छी । जंबूमंदरदाहिणेणं बेमहानदीओ । पं॰ तं॰ । गंगा

उमरत्ता॰ तथिएघर वु॰ तत्तीपवे॰ आसाढनु॰ कृष्णेपक्षे॰ यावत्तुतीये पक्षे॰ अतिरत्ता॰ अधिकदिन [illegible] कावत्ता॰ कृसत वनत

ठाणांगसू सिंधू रोहिता रोहितंसा हरी हरिकंता जंबुमंदरउत्तरेणं छ महानतीतो पं० तं० नरकंता नारिकंता सुवन्नकू
ला रुप्पकूला रत्ता रत्तवती। जंबूमंदरपुरच्छिमेणं सीताते महानदीते उभयकूले छ अंतरनदीओ पं० तं० गा
हावती दहवती पंकवती तत्तजला मत्तजला उम्मत्तजला। जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीतोदाते महानदीते उभ
यकूले छ अंतरनदीओ पं० तं० खीरोदा सीहसोता अंतोवाहिणी उम्मिमालिणी फेणमालिणी गंभीरमालि
णी। धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धे णं छ अकम्म भूमीओ पं० तं० हेमवए एवं जहा जंबुद्दीवे तहा नदी
जाव अंतरणदीतो जाव पुक्खरवरदीव ड्ढपच्चत्थिमद्धे भाणियव्वं। छ उऊ पं० तं० पाउसे वरि
×सरव×१ सारत्ते हेमंते वसंते गिम्हे। छ ओमरत्ता पं० तं० ततिते पव्वे सत्तमे पव्वे एक्कारसमे पव्वे पन्नरसमे पव्वे एगूण ×सतमेव बे×
वीसइमे पव्वे तेवीसइमे पव्वे। छ अतिरत्ता पं० तं० चउत्थे पव्वे अट्ठमे पव्वे दुवालसमे पव्वे सोलसमे
पव्वे वीसइमे पव्वे चउवीसइमे पव्वे। आभिणिबोहियणाणस्स णं छव्विहे अत्थोग्गहे पं० तं० सोइंदियत्थो
ग्गहे जाव नोइंदियत्थोग्गहे। छव्विहे ओहिणाणे पं० तं० आणुगामिए अणाणुगामिते वड्ढमाणते हायमाणे
पडिवाती अपडिवाती। नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा इमाइं छ अवतणाइं वदित्तते तं० अलियवयणे हीलिय ८४

गारत्थि॰ गृहस्थ [illegible] [illegible]
[illegible] प्रायश्चित्त [illegible]
[illegible] प्रायश्चित्त [illegible]

वयणे खिंसितवयणे फरुसवयणे गारत्थितवयणे विउसवितं वा पुणो उदीरित्तते। छ कप्पस्स पत्थारा पं० तं०
पाणातिवायस्स वायं वयमाणे मुसावायस्स वायं वयमाणे अदिन्नादाणस्स वायं वयमाणे अविरतिवायं व
यमाणे अपुरिसवायं वयमाणे दासवायं वयमाणे इच्चेते छ कप्पस्स पत्थारे पत्थारेत्ता सम्ममपडिपूरेमा
णे तट्ठाणपत्ते। छ कप्पस्स पलिमंथू पं० तं० कोकुइते संजमस्स पलिमंथू मोहरिते सच्चवयणस्स पलि
मंथू चक्खुलोलुते इरियावहिताते पलिमंथू तितिणिते एसणागोतरस्स पलिमंथू इच्छालोलिते
मोत्तिमग्गस्स पलिमंथू भिज्जानिदाणकरणे मोक्खमग्गस्स पलिमंथू सव्वत्थ भगवता अणि
ताणता पसत्था। छव्विहा कप्पट्ठिती पं० तं० सामातितकप्पट्ठिती छेओवट्ठावणितकप्पट्ठिती णिव्विसमा
णकप्पट्ठिती णिव्विट्ठकप्पट्ठिती जिणकप्पट्ठिती थेरकप्पट्ठिती। समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्ते
णं अपाणएणं मुंडे जाव पव्वइए। समणस्स णं भगवतो महावीरस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं अणंते अणुत्त
रे जाव समुप्पन्ने। समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। सणंकु
मारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु

पलिमंथु॰ [illegible] तितिणिए॰ [illegible] [illegible]

ठिमाद वाणं स वक्खरणछगमसवीरगा। उक्कोसेणं वरमणीउ नडं व्वाणणं पं छव्विहा लायणपरिणामा। पं। तं मं

गुवरसिता। पाणणिछ। दप्पणिछ। विढिणिछ। मयणिछ। छव्विहे विसपरिणामे। पं। तं डक्के। भुत्ते। निव

त्तिते। मंसाणुसारी। सोणिताणुसारी। अट्ठिमिंजाणुसारी। छव्विहे आहारे। पं। तं संसयपाहारे। वुग्गहपाहे। अणु

जोगी। अणुलोमे। तहणाणे। अतहणाणे। च मरचंवाणं रायहाणी। उक्कोसेणं छम्मासा विरहितउववा

तेणं यगामागणं इंदट्ठाणं उक्कोसेणं छम्मास ... विरहिते उववातेणं अधेसत्तमा णं पुढवी उक्कोसेणं

छम्मासा विरहिता उववातेणं सिद्धिगती। ... णं उक्कोसेणं छम्मासा विरहिता उववातेणं छव्विहे

आउबंधे। पं। तं जातिणामनिधत्ताउते गतिणा ... मनिधत्ताउते ठितिनामनिधत्ताउते ओगाहणणामनि

धत्ताउते पएसणामणिधत्ताउते अणुभावणा ... मणिधत्ताउते णेरइयाणं छव्विहे आउबंधे। पं। तं जाति

णामणिधत्ताउते एवं जाव वेमाणियाणं नेरइयाणं छम्मासावसेसाउता परभवियाउयं पगरेंति

एवमेव असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा। असंखेज्जवासाउता सन्निपंचिंदिततिरिक्खजोणिता णियमं छम्मा

सावसेसाउयं पगरेंति असंखेज्जवासाउया सन्निमणुस्सा नियमं जाव पगरेंति वाणमंतरा जोतिसवासिता

९५

वेमाणिता जहा णेरतिता। छव्विहे भावे। पं। तं उदतिते उवसमिते खतिते खतोवसमिते पारिणामिते सन्निवाते।

छव्विहे पडिक्कमणे। पं। तं उच्चारपडिक्कमणे पासवणपडिक्कमणे इत्तरिते आवकहिते जंकिंचिमिच्छा सोमण

तिते। कत्तिताणक्खत्ते छतारे पं। असिलेसाणक्खत्ते छतारे पं। तं जीवाणं छट्ठाणनिव्वत्तिते पोग्गले पावक

म्मत्ताते चिणिंसु वा ... पुढविकाइयनिव्वत्तिते जाव तसकाइयणिव्वत्तिते। एवं चिण। उवचिण। बंध उदीर

वेयतह निज्जरा चेव। छप्पतेसिताणं खंधा अ ... णंता पं। सन्ना। छप्पतेसोगाढा पोग्गला अणंता। पं। छसम

यट्ठितीता पोग्गला अणंता। छगुणकालगा पो ... ग्गला जाव छगुणलुक्खा पोग्गला। छट्ठाणं छट्ठमज्झयणं

सम्मत्तं॥छ॥ ॥सत्तविहे गणावक्कमणे। पं। तं। ... सव्वधम्मा रोतेमि एगतिता रोएमि एगइया णो रोएमि

सव्वधम्मा वितिगिंछामि एगतिया वितिगिंछामि ए ... गतिया नो वितिगिंछामि सव्वधम्मा जुहुणामि एगतिया जु

हुणामि एगतिया णो जुहुणामि इच्छामि णं भंते एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तते सत्तविहे वि

भंगनाणे। पं। तं एगदिसिं लोगाभिगमे पंचदिसिं लोगाभिगमे किरियावरणे जीवे मुदग्गे जीवे अमुदग्गे

जीवे रूवि जीवे। सव्वमिणं जीवा तत्थ खलु इमे पढमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स

वा। माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जति। से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासति। पाईणं वा। पडिणं वा। दा
हिणं वा। उदीणं वा। उड्ढं वा। जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णमेवं भवति। अत्थि णं मम अतिसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने। एग
दिसिं लोगाभिगमे। संतेगतिया समणा वा माहणा वा। एवमाहंसु। पंचदिसिं लोगाभिगमे। जे ते एवमाहंसु मि
च्छं ते एवमाहंसु। पढमे विभंगणाणे। १ अहावरे दोच्चे विभंगणाणे। जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स
वा विभंगणाणे समुप्पज्जति। से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासति। पाईणं वा। पडिणं वा। दाहि
णं वा। उदीणं वा। उड्ढं जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णमेवं भवति। अत्थि णं मम अतिसेसे णाणदंसणे
समुप्पन्ने। पंचदिसिं लोगाभिगमे संतेगतिया समणा वा माहणा वा। एवमाहंसु। एगदिसिं लोगाभिगमे।
जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु। दोच्चे विभंगणाणे २ अहावरे तच्चे विभंगणाणे। जया णं तहारूव
स्स समणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जति। से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासति। पाणे अतिवाते माणे।
मुसं वयमाणे अदिन्नमादियमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे परिग्गहं परिगिण्हमाणे वा राइभोयणं भुंजमाणे पावं
च णं कम्मं कीरमाणं णो पासति तस्स णमेवं भवति। अत्थि णं मम अतिसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने। किरियावरणे। ७८

जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु। संतेगतिया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु। नो किरियावरणे जीवे त
च्चे विभंगणाणे। ३ अहावरे चउत्थे विभंगणाणे। जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा समुप्पज्जति
। से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासति। बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियादितित्ता पुढेगत्तं णाणत्तं
फुसिया फुरित्ता फुट्टित्ता विकुव्वित्ताणं चिट्ठंति। तस्स णमेवं भवति। अत्थि णं मम अतिसेसे णाणदंसणे समु
प्पन्ने मुदग्गे जीवे संतेगतिया समणा वा माहणा वा। एवमाहंसु अमुदग्गे जीवे जे ते
एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु। चउत्थे विभंगणाणे अहावरे पंचमे विभंगणाणे। जया णं तहारू
वस्स समणस्स जाव समुप्पज्जति। से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासति। बाहिरब्भंतरए
पोग्गले अपरियादितित्ता पुढेगत्तं णाणत्तं जाव विउव्वित्ताणं चिट्ठंति तस्स णमेवं भवति। अत्थि जाव स
मुप्पन्ने अमुदग्गे जीवे संतेगतिया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु मुदग्गे जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते ए
वमाहंसु पंचमे विभंगणाणे ५ अहावरे छट्ठे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव
समुप्पज्जति। से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासति। बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियादित्ता [illegible] तित्ता वा।

फरुसं० प्रगट करइ पृथक् थाइ वा व्ययं छेइ ॥४॥ सुहुम मंदं वायरइ करी नइ पुद्गल नी राशि करसा कुं ताए मंति कंपमानः चलंति वरीसइ वलंत स्वस्थान न मूकता नु ... नमनं ... ताइं बलंत वलंत० वस्तु सरपेरावंतं तेषां इ २ ना विपरिणामनं ॥५॥

ठाणांगसू अणिदियादितित्तावा पुढमत्तेणाणात्तेज्जासत्ता। जाव विकुव्वित्ताणं चिट्ठित्तात तस्स णं एवं भवति अत्थि णं मम अतिसेसे
णाणदंसणे समुप्पन्ने रूवी जीवा संलग्गतितासमणा वा माहणा वा एवमाहंसु अरूवी जीवा जे ते एवमाहंसु मिच्छं
ते एवमाहंसु छट्ठे विभंगणाणे ६ अहावरे सत्तमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स
वा विभंगणाणे समुप्पज्जति से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासति सुहुमेणं वाउकाएणं फु
डं पोग्गलकायं एयंतं वेयंतं चलंतं खुब्भंतं फंदंतं घट्टंतं उदीरेंतं तं तं भावं परिणमंतं तस्स णं एवं भव
ति अत्थि णं मम अतिसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने सव्वमिणं जीवा संलग्गतितासमणा वा माह
णा वा एवमाहंसु जीवा चेव अजीवा चेव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तस्स णं इमे चत्ता
रि जीवनिकाया णो सम्ममुवगता भवति तं० पुढविकाइया आउ तेउ वाउकाइया इच्चेतेहिं चउहिं जीवनिकाएहिं मि
च्छादंडं पवत्तेइ सत्तमे विभंगणाणे ७ सत्तविधजोणिसंगहे पं० तं० अंडजा पोतजा जराउजा रसगा संसे
यगा संमुच्छिमा उब्भिगा अंडगा सत्तगतिता सत्तागतिता पं० तं० अंडगे अंडगेसु उववज्जमाणे अंडगेहिंतो वा पोतजे
त अंड हिंतो वा जाव उब्भियहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से अंडगे अंडगत्तं विप्पजहमाणे अंडगत्ताते वा पोतगत्ताते ९७

× अंडगा × २

आणा वा० विधिनइ विषइ आदेश आज्ञा॥ धारणा० निषेधनइ विषइ आदेश तेहनु सम्यक् प्रकारइ प्रवर्तावत्तुं ॥२॥ यथायनां० आलोचना वस्त्र पात्रादिक निरोधगवेषीलइ ॥४॥ पुव्व० पूर्वइ लाधा कहइ ते आचारादिक धर्मकारसउं पडिरामइ ॥५॥ उपकरण० उपग्रायत्तां वनानो प्रतिज्ञा ॥ ... लाजइ श्रुतनी पडिरामइ ॥७॥

× ठाणं सि × २

वा जाव उब्भियत्ताते वा गच्छेज्जा पोतगा सत्तगतिता सत्तागतिता एवं चेव सत्तण्ह वि गतिरागती भाणियव्वा जाव उ
ब्भियत्ति आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त संगहठाणा पं० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं
पउंजित्ता भवति एवं जधा पंचट्ठाणे जाव आयरियउवज्झाए गणंसि आपुच्छियचारिया वि भवति नो अणापु
च्छियचारिया वि भवति आयरियउवज्झाए गणंसि अणुप्पन्नाइं उवकरणाइं सम्मं उप्पाइत्ता भवति आयरि
यउवज्झाए गणंसि पुव्वुप्पन्नाइं उवकरणाइं सम्मं सारक्खेत्ता संगोवित्ता भवति णो असम्मं सारक्खित्ता
भवति आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त असंगहठाणा पं० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि
आणं वा धारणं वा नो सम्मं पउंजित्ता भवति एवं जाव उवगरणाणं नो सम्मं सारक्खेत्ता संगोवि
त्ता भवति सत्त पिंडेसणाओ पन्नत्ताओ सत्त पाणेसणाओ पन्नत्ताओ सत्त उग्गहपडिमाओ पन्नत्ताओ सत्त सत्ति
क्कया पन्नत्ता सत्त महज्झयणा पन्नत्ता सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एकूणपण्णाए रातिंदिएहिं एगेण य
छन्नउतेणं भिक्खासतेणं अहासुत्ता जाव आराहिया वि भवति अहेलोगे णं सत्त पुढवीओ पं० तं० सत्त घणोद
धीओ पं० सत्त घणवाता सत्त तणुवाता पं० तं० सत्त उवासंतरा एतेसु णं सत्तसु उवासंतरेसु सत्त तणुवाया पइ

[illegible] अप्रतिष्ठानादि [illegible] रागद्वेषा [illegible]

[illegible]

ट्ठियाप्पन्नत्ता तेसु णं सत्तसु तणुवातेसु सत्त घणवातपतिट्ठिया तेसु घणवातेसु सत्त घणोदधी पतिट्ठिता एतेसु णं
सत्तसु घणोदधीसु पिंडेलगपिहुलसंठाणसंठियाओ सत्त पुढवीओ पं० तं० पढमा जाव सत्तमा । एतासि णं सत्त
ण्हं पुढवीणं सत्त णामधेज्जा पं० तं० घंमा वंसा सेला अंजणा रिट्ठा मघा माघवती । एतासि णं सत्तण्हं पुढवी
णं सत्त गोत्ता पं० तं० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुयप्पभा पंकप्पभा धूमप्पभा तमा तमतमा । सत्तविहा बा
यरवाउकाइया पं० तं० पाईणवाते पडीणवाते दाहिणवाते उदीणवाते उड्ढवाते अहेवाते विदि
सिवाते । सत्त संठाणा पं० तं० दीहे रहस्से वट्टे तंसे चउरंसे पिहुले परिमंडले । सत्त भयट्ठा
णा पं० तं० इहलोगभते परलोगभते आदाणभते अकम्हाभते वेयणभते मरणभते असिलो
गभते । सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थं जाणेज्जा तं० पाणे अइवाएत्ता भवति मुसं वइत्ता भवति अदिन्नं आदित्ता
भवति सद्दफरिसरसरूवगंधे आसादेत्ता भवति पूयासक्कारमणुवूहेत्ता भवति इमं सावज्जं ति पन्नवेत्ता पडिसे
वेत्ता भवति णो जहावादी तहाकारी यावि भवति । सत्तहिं ठाणेहिं केवली जाणेज्जा तं० णो पाणे अइवाइत्ता
भवति जाव जहावाती तहाकारी यावि भवति । सत्त मूलगोत्ता पं० तं० कासवा गोतमा वच्छा कोच्छा कोसिता ९८

मंडवा वासिट्ठा । जे कासवा ते सत्तविधा पं० तं० ते कासवा ते संडिल्ला ते गोला ते वाला ते मुंजइणो ते पव्वति
णो ते वरिसकण्हा । जे गोयमा ते सत्तविधा पं० तं० ते गोयमा ते गग्गा ते भारद्दा ते अंगिरसा ते सक्क
राभा ते उदत्ताभा । जे वच्छा ते सत्तविधा पं० तं० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तेया ते सामलिणो ते सेलयता ते अ
ट्ठिसेणा ते वीयकण्हा । जे कोच्छा ते सत्तविधा पं० तं० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा ते पिंगायणा ते कोडीणा
ते मंडलिणो ते हारिता ते सोमया । जे कोसी ते सत्तविधा पं० तं० ते कोसिता ते कच्चायणा ते सालं
कायणा ते गोलिकायणा ते पक्खिकायणा ते अग्गिच्चा ते लोहिच्चा । जे मंडवा ते सत्तवि
धा पं० तं० ते मंडवा ते अरिट्ठा ते समुता ते तेला ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारायणा । जे वासि
ट्ठा ते सत्तविधा पं० तं० ते वासिता ते उंजायणा ते जारकण्हा ते वग्घावच्चा ते कोंडिन्ना ते सन्नी ते पारा
सरा । सत्त मूलनया पं० तं० णेगमे संगहे ववहारे उज्जुसुते सद्दे समभिरूढे एवंभूते । सत्त सरा पं० तं० स
ज्जे रिसभे गंधारे मज्झिमे पंचमे सरे धेवते चेव णेसादे सरा सत्त वियाहिता ॥१॥ एएसि णं सत्तण्हं
सराणं सत्त सरट्ठाणा पं० तं० सज्जं तु अग्गजिब्भाए उरेण रिसभं सरं कंठुग्गतेण गंधारं मज्झजिब्भाए मज्झिमं ॥२॥

ठाणांगसूत्र

णासाए पंचमं बूया दंतोट्ठेण य धेवतं भमुहक्खेवेण णेसातं सरट्ठाणा वियाहिता ३ सत्त सरा जीवणिस्सिता पं० तं० स
ज्जं रवति मयूरो कुक्कुडो रिसहं सरं हंसो णदति गंधारं मज्झिमं तु गवेलगा ३ अह कुसुमसंभवे काले कोइला
पंचमं सरं छट्ठं च सारसा कोंचा णेसायं सत्तमं गया ४ सत्त सरा अजीवणिस्सिता पं० तं० सज्जं रवति मुइंगो गो
मुही रिसभं सरं संखो णदति गंधारं मज्झिमं पुण झल्लरी ५ चउचलणपतिट्ठाणा गोहिया पंचमं सरं आडंब
रो रेवतिं तं महाभेरी य सत्तमं ६ एतेसि णं सत्तण्हं सराणं सत्त सरलक्खणा पं० तं० सज्जेण लभति वित्तिं क
तं च न विणस्सति गावो मित्ता य पुत्ता य णारीणं च वल्लभो ७ रिसभेण उ एसज्जं सेणावच्चं ध
णाणि य वत्थगंधमलंकारं इत्थिओ सयणाणि य ८ गंधारे गीतजुत्तिण्णा वज्जवित्ती कलाहिता भवंति कति
णो पण्णा जे अन्ने सत्थपारगा ९ मज्झिमसरसंपण्णा भवंति सुहजीविणो खायती पियती देती मज्झिमसरम
स्सितो १० पंचमसरसंपन्ना भवंति पुढवीपती सूरा संगहकत्तारो अणेगगणणायगा ११ रेवतसरसंपन्ना भवं
ति कलहप्पिया साउणिया वग्गुरिया सोयरिया मच्छबंधा य १२ चंडाला मुट्ठिया मेया जे अन्ने पावकम्मिणो गो
घातगा य जे चोरा णेसायं सरमस्सिता १३ एतेसिं णं सत्तण्हं सराणं तओ गामा पन्नत्ता तं० सज्जगामे मज्झिमगामे ९९

MEMORIAL

गायस· हृदनथी निरोवासराश्च आकार॥५॥

पादसमाउ सासा· उत्तरद्धसमा पदउत्तराई ते तहेव समयेउ सा समातना॥ गीतना आगारश्रोया कहिच्छेइ॥ प्रारंभतां सकमय॥ मध्यमोराश्च नि॥
अवसाने मंदकरइ॥७॥ इत ऊतावलु मुउइ मुडइ॥ ताला नाकतइ॥ नासिकाइ स्वर उच्चरइ॥ मुखं· करकल्ला दिकइ करी रागइ करी सहित॥ आ...
·अनेरे स्वरे करी नइ सोभित॥ ... स्फुट॥ अविघुट्ठं· पाडुमा स्वर रहित॥ मधुर॥ कोइलि ना स्वर नी परइ॥ उर कंठ विसिर नइ विषइ विशुध॥ गज्ज

गंधारगामे। सज्जगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ पं० तं० मंगी कोरवीया हरी तं रयणी तसारकंता तां छट्ठी य सारसी
णाम सुद्धसज्जा तसत्तमा १६ मज्झिमगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ पं० तं० उत्तरमंदा रतणी उत्तरा उत्तरासमा आ
स्सोकंता तासोवीरा अभिरुद्धा वतिसत्तमा १७ गंधारगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ पं० तं० णंदी तरखुद्दिमा पूरिमा
य चउत्थी य सुद्धगंधारा उत्तरगंधारा वि तपंच मिता हवति मुच्छाउ १८ सुहुमुत्तरमायामा सा छट्ठी णियम
सा उणायव्वा अह उत्तरायता कोडीमा तसा स त्तमी मुच्छा १९ सत्त सरा कओ संभवंति गीयस्स का भवति
जोणी कति समता उस्सासा कति वा गीयस्स आ गारा २० सत्त सरा णाभीतो भवंति गीतं च रुन्न जो
णीतं पादसमता उस्सासा तिन्नि य गीयस्स आ गारा २१ आइमिउ आरभंता समुव्वहंता य मज्झगारं
मि अवसाणे तज्झवेंता तिन्नि य गीयस्स आगारा २२ छद्दोसे अट्ठगुणे तिन्नि य वित्ताइं दोय भणितीउ जो
णाहिति सो गाहिइ सुसिक्खितो रंगमज्झम्मि २३ भीतं दुतं रहस्सं गायंतो मा तगाहि उत्तालं काकस्सरमणुना
सं च होंति गेयस्स छद्दोसा २४ पुन्नं रत्तं च अलंकियं च वत्तं तहा अविघुट्ठं मधुरं सममसुकुमालं अट्ठगुणा
होंति गेयस्स २५ उरकंठसिरपसत्थं च गेज्जंति मउयरिभियपदबद्धं समतालपडुक्खेवं सत्तसरसीहरं गीयं

एगात॥ मुख सुकमाल स्वर॥ २॥ तसुताल्हाधि समताला॥ पुडेक्षेव· मुरजादिकवा जंत्रनइ मेलइ पगनु मेकलवुं॥ सत्तसरा ही रतर· सातस्वर आहोराधिक उकारीस मानिय॥ ११॥

गीतनिर्दोस बत्रीस दोष रहित॥ सारकृतं ग्रंथि सहित॥ हेतु-अर्थनाद्योगात सहित॥ अलंकृत का बिना अलंकारसहित॥ उवणि-उपसंहार रहित॥ ऋषिगाथि
सोवयारं-निष्ठुर विरुद्ध॥ लज्जादि रहित॥ मितमात्राइ॥ मधुर शब्द अर्थनाम्नौ पदसंम-पदव्यारिसमा अक्षर लघु घु तेणाइ करी॥ अर्धसम-एकपदस्स मुअन्न ततेप्रशस्त
इव्वानुसमु॥ नीगुसमं॥ वृत्तं विसमं विसमं पद अक्षरे करी विसमं॥ २॥ सेक्क-संस्कृत॥ पयय-प्राकृत वक्र प्रकारे-प्रशस्त कहे॥ सरमंडल उगातइकृत ॥२॥

ठाणांगसू १४ निद्दोसं सारवंतं च हेउजुत्तमलंकियं। उवणीयं सोवयारं च मियं महुरमेव य। १५ समं अद्धसमं चेव सव्वत्थ
विसमं चेव जं। तिन्नि वित्तप्पयाराइं चउत्थं नोपलब्भती। १६ सक्कता पागता चेव दुविहा भणितीआहिया। सर
मंडलंमि गिज्जंते पसत्था इसिभासिता। केसी गायति महुरं केसी गायति खरं च रुक्खं च। केसी गायति चउरं के
सि विलंबं दुतं केसी। विस्सरं पुण केरिसी॥ सामा गायइ महुरं काली गायइ खरं च रुक्खं च। गोरी गायति चउरं काणा वि
लंबं दुतं अंधा। विस्सरं पुण पिंगला। तंतिसमं तालसमं पादसमं लयसमं गहसमं च। नीससिऊससिय
संचारसमा सरा सत्त। तततामामा॥ सुत्तणाय कविंझामा। ताणा एगूणपन्नासा। इति सत्तसरमं
डलं समत्तं॥ ॥सत्तविधे कायकिलेसे पं० तं० ठाणातिते। उक्कुडुयासणिते पडिमट्ठाती वीरासणिते
णेसज्जिते दंडायते लगंडसाती। जंबुद्दीवे २ सत्त वासा पं० तं० भरहे एरवते हेमवते हेरन्नवते हरिवासे
रम्मगवासे महाविदेहे। जंबुद्दीवे सत्त वासहरपव्वता पं० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसढे नीलवंते
रुप्पी सिहरी मंदरे। जंबुद्दीवे सत्त महानदीओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समुप्पेति। तं० गंगा रोहिता हरि
सीता णरकंता सुवण्णकूला रत्ता। जंबुद्दीवे सत्त महानतीओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समुप्पेति। तं० १००

सिंधू रोहितंसा हरिकंता रुप्पकूला रत्तवती। धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धे णं सत्तवासा पं० तं० भरहे जाव महाविदेहे
धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे सत्त वासहरपव्वता चुल्लहिमवंते जाव मंदरे। धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे सत्त महानतीओ पुरत्थाभि
मुहीओ कालोयसमुद्दं समुप्पेंति। तं० गंगा जाव रत्ता। धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे सत्त महानतीउ पच्चत्थाभिमुहीउ ल
वणसमुद्दं समुप्पेंति। तं० सिंधु जाव रत्तावती। धाय इसंडदीवे पच्चत्थिमद्धे णं सत्तवासा एवं चेव। णवरं पुरत्था
भिमुहीओ लवणसमुद्दं सम पच्चत्थाभिमुहीओ॥ कालोदं सेसं तं चेव। पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धे णं स
त्तवासा तहेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरो दं समुद्दं समुप्पेंति। पच्चत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं
समा। सेसं तं चेव। एवं पच्चत्थिमद्धे वि णवरं पुरत्था भिमुहीओ कालोदं समुद्दं सम। पच्चत्थाभिमुहीओ पुक्खरो
दं समप्पेंति। सव्वत्थ वासा वासहरपव्वता णतीओ य भाणितव्वाणि। जंबुद्दीवे २ भारहे वासे तीताते उस्सप्पि
णीते सत्त कुलकरा हुत्था। तं० मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे। विमलघोसे सुघोसे त महाघोसे य
सत्तमे। जंबुद्दीवे २ भारहे वासे इमीसे उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा हुत्था। पढमित्थ विमलवाहण चक्खुम जस
मं चउत्थमभिचंदे। तत्तो य पसेणइ पुण मरुदेवे चेव नाभी य। १७ एएसि णं कुलगराणं सत्त भारियाओ हुत्था। तं० चंद

मत्ता० मदरादिक॥ भिंगा० कचोलादि भाजन॥ तुडिगा० पुष्फनी मालादि॥ चित्तरसा० विविधप्रकारि मधुरादिक रससहित॥ मणी० आभरणादि॥ अनाग्या० वित्थ
वस्त्रदइ॥ कल्पवृक्ष० वांछितफलदइ॥४॥ सत्त दंडनीति अपराधी नइ सामा मरादि बोली नाति॥५॥ हकार० व्यक्र कुलगर नइ वारइ॥१ मकार० अ
त्रीकुलगुरनइ वारइ॥ धिकार० कुलगुरु वारइ॥ परिभासे० क्रोधसहितवचन॥ मंडल० मांडलनुं करिवुं जे एतला माहि थी मजाइसि॥ चार० बांदिखानु॥

ठाणांगसू

इमा चंदकंता सुरूवपडिरूव चक्खुकंताय सिरिकंता मरुदेवी कुलकरइत्थीणनामाइं ॥१॥ जंबुद्दीवे भारहे
वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सत्त कुलकरा भविस्संति मित्तवाहणे सुभोमे य सुप्पभे य सयंपभे दत्ते सुहुमे
सुबंधूय आगमिस्साण होक्खंति ॥ विमलवाहणेणं कुलकरे सत्तविधा रुक्खा उवभोगत्ताते हव्वमागछिंसु तं० म
त्तंगता भिंगा चित्तंगा चेव होंति चित्तरसा मणि यंगा य अणियणा सत्तमगा कप्परुक्खा य ॥ सत्तविधा दंडनीति
तं० हक्कारे मक्कारे धिक्कारे परिभासे मंडलबंधे चारते छविच्छेदे ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टि
स्स णं सत्त एगिंदियरतणा पं० तं० चक्करयणे १ छत्तरयणे २ चम्मरयणे ३ दंडरयणे ४ असिरयणे
५ मणिरयणे ६ काकणिरयणे ७ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त पंचिंदियरतणा पं० तं० सेणा
वतीरयणे १ गाहावतिरयणे २ वड्ढतिरयणे ३ पुरोहितरयणे ४ इत्थिरयणे ५ आसरयणे ६ हत्थिरयणे ७ स
त्तहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा तं० अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाधू पुज्जंति साधू ण पुज्जंति
गुरुजणो मिच्छं पडिवन्नो मणोदुहता वतिदुहता सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं० अकाले न वरिस
इ काले वरिसइ असाधू ण पुज्जंति साधू पुज्जंति गुरूहिं जणो सम्मं पडिवन्नो मणोसुहता वइसुहता स

छेदनु अवयवनुं॥५॥ पाछिल न्यारि बोल जनरथनइ॥ गुरुजणो० मातापिताधर्मोचार्यादिकनइ विपरीवनय नस्स॥ ११॥

सातप्रकारि आउषानु विनास सोपक्रमानइ॥ अज्झ० रागस्नेहभयप्रको॥ निमित्त० दंडकस शस्त्रादिकइ॥ आहार० समम आहार अरापरत भवइ॥
तथा अधिक० वेदनाश्लादिकइ॥ पराघात० गर्त्तादिकनइ विषइ पतन॥ फास० सर्पादिकनउ डंक॥ सासनइ रुधवइ॥७॥ छउमस्थवीतराग० पुग्या
रमइ तथा बारमइ गुणठाणइ सात कर्म वेदइ॥७॥

त्तविधा संसारसमावन्नगा जीवा पं० तं० नेरतिता तिरिक्खजोणिता तिरिक्खजोणीतो मणुस्सा मणुस्सीओ देवा देवीओ
सत्तविध आउभेदे पं० तं० अज्झवसाणनिमित्ते आहारे वेयणा पराघाते फासे आणापाणू सत्तविधं भिज्जए आउं
सत्तविधा सव्वजीवा पं० तं० पुढविकाइया आउ० तेउ० वाउ० वणस्सतिकातिता तसकातिता अकातिता अहवा सत्तविधा
सव्वजीवा पं० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा अलेसा ॥ बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्त धणूइं उड्ढं
उच्चत्तेणं सत्त य वाससताइं परमाउं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा अधेसत्तमाए पुढवीए अपतिट्ठा
णे णरए णेरतितत्ताते उववन्ने ॥ मल्लीणं अरहा अप्पसत्तमे मुंडे भवित्ता अगारातो अणगारियं
पव्वइए तं० मल्ली विदेहरायवरकन्नगा पडिबुद्धी इक्खागराया चंदच्छाए अंगराया रुप्पी कुणालाधिपती
संखे कासीराया अदीणसत्तू कुरुराता जितसत्तू पंचालराया ॥ सत्तविहे दंसणे पं० तं० सम्मदंसणे मिच्छ
दंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे अचक्खुदंसणे ओहिदंसणे केवलिदंसणे ॥ छउमत्थवीयरागेणं मो
हणिज्जवज्जाउ सत्त कम्मपयडीउ वेदेति णाणावरणिज्जं वेयणिज्जं आउयं नामं गोतं अंतरातितं सत्त ठाणा
इं छउमत्थे सव्वभावेणं न याणति न पासति तं० धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरं

मिच्छदर्शन पुत्रादिक नई दुख करी रुदन करी रह्या मरणी वात करई॥ देसराजेसा कता कादिनां प्रसंसादिक करवइ॥ नारत्ते रुनडा साधु नईं पुंच मादि व्रत
नषा दोसता प्रमाद बहुल लगई मुलाना वी न सारस सामाई॥२॥

ठाणंगसू परमाणुपोग्गलं। सहं गंधं एयाणि चेव उप्पन्ननाणे। जाव जाणाति पासति। तं धम्मत्थिगातं। जाव गंधं समणे भग
वं महावीरे वइरोसभणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिते सत्त रयणी उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था। सत्तवि
कहाओ पं० तं० इत्थिकहा भत्तकहा देसकहा रायकहा। मिउकालुणिता। दंसणभेयणी। चरित्तभेयणी
आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त अतिसेसा पं०। तं० आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सगस्स पाते णिगिज्झिय२ प
प्फोडेमाणे वा पमज्जमाणे वा णातिक्कमति एवं जधा पंचट्ठाणे जाव बाहिं उवस्सगस्स एगरायं वा
दुरायं वा वसमाणे णातिक्कमति उवकरणातिसेसेणाति। सत्तविधे संजमे पं० तं०॥ न×६
पुढविकातितसंजमे जाव तसकातितसंजमे अजीवकायसंजमे। सत्तविधे असंजमे पं० तं० पुढवि
कातितअसंजमे जाव तसकातितअसंजमे॥ अजीवकायअसंजमे। सत्तविधे आरंभे पं० तं० पुढवि
कातितआरंभे जाव अजीवकातआरंभे। एवमणारंभेवि। एवं सारंभेवि। एवं असारंभेवि। एवं समारंभेवि। एवमसमारंभे
वि। एवं असमारंभेवि अथ भंते। अतसि। कुसुंभ कोद्दव कंगु रालग वरट्ट। कोदूसग सण सरिसव मूलगबीया
णं एतेसिं णं धन्नाणं। कोट्ठाउत्ताणं। पल्लाउत्ताणं। जाव पिहिताणं केवतितं कालं जोणी संचिट्ठति गोयमा जहन्नेणं अं १०२
×एवमसारंभेवि×३

जहन्नो कोति कदेवतागद तोयानुसारलोकोतिक॥८॥

तोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायति। जाव जोणी वोच्छेदे पंनत्ते। बायरआउकाइया
×उक्कोसेणं ×२ णं सत्त वाससहस्साइं ठिती पंनत्ता। तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं नेरइयाणं सत्त सागरोवमाइं
ठिती पंनत्ता। चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं सत्त सागरोवमाइं ठिती पं०। सक्कस्स णं दे
विंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो सत्त अग्ग। महिसीओ पं०। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमम
हामहारन्नो सत्त अग्गमहिसीओ पं०। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो सत्त अग्गमहिसीओ। ईसा
णस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिती पं०। सक्कस्स णं
देविंदस्स देवरन्नो अग्गमहिसीणं देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिती पं०। सोहम्मे कप्पे परिग्गहियाणं
देवीणं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं ठिती पं०। सारस्सयमाइच्चाणं सत्त देवा सत्त देवसता पं०। गद्दतोयतुसियाणं
देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा पं०। सणंकुमारे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिती पं०। माहिं
दे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं सातिरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिती पं०। बंभलोगे कप्पे जहन्नेणं देवाणं सत्त सागरोवमा
इं ठिती पं०। बंभलोयलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा सत्त जोयणसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं पं०। भवणवासीणं देवाणं भव

समसेढी॰प्रदेशनीश्रेणि॥ उज्ज्वायता॰सरलप्रलंब दीर्घाः १ एकतोवंका॰एकतो वक्रा २ एकतसि अंकुश आकारि ३ दुहतोअंकुश आकार ४ चक्रवालवलयाकार॥ वाल॰अर्धचक्रवाल॥

ठाणांगसू

अप्पिणी जाव सत्तराइंदियाइं। भिक्खुपडिमा णं सत्त राइंदियाणं एगेण य छन्नउएणं भिक्खासएणं अहासुत्तं जाव आराहितावि भवति॥ अहेलोगेणं सत्त पुढवीओ पं॰ तं॰ ... सत्त घणोदधीओ ... अहोलोए णं सत्त घणवाता ... सत्त तणुवाता ... सत्त उवासंतरा ... एतेसु णं सत्तसु उवासंतरेसु सत्त तणुवाया पइट्ठिया॥ एएसु णं सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइट्ठिया॥

आरणिज्जा सब्बरगा। उक्कासेणं सत्तरयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं। एवं वाणमंतराणं पि जोइसियाणं सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जा सरीरा सत्तरयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स अंतो सत्त नदीओ ...

नदीवा। पं॰ तं॰ जंबुद्दीवे धायइसंडदीवे पुक्खरवरे वरुणवरे खीरवरे घयवरे खोयवरे॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बहुमज्झे...

स्स णं दीवस्स सत्त समुद्दा। पं॰ लवणे कालोदे पुक्खरोदे वरुणोदे खीरोदे घओदे खोओदे॥ सत्त से

ढीओ। पं॰ तं॰ उज्जुआयता एगतोवंका दुहतोवंका एगतोखहा दुहतोखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला॥ चमरस्स णं असुरिंद

स्स असुरकुमाररन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाधिपती। पं॰ तं॰ पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजरा

णिए महिसाणिए रहाणिए नट्टाणिए गंधव्वाणिते दुमे पायत्ताणिताधिपती एवं जहा पंचट्ठाणे जा

व किन्नरे रहाणिताधिपती रिट्ठे णट्टाणिया धिवती गीतरती गंधव्वाणिताधिपती। बलिस्स णं वइरोय

णिंदस्स वइरोयणरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाधिपती पं॰ तं॰ पायत्ताणिते जाव गंधव्वाणिते महद्दुमे पायत्ताणिताधिपती जा

व किंपुरिसे रहाणिताधिपती महारिट्ठे णट्टाणिताधिपती गीतजसे गंधव्वाणिताधिपती। धरणस्स णं नाग

कुमारिंदस्स सत्त अणिताधिपती पं॰ तं॰ पायत्ताणिते जाव रुद्दसेणे पायत्ताणिताधिपती जाव आणंदे रहाणिताधि १०३

× सत्तअणिया × २ × गंधव्वाणीए × २

(left margin: ×दुहतोवंका ×५; right margin: उदुहतोखहा)

कच्छ॰देवतानासमोह॥ चमरेंद्रनापायक अनुआधिपति॥ तेहनइ पहिलइ कच्छइ चउसठि सहिस देवता तेहथकी बीजइ कच्छइ बिमुणा॥ त्रीजइ कच्छइ बीजा कच्छना देवताथकी बमणा॥ एणीपरि सघला उत्तरोत्तर॥

पती णंदणे णट्टाणियाधिपती तेतली गंधव्वाणियाधिपती भूताणंदस्स सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई पं॰ तं॰ पायत्ताणि

ए जाव गंधव्वाणिए दक्खे पायत्ताणियाहिवती जाव णंदुत्तरे रहाणि रतीणट्टाणि माणसे गंधव्वाणियाहिवई

एवं जाव घोसमहाघोसाणं नेयव्वं। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवती पं॰ तं॰ पा

यत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाधिपती जाव माढरे रधाणिताधिपती सेते णट्टाणिता

हित तुंबुरू गंधव्वाणिताधिपती ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्त अणिता पं॰ तं॰ पायत्ताणिते जाव गंधव्वाणिते

लहुपरक्कमे जाव महासेते णट्टाणिते रते गंधव्वाणिताधिपती सेसं जहा पंच

ट्ठाणे एवं जाव अच्चुतस्सवि नेतव्वं। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो दुमस्स पायत्ताणिताहिवति

स्स सत्त कच्छाओ पं॰ तं॰ पढमा कच्छा जाव सत्तमा कच्छा चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो दुमस्स

पायत्ताणिताधिपतिस्स पढमाए कच्छाए चउसट्ठि देवसहस्सा पं॰ तं॰ जावतिता पढमा कच्छा तब्बिगुणा दो

च्चा कच्छा तब्बिगुणा तच्चा कच्छा एवं जाव जावतिता छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा एवं बलिस्सवि

णवरं महद्दुमे सट्ठिदेवसाहस्सितो सेसं तं चेव धरणस्स एवं चेव णवरं महादवीसं देवसहस्सा सेसं तं चे

(left margin: ×पायत्ताणियाधिवती ×६)

आलावे थोडु बोलवुं। अनालाप तिम अपाडु बोलवुं। उलाव श्लाघानुं करिवुं। अणुल्लाव अवगुणानु बोलवुं। संलाप वार वार बोलवुं। पलाव निरर्थक वचन। विपलावो विविधप्रकारि निरर्थक वचन।६। सत्तविणए अष्टप्रकारिक मनु निरुंधवुं।७। नरवकर्म सोका निजिति अभिनंत अन यंकर इत्यादि।७।

वइसमणस्स एवं जाव महाघोसस्स। नवरं पायत्ताणियाधिपती अन्ने ते पुव्वभणिता। सक्कस्स णं देविंदस्स दे
वरन्नो हरिणेगमेसिस्स सत्त कच्छाओ पन्नत्ताओ तं पढमा कच्छा एवं जहा चमरस्स तहा जाव अच्चुतस्स। णाणत्तं
पायत्ताणियाधिपतीणं ते पुव्वभणिता देवपरिमाणमिमं सक्कस्स चउरासीतिं देवसहस्सा ईसाणस्स असीतिं दे
वसहस्सा देवा इमाते गाहाते अणुगंतव्वा। चउरासीति असीति बावत्तरि सत्तरी य सट्ठीया पन्ना चत्तालीसा ती
सा वीसा दस सहस्सा जाव अच्चुतस्स लहुपरक्कमस्स दस देवसहस्सा जाव जावतिया छट्ठा कच्छा तव्विगु
णा सत्तमा कच्छा। सत्तविधे वयणविकप्पे पं तं आलावे अणालावे उल्लावे अणुल्लावे
संलावे पलावे विप्पलावे। सत्तविधे विणए पं तं णाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मण
विणए वतिविणए कायविणए लोगोवयारविणए। पसत्थमणविणए सत्तविधे पं तं अपावते असा
वज्जे अकिरिते निरुवक्केसे अणण्हयकरे अछविकरे अभूताभिसंकणे। अपसत्थमणविणए सत्तविधे
पं तं पावते सावज्जे सकिरिते सउवक्केसे अण्हयकरे छविकरे भूताभिसंकणे। पसत्थवइविणए सत्तवि
धे पं तं अपावते असावज्जे जाव अभूताभिसंकणे। अपसत्थवतिविणते सत्तविधे पं तं पावते जाव भू १०४

बहुरय घणो समये वस्तु नीपजती मानइ। जीवप्रदेश थोडु प्रदेश इ जीव कहि। अव्वत्तिया साधु आदिकनइ विषइ संदेह। सामुछे नारकादिक सं दकसउ। दोकिरिया एक इ समय बइ किरिया कहि। तेरासी जीव अजीव नोजीव। अबद्धिया जीवनइ कर्मकंचुकप्राय जाणि।७।

ताभिसंकणे। पसत्थकायविणए सत्तविधे पं तं आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयणं आउत्तं तुयट्टणं आउत्तं उल्लं ७
घणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणता। अपसत्थकायविणए सत्तविधे पं तं अणाउत्तं गमणं जा
व अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणता। लोगोवयारविणए सत्तविधे पं तं अब्भासवत्तितं परछंदाणुवत्तितं
कज्जहेउं कतपडिकतिता अत्तगवेसणता देसकालण्णुता सव्वत्थेसु अपडिलोमता। सत्त समुग्घाता
पं तं वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेजससमुग्घाए आहा
रगसमुग्घाए केवलिसमुग्घाते। मणुस्साणं सत्त समुग्घाता एवं चेव। समणस्स णं भगवओ महा
वीरस्स तित्थंसि सत्त पवयणनिण्हगा पं तं बहुरता जीवपएसिया अव्वत्तिया सामुच्छेइया दोकि
रिया तेरासिया अबद्धिया। एतेसिं णं सत्तण्हं पवयणनिण्हगाणं सत्त धम्मायरिता हुत्था तं जमाली तीस
गुत्ते आसाढे आसमित्ते गंगे छलुए गोट्ठामाहिले। एतेसिं णं सत्तण्हं पवयणनिण्हगाणं सत्त उप्पत्तिनगरा
हुत्था तं सावत्थी उसभपुरं सेतविया मिहिला उल्लुगातीरं पुरिमंतरंजि दसपुरं णिण्हगउप्पत्तिनगराइं। सा
तावेयणिज्जस्स कम्मस्स सत्तविधे अणुभावे पं तं मणुन्ना सद्दा मणुन्ना रूवा जाव मणुन्ना फासा मणोसुहता

व निसुद्दता। अमानावेयणिज्जस्स णं कम्मस्स सत्तविध अणुभावे पं तं अमणुन्ना सद्दा जाव वतिदुहता। महा
णक्खत्ते सत्ततारे पं तं। अभितीयादिया सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पं तं अभिती सवणो धणिट्ठा सतभिसया
पुव्वाभद्दवया रेवती। अस्सिणीयादिया सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया पं तं अस्सिणी भरणी कित्तिया रोहि
णी मिगसिर अद्दा पुणव्वसू। पुस्सादिया णं सत्त णक्खत्ता अवरदारिया पं तं पुस्सो असिलेसा मघा पु
व्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता। सातिया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पं तं साति वि
साहा अणुराहा जेट्ठा मूला पुव्वासाढा उत्तरासाढा। जंबुद्दीवे सोमणसे वक्खा
रपव्वते सत्त कूडा पं तं सिद्धे सोमणसे तह बोद्धव्वे मंगलावती कूडे देवकुरु विमल कंचण विसि
ट्ठकूडे य बोद्धव्वे। जंबुद्दीवे गंधमायणे वक्खारपव्वते सत्त कूडा पं तं सिद्धे य गंधमायणे बोद्धव्वे
गंधिलावती कूडे उत्तरकुरु फलिहे लोहितक्खे आणंदणे चेव। बेंदियाणं सत्त जाती कुलकोडि जो
णीपमुहसतसहस्सा पं। जीवाणं सत्तट्ठाणनिव्वत्तिते पोग्गले पावकम्मत्ताते चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्सं
ति वा नेरतितनिव्वत्तिते जाव देवनिव्वत्तिते एवं जाव णिज्जरा चेव। सत्तपएसिता खंधा अणंता पं। सत्तपतेसो २७५

आठ स्थानके माइ मायं कट्टु अपराध करीनइ आलोइ नहीं गुरु आगलि निवेदइ नहीं ॥ नो पडि० मिच्छामिदुक्कड नदइ ॥१॥ गुरु समक्ष नंदइ नहीं आत्म
साखि नंदइ नहीं ॥ नो विउट्ट० अतीचार पकी निवर्तइ नहीं ॥ नो विसोह० अतीचार रूप मिल स्युं त्यानि करी अण करवानउ विषइ वली सावधान न
थाइ ॥२॥

गाढा पोग्गला जाव सत्तगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पं। सत्तमट्ठाणं। सत्तमज्झयणं सम्मत्तं ॥ ठा० ७ ॥ ॥ अट्ठहिं
ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहति एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तते। तं सड्ढी पुरिसजाते स
च्चे पुरिसजाते मेहावी पुरिसजाते बहुस्सुते पुरिसजाते सत्तिमं अप्पाहिकरणे धितिमं वीरियसंपन्ने
अट्ठविधे जोणिसंगहे पं तं अंडता पोतता। जाव उब्भिगा उववातिता। अंडगा अट्ठगतिता अट्ठागतिता
पं तं अंडए अंडएसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा पोततेहिंतो वा जाव उववातितेहिंतो वा उववज्जे
ज्जा। से चेव णं से अंडए अट्ठगतिं विप्पजहमाणे अंडगत्ताते वा पोतगत्ताते वा जाव उव
वातितत्ताते वा गच्छेज्जा। एवं पोतगावि जराउजावि सेसाणं गतीरागती णत्थि। जीवा णं अट्ठ कम्मपगडी
तो चिणिंसु वा चिणिंति वा चिणिस्संति वा तं। णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं
आउयं नामं गोत्तं अंतरातितं। नेरइया णं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिंसु वा ३ एवं चेव। एवं निरंतरं जाव वेमा
णियाणं। जीवा णं अट्ठ कम्मपगडीतो उवचिणिंसु वा ३ एवं चेव। एवं चिण उवचिण बंध उदीर वेद तह णि
ज्जरा चेव। एते छ चउवीसा दंडगा भाणियव्वा। अट्ठहिं ठाणेहिं माती मातं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा।

ठाणांगसू०

अंत० सत्तत्री नारसपव वानुंसत्तान कं॥ लोका रनी सा ता ॥११॥

करिस्सा वाहं॰ अपराध करी छउ हवइ निद्रादिक किम वधारु॥ सांप्रति करुं छउ अनुकिम आलोउं हवइ करवुं छइ तेहनइ आ इम आवाशु कां तह॥
॥१॥ आसं योए॰ इहलोकि नदनी कहुं छइ तवतेरो वर्यतिया उत्यादि परलोकि कल मम आदि कपरा पामइ॥ तिहां पण करिस्साकर उपजइ तिहां
जाति॰ अर्थीरूपादि करी या पामइ एक तथा बहु मायी करीनइ नआलोइ ॥२॥ ×आयाइ गरहिया भवइ× ३

जाव नो पडिवज्जेज्जा तं करिंसु वाहं करेसिं वाहं करिस्सामि वाहं। अकित्ती वा मे सिता। अवन्ने वा मे सिता। अ-
विणते वा मे सिता॥ कित्ती वा मे परिहाइस्सति जसे वा मे परिहाइस्सति अट्ठहिं ठाणेहिं माती मायं कट्टु आ-
लोतेज्जा। जाव पडिवज्जेज्जा माइस्स णं अस्सिं लोए गरहिते भवति उववाए गरहिते भवति एगमवि मा-
ती मायं कट्टु आलोएज्जा। जाव नो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा। एगमवि माती मायं कट्टु आलोएज्जा
जाव पडिवज्जेज्जा अत्थि तस्स आराहणा। ब- हुओवि माती मायं कट्टु नो आलोएज्जा। जाव नो पडिव-
ज्जेज्जा नत्थि तस्स आराहणा। बहुओ वि मा- ती मायं कट्टु आलोएज्जा। जाव अत्थि तस्स आराहणा।
आयरियउवज्झायस्स वा मे अतिसेसे नाण- दंसणे समुप्पज्जेज्जा से य ममं आलोएज्जा माती णं
पासमाताणं पासामाती णं मातं कट्टु से जहा॥ नामए अयागरेति वा तंबागरेति वा तउआगरेति वा सी-
सागरेति वा रुप्पागारेति वा सुवन्नागारेति वा तिलागणीति वा तुसागणीति वा भुसागणीति वा णलागणीति
वा दलागणीति वा सोंडितालिछाणि वा भंडितालिछाणि वा गोलितालिछाणि वा कुंभारा-
वातेति वा कवेल्लुतावातेति वा इट्टावातेति वा जंतवाडचुल्लीति वा लोहारंबरिसाणि वा तत्ताणि समजोतिभू-

ति० लोहाना आ गरनां आ ग्नि॥ तुसा॰ कोद्रादिकनी अग्नि॥ नलनी अग्नि॥ पानडानी अग्नि॥ सों॰ मादिरा कारसरानु भाजन॥ तेहनइ पाणी कुं पवनी अग्नि॥ को द्रि॰ गोलनी अग्नि गोलानी अग्नि॥ वाडानइ सरादिक पवन॥ कुंभा॰ नी इस मा॥ कवेलु॥ नालियाइ इंटवाए॰ ईटवाकनी॥ नेमिका॥

१०६

अलियता॰ उ अनेसकांई वात करइ तउ जाणइ आ माइ जे मोकुं एवात करइ छइ एहवी संका उपजइ॥ वाहरि अंतरनी परवसइ तद प्रीति आदर न करइ
॥ नीपरिखा मोथरा नमानइ॥ ५॥ भास॰ तेहवे बतलानइ बोलतउ आनइ॥ च्यार पांच देवता वारवाउ भाखइ घणुं बोलु मां॥८॥

ताणि किंसुकफुल्लसमाणाणि उक्कासहस्साइं विणिमुयमाणाइं जालासहस्साइं पमुंचमाणाइं इंगालसह-
स्साइं पविकिरमाणाइं अंतो अंतो झियायंति एवामेव माती मायं कट्टु अंतो अंतो झियाइ जति वि य णं अन्ने केति वदति
तंपि य णं माती जाणति अहमेसे अभिसंकिज्जामि माती णं मातं कट्टु अणालोतितपडिक्कंते कालमासे
कालं किच्चा अन्नतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति तं नो महिड्ढिएसु जाव नो दूरंगतितेसु नो चि-
रट्ठितीतेसु से णं तत्थ देवे भवति णो महिड्ढि- ए जाव नो चिरट्ठितीते जावि त से तत्थ बाहिरब्भंतरिया
परिसा भवति सा वि य णं नो आढाति नो परि- याणाति नो महरिहेणमासणेणं उवनिमंते-
ति भासंपि त से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति मा बहुं देवे भासउ भासउ से णं
ततो देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठितीक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ताणं इहेव माणुस्सए भवे
जाइं इमाइं कुलाइं भवंति तं अंतकुलाणि वा पंतकुलाणि वा तुच्छकुलाणि वा दरिद्दकुलाणि वा भिक्खागकुला-
णि वा किवणकुलाणि वा तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाति से णं तत्थ पुमे भवति दुरूवे दुवन्ने दु-
गंधे दुरसे दुफासे अणिट्ठे अकंते अप्पिते अमणुन्ने अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सर-

अणाए॰ अनादेय वचन पराक्रम पउट॰१॥ करणपाउ॰ कर्मआजर्ते विशेष॰ ५॥ विविक्तमालास्वच्छितं करसेखरमालानुधरना॰ ७॥

ठाणांगसू कंतस्सरे अप्पियस्सरे। अमणुन्नस्सरे। अमणामस्सरे अणाएज्जवयणे पच्चायाते। जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिता
परिसा भवति सावि य णं णो आढाति णो परियाणाति। णो महारिहेणं आसणेणं उवणिमंतेति। भासंपि य से भा-
समाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति। मा बहुं अज्जउत्तो भासउ भासउ। से णं तस्स ठाणस्स अणालोचि-
तत पडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। तं महिड्ढिएसु
जाव चिरट्ठितीसु। से णं तत्थ देवे भवति महिड्ढिए। जाव चिरट्ठितीते हारविराइतवच्छे कडकतुडित
थंभितभुते। अंगदकुंडलमट्ठगंडतलकण्णपीढधारी। विचित्तहत्थाभरणे। विचित्तवत्थाभरणे
व विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिते कल्लाणगपवरगंधमल्लाणुलेवणधरे। भासुरबोंदी पलंब-
वणमालधरे। दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं रसेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघातेणं दिव्वेणं
संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुत्तीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वा-
ए लेस्साए दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे महयाहतणट्टगीतवादिततंतीतलतालतुडितघणमु-
तिंगपडुप्पवातितरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिता परिसा भवति १०९

सावि य णं आढाति परियाणाति महारिहेणं आसणेणं उवणिमंतेति। भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच दे-
वा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति। बहुं देवे भासउ २ से णं ततो देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता इहेव माणुस्स-
ए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति। अड्ढाइं जाव बहुजणस्स अपरिभूताइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए प-
च्चायाति। से णं तत्थ पुमे भवति सुरूवे सुवण्णे सुगंधे। सुरसे। सुफासे इट्ठे कंते जाव मणामे। अहीणस्सरे जाव
मणामस्सरे आदेज्जवयणे पच्चायाते। जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिता परिसा भवति सावि य णं आढा-
ति जाव बहुं अज्जउत्ते भासउ २ अट्ठविधे संवरे पं० तं० सोतिंदियसंवरे जाव फासिंदियसंव-
रे। मणसंवरे। वतिसंवरे। कायसंवरे। अट्ठविधे असंवरे पं० तं० सोतिंदियअसंवरे जाव कायअ-
संवरे। अट्ठ फासा पं० तं० कक्खडे। मउते। गरुते। लहुते। सीते। उसिणे। णिद्धे। लुक्खे। अट्ठविधा लोगट्ठिती
पं० तं० आगासपतिट्ठिते वाते वातपतिट्ठिते उदधी एवं जधा छट्ठाणे जाव जीवा कम्मपतिट्ठिया। अजीवा जीव-
संगहीता। अट्ठविधा गणिसंपया पं० तं० आचारसंपया सुयसंपता सरीरसंपता वयणसंपता वायणासंपता
मतिसंपता। पओगसंपता। संगहपरिण्णा अट्ठमा। एगमेगे णं महानिधी अट्ठचक्कवालपतिट्ठाणे अट्ठट्ठजो-

अक्रियावादी॰ क्रुं सत क्रियाइ छइ तेहनि॥ एगावाइ॰ एक आत्मा सर्व व्यापक इम कहि॥ आरोग्या॰ अने अन्य आत्मा परा पर लोक नथी॥ मितवा॰ मात्र इसमुद्र पावता प्रश्नी॥ निमित॰ कल्याइ ईश्वर हि नाया ई॥ सातिवा॰ आत्मा नइ सुख दुःख ऊइ सुनइ सुखथा माइ॰ अम सातिम कासालि नायउइ जाति कुइ॥ समुछे॰ हरणा कवादी॥ नायावादी॰ नेक कवउ ते ते कहवुं॥ नसंति॰ मोक्ष अनइ परलोक न्यपवुं नथी॥८॥ निमत्त॰ अतीत अनागत वर्त्तमान तेहनुं जाणिवुं॥ नेमत॰ दे ति करी इंदु वस्तु जाणइ॥ सुमुराहि करइ तथा

यणाइं अट्ठ समितीओ पं॰ तं॰ इरियासमिती। भासासमिती। एसणा। आयाण भंडमत्त। उच्चार पासवणा। मणस। वइस। कायसमती। अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहति आलोयणं पडिच्छित्तए तं॰ आयारवं। आहारवं। ववहारवं। उव्वीलए। पकुव्वए। अपरिस्सावी। निज्जावए। अवायदंसी। अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहति अत्तदोसमालोइत्तए। जातिसंपन्ने। कुलसंपन्ने। विणयसंपन्ने। णाणसंपन्ने। दंसणसंपन्ने। चरित्तसंपन्ने। खंते। दंते॥ अट्ठविहे पायच्छित्ते पं॰ तं॰ आलोयणारिहे। पडिक्कमणारिहे। तदुभयारिहे। विवेगारिहे। उ वस्सग्गारिहे। तवारिहे। छेयारिहे। मूलारिहे। अट्ठ मयट्ठाणा पं॰ तं॰ जातिमते। कुलमते। बलमते। रूवमते। तवमते। सुतमते। लाभमते। इस्सरियमते। अट्ठ अकिरियावाती पं॰ तं॰ एगावाती। अणेगावाती। मितवादी। निम्मितवादी। सायवाई। समुच्छेदवाती। णितावादी। णसंति परलोगवाती। अट्ठविधे महानिमित्ते पं॰ तं॰ भोमे। उप्पाते। सुविणे। अंतलिक्खे। अंगे। सरे। लक्खणे। वंजणे। अट्ठविधा वयणविभत्ती पं॰ तं॰ निद्देसे पढमा होति बीतिया उवतेसणे। ततिता करणंमि कता। चउत्थी संपदावणे। पंचमी तु अवायाणे। छट्ठी सस्सामिवादणे। सत्तमी सन्निधाणत्थे। अट्ठमी आमंतणी भवे। तत्थ

कपइ। तत्र नासुना सुम सुजाणि वुं॥ उपाइ॰ धिक्कृषादि॥ सपन॰ सपन स्वास्वनु विचारवुं॥ अंत॰ गंधर्वनगरादिक आकासि॥ अंगे॰ नेत्र फरकादिक॥ स्वर॰ षड्जादिक स्वर करी दुर्ग्रादिक स्वर नुं जाणिवुं॥ लख॰ रा॰ स्त्रीपुरुषना व्यंजन कु मिसि तिल मसादिक॥७॥

वेदक॰ वेदक स्वाद ख॰ कुमार॰ बालनुं पडागा गुं॥ तिगिं॰ ज्वरादिक रोगनुं पडीगुणुं॥ सला॰ सिलाई करी जे वेदनुं करवुं॥ सिलरूप॰ हणए का छा नाली आदि जे सा शरीर नई विषइ ते तेनुं उधरवुं तथा माकि मांउ वुं॥ जंगोल॰ सप्पादिक विषाइ करी नइ सुकावुं॥ रसा॰ तन॰ परमेरनुं टालवुं तथा सरीरनइ बलनु वधारवुं॥ रसा॰ रसायण॥७॥

पढमा विभत्ती निद्देसे सो इमो अहं वत्ति। बितिता उण उवातेसे भण कुण व तिमं वयं व त्ति। ततिता करणंमि कता णीतं तक तं चा तेण व मात बाहे दिणा मो। सो हंता सा हाते हवति चउत्थी पदाणं अमाण गोहं सुता त्ति इ। त्तातिवा। पंचमी अवादाणे। छट्ठी तस्स इमस्स व गतस्स वा सामिसंबंध हवइ डुणस त्तमी तमिमंमि आहारकालभावे त। आमंतणी भवे। अट्ठमी जह हे जुवाणत्ति। अट्ठ ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं ण याणति न पासति तं॰ धम्मत्थिकायं। जाव गंधवातं। एताणि चेव उप्पन्न नाणदंसणधरे जाव गंधवातं। अट्ठविधे आउवेदे पं॰ तं॰ कुमारभिच्चे। कायतिगिच्छा। सालाती। सल्लहत्ता। जंगोली भूतविज्जा। खारतंते। रसायणे। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अट्ठ ग्गमहिसीओ पं॰ तं॰ पउमा। सिवा। सुती। अंजू। अमला। अच्छरा। णमिया। रोहिणी। ईसाणस्स णं देविंदस्स अट्ठ ग्गमहिसीओ पं॰ तं॰ कण्हा कण्हराती। रामा। रामरक्खिता। वसू। वसुमित्ता। वसुंधरा। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो अट्ठ ग्गमहिसीओ पं॰ तं॰। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो अट्ठ ग्गमहिसीओ पं॰। अट्ठ महग्गहा पं॰ तं॰ चंदो। सूरे। सुक्के। बुहे। बहस्सती। अंगारे। सणिंचरे। केऊ। अट्ठविधा तणवणस्सतिकातिया पं॰ तं॰ मूले। कंदे

ठाणांगसू॥ खंधे। तया। साले। पवाले। पत्ते। पुप्फे। चउरिंदियाणं जीवा असमारभमाणस्स अट्ठविहे संजमे कज्जति। तं०। चक्खुमा
तो सोक्खातो अववरोवित्ता भवति। चक्खुमतेणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवति। एवं जाव फासामातो सोक्खातो अ
ववरोवित्ता भवति। फासामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवति। चउरिंदियाणं जीवा समारभमाणस्स अट्ठविहे अ
संजमे कज्जति। चक्खुमातेणं दुक्खेणं असंजोए॥ त्ता भवति। चक्खुमतेणं दुक्खेणं संजोएत्ता भवति। एवं जा
व फासामातो सोक्खातो। अट्ठ सुहुमा। पं०। तं०। पा णसुहुमे। पणगसुहुमे। बीयसुहुमे। हरितसुहुमे
पुप्फसुहुमे। अंडसुहुमे। लेणसुहुमे॥ सिणेहसुहुमे। भरहस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टि
स्स अट्ठ पुरिसजुगाइं अणुबंधं सिद्धाइं। जा व सव्वदुक्खप्पहीणाइं। तं०। आदिच्चजसे। महाजसे।
अतिबले। महाबले। तेतवीरिते। कित्तवीरिते दंडवीरिते। जलवीरिते। पासस्स णं अरहतो पुरिसादाणि
यस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा हुत्था। तं०। सुभे। अज्जघोसे। वसिट्ठे। बंभचारी। सोमे सिरिधरे वीरिते। भद्दज
से। अट्ठविधे दंसणे। पं०। तं०। सम्मदंसणे। मिच्छदंसणे। सम्मामिच्छदंसणे। चक्खुदंसणे। जाव केवलदंसणे
सुविणदंसणे। अट्ठविधे अद्धोवमिते। पलितोवमे। सागरोवमे। उसप्पिणी। उसप्पिणी। पोग्गलपरियट्ट १५९

×सव्वद्धा×
तीतद्धा। अणागतद्धा। अरहतो णं अरिट्ठनेमिस्स जाव अट्ठमातो पुरिसजुगातो जुगंतकरभूमी। दुवा सप
रियाते। अंतमकासी। समणेणं भगवता महावीरेणं अट्ठ रायाणो मुंडे भवित्ता अगारातो अणगारितं प
व्वातिता। तं०। वीरंगय। वीरजसे। संजय एणिज्जते य रायरिसी। सेयसिवे उदायणे। संखे कासिवद्धणे
अट्ठविहे आहारे। पं०। तं०। मणुन्ने असणे पा णे खाइमे साइमे। अमणुन्ने जाव साइमे। उप्पिं सणं
×हेट्ठिं×५ कुमारमाहिंदाणं कप्पाणं बंभलोगे कप्पे रिट्ठविमाण इत्थ णं। अक्खाडगसमचउरंससंठाण ×पत्थडे×५
संठिताओ अट्ठ कण्हरातीओ। पं०। तं०। पुर त्थिमेणं दो कण्हरातीओ। दाहिणेणं दो कण्ह। पच्च
त्थिमेणं दो कण्ह। उत्तरेणं दो कण्ह। पुरत्थि मा अब्भंतरा कण्हराती दाहिणबाहिरं कण्हरातिं पुट्ठा।
दाहिणा अब्भंतरा कण्हराती पच्चत्थिमबा हिरं कण्हरातिं पुट्ठा। पच्चत्थिमा अब्भंतरा कण्हराती उत्त
रं बाहिरं कण्हरातिं पुट्ठा। उत्तरा अब्भंतरा कण्हराती पुरत्थिमं बाहिरं कण्हरातिं पुट्ठा। पुरत्थिमपच्चत्थिमिल्ला
उ बाहिराउ दो कण्हरातीओ छलंसाओ। उत्तरदाहिणाउ बाहिराउ दो कण्हरातीओ तंसाओ। सव्वाउ विणं अब्भंत
रकण्हरातीओ चउरंसाओ। एतासि णं अट्ठण्हं कण्हरातीणं अट्ठ नामधेज्जा। पं०। तं०। कण्हरातीति वा। मेहरातीति

गरुगति-स्वभावतः परमाण्वादिकगतिः [illegible] प्रणोल्लणगतिः [illegible] प्राग्भारगतिः [illegible] ॥४॥

वा।साघातितिवा।मायवतीतिवा।वातफलिहितावा।वातफलिखोभातिवा।देवफलिहितिवा।देवफलिखोभातिवा।एता
सिणं अट्ठण्हं कण्हरातीणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठ लोगंतियविमाणा।पं।तं।अच्ची।अच्चिमाली।वतिरोयणा।पभंक
रे।चंदाभे।सूराभे।सुपइट्ठाभे।अग्गिच्चाभे।एतेसु णं अट्ठसु लोगंतितविमाणेसु अट्ठविधा लोगंतिता देवा।पं।तं।
सारस्सतमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य।तुसिता अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव बोधव्वा।१।एतेसिणं अट्ठण्हं लोगं
तितादेवाणं अजहन्नमणुक्कोसेणं अट्ठसागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता।अट्ठ धम्मत्थिकायमज्झपएसा।तं।पं
।तं अट्ठ अधम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव।अट्ठ आगासत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव।अट्ठ जीवमज्झपएसा।पं।अरहंता
णं महापउमे अट्ठ रायाणो मुंडा भवित्ता आगारातो अणगारितं पव्वावेस्सति।तं।पउमं पउमगुम्मं नलि
णं नलिणगुम्मं।पउमद्धयं।धणुद्धयं।कणगरहं।भरहं।कण्हस्स णं वासुदेवस्स अट्ठ अग्गमहिसीओ अरहंताणं अरि
ट्ठनेमिस्स अंतिते मुंडा भवित्ता आगारातो अणगारितं पव्वतित्ता सिद्धाओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाओ।पं।तं।पउमा
वती।गोरी।गंधारी।लक्खणा।सुसीमा।जंबवती।सच्चभामा।रुप्पिणी अग्गमहिसीओ।वीरियपुव्वस्स णं अट्ठवत्थू अ
ट्ठचूलवत्थू।पं।तं।अट्ठगतीतो।पं।तं।णिरयगती।जाव सिद्धिगती।गुरुगती।पणोल्लणगती।पब्भारगती।गंगासिंधु

×नलिण×

रत्तरत्तवतिदेवीणं दीवा अट्ठअट्ठ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं।पं।उक्कामुह।मेहमुह।विज्जुमुह।विज्जुदंतदीवाणं
दीवा।अट्ठअट्ठ जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं।पं।कालोतेणं समुद्दे अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवाल
विक्खंभेणं।पं।तं।अभिंतरपुक्खरद्धेणं अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं।पं।तं।एवं बाहिर
पुक्खरद्धेवि।एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठसोवन्निते।काकणिरयणे।छत्तले।दुवालसंसि
ते।अट्ठकन्निते।अधिकरणिसंठिते।पं।मागधस्स णं जोयणस्स अट्ठधणुसहस्साइं निधत्ते।पं।जंबू
णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं।बहुमज्झदेसभाते अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं सा
तिरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं।पं।कूडसामलीणं अट्ठ जोयणाइं एवं चेव।तिमिसगुहा णं अट्ठ
जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं।पं।खंडगपवातगुहा णं।अट्ठ एवं चेव।जंबूमंदरस्स पव्वयस्स सीताते महानती ×पुरच्छिमेणं×
ते उभतो कूले अट्ठ वक्खारपव्वया।पं।तं।चित्तकूडे।पम्हकूडे।नलिणकूडे।एगसेले।तिकूडे।वेसमणकूडे
अंजणे।मायंजणे।जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीतोताते महानदीते उभतो कूले अट्ठ वक्खारपव्वता।पं।तं।अं
कावती।पम्हावती।आसीविसे।सुहावहे।चंदपव्वते।सूरपव्वते।णागपव्वते।देवपव्वते।जंबूमंदरपुरच्छिमेणं सी

ता ते महानतीते उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया पं० तं० कच्छे सुकच्छे महाकच्छे कच्छगावती आवत्ते जाव पुक्ख-
लावती। जंबूमंदरस्स सीताते महानतीते दाहिणेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया पं० तं० वच्छे सुवच्छे जाव मंगलावती।
। जंबूमंदरपुरत्थि सीताते महानदीते दाहिणेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया पं० तं० पम्हे जाव सलिलावती। जंबूमंदर-
पच्चत्थिमेणं सीताताए महानदीए उत्तरेणं अट्ठ चक्कव- ट्टिविजया पं० तं० वप्पे सुवप्पे जाव मंगलावती। जंबूमंद-
रस्स सीताते महानतीते उत्तरेणं अट्ठ रायहाणी- ताओ पं० तं० खेमा खेमपुरा चेव जाव पुंडरगिणी। जंबूमं-
दरपुरत्थि सीताए महानदीए दाहिणेणं अ- ट्ठ रायहाणीताओ पं० तं० सुसीमा कुंडला चेव जाव रय-
णसंचया। जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओदाते महानई- ए दाहिणेणं अट्ठ रायहाणीओ पं० तं० आसपुरा जाव वीतसो-
गा। जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीताताते महानतीते उत्त- रेणं अट्ठ रायहाणीओ पं० तं० विजया वेजयंती जाव अउज्झा।
जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीताते महानदीए उत्तरेणं उक्कोसपए अट्ठ अरहंता अट्ठ चक्कवट्टी अट्ठ बलदेवा अट्ठ वासुदे-
वा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जिंति वा उप्पज्जिस्संति वा। जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीताते दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव। जंबूमंद-
रपच्चत्थिमेणं सीओयाते महानदीते दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव। एवं उत्तरेणवि। जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीताते उत्तरेणं १११

अट्ठ दीहवेयड्ढा अट्ठ तिमिसगुहाओ अट्ठ खंडगप्पवायगुहा अट्ठ कयमालगा देवा अट्ठ णट्टमालगा देवा अट्ठ गंगाकुं-
डा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ अट्ठ उसभकूडा पव्वता पं० अट्ठ उसभकूडा देवा। जंबूमंदरपुरत्थि-
मेणं सीताते महानतीते दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा एवं चेव जाव उसभकूडा देवा पं० तं० नवरं एत्थ रत्ता-
रत्तावतीतो तासिं चेव कुंडा। जंबूमंदरपच्चत्थि- मेणं सीओयाते महानदीते दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा जा-
व अट्ठ णट्टमाला देवा अट्ठ गंगाकुंडा अट्ठ सिं- धुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ अट्ठ उसभकूडपव्वता अ-
ट्ठ उसभकूडा देवा पं० तं०। जंबूमंदरपच्च- त्थिमेणं सीओदाते महानतीते उत्तरेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा जाव अ-
ट्ठ णट्टमालगा अट्ठ रत्तकुंडा अट्ठ रत्तावतीकुं- डा अट्ठ रत्ताओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा पं०। मंदरचूलि-
या णं बहुमज्झदेसभाते अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं पं०। धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धेणं धायइरुक्खे अट्ठ जो-
यणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं पं०। एवं धायतिरुक्खातो आढवेत्ता सच्चेव जंबूदीववत्त-
व्वता भाणियव्वा जाव मंदरचूलियत्ति। एवं पच्चत्थिमद्धेवि महाधायतिरुक्खातो आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति। ए-
वं पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धेवि पउमरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति। एवं पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धेवि महाप-

उमसरकाला। जाव मंदरचूलियत्ति। जंबूदीवे २ मंदरपव्वते भद्दसालवणे अट्ठ दिसाहत्थिकूडा। पं० तं० पउमुत्तर
नीलवंते सुहत्थि अंजणगिरी। कुमुदे त पलासे त वडिंसे रोयणागिरी॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स जगती अट्ठ
जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहुमज्झदेसभाते अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं। जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणे
णं महाहिमवंते वासहरपव्वते अट्ठ कूडा। पं० तं०। सिद्धे महाहिमवंते हेमवते रोहित हिरिकूडे हरिकंता
हरिवासे वेरुलिते चेव कूडा उ। जंबूमंदरउत्तरेणं रुप्पिमि वासहरपव्वते अट्ठ कूडा पं० तं० सिद्धे रुप्पि
रम्मगे नरकंता बुद्धि रुप्पकूडे य। हेरन्नवते मणिकंचणे त रुप्पिमि कूडा उ॥ जंबूमंदरपुरत्थि
मेणं रुयगवरपव्वते अट्ठ कूडा। पं० तं० रिट्ठे त वणिछाके चणे रयत दिसासोत्थिते पलंबते अंजणे
अंजणपुलते रुयगस्स पुरत्थिमकूडा। तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियातो महिड्ढियातो जाव पलिओवमट्ठि
तीतातो परिवसंति। तं० णंदुत्तरा णंदा णंदिवद्धणा विजया य वेजयंती अपराजिता॥ जंबूमंदरदाहिणेणं रुयगवरप अ
व्वते अट्ठ कूडा। प० तं० कणते कंचणे पउमे नलिणे ससि दिवायरे वेसमणे वेरुलिए रुयगस्स दाहिणे कूडा
तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाउ महिड्ढियातो जाव पलिओवमट्ठितीतातो परिवसंति। तं० समाहारा सुपतिण्णा ११२

सुप्पबुद्धा जसोहरा लच्छिवती। सेसवती चित्तगुत्ता वसुंधरा॥ जंबूमंदर२ पच्च० रुयगवरपव्वते अट्ठ कूडा। पं० तं०॥
सोत्थिते त अमोहे य हिमवं त मंदिरे य तहा। रुतगे रुतगुत्तमे चंदे अट्ठमते सुदंसणे॥ तत्थ णं अट्ठ दिसाकु
मारिमहत्तरियाउ महिड्ढियातो जाव पलिओवमट्ठितीतातो परिवसंति। इलादेवी सुरादेवी पुढवी पउमावती तेग
गनासा णवमिता सीता भद्दा त अट्ठमा॥ जंबूमंदरस्स उत्तरे रुयगवरपव्वते अट्ठ कूडा पं० तं० रयणे रय
णुच्चते त सव्वरयण रयणसंचते चेव। विजए य वेजयंते जयंते अपराजिते॥ तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्त
रियातो महिड्ढियातो जाव पलिओवमट्ठितीयाउ परिवसंति। तं० अलंबुसा मितकेसी पोंडरी
गीत वारुणी। आसा सव्वगा चेव सिरी हिरी चेव उत्तराता॥ अट्ठ अहेलोगवत्थव्वाउ दिसाकुमारिमहत्त
रिताउ पं० तं० भोगंकरा भोगवती सुभोगा भोगमालिणी सुवच्छा वच्छमित्ता य वारिसेणा बलाहगा॥ अट्ठ उ
ड्ढलोगवत्थव्वाउ दिसाकुमारिमहत्तरिताउ पं० तं० मेघंकरा मेघवती सुमेघा मेघमालिणी॥ तोयधारा विचित्ता
य पुप्फमाला अणिंदिया॥ अट्ठ कप्पा तिरियमिस्सोववन्नगा पं० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे एतेसु णं अट्ठसु कप्पे
सु अट्ठ इंदा पं० तं० जाव सहस्सारे एतेसि णं अट्ठण्हं इंदाणं अट्ठ पारियाणिया विमाणा पं० तं० पालते पुप्फए सोम

× सक्के ×

ठाणांगसू णसा। सिरिवच्छा। णंदावत्ता। कामकामा। पीतिमणा। विमला। अट्ठ अट्ठमियाणं भिक्खुपडिमा। चउसट्ठीते राइंदिएहिं
दोहिं ता अट्ठासीतेहिं भिक्खासतेहिं अहासुत्ता जाव अणुपालिता वि भवति। अट्ठविधा संसारसमावन्नगा जी
वा पं। तं। पढमसमयनेरतिता। अपढमसमयनेरतिया। ~~एवं जाव अपढमसमयनेरतिया~~। एवं जाव अपढमसमय
देवा। अट्ठविधा सव्वजीवा पं। तं। नेरतिता। तिरिक्खजोणिता। तिरिक्खजोणिणीओ। मणुस्सा मणुस्सीओ। देवा
देवीओ सिद्धा। अहवा अट्ठविधा सव्वजीवा पं। तं आभिणिबोहियनाणी। जाव केवलनाणी। मतिअन्नाणी
सुतअन्नाणी विभंगणाणी। अट्ठविधे संजमे पं। तं। पढमसमयसुहुमसंपरागसंजमे। अपढम
समयसुहुमसंपरायसंजमे। पढमसमयबादरसंपरायसंजमे। अपढमसमयबादरसंपरायसंजमे। पढमसमयउ
वसंतकसायवीयरायसंजमे। अपढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे। पढमसमयखीणकसायवी
यरागसंजमे। अपढमसमयखीण। अट्ठ पुढवीओ पं। तं। रयणप्पभा। जाव अहेसत्तमा। ईसिपब्भारा। ईसिपब्भा
राते णं पुढवीते बहुमज्झदेसभागे अट्ठजोयणिते खेत्ते अट्ठजोयणाइं बाहल्लेणं पन्नत्ते। ईसिपब्भाराते णं पुढ
वीते अट्ठ नामधेज्जा पं। तं। ईसीति वा। ईसिपब्भाराति वा। तणूति वा। तणुतणूइ वा। सिद्धीति वा। सिद्धालतेति वा। मुत्ती ११३

घटय· अप्राप्तिनः विषयः योग प्रयत्नकरणं प्राप्तेषु यत्नकरणं· परा· शक्तिसहितपालयवानुउद्यम करणं॥

ति वा। मुत्तालतेति वा। अट्ठहिं ठाणेहिं सम्मं घडितव्वं। जतितव्वं। परक्कमितव्वं। अस्सिं च णं। अट्ठे णो पमातेतव्वं भवति
असुयाणं धम्माणं सम्मं सुणणताते अब्भुट्ठेतव्वं भवति। सुताणं धम्माणं ओगिण्हणताते। उवधारणताते। अब्भुट्ठेतव्वं
भवति। णवाणं कम्माणं संजमेणमकरणताते अब्भुट्ठेयव्वं भवति। पोराणाणं कम्माणं तवसा विगिंचणता
ते विसोहणताते अब्भुट्ठेतव्वं भवति। असंगिहीतपरिजणस्स संगिण्हणताते अब्भुट्ठेयव्वं भवति। सेहं आया
रगोयरगाहणताते अब्भुट्ठेयव्वं भवति। गिलाणस्स अगिलाते वेयावच्चकरणताते अब्भुट्ठेयव्वं भवति सा
हम्मियाणमधिकरणंसि उप्पन्नंसि तत्थ अनिस्सितोवस्सितो अपक्खग्गाही। मज्झत्थभावभूते
कह णु साहम्मिता। अप्पसद्दा अप्पझंझा अप्पतुमंतुमा उवसामणताते अब्भुट्ठेयव्वं भवति। महा
सुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। अरहतो णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठस
या वादीणं सदेवमणुयासुराते परिसाते वादे अपराजिताणं उक्कोसिता वादिसंपया हुत्था। अट्ठसमतिते के
वलिसमुग्घाते पन्नत्ते। पढमे समए दंडं करेति बीए समए कवाडं करेति। ततिते समए मंथं करेति। चउत्थे समते
लोगं पूरेति। पंचमे समए लोगं पडिसाहरति। छट्ठे समए मंथं पडिसाहरति। सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरति अट्ठ

मिसस्स उड्ढं पडिमा हवति. समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठ सया अणुत्तरोववातियाणं गतिकल्लाणाणं जाव
आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिता अणुत्तरोववातिसंपया हुत्था। अट्ठविधा वाणमंतरा देवा पं. तं. पिसाया भूता।
जक्खा रक्खसा। किंनरा। किंपुरिसा। महोरगा गंधव्वा. एतेसिं णं अट्ठविहाणं वाणमंतराणं देवाणं अट्ठ चेतियरु-
क्खा। पं. तं. कलंबो उ पिसायाणं वडो जक्खाणं। चेतितं तुलसी भूयाणं भवे रक्खसाणं च कंडउ. असोउ किंन-
राणं किंपुरिसाणं उ चंपओ नागरुक्खो भुयंगाणं गंधव्वाण य तेंदुओ। इमीसे रयणप्पभाते पुढवीते ब-
हुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं अबाहाते सूरविमाणे चारं चरति. अट्ठ न-
क्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोतंति। तं. कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू महा चित्ता विसाहा। अणुराहा। जेट्ठा। जंबु- ना। विसा
द्दीवस्स णं दीवस्स दारा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। सव्वेसिंपि दीवसमुद्दाणं दारा अट्ठ जोयणाइं
उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। पुरिसवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स जहन्नेणं अट्ठ संवच्छराइं बंधठिती पण्णत्ता। जसोकित्तीना-
मए णं कम्मस्स जहन्नेणं अट्ठ मुहुत्ताइं बंधठिती पं. तं. उच्चागोयस्स णं कम्मस्स एवं चेव। तेइंदियाणं
अट्ठ जाती कुलकोडीजोणीपमुहसतसहस्सा। पं. जीवा णं अट्ठठाणणिव्वत्तिते। पोग्गले। पावकम्मत्ताते चिणिंसु। ११४

वा चिणिंति वा चिणिस्संति वा। तं. पढमसमयनेरतितनिव्वत्तिते। जाव अपढमसमयदेवनिव्वत्तिते। एवं चिण उव-
चिण जाव निज्जरा चेव। अट्ठपदेसिता खंधा अणंता पन्नत्ता। अट्ठपदेसोगाढा पोग्गला अणंता पन्नत्ता। जाव अ-
ट्ठगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता। अट्ठहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संभोतितं विसंभोतितं करेमाणे णा-
तिक्कमति। तं. आयरियपडिणीयं। उवज्झायपडिणीयं। कुल गण। संघ। नाण दंसण चरित्त पडिणीयं। अट्ठ-
ट्ठाणं। अट्ठममध्ययनं समाप्तमिति। ८॥ णव बंभचेरा पं. तं. सत्थपरिन्ना लोगविजओ। जाव उ-
वहाणसुयं। महापरिन्ना। नव बंभचेरगुत्तीओ। पं. तं. विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भ-
वति। णो इत्थिसंसत्ताइं। नो पसुसंसत्ताइं। नो पंडगसंसत्ताइं। णो इत्थीणं कहं कहेत्ता। नो इत्थिठाणाइं
सेवित्ता भवति। णो इत्थीणं इंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता निज्झाइत्ता भवति
णो पणीतरसभोती। णो पाणभोयणस्स अतिमातमाहारए सता भवति। णो पुव्वरतं पुव्वकीलितं सम-
रेत्ता भवति। णो सद्दाणुवाती। णो रूवाणुवाती। णो सिलोगाणुवाती। णो सातासोक्खपडिबद्धे यावि भवति
णव बंभचेरअगुत्तीओ। पं. तं. णो विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवति। इत्थिसंसत्ताइं। पसुसंसत्ताइं। पंडगसंसत्ता-

* नवहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संभोतितं विसंभोतितं करेमाणे णातिक्कमति। तं. आयरियपडिणीयं। उवज्झायपडिणीयं। थेरप-
डिणीयं। कुल। गण। संघ। नाण। दंसण। चरित्तपडिणीयं ४५

×एगस्स अतिमातमाहारेत्ता भवति×२ ×इंदियाए×१

×वि×

ठाणांगसू इं इत्थीणं कहं कहेत्ता भवइ। इत्थिठाणाइं सेवित्ता भवति। इंदियाइं मणोरमाइं जाव निज्झाइत्ता भवति॥ पणीयरस
भोती। पाणभोयणस्स अतिमातमाहारेत्ता भवति। पुव्वरतं पुव्वकीलितं समरेत्ता भवति। सद्दाणुवाती। रूवाणुवाती। सिलोगाणुवाती। साया
सोक्खपडिबद्धे यावि भवति। अभिनंदणाओ णं अरहाओ सुमती अरहा नवहिं सागरोवमकोडीसयसह
स्सेहिं वीतिक्कंतेहिं समुप्पन्ने। नव सब्भावपयत्था पं० तं० जीवा। अजीवा। पुण्णं। पावो। आसवो। संवरो। निज्जरा।
बंधो मोक्खो। णवविहा संसारसमावन्नगा जीवा पं० तं० पुढविकाइया। जाव वणस्सइकाइया। बे
इंदिया। जाव पंचिंदिया। पुढविकाइया नवगइया नवआगतिया पं० तं० पुढविकाइए पुढ
विकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेव णं से पुढविकाइए पुढवि
काइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा। एवमाउकाइयावि। जाव पंचिंदि
यत्ति। णवविधा सव्वजीवा पं० तं० एगिंदिया। बेइंदिया। तेइंदिया। चउरिंदिया। नेरतिता। पंचिंदियतिरिक्खजो
णिया। मणुस्सा। देवा। सिद्धा। अहवा णवविहा सव्वजीवा पं० तं० पढमसमयनेरतिता। अपढमसमयनेरतिता।
जाव अपढमसमयदेवा। सिद्धा। णवविहा जीवोगाहणा पं० तं० पुढविकाइओगाहणा। आउकाइओगाहणा॥ ११५

[illegible]

जाव वणस्सइकाइओगाहणा। बेइंदियओगाहणा। तेइंदियओगाहणा। चउरिंदियओगाहणा। पंचिंदियओगाह
णा। जीवा णं णवहिं ठाणेहिं संसारं वत्तिंसु वा। वत्तंति वा। वत्तिस्संति वा। तं० पुढविकाइयत्ताए जाव पं
चिंदियकाइयत्ताए। णवहिं ठाणेहिं रोगुप्पत्ती सिया। तं० अच्चासणाते। अहितासणाते। अतिणिद्दाते। अतिजागरि
तेणं। उच्चारनिरोहेणं। पासवणनिरोहेणं। अद्धाणगमणेणं। भोयणपडिकूलताते। इंदियत्थविको
वणयाते। णवविधे दरिसणावरणिज्जे कम्मे पं० तं० निद्दा। निद्दानिद्दा। पयला। पयलापयला। थीणगिद्धी।
चक्खुदंसणावरणे। अचक्खुदंसणावरणे। ओहिदंसणावरणे। केवलदंसणाव
रणे। अभिईणं णक्खत्ते सातिरेगे णव मुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएति। अभिईआइआ णं णव णक्ख ×डोरा×५
त्ता णं चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति। तं० अभिई सवणो धणिट्ठा जाव भरणी। इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए
बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णव जोयणसताइं उड्ढं अबाहाते उवरिल्ले तारारूवे चारं चरति। जंबुद्दी
वे णं दीवे णवजोयणिया मच्छा पविसिंसु वा पविसंति वा पविसिस्संति वा। जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे
ओसप्पिणीए णव बलदेववासुदेवपियरो हुत्था। तं० पयावती य बंभे रोद्दे सोमे सिवेति य महसीहे अ

ठाणांगसू णिमी हरेदसरहे। नव वासुदेवमातरो जहा समवाते निरवसेसं। जाव एगा से गब्भवसही सिज्झिहि-
ती आगमेसाणं जंबुद्दीवे दीवे भरहे वासे आगमेसाते उसप्पिणीते णव बलदेववासुदेवपितारो भ-
९ विस्संति एवं जं समवाते निरवसेसं जाव महाभीमसेणे सुग्गीवे अपच्छिमे। एए खलु पडिसत्तू कित्ती पुरिसा-
ण वासुदेवाणं। सव्वे वि चक्कजोही हम्मिहिंती। सचक्केहिं। एगमेगे णं महानिधी णव णव जोयणाइं
*एगमेगे णं ५ विक्खंभेणं प०। एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स नव महानिहओ पं० तं० णेसप्पे पंडुयए पिंगलए
सव्वरयणे महापउमे काले य महाकाले माणवग महानिही संखे॥१॥ णेसप्पंमि निवे-
सा गामागरनगरपट्टणाणं च। दोणमुहमडंबाणं खंधाराणं गिहाणं च॥२॥ गणियस्स य उप्पत्तीं
माणुम्माणस्स जं पमाणं च। धन्नस्स य बीयाणं उप्पत्ती पंडुते भणिया॥३॥ सव्वा आभरणविही पुरिसाणं जा
य होइ महिलाणं। आसाण य हत्थीण य पिंगलनिहिंमि सा भणिया॥४॥ रयणाइं सव्वरयणे चउद्दस पवराइं च-
छ क्कवट्टिस्स। उप्पज्जंति एगिंदियाइं पंचिंदियाइं च॥५॥ वत्थाण य उप्पत्ती निप्फत्ती चेव सव्वभत्तीणं। रंगाण य धोयाण य स-
व्वा एसा महापउमे॥६॥ काले कालण्णाणं भव्वपुराणं च तीसु वासेसु। सिप्पसयं कम्माणि तिन्नि पयाए हियकराइं ११६

लोहस्स य उप्पत्ती होइ महाकाले आगराणं च। रुप्पस्स सुवन्नस्स य। मणिमोत्तिय सिलप्पवालाणं॥८॥ जोह-
ण य उप्पत्ती आवरणाणं च पहरणाणं च। सव्वा य जुद्धनीती माणवते दंडनीती य। एनट्टविही नाडगविही क-
व्वस्स चउव्विहस्स उप्पत्ती। संखे महानिहिंमी तुडियंगाणं च सव्वेसिं॥१०॥ चक्कट्ठपइट्ठाणा अट्ठुस्सेहा य नव
विक्खंभे। बारस दीहा मंजूससंठिया जह्नवीइ मुहे॥११॥ वेरुलियमणिकवाडा कणगमया विविहरय-
ण पडिपुन्ना। ससिसूरचक्कलक्खण अणुसम जुगबाहुवयणा ता॥१२॥ पलिओवमट्ठिईया णिहिसरि-
णामा य तेसु खलु देवा। जेसिं ते आवासा अक्किज्जा आहिवच्चा य॥१३॥ एए ते नवनिहिओ पभूतधणर-
यणसंचयसमिद्धा। जे वसमुवगच्छंति सव्वेसिं चक्कवट्टीणं॥१४॥ णव विगतीतो पं० तं० खीरं दधिं णव-
णीतं सप्पिं तेल्लं गुलो महुं मज्जं मंसं। णव सोत परिस्सवा बोंदी पं० तं० दो सोत्ता दो णेत्ता दो घाणा मुहे
पोसए पाऊ। णवविधे पुन्ने पं० तं० अन्नपुन्ने पाणपुन्ने वत्थपुन्ने लेणपुन्ने सयणपुन्ने मणपुन्ने
वतिपुन्ने कायपुन्ने नमोक्कारपुन्ने। णव पावस्सायतणा पं० तं० पाणातिवाते मुसावाते जाव परिग्गहे को-
हे माणे माया लोभे। नवविधे पावसुयपसंगे पं० तं० उप्पाते निमित्ते मंते आतिक्खिते तिगिच्छिते कला आवरे

ठाणांगसू

णे। अन्नाणे मिच्छापवयणे त्ति य। णव णेउणिया वत्थू पं० तं० संखाणे निमित्ते काइते पोराणे पारिहत्थिए परपं-
डिते वाती भूतिकम्मे तिगिच्छिते। समणस्स णं भगवतो महावीरस्स णव गणा हुत्था तं० गोदासगणे उत्त-
रबलितस्सहगणे। उद्देहगणे। चारणगणे। उड्डवातितगणे। विस्सवातितगणे कामिड्डितगणे। माणवगणे
कोडितगणे। समणेणं भगवता महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णवकोडिपरिसुद्धे भिक्खे पं० तं० ण ह-
णइ ण हणावइ। हणंतं णाणुजाणइ ण पयति। ण पयावेति। पयंतं णाणुजाणति। ण किणति ण किणाव-
ति। किणंतं णाणुजाणति। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो। वरुणस्स महारन्नो णव अग्गमहि-
सीओ पं० तं०। ईसाणस्स णं देविंदस्स अग्गमहिसीणं णव पलिओवमाइं ठिती पं०। ईसाणे कप्पे उक्कोसेणं
देवीणं णव पलिओवमाइं ठिती पं० सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा
चेव रिट्ठा य। अव्वाबाहाणं देवाणं णव देवा णव देवसया पं० तं० एवं अग्गिच्चावि एवं रिट्ठावि। णव गेवेज्जविमाणप-
त्थडा पं० तं० हिट्ठिमहिट्ठिमगेवेज्जविमाणपत्थडे। हिट्ठिममज्झिमगेवेज्जविमाणपत्थडे। हिट्ठिमउवरिमगेवेज्जविमाणप-
त्थडे। मज्झिमहिट्ठिमगेवेज्जविमाणपत्थडे। मज्झिममज्झिमगेवेज्जविमाणपत्थडे। मज्झिमउवरिमगेविमाणपत्थडे ११७

* नवनिकाया ४

आउपरिणाम... (interlinear gloss, partly legible)

उवरिमहिट्ठिमगेवे० उवरिममज्झिम उवरिमउवरिमगेवेज्जविमाणपत्थडे। एतेसिं णं णवण्हं गेवेज्जविमाणपत्थडाणं ण-
व नामधिज्जा पं० तं० भद्दे सुभद्दे सुजाते सोमणसे पियदरिसणे सुदंसणे अमोहे य सुप्पबुद्धे जसोध-
रे। णवविधे आउपरिणामे पं० तं० गतिपरिणामे। गतिबंधणपरिणामे। ठिती ठितिबंधणपरिणामे। उड्ढंगारवपरिणा-
मे। अहेगारवपरिणामे। तिरियंगारवपरिणामे। दीहंगारवपरिणामे। रहस्सगारवपरिणामे। णवणवमि-
या णं भिक्खुपडिमा एगासीतीते रातिंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं भिक्खासतेहिं अहासुत्ता जाव आ-
राहिता यावि भवति। णवविधे पायच्छित्ते पं० तं० आलोयणारिहे जाव मूलारिहे अणवट्ठप्पा-
रिहे। जंबूमंदरदाहिणे णं भरहे दीहवेयड्ढे णव कूडा पं० तं० सिद्धे भरहे खंडगमाणी वेयड्ढपुन्न
तिमिसगुहा। भरहे वेसमणे य भरहे कूडाण णामाइं। १ जंबूमंदरदाहिणे णं निसढे वासहरपव्वते ण-
व कूडा पं० तं० सिद्धे निसढे हरिवासे विदेहे हरि धिती सीतोता अवरविदेहे रुयगे। निसढे कूडनामा-
णि। १ जंबूमंदरपव्वते णंदणवणे णव कूडा पं० तं० णंदणे मंदरे चेव निसढे हेमवते रयते रुयए त।
सागरचित्ते वइरे बलकूडे चेव बोधव्वे। १ जंबूमालवंतवक्खारपव्वते णव कूडा पं० तं० सिद्धे मालवंते उ

गारवकर्म... (margin gloss, partly legible)

ठितिपरिणाम

दीर्घंगमन... (margin gloss, partly legible)

ठाणांगसू

न्नरकूसकूडसागरस्याते। सीतानउसणामं दरिस्सकूडयावाधाव। १जंबुकूडादीहावयाढ्ढ। नवकूडा। पंनं।
सिघ्रकाढ्ढ। खंडगमाणे। विषढ पुणतिमस गुहाकाढ्ढ। वसमाणे नाकाढ्ढकूडाणणामाइं। १जंबू मुक खदीह
वयाढ्ढाणवकूडा। पंनं। सिघ्र। मुकाढ्ढ। खंडगामाणी। विषढ पुन्नतिमिस गुहा। सुकाढ्ढवसमाणनासुकूढ्ढकू
डाणणामाइं। १एवंजावणाकलावतिंमि। दीहाव याढ्ढ। एवंबदीहाढ्ढ। ए वंजावमंगलावधिमि। दीहावयाढ्ढ अ
ढ्ढाविछण्णाला वकारपडाते। नवकूडा। पंनं। सिघ्रत विछरणाम। दवकूरापढ्ढ कणगामावढ्ढी। मा
ताताते सकूल। दरिकूडावदाबाधाव। १जंबूएढ्ढदीहावयाढ्ढणवकूडा। पंनं। सिघ्रपढ्ढ
खंडगमाणी। वयढ्ढएव। वजा। वसुलिलावति मिं। दीहावयाढ्ढरूप्पीदीहावयाढ्ढ। एवंजावगंधिलाव
तिंमि। दीहावयाढ्ढ। णवकूडा। पंनं। सिघ्रगंधिल खंडगमाणी। नाव। विषढ पुन्नतिमिसगुहागंधिलावति।
वसमाणकूडाणंदाविणामाइं। १एवंमव्वसुदीहावयाढ्ढसु। दोकूडमरिमणामगासमानाव। जंबुमंदरे
णंउन्नारणं। नलवंतवासढरपढ्ढ। ताणवकूडा। पंनं। सिघ्रानलवंत। विदेह सीता कीसीतनारिकंता नंत्र
वरविदेहा रम्मगकूडा। उवदंसणाचेव। १जंबूमंदरउन्नारणं। एरवाते। दीहवताढ्ढ। पंनं। सिघ्रायाण खंडग ११८

नवज्ञावेतात्थंकरगोत्रउपाकं। श्रेयाकराक। सुपाश्रिश्रामा। कावीरनुपोत्रीउ। उदाईराकूकोरानुपुत्र। पोट्टलअनगार। दढआयु। संखअनज्ञ
संखश्रावकश्रावकोनगार। सासयश्राविकाराजगृहनउ विमइनांमनी मार्गी। रेवतीश्राविका नगरनंतनइपाकनकिराउत। ७ उदायी
ठाणपुत्र सुयउगनइ त्रवीसमारंभिनइ जेसनुंसमध। पोटलअनइसतकपूर्वेइकमातेकृति। हारूपवनीयठे कोश्रा वासदेवनुपुत्र।

माणी। विषढ पुसतिमिसगुहा। एरवाते। वसमाणा। एरवातकूडाणामाइं। १यासणंछरहाउरिसादाणिएव
छविसलरणारायसंघयणासमचउरंससंठाणसंठितनवरयणीउ उहंउच्चत्तणंहुत्था। समणस्सणंभगव
तोमहावीरस्सतित्थंसि णवहिंजीवेहिंतित्थगरणामगोत्तेकम्मेणिव्वत्तिते। तं। सेणितेणं सुपासेणं उदा
तिणा। पोट्टिलअणगारेणं दढाउणा संखेणं सतातएणं सुलसाएसाविताते रेवतीते। एसणंअज्जो
कण्हेवासुदेवे रामेबलदेवे उदायीपेढाल पुत्ते पुट्टिले सतातेगाहावती दारुके नियंठे सच्चती
नितंबी पुत्ते साविते बुध अंबडे परिव्वाते। ×णीश्रणगारे×५ अज्जाविसुपासा। पासावच्चिज्जा आगमिस्साते उस्सप्पिणी
ते चाउज्जामं धम्मं पन्नवतित्ता सिज्झिहिंति जाव। अंतं काहिंति। १एसणं अज्जा सेणिए राया भिंभिसार
कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाते पुढवीते सीमंतते नरए चउरासीतिं वाससहस्साइं ठितीयंसि निरयं
सि नेरइयत्ताते उववज्जिहिति। सेणं तत्थ णेरइते भविस्सति कालकालोभासे जाव परमकिण्हे
वन्नेणं सेणंतत्थ वेदणं वेदहिती उज्जलं जाव दुरहियासं सेणं ताते नरताते उव्वट्टेत्ता आगामिस्साते उस
प्पिणीते इहेव जंबुद्दीवे दीवे भरहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले पुंडेसु जणवतेसु सतदुवारे णगरे सं

सवतीश्रेणि
नुपुत्रश्राव
कानुप्रतिबो
धउ। अंबड
प्रबुद्धकउ
वाउमातृक
दढउजइतेह
घकाश्रनिय
आर्य्याश्रापा
र्श्वनाथनउ
सिष्यणी। ५

ठाणांगसू

सुमुइस्स कुलकरस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुमत्ताए पच्चायाहिती। तएणं सा भद्दा भारिया नवण्हं मासाणं बहुपडि
पुन्नाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीतिक्कंताणं। सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुन्नपंचिंदियसरीरं लक्ख
णवंजण जाव सुरूवं दारगं पयाहिती। जं रयणिं च णं से दारए पयाहिती तं रयणिं च णं सतदुवारे णगरे सभिं
तरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउम॥ वासे य रयणवासे य वासे वासिहिति। तएणं तस्स दार
गस्स अम्मापियरो अइक्कंते जाव बारसाह दिवसे अयमेयारूवं गोणं गुणनिप्फन्नं नामधिज्जं
काहिंति। जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जातंसि समाणंसि सयदुवारे सभिंतरबाहिरए भारग्गसो
य पउमवासे य रयणवासे य वासे वुट्ठे तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नामधिज्जं महापउमे
महापउमे। तएणं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधिज्जं काहिंति महापउमे त्ति। तएणं महापउमं दारगं
अम्मापियरो सातिरेगं अट्ठवासगं जाणित्ता महता महता रायाभिसेएणं अभिसिंचिहिंति। से णं तत्थ राया भवि
स्सति महता हिमवंत महंत मलय मंदर रायवन्नतो। जाव रज्जं पसासेमाणे विहरिस्सति। तएणं तस्स महापउमस्स
रन्नो अन्नया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति। तं. पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य। त ११७

४ एक्कार
समे दिव
से ४५

एणं सतदुवारे नगरे बहवे राईसर तलवर माडंबिय कोडुंबिय इब्भसेट्ठि सेणावति सत्थवाहप्पभितयो अ
न्नमन्नं सद्दावेहिंति। एवं वइस्संति। जम्हा णं देवाणुप्पिया। अम्हं महापउमस्स रन्नो दो देवा महिड्ढिया जाव
महेसक्खा सेणाकम्मं करेंति। पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य। तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया महापउमस्स रन्नो दोच्चे
नामधिज्जे देवसेणे देवसेणे। ततेणं तस्स महापउमस्स रन्नो दोच्चे वि नामधिज्जे भविस्सइ देवसे
णेति। तएणं तस्स देवसेणस्स रन्नो अन्नता कयाती सेतसंखतलविमलसन्निकासे चउद्दंते ह
त्थिरयणे समुप्पज्जिहिति। तएणं से देवसेणे राया तं सेयसंखतलविमलसन्निकासं चउद्
दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सतदुवारं नगरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अतिज्जाहिति णिज्जाहिति त
ते णं सतदुवारे नगरे बहवे राईसर तलवर जाव सत्थवाहप्पभितयो अन्नमन्नं सद्दावेंति। एवं वइस्संति। जम्हा णं दे
वाणुप्पिया अम्हं देवसेणस्स रन्नो सेते संखतलविमलसन्निकासे। चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पन्ने। तं हो
उ णं अम्हं देवाणुप्पिया देवसेणस्स रन्नो तच्चे वि नामधिज्जे विमलवाहणे। तते णं तस्स देवसेणस्स रन्नो तच्चे
नामधिज्जे भविस्सति विमलवाहणे २। तएणं से विमलवाहणे राया तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता। अम्मा

गणांगसू

×णु×२

णिताद्दिवद्वंगतद्दिं गुरुमहत्तराते हिमवंतपुत्रातसमाणा उदं मिसयरेसुं बुद्धा ब्रुंतार मारकुममेउ णातलागं तितं
द्दिं जीयकप्पिता द्दिं संबोहणाहिं संबोधितसुत्रमिनाग उद्याण। पराहदेवझसमुवाधत। मुंडेल विन्ना। आगाराओ अ
णगारियं पव्वइयाद्दी। समणे भगवं जाव वदिवसं मुंडेल विन्ना जाव पव्वइया द्दी तं चेव दिवसं सतद्यमताग्रमतिगर्दे
अति गिद्धि द्दिति। जा केइउवसग्गा उप्पज्जंति तं। दि ब्वा वा माणसा वा तिरिक्खजोणिया ते साव सम्मं सहइ खमा। ति
तिक्खइ। अहियासइ। ताते णं भगवं अणा॥ गारेल विस्सति। इरियासमित। नासं पवं जह वद्धमाणे।
सामीतं चेव निरवासंजाव अब्बवार विता। सा जागक्कुंत। तस्स णं भगवंतस्स पतेणं विहारेणं भ
डुवालसहिं च वछरहिं वीतिक्कंतहिं तेरसहि य पारक्खित रस्स पक्खस्सं संवछरस्स अंतरावट्टमाणस्स
अणुत्तरेणं णाणेणं जहा भावणाते केवलवर नाणदंसणे समुप्पन्ने द्दिति। जिणे भविस्साति। केवली सब्ब
तु सब्बदरिसी। समणे इ जाव पुंचमहव्वयाइं सम्मं वयाइं तत्र जीवनिकाया धम्मं देसमाणे विहरिस्सति। से जह
हाणामाण अज्जो। मते। समणाणं निग्गंथाणं। पगआरलडाणे पन्नत्ते। एवामेव महापउमे वि। अरहा समणाणं
निग्गंथाणं पगआरलडाणं पन्नवेहिति। से जहाणामाए अज्जो। मते समणाणं निग्गंथाणं दुविहे बंधणे पं। तं। प्रे १२०

बंधणे। दोसबंधणे। एवामेव महापउमे वि। अरहा समणाणं निग्गंथाणं दुविहं बंधणं पंन्नवहिति। तं। पेज्जबंध
णं च। दोसबंधणं च। से जहानामाते अज्जो मते। समणाणं तउदंडा पं। तं। मणदंडे ३ एवामेव महा समणाणं निग्गं
थाणं तउदंडे पन्नवेहिति। तं। मणदंडे ३। से जहा नामए एवामेव अत्तारि कसाया। पं। तं। को
हकसाए ४ पंचकामगुणे। पं। तं। सद्दे ५ छज्जीवनि काया पं। तं। पुढविकाइया। जाव तसकाइया। एवामेव जा
व तसकाइया। से जहा णामाते सत्त भयट्ठाणा। पं। तं। एवामेव महापउमे वि समणाणं सत्तभयट्ठाणा
पन्नवेहिती। एवं मट्ठमयट्ठाणा। णव बंभ। चेरगुत्तीउ। दसविध समणधम्मा। एवं जाव तेत्तीस
मासा तणाउ त्ति। से जहा नामाते अज्जो मातेस मणाणं निग्गंथाणं निग्गलाचे। मुंडलावे अण्हाणते अदं
तअप्पाते अछत्तए अणुवाहणाते। भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कठसेज्जा केसलाय बंभचेरवासे। परघरपवासे। लद्धावलद्ध
वित्ती जाव पन्नत्ता उ। एवामेव महापउमे वि। समणाणं निग्गंथाणं णग्गलावं जाव लद्धावलद्धवित्ती। जाव पन्न
वेहिती। से जहा णामए अज्जो मए समणाणं आधाकम्मेति वा उद्देसितेति वा मीसज्जाएति वा। पूतकम्मे इति कीते
पामिच्चे अच्छेज्जे अणिसिट्ठे अभिहडे तिवा। कंतारभत्तेति वा। दुब्भिक्खभत्ते। गिलाणभत्ते वद्दलिताभत्ते पाहुणभत्ते

×फलगसेज्जा×४

पाहुणा· सा
धनइपाहु
णा आवइ
गुरु स्वामी
नियारणार्थं
दिइ·१

लालायाणि तिवा कंदलाणि फललाणि बीयलाणि हरियलाणि तिवा । पडिसिहाए एवामेव महापउमे समणाणं आधाकम्मितं
वा जाव हरितभोयणं वा पडिसेहिस्सति । से जहा नामए अज्जो मए समणाणं पंचमहव्वतिते सपडिक्कमणे अचेल
ते धम्मे पन्नत्ते । एवामेव महापउमे वि समणाणं निग्गंथाणं पंचमहव्वतितं जाव अचेलगं धम्मं पन्नवइहिति । से
जहा नामए मए पंचाणुव्वतिते सत्तसिक्खावतिते दुवालसविधे सावगधम्मे पन्नत्ते । एवामेव महापउमे वि
अरहा पंचाणुव्वतितं जाव सावगधम्मं पन्नवेस्सति । से जहा नामए अज्जो मए समणाणं सेज्जातरपिंडे ति वा
रायपिंडे ति वा पडिसिहाए एवामेव महापउमे वि समणाणं सेज्जातरपिंडे ति वा पडिसेहिस्सति । से जहा
णामए अज्जो मम णव गणा इगारस गणहरा एवामेव महापउमस्स वि अरहतो णव गणा
इगारस गणहरा भविस्संति । से जहा णामए अज्जो अहं तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवि
त्ता जाव पव्वतिते । दुवालस संवच्छराइं तेरस पक्खा छउमत्थपरियागं पाउणित्ता तेरसहिं पक्खेहिं ऊ
णगाइं तीसं वासाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता बायालीसं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता बावत्तरिं
वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिस्साति जाव दुक्खाणं करिस्साति । एवामेव महापउमे वि अरहा तीसं वासाइं १२१

सक्रमस्यग्रहन इ॰ नवीथ्या॰ एवं अनुमागं अरुउ अनिक्कं अक्कुइ॰ इमनं वीथ्या॰ एसतावा सनक्कं अक्कुइ एमक्के एवं अनइ विषरवा अवुतेवा छी संज्ञा करो ह॥ ७॥

अगार जाव पव्वतिहिती । दुवालस संवच्छराइं जाव बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिहिति जाव सव्वदुक्खाणमंतं का
हिति । जंसीलसमायारो अरहा तित्थकरो महावीरो । तंसीलसमायारो होति अरहा महापउमे ॥ इति श्रीमहापउम
भवचरित्रं संपूर्णमिति । णव णक्खत्ता चंदस्स पच्छंभागा पं. तं. अभिती समणो धणिट्ठा रेवति अस्सिणि मिगसिर पूसो हत्थो
चित्ता य तहा । पच्छंभागा णव हवंति । आणत पाणत आरण अच्चुतेसु कप्पेसु विमाणा णव जोयणसयाइं उड्ढं
उच्चत्तेणं पं. । विमलवाहणे णं कुलकरे णव धणुसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था । उसभेणं अरहा को
सलिए णं इमीसे ओसप्पिणीए णवहिं सागरोवमकोडाकोडीहिं वीइक्कंतेहिं तित्थे पवत्तिते । घणदंत लट्ठदंत
गूढदंत सुद्धदंत दीवा णं दीवा णव णव जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ता । सुक्कस्स णं म
हग्गहस्स णं णव वीहीओ पं. तं. हयवीही गयवीही णागवीही वसहवीही गोवीही उरगवीही अयवी
ही मियवीही वेसाणरवीही । णवविधे नोकसायवेयणिज्जे कम्मे पं. तं. इत्थिवेए पुरिसवेए णपुंसग
वेदे हासे रती अरती भये सोगे दुगुंछा । चउरिंदियाणं णव जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा
पन्नत्ता । भुयगपरिसप्पथलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं णव जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसह

व ठाणांगसू

स्सा पण्णत्ता। जीवाणं एवट्ठाण निव्वत्तिते पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ पुढविकाइयनिव्वत्तिते जाव पंचिं
दियनिव्वत्तिते एवं चिण उवचिण जाव णिज्जरा चेव। दसपएसिता खंधा अणंता पं०। जाव दसगुणलुक्खा पोग्ग
ला अणंता पंण्णत्ता। नवमं ठाणं नवमज्झयणं समत्तं ॥९॥ ॥ दसविहा लोगट्ठिती पं० तं० जण्णं जीवा उद्दाइत्ता २
तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायंति एवंप्पेगा लोगट्ठिती। १ जण्णं जीवाणं सता समितं पावे कम्मे कज्जति एवंप्पेगा लो
गट्ठिती पंण्णत्ता। २ जण्णं जीवाणं सततं समितं मोहणिज्जे पावे कम्मे कज्जति एवंप्पेगा लोगट्ठिती पंण्णत्ता
।३ ण एवं भूतं वा भव्वं वा भविस्सति वा जं जीवा अजीवा भविस्संति अजीवा जीवा भविस्संति एवंप्पे
गा लोगट्ठिती पंण्णत्ता। ४ ण एवं भूतं वा ३ जं तसा पाणा वोच्छिज्जिस्संति थावरा पाणा भविस्संति थाव
रा पाणा वोच्छिज्जिस्संति तसा पाणा भविस्संति एवंप्पेगा लोगट्ठिती पंण्णत्ता। ५ ण एवं भूतं वा ३ जं लोगे अलोगे भविस्संति अलो
गे वा लोगे भविस्संति एवंप्पेगा लोगट्ठिती पंण्णत्ता। ६ ण एवं भूतं वा ३ जं लोए अलोए पविस्संति। अलोए वा
लोए पविस्संति एवंप्पेगा लोगट्ठिती। ७ जाव ताव लोगे ताव जीवा जाव ताव जीवा ताव लोए। एवंप्पेगा लोगट्ठि
ती। ८ जाव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गतिपरियाए ताव ताव लोए जाव ताव लोगे ताव ताव जीवाण य पोग्ग १२२

×तसा पाणा न विस्संति ×४

दशोस्थान के ... पुद्गल ... शरीर ... ॥७॥ ... ॥१८॥

लाण य गतिपरियाए। एवंप्पेगा लोगट्ठिती। ९ सव्वेसुवि णं लोगंतेसु अबद्धपासपुट्ठा पोग्ग
ला लुक्खत्ताते कज्जति जेणं जीवा य पोग्गला य नो संचायंति बहिता लोगंता गमणयाए। एवंप्पेगा लोगट्ठि
ती पंण्णत्ता। दसविहे सद्दे पं० तं०। नीहारि पिंडिमे लुक्खे भिन्ने जज्जरिते इ दीहे रहस्से य पुहत्ते त काकणी खिं
खिणिस्सरे। १ दस इंदियत्था तीता पंण्णत्ता। तं० देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु सव्वेण वि एगे सद्दाइं सु
णिंसु। देसेण वि एगे रूवाइं पासिंसु एवं गं धेण वि रसाइं फासाइं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं प
डिसंवेदेंसु। दस इंदियत्था पडुप्पन्ना पं० तं० देसेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति सव्वेण वि एगे
सद्दाइं सुणेंति एवं जाव फासाइं। दस इंदियत्था अणागता पं० तं० देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति
सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति एवं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेस्संति। दसहिं ठाणेहिं अ
च्छिन्ने पोग्गले चलेज्जा आहारिज्जमाणे वा चलेज्जा परिणामेज्जमाणे वा चलेज्जा उस्ससिज्जमाणे वा चले
ज्जा निस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा वेदेज्जमाणे वा चलेज्जा णिज्जरिज्जमाणे वा चलेज्जा विउव्विज्जमाणे वा च
लेज्जा परियारिज्जमाणे वा चलेज्जा जक्खाइट्ठे वा चलेज्जा वातपरिगए वा चलेज्जा। दसहिं ठाणेहिं को

दसस्थानके क्रोधनी उत्पत्ति कहइ। शब्दादिकपंचविध विषय मनोज्ञ अपहरइ। अमनोज्ञ इष्टादिकपंचविध मेल्या कहइ। १ पापरिवा का दोल का सआ
आरुढो वा हुं आचार्य उपाध्याय उपरि सम्यक् प्रवर्तुं। मऊ उपरि आचार्य उपाध्याय विपरीत प्रवर्तइ। १। उ बगर। अल्पा नाप वस्त्रादिकना लेवुं। तथा आधि
का वस्त्रादिकनु संवरवुं। उत्तरनी अग्रस्तमादिकनइ विषइ शरीरनु उपघात न करवा ज्ञानीनइ संवरवुं तेसु वाकुशाग्रसंवर। १।

धुणंती। मिन्ना। ते मणुन्नाइं मम सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरिंसु। अमणुन्नाइं मम सद्दफरिसरसरूवगंधाइं उ
वहरिंसु। मणुन्नाइं मम सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरइ। अमणुन्नाइं मम सद्दफरिस जाव गंधाइं उवह
रति। मणुन्नाइं मम सद्द जाव अवहरिस्सति। अमणुन्नाइं मम सद्द जाव उवहरिस्सति। मणुन्नाइं मम सद्द जाव गंधा
इं अवहरिंसु वा अवहरइ वा अवहरिस्सति। अमणुन्नाइं मम सद्द जाव उवहरिंसु वा उवहरेति उवहरिस्स
४ मणुणा ×५ ति। मणुन्नाइं सद्द जाव अवहरिंसु अवहरति। अवहरिस्सइ। उवहरिंसु। उवहरंति। उवहरिस्सति।
अहं च णं आयरियउवज्झायाणं सम्मं वट्टामि। ममं च णं आयरियउवज्झाया मिच्छं विप्पडिवन्ना।
दसविधे संजमे पं० तं० पुढविकातितसंजमे। जाव वणस्सतिकायसंजमे। बेइंदितसंजमे। तेइं
दितसंजमे। चउरिंदितसंजमे। पंचिंदितसंजमे। अजीवकायसंजमे। दसविधे असंजमे पं० तं० पुढविका
तितअसंजमे। आउ। तेउ। वाउ। वणस्सति। अजीवकायअसंजमे। दसविधे संवरे पं० तं० सोतिंदितसंवरे।
जाव फासिंदितसंवरे। मणवयकायउवकरणसंवरे। सूचीकुसग्गसंवरे। दसविधे असंवरे पं० तं० सोतिंदित
असंवरे जाव सूचीकुसग्गअसंवरे। दसहिं ठाणेहिं अहमंतीति थंभिज्जा तं० जातिमतेण वा जाव इस्सरियमतेण।

दश प्रकारे मान करइ। नागकुमार सुवर्णकुमार देवता मऊ समीपि आवइ छइ ते माहरइ करी मद करइ। उपुरुषज्ञानवंत तेह कां कइ अधिक उ अराउ करीम
उनइ अम्हो अवधउपनो ते माहरइ करी। १।

णवा। णागसुवन्ना वा मे अंतियं हव्वमागच्छंति। पुरिसधम्मातो वा मे उत्तरिते आहोधिते णाणदंसणे समुप्पन्ने। दस
विधे समाधी पं० तं० पाणातिवायवेरमणे। मुसा। अदिन्ना। मेहुण। परिग्गहा। इरियासमिती। भासासमिती। एसणास
मिती। आयाण उच्चारपासवणखेलसिंघाणगपारिट्ठावणियासमिती। दसविधे असमाधी पं० तं० पाणातिवाते जा
व परिग्गहे। रियासमिती। जाव उच्चारपासवणखेलसिंघाणगपारिट्ठावणियासमिती। दसविधे पव्वज्जा पं० तं०
। छंदा। रोसा। परिजुन्ना। सुविणा। पडिस्सुता चेव सारणिता। रोगिणिता। अणाढिता। देवसंन्नत्ती। वच्छाणु
बंधिता। दसविधे समणधम्मे पं० तं० खंती। मुत्ती। अज्जवे। मद्दवे। लाघवे। सच्चे संजमे। तवे। चिया
ते। बंभचेरवासे। दसविधे वेयावच्चे पं० तं०। आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे। थेरवेयावच्चे
। तवस्सिगिलाण। सेह। कुल। गण। संघ। वेयावच्चे। साहम्मितवेयावच्चे। दसविधे जीवपरिणामे पं० तं० ग
तिपरिणामे। इंदितपरिणामे। कसायपरिणामे। लेसा। जोगपरि। उवओग। णाण। दंसण। चरित्तपरिणामे। वेतप
रिणामे। दसविधे अजीवपरिणामे पं० तं० बंधणपरिणामे। गतिसंठाणपरिणामे। भेद। वन्न। रस। गंध फास अगु
रुलहुपरिणामे। दसविधे अंतलिक्खिते असज्झाइए पं० तं० उक्कावाते। दिसादाघे। गज्जिते। विज्जुते। णिग्घात

गहितनसहस्रसंकलितादिक॥ गणावीनीसहस्रपरि॥ अंग० आगंधरागपूकारे की जइ तेजंगसहस्र॥५५

ठाणांगसू ज्झयाते। जम्मलिविघुंघिता। महिता। रउग्याते। दसविधे उरालिता असज्झातिते पं० तं० अहिमंसंसोणिते। असुति
सामंते सुसाणसामंते चंदोवराते। सूरोवराते। पडणे रायवुग्गहे उवस्सयस्स अंतो ओरालिते सरीरगे। पंचिं
दिताणं जीवाणं असमारभमाणस्स दसविधे संजमे कज्जति। तं० सोतामताओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवति। सो
तामतेणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवति। एवं जाव फासमतेणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवति। एवं असंजमो वि भा
णितव्वो। दससुहुमा पं० तं० पाणसुहुमे पणगसुहुमे जाव सिणेहसुहुमे गणियसुहुमे भंगसुहु
मे। जंबुमंदरदाहिणेणं गंगासिंधुमहानदीओ दस महानदीओ समप्पेंति तं० जउणा सर
ऊ आवी कोसी मही सिंधू विवच्छा विभासा एरावती चंदभागा। जंबूमंदरउत्तरेणं रत्ता
रत्तवतीओ महानदीओ दस महानतीओ समप्पेंति। किण्हा महाकिण्हा नीला महानीला तीरा महातीरा
इंदा जाव महाभोगा। जंबुद्दीवे भरहे वासे दसरायहाणीओ पं० तं० चंपा महुरा वाणारसी। सावत्थी। तह साके
तं हत्थिणउर कंपिल्लं मिहिला कोसंबि रायगिहं॥१॥ एयासु णं दसरायहाणीसु दस रायाणो मुंडा भवि
त्ता जाव पव्वतिता तं० भरहे सगरे मघवं सणंकुमारो संती कुंथू अरे महापउमे हरिसेणे जयनामे। जंबू १२८

×ग×

BHAU DAJI

सरपर्वतमध्ये...
सहस्राणि॥२॥ लवणसमुद्रे... विरहितं... गोतीर्थ... क्षेत्रं... जलवृद्धिः...
...॥७॥ ...दशसहस्राणि... क्षुल्लक...

दीवे मंदरे पव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोय
णसयाइं विक्खंभेणं दसदसाइं जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं पं०। जंबुद्दीवे मंदरस्स पव्वयस्स बहु
मज्झे दस तीए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपतरेसु एत्थ णं अट्ठपतेसिते रुयगे
पं० जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति तं० पुरच्छिमा पुरच्छिमदाहिणा दाहिणा दाहिणपच्च
त्थिमा पच्चत्थिमा पच्चत्थिमुत्तरा उत्तरा उत्तरपुरत्थिमा उड्ढा अहो। एतासिणं दसण्हं दिसाणं दस नामधेज्जा पं
तं० इंदा अग्गेयी जम्मा य णेरती वारुणी य वायव्वा। सोमा ईसाणी वि य विमला य तमा य बोधव्वा॥१॥ ×वित×६
लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयणसहस्साइं गोतित्थविरहिते खेत्ते पं०। लवणस्स णं समुद्दस्स दस
जोयणसहस्साइं उदगमाले पं०। सव्वे वि णं महापाताला दस दसाइं जोयणसहस्साइं उव्वेहेणं पं
मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पं० बहुमज्झदेसभाए एगपएसियाते सेढीए दस दसाइं जोयणस
हस्साइं विक्खंभेणं पं० उवरिं मुहमूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पं० तेसि णं महापातालाणं कुड्डा सव्व
वइरामया सव्वत्थ समा दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं पन्नत्ता। सव्वे वि णं खुड्डपाताला दस जोयणसताइं उव्व

ठाणांगसू

द्धेणं। पं। तं। मूले दसदस्साइं जोयणाइं विक्खंभेणं वइरमज्झा दसरत्ता ति। एगमेगेसिताता सदीसदसजोयणसताइं
विक्खंभेणं। पं। तं। उवरिं मुहे मूले दस दसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं। पं। तेसिणं खुड्डापाताला खुड्डामझे वइराम
ता मज्झे मामादसजोयणाइं ... बाहल्लेणं पण्णत्ता। धाततिसंडगाणं मंदरा दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं
धरणितले दसूणाइं दस जोयणसहस्साइं वि- क्खंभेणं। उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं पुक्खरवर
दीवड्ढगाणं मंदरा दस जोयणसयावत्तसवे विणं वट्टवेयड्ढपव्वया दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं
दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठिता दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं जंबु
दीवे दसखेत्ता पं तं भरहे एरवते हेमवते हेरन्नवते हरिवासे रम्मगवासे पुव्वविदेहे अवरवि
देहे देवकुरा उत्तरकुरा माणुसुत्तरेणं पव्वते मूले दसबावीसे जोयणसते विक्खंभेणं पं। सव्वे विणं
अंजणगपव्वता दस जोयणसताइं उ- व्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरि दस जोयणसता
इं विक्खंभेणं पं सव्वे विणं दहिमुहपव्वता दस जोयणसताइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठिता दस जोयण
सहस्साइं विक्खंभेणं पं सव्वे विणं रतिकरगपव्वता दस जोयणसताइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसताइं उव्वेहेणं १२५

...नहतना- मञ्झाउदष्ठा नुजाणिवानु तेहनुं विचारवुं॥ २॥

द्रव्यप्रकारेगी वादि करइ अनुविचार॥ इति- जीवइ वित्र जीव दु वि विचारु॥ मउ- माउपदिनन शासन मा कि सिभातनी उत्पत्तिकारणतत्रगनो ... उपइ
वा १ विगए वा २ धुवे वा ३ ... अनुविचारवुं॥ एगट्ठिया- एकअर्थ अनुविचारवुं जिमें जीवनइ प्राण भूत १ सत्व २ ... कहीइ॥ करणानु- ...
रानइ कीजइ कालसु जीव ना थति पुर्व कर्म पुरुषाकार ... करा क्रियाना पडइ ... अनु ... विचार॥ अप्पि- वि
शेषइ विचारवुं॥

सव्वेसणं रुचकरिसंठिता दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं। पं। रुयगवरेणं पव्वते दस जोयणसयाइं उव्वेहे
णं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरि दस जोयणसताइं विक्खंभेणं। पं। एवं कुंडलवरे वि। दसविधे
दवियाणुओगे पं तं दवियाणुओगे माउआणुओगे एगट्ठियाणुओगे करणाणुओगे अप्पितणप्पिते भाविताभावि
ते बाहिराबाहिरे साससासते तहणाणे अतहणाणे। चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो ति
गिछिकूडे उप्पातपव्वते मूले दसबावीसे जोयणसते विक्खंभेणं। पं। चमरस्सणं असुरिंदस्स अ
सुरकुमाररन्नो सोमस्स महारन्नो सोमप्पभे उप्पातपव्वते दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं
दसगाउयसताइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं पं। चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुम
रन्नो जमस्स महारन्नो जमप्पभे उप्पातपव्वते एवं चेव॥ एवं वरुणस्सवि। एवं वेसमणस्सवि। बलिस्सणं वइरोय
णिंदस्स वइरोयणरन्नो रुयगिंदे उप्पातपव्वते मूले दसबावीसे जोयणसते विक्खंभेणं पं। बलिस्सणं व
इरोयणिंदस्स एवं चेव जधा चमरस्स लोगपालाणं तं चेव बलिस्सवि। धरणस्सणं णागकुमारिंदस्स णागकुमा
ररन्नो धरणप्पभे उप्पातपव्वते दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसताइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसता

अनाप्पि- शेषरहित विचारउंत भावि- जीव उ व्यसमता परिणामइ करीनइ जी वित छइ॥ अभावित ते रूपकी विप रीत नुं विचा रवुं॥ बाहिरे जीवद्रव्यनइ बाह्य रिक्त न रस्के रूप वि चारीउ॥ सा सा- जीवद्रव्य आदि अंतर हित॥ असा सउ- [illegible] न तथा ज्ञान सम्यग्दृष्टि जीवनुं॥

ठाणांगसू

इ विक्खंभेणं धरणस्स णं नागकालवालस्स ण   मकालप्पाल उप्पातपव्वते जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं जा
व संखवालस्स। एवं भूताणंदस्स वि। एवं लोगपालाणं पि से जहा धरणस्स एवं जाव थणियकुमाराणं सलो
गपालाणं भाणियव्वं सव्वेसिं उप्पायपव्वया भाणियव्वा सरिणामगा। सक्कस्स णं देविंदस्स देवसक्क पालउ
प्पातपव्वते दस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं   दस गाउयसहस्साइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं
विक्खंभेणं पं। सक्कस्स णं देविंदस्स चवामाम   स्स महारन्नो जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं लोगपालाणं स
व्वेसिं च इंदाणं जाव अच्चुत्ति सव्वेसिं प।   माणमेगं बायरवणस्सतिकाइयाणं उक्कोसेणं
दस जोयणसहस्साइं सरीरोगाहणा पण्णत्ता   जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं दस
जोयणसताइं सरीरोगाहणा पं। उरपरिसप्प।   थलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एवं चेव। संभवाउ
ण अरहाओ अभिनंदणे अरहा दसहिं सागरोवमकोडिसतसहस्सेहिं वीतिक्कंतेहिं समुप्पन्ने। दसविहे अ
णंतते पं० तं० णामाणंतते ठवणाणंतते दव्वाणंतते गणणाणंतते पएसाणंतते एगतोणंतते दुहतोणंत
ते देसवित्थाराणंतते सव्ववित्थाराणंतते सासयाणंतते। उप्पायपुव्वस्स णं दस वत्थू पं० तं०। अत्थिणत्थिप्पवायपु १२९

व्वस्स णं दस चूलवत्थू पं०। दसविहा पडिसेवणा पं० तं० दप्पपमायऽणाभोगे आउरे आवतीसु त। संकिते सहसक्का
रे भयप्पतोसा य वीमंसा॥१॥ दस आलोयणादोसा पं० तं० आकंपइत्ता अणुमाणइत्ता जं दिट्ठं बायरं व सुहुमं वा। छन्नं
सद्दाउलगं बहुजण अव्वत्त तस्सेवी॥२॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहति अत्तदोसमालोएत्तए तं०
जातिसंपन्ने कुलसंपन्ने एवं जहा अट्ठट्ठाणे जा   व खंते दंते अमायी अपच्छाणुतावी। दसहिं ठाणेहिं संपन्ने
अणगारे अरिहति आलोयणं पडिच्छित्तए तं०   आयारवं आहारवं जाव अवायदंसी पियधम्मे दढ
धम्मे। दसविधे पायच्छित्ते पं० तं० आलोय।   णारिहे जाव अणवट्ठप्पारिहे पारंचितारिहे। द
सविधे मिच्छत्ते पं० तं० अधम्मे धम्मसन्ना धम्मे अ   धम्मसन्ना मग्गे उम्मग्गसन्ना उम्मग्गे मग्गसन्ना अजी
वेसु जीवसन्ना जीवेसु अजीवसन्ना साहुसु असाहु   सन्ना असाहुसु साहुसन्ना अमुत्तेसु मुत्तसन्ना मुत्तेसु अमु
त्तसन्ना। चंदप्पभे णं अरहा दस पुव्वसतसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। धम्मे णं अरहा दस
वाससयसहस्साइं सव्वा जाव पहीणे। णमी णं अरहा दस वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे
। पुरिससीहे णं वासुदेवे दस वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता छट्ठाए तमाए पुढवीए णेरतितत्ताते उववन्ने॥

ठाणांगसू

णमीणं अरहा दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वास सयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । कण्हे णं वासु
देवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वास सयाइं सव्वाउयं पालइत्ता तच्चाते वालुयप्पभाते पुढविते नेरतिय
त्ताते उववन्ने दसविहा भवणवासी देवा पं० तं० असुरकुमारा जाव थणियकुमारा दसविहाणं भवणवासीणं
देवाणं दस चेइयरुक्खा पं० तं० आसत्थ सत्तिवन्ने सामलि उंबर सिरीस दहिवन्ने । वंजुल पलास वप्पे तते त कणियारे
॥१ दसविधे सोक्खे पं० तं० आरोग्ग दीहमाउं अड्ढेज्जं काम भोग संतोसे अत्थि सुहभोग निक्खम
मेव तत्तो अणाबाहे ।१ दसविधे उवघाते पं० तं० उग्गमोवघाते उप्पायणोवघाते जहा पंचट्ठा
णे जाव परिहरणोवघाते णाणोवघाते दंसणोवघाते चरित्तोवघाते अचियत्तोवघाते सार
क्खणोवघाते दसविधा विसोही पं० तं० उग्गमविसोही उप्पायणविसोही जाव सारक्खणविसोही दसविधे
संकिलेसे पं० तं० उवहिसंकिलेसे उवस्सयसंकिलेसे कसायसंकिलेसे भत्तपाणसंकिलेसे मणसं
किलेसे वतिसंकिलेसे कायसंकिलेसे णाणसंकिलेसे दंसणसंकिलेसे चरित्तसंकिलेसे दसविहे
असंकिलेसे पं० तं० उवहिअसंकिलेसे जाव चरित्तअसंकिलेसे दसविधे बले पं० तं० सोतिंदियबले जाव १२९

एहोषगुरुआध्यप्रतिवादी आश्री आरिवा॥ तओ मंदिरा॰ ते गुणादिकनउआ तिकरी तथा कर्मेइ करीदुमइ॥ मतिभंग॰ बुद्धिनुभंग किस्या त्रियरूपा प्रस
स्तारदोष॥ उपदेशादास्तार ते रूनु बतनोइ नेइ दोष कोठइ॥ परहरणदोष॥ उपमादिकनुं जोग बवुं॥ तेहनइ विषइ दोष कोठइ॥ ते लक्षिणा आ
आद्रुषदा कोठइ कारणआ आश्री कोइ करी बुद्धुरुः॥ कारणे हेतु देता तेहमा किदुषण कोठइ॥ संक्रामण॰ तेवहि माहिल लुकाइ नइ तेहना दोष कोठइ

(फा) (जाव)
सिंतिदियबले णाणबले दंसणबले चरित्तबले तवबले वीरितबले दसविधे सच्चे पं० तं० जणवय सम्मत
ठवणा णामे रूवे पडुच्चसच्चे य ववहारे जोगे दसमे ओवम्मसच्चे य ।१ दसविधे मोसे पं० तं० कोधे माणे
माया लोभे पिज्जे तहेव दोसे य हास भए अक्खातित उवघात निस्सिते दसमे ।१ दसविधे सच्चामोसे पं० तं० उ
प्पन्नमीसए विगतमीसए उप्पन्नविगतमीसए जीवमीसए अजीवमीसए जीवाजीवमीसए अणंतमीस
ए परित्तमीसए अद्धामीसए अद्धद्धामीसए दिट्ठिवायस्स णं दस नामधेज्जा पं० तं० दिट्ठिवातेति वा हे
उवातेति वा भूयवातेति वा तच्चावातेति वा सम्मावातेति वा धम्मावातेति वा भासाविजतेति वा
पुव्वगतेति वा अणुजोगगतेति वा सव्वपाणभूतजीवसत्तसुहावहेति वा दसविहे सत्थे पं० तं० स
त्थमग्गी विसं लोणं सिणेहो खारमंबिलं दुप्पउत्तो मणो वाया काओ भावो य अविरती ।१ दसविहे दोसे पं०
तं० तज्जातदोसे मतिभंगदोसे पसत्थारदोसे परिहरणदोसे सलक्खण कारण हेउदोसे संकामणं निग्ग
हे वत्थुदोसे दसविधे विसेसे पं० तं० वत्थु तज्जातदोसे य दोसे एगट्ठितेति य कारणे य पडुप्पण्णे दोसे नि
च्चे हितअट्ठमे अत्तणा उवणीते विसेसेति य दोसे दसविधे सुद्धवायाणुओगे पं० तं० चंकारे मंकारे पिंकारे

अणु॰ हीन अनाकरहवाइ बलनइ जेदइ॥ समर॰ कुशपडेनइदिइ मुंकावइ आपी गुरुक्षेम कावीइ॥ नय॰ नम करीदानदइसु॥ कुलताणी पुत्रादि कइन्ह सो करइदिइ॥ वरा॰ घणा तणा माहि बइठो लाजइ दिइ॥ गार॰ गर्वि वडउ जिमइ नाटकी यादि कडइ अधर्मे नडा वाडं सनदिइ॥ अमं धंउ अधर्म इनइ पोषवुं अधर्मदान गणिका दिक॥ धर्मदान सुपात्र नइ दान दइ॥ कोइ एक एकनइ कुंघउ कुं मननइ एहे सइ॥ कतविय॰ का अंउपगार करवानइ अर्थि इकाइ दिइ॥ १॥

७॥ सत्कार ॥ मा तंकार णमान सुधात्र। संड्डा हा संकोमिति लिखा दसविहदाणा पं॰ तं॰ अणुकंपा संगहा चेव भये कालुणि त्ति ति लज्जा तगारवेणं चा महम्मे उण सत्तमे १ धम्मे ति य अट्ठमे वत्ते। काही ति ति क तं विति दस विधा गती। पं॰ तं॰ निरयगती। निरयविग्गहगती। तिरियगती। जाव सिद्धिविग्गहगती। दस मुंडा। पं॰ तं॰ सोतिंदि तमुंडे जाव फासिंदितमुंडे। कोहमुंडे जाव लो समुंडे दसमे सिरमुंडे। दसविधे संखाणे। पं॰ तं॰ परिकम्मं ववहारो रज्जु रासी कलासवन्ने जावताव ति वग्गो घणो त तह वग्गवग्गो वि कप्पो त। दसविधे पच्चक्खाणे। पं॰ तं॰ अणागयमतिक्कंतं को डीसहितं नियंटितं चेव सागारमणागारं परिमाणक डं निरवसेसं ९ संकेयगं चेव अद्धाए पच्चक्खा णं दसविधं तु दसविहा सामायारी। पं॰ तं॰ इच्छा मिच्छा तह क्कारे आवसीती निसीहिता आपुच्छणा य पडिपु च्छा छंदणा य निमंतणा १० उवसंपया य काले सामायारी भ वे दसविहा ता। समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालिताते अंतिमराइतंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धे। तं॰ एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजितं पासित्ताणं पडिबुद्धे १ एगं च णं महा सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं

सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं पासित्ताणं पडिबुद्धे ४ एगं च णं महं सेतं गोव ग्गं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वतो समंता कुसुमितं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ६ एगं च णं महं [illegible] सागरं उम्मीवीचीसहस्सकलितं भुयाहिं तिन्नं सुमिणे पासि त्ताणं पडिबुद्धे ७ एगं च णं दिणयरं तेयसा जलं तं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलि तवन्नाभेणं नियतेणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वतं सव्वतो समंता आवेढितं परिवेढितं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ९ एगं च णं महं मंदरे पव्वते मंदरचू लियाए उवरिं सीहासणवरगयं अप्पाणं सुमि णे पासित्ताणं पडिबुद्धे १० जंणं समणे भ गवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसातं सुमिणे पराजितं पासित्ताणं पडिबुद्धे तन्नं समणेणं भगवता महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलतो उग्घाइ ते १ जंणं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किलपक्खगं जाव पडिबुद्धे तन्नं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमयियं चित्तविचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेति पन्नवेति परूवेति दंसेति निदंसेति उवदंसेति तं आयारं जाव दिट्ठिवातं ३ जंणं समणे भगवं महं दामदुगं सव्वरयणामयं जाव पडिबुद्धे तन्नं समणे भगवं म॥

ठाणांगसू

हावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेति। तं० अगारधम्मं। अणगारधम्मं। जण्णं समणे भगवं महावीरे महं सेतं गावग्गं सु
मिणे जाव पडिबुद्धे। तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवण्णाइण्णे संघे। समणा समणीओ सावगा सावि
याओ। जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे
पण्णवेति। तं० भवणवासी। वाणमंतरा। जोइस वासी। वेमाणिया। जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं उ
म्मीवीची जाव पडिबुद्धे तण्णं समणेणं भगव तामहावीरेणं अणादीए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंते
संसारकंतारे तिन्ने। जण्णं समणे भग वं महावीरे एगं महं दिणकरं जाव पडिबुद्धे तण्णं
समणस्स भगवतो महावीरस्स सदेवमणु यासुरे लोगे उराला कित्तिवन्नसद्दसिलोगा परिगुव्वंते
ति। इति खलु समणे भगवं म× अणंते अणु नाणं जाव समुप्पन्ने। जण्णं समणे भगवं एगं महं हरिवे
ल जाव पडिबुद्धे तण्णं समणस्स भगवतो महावीरस्स × हावीरे मंदरे पव्वते मंदरचूलिताए उवरिं जाव
पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगते केवलिपन्नत्तं धम्मं आघव
ति पण्णवेति जाव उवदंसेति। १० दसविधे सरागसम्मदंसणे पण्णत्ते तं०। निसग्गुवदेसरुई आणरुई सुत्त १२९

×थवेरु

बीयरुई तहेव। अभिगमवित्थाररुई। किरियासंखेवधम्मरुई। १ दस सण्णाओ पं० तं० आहारसण्णा। जाव परिग्गहसण्णा
धाक्का सण्णा। जाव लोभसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा। १० नेरतिताणं दस सण्णातो। एवं जाव एवं निरंतरं
जाव वेमाणियाणं। १ नेरईयाणं दसविधं वेयणं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति तं० सीतं उसिणं खुधं पिवासं
×जरं वा हिं×४ कंडुं परज्झं। भयं सोगं। दसट्ठाणाइं छउमत्थे णं स व्वभावेणं न याणति न पासति। तं० धम्मत्थिगायं जाव वात
अयं जिणे भविस्सति। अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सति वा ण वा करेस्सति। एताणि चेव उप्पन्ननाणा
णदंसणधरे अरहा जाव सव्वदुक्खाणमं तं करेस्सति वा ण वा करेस्सति। दस दसाओ पं० तं०
कम्मविवागदसाओ। उवासगदसाओ। अंतगड दसाओ। अणुत्तरोववाइयदसाओ। आयारदसाओ। प
ण्हावागरणदसाओ। बंधदसाओ। दोगिद्धिदसाओ। दीहदसाओ। संखेवितदसाओ। १० कम्मविवागदसाणं द
स अज्झयणा पं० तं० मियापुत्ते य गोत्तासे। अंडे। सगडे तियावरे। माहणे णंदिसेणे त सोरियत्ति उंबरे
सहस्सुद्दाहे। आमलए। कुमारलच्छई ति। उवासगदसाणं दस अज्झयणा पं० तं० आणंदे। कामदेवे गाहाव
ति चुलणीपिता। सुरादेवे। चुल्लसतए। गाहावति कुंडकोलिते। सद्दालपुत्ते। महासतए। णंदिणीपिया। लि

ठाणंगसू जिणपिता। अंतगडदसाणं दस अज्झयणा पं० तं० णमि मातंगे। सोमिले रामगुत्ते सुदंसणे चेव। जमाली त भगाली त
किंकम्मे पल्लतेतिय। फाले अंबडपुत्ते त एमेते दस आहिता। अणुत्तरोववातियदसाणं दस अज्झयणा पं० तं०
इसिदासे य धन्ने त सुणक्खत्ते कातिते ति त। संठाणे सालिभद्दे त आणंदे तेतली ति त। दसन्नभद्दे अतिमुत्ते
एमेते दस आहिता। आयारदसाणं दस अज्झय- णा पं० तं० वीसं असमाहिट्ठाणा पं० तं० एगवीसं सबला। तेत्ती
संआसायणातो। अट्ठविहा गणिसंपया। दस चित्तसमाहिट्ठाणा। एगारस उवासगपडिमातो। बारस भि
क्खुपडिमातो। पज्जोसवणा कप्पो। तीसं मोहणिज्जट्ठाणा। आजाइट्ठाणं। पण्हावागरणदसा
णं दस अज्झयणा पं० तं० उवमा संखा इसिभासियाइं आयरियभासिताइं। महावीरभासीयाइं खोम
गपसिणाइं कोमलपसिणाइं अद्दागपसिणा अंगुट्ठपसिणाइं बाहुपसिणाइं। बंधदसाणं दस अज्झय
णा पं० तं० बंधे य मोक्खे य देवद्धि दसारमंडलेवि त आयरियविप्पडिवत्ती उवज्झायविप्पडिवत्ती भावणा विमु
त्ती साते कम्मे। दोगिद्धिदसाणं दस अज्झयणा पं० तं० वाते विवाते उववाते सुखेत्ते कसिणे बायालीसं
सुमिणा तीसं महासुमिणा बावत्तरि सव्वसुमिणा हारे रामगुत्ते य एमेते दस आहिता। दीहदसाणं दस अज्झय १३०

णा पं० तं० चंदे सूरे य सुक्के य सिरिदेवी पभावती। दीवसमुद्दोववत्ती बहुपुत्ती मंदरे ति त। थेरे संभूतविजए थेरे
पम्ह ऊसासनीसासे। संखेवितदसाणं दस अज्झयणा पं० तं० खुड्डिया विमाणपविभत्ती। महल्लिया विमा
णपविभत्ती। अंगचूलिया। वग्गचूलिता। विवाहचूलिया। अरुणोववाते। गरुलोववाते। वेलंधरोववाते वे
समणोववाते। दस सागरोवमकोडाकोडीओ। कालो ओसप्पिणीते। दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो
उस्सप्पिणीए। दसविधा नेरइया पं० तं० अणंतरोववन्ना। परंपरोववन्ना। अणंतरावगाढा। परंपराव
गाढा। अणंतराहारगा परंपराहारगा अणंतरपज्जत्ता। परंपरपज्जत्ता। चरिमा। अचरिमा एवं
निरंतरं जाव वेमाणिया। चउत्थीते णं पंकप्पभाते पुढवीते दस निरयावाससतसहस्सा पन्नत्ता।
रयणप्पभाते पुढवीते जहन्नेणं णेरतिताणं दसवाससहस्साइं ठिती पं० चउत्थीते णं पंकप्पभाते पु
ढवीते उक्कोसेणं णेरतिताणं दस सागरोवमाइं ठिती पण्णत्ता। पंचमाते णं धूमप्पभाते पुढवीते जहन्नेणं
नेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिती पं० असुरकुमाराणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं ठिती पण्णत्ता। एवं जाव
थणियकुमाराणं बायरवणस्सतिकातिताणं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं ठिती पण्णत्ता। वाण

दसस्थान केतां दसआगमिकालि सुत कर्म यति बोधइ॥ दिहो-सम्यग्दृष्टिपणाइ॥ योग-श्रुतज्ञाननुं तप करवुं॥ तथा समाधि योगप्रवृत्तानइ॥ प्रासलापण्युमरण करवुं॥ छीदलीगातीतेहनुं वांछइ यत्ना करवुं॥ पवयण-धर्म कथादिकनइ करीनइ प्रवचननुं दीपावुं॥४॥
इहलोककारे आसंसा-इहलोकनु व्यापार इ॥ इहलोक-चक्रवर्त्यादिकना पदनी वांछइ॥ परलो-इंद्रादिकपदवी॥ इहलोकपरलोकनी वांछा॥

मंतरंदेवाणंजहन्नेणंदसवाससहस्साइंठिईपंन्नत्ता। वेलालोगकप्पउक्कोसेणंदेवाणंदससागरोवमाइंठिईपंनत्ता। लंतगतेकप्पेदेवाणंजहन्नेणंदससागरोवमाइंठितीपंनत्ता। दसहिंठाणेहिंजीवाआगमेसिभद्दत्ताएकम्मंपगरेंति। तं। अणिदाणताते। दिट्ठिसंपन्नयाते। जोगवाहियत्ताते। खंतिखमणताते। जितिंदियत्ताते। अमाइल्लताते। अपासत्थयाए। सुसामन्नताते। पवयणवच्छलयाते। पवयणउब्भावणताते। दसविहेआसंसप्पओगे। पं। तं। इहलोगा संसप्पओगे। परलोगासंसप्पओगे। दुहओलोगासंसप्पओगे। जीवियासंसप्पओगे। मरणासंसप्पओगे। कामासंसप्पओगे। भोगासंसप्पओगे। लाभासंसप्पओगे। पूयासंसप्पओगे। सक्कारासंसप्पओगे। दसविहेधम्मे। पं। तं। गामधम्मे। नगरधम्मे। रट्ठधम्मे। पासंडधम्मे। कुलधम्मे। गणधम्मे। संघधम्मे। सुयधम्मे। चरित्तधम्मे। अत्थिकायधम्मे। १० दसथेरा। पं। तं। गामथेरा। नगरथेरा। रट्ठथेरा। पसत्थथेरा। कुलथेरा। गणथेरा। संघथेरा। जातिथेरा। परियायथेरा। १० दसपुत्ता। पं। तं। अत्ते। खेत्ते। दिन्ने। विन्नाते। उरसे। मोहरे। सोडीरे। संवुड्ढे। उववातिते। धम्मंतेवासी। १० केवलिस्सणंदसअणुत्तरा। पं। तं। अणुत्तरेणाणे। अणुत्तरेदंसणे। अणुत्तरेचरित्ते। अणुत्तरेतवे। अणुत्तरे

सोडीर-सरपणाइ॥ जाणाइ॥ संवड-जिमनोजनादिकदेवइकरीअसुतमालिपुत्र॥ उववा-देवताआराधवइकरी तथा सेवाकरवइकरीनइ॥ धर्म-धर्मनइआकेइगुरुनइसमापिवसइतेधर्मअंतेवासी॥१०॥
× सयघेरी × ३

१३१

वीरिते। अणुत्तराखंती। अणुत्तरामुत्ती। अणुत्तरेअज्जवे। अणुत्तरेमद्दवे। अणुत्तरेलाघवे। १० समयखेत्तेणंदसकुराओ। पं। तं। पंचदेवकुराओ। पंचउत्तरकुराओ। तत्थणंदसमहतिमहालया। महादुमा। पं। तं। जंबूसुदंसणा। धायतिरुक्खे। महाधायतिरुक्खे। पउमरुक्खे। महापउमरुक्खे। पंचकूडसामलीओ। १० तत्थणंदसदेवामहिड्ढियाजावपरिवसंति। तं। अणाढितेजंबुद्दीवाधिवती। सुदंसणे। पियदंसणे। पोंडरीते। महापोंडरीते। पंचगरुलावेणुदेवा। १० दसहिंठाणेहिं ओगाढंदुस्समंजाणेज्जा। तं। अकालेवरिसइ। कालेणवरिसइ। असाहूपुज्जंति। साहूणपुज्जंति। गुरूसुजणोमिच्छंपडिवन्नो। अमणुन्नासद्दाजावफासा। १० दसहिंठाणेहिंओगाढंसुसमंजाणेज्जा। तं। अकालेनवरिसति। तंचेवविवरीतंजावमणुन्नाफासा। सुसमसुसमाएणंसमाए। दसविहा। रुक्खाउवभोगत्ताएहव्वमागच्छंति। तं। मत्तंगयाभिंगा। तुडितंगादीवजोतिचित्तंगा। चित्तरसामणियंगा। गेहागाराअणियणाति। १० जंबुद्दीवेभरहेवासेतीताएउस्सप्पिणीएदसकुलगराहुत्था। तं। सयज्जलेसयाऊयअणंतसेणयअजितसेणे। कक्कसेणे। भीमसेणेमहाभीमसेणेतसत्तमेदढरहेदसरहेसयरहे। जंबुद्दीवेभरहेवासेआगमीसाएउस्सप्पिणीएदसकुलगरा

णागमू

गानविस्मंतिातंस्सीमंकारासीमंधरा।।रवमंधारविमलवाहणासंमुती।पडिसुतदढधणूदसधणूसतधणू जंबु
द्दीवरमंदरस्सपव्वयस्सपुरच्छिमएांसीताएमहानतीते उत्तराकूलदसवरकारपव्वता।पं।त।मालवंतेचि
त्तकूडेविचत्तकूडे।जावसोमणसो।जंबुमंदिरपच्चत्थिमएांसीतोतानामहानतीतेउत्तराकूलदसवरकारे
पव्वता।पं।त।विज्जुप्पभेजावगंधमातणे।एवंधा   यइसंडपुरच्छिमद्धेविवरकारातोणियव्वा।।जावपुरकरव
रदीवड्ढपच्चत्थिमद्धेदसकप्पाइंदाहिंहिया।पं   ।तं।सोहम्मेजावसहस्सारेपाणतेअच्चुए दसपुकप्पसुद
सइंदा।पं।तं।सक्केईसाणेजावअच्चुते।एतेसिएां दसण्हंइंदाणंदसपरिजाणितावि माणापं।तं।।
पालतेपुप्फएजावविमलवरेसव्वतोभद्दे   दसदसमित्तिाएांभिरकुपडिमाएांराइंदिएहिंअसतेणं
अद्धछट्ठेहिंयभिरकासतेहिंअहासुत्तंजावआ   राधेतावितवति।दसविहासंसारसमावन्नगाजीवा।पं।तं।प
ढमसमयएगिंदिता।अपढमसमयएगिंदिता।एवंजावअपढमसमयपंचिंदिता।दसविधासव्वजीवा।पं।तं।पु
ढविकाइयाजाववणस्सइकाइता।बेइंदियाजावपंचिंदिता।अणिंदिता।अथवादसविहासव्वजीवा।पं।तं।पढ
मसमयानेरतिया।अपढमसमयानेरतिता।जावअपढमसमयादेवा।पढमसमयसिद्धा।अपढमसमयसिद्धा

×पाठ:
प×५

१३२

नात वष आयु नादस कार इ उ घय मद उ आ क इ ब रा सुख दुख कोई वेदइ नहीं तेह नरा लाव ॥ बीजइ दशा कइ औआनइ विषइ तत्पर ॥ त्रीजइ गोगइ
विषइ तत्पर ॥ वषु बलइ करी समर्थी ॥ पांचमइ नाठता आंठे नीपावा नइ बुध्धइ वरसारइ ॥ छठइ इंद्रीया दिक हारा छाइ ॥ सातमइ सासम सा
दि करोग वा धइ ॥ आठमइ गात्र संकोच पइड ॥ नवमइ जरा घसा ग्रस्यउ कुं तउमरवानइ सनमुख कुंतउ ॥ दशमइ सुईरहइ पारलइ
पउरहिइ ॥ १ ॥

वासमताउदयस्सणंपुरिसस्सणंदसदसाउ।पं।तं।बालाकिड्डामंदाबलायपन्नाहायणिपवंच।पब्भाराम्मुमुही सात
णीतधा।दसविधावणस्सतिकाइता।पं।तं।कंदेजावपुफफल्ले।बीयसव्वातोविणंविज्जाहरसेढीउ।दसदस
जोयणाइंविरकंभेणंपन्नत्ता।सव्वातोविणंआभिओगसेढीउदसदसजोयणाइंविरकंभेणंपन्नत्ता।गेविज्ज
गाविमाणाएांदसजोयणसयाइंउड्ढंउच्चत्तेणंप   णत्ता।दसहिंठाणेहिंसहतेतसालासंजुत्ता।तं।केति
तहारूवंसमणंवा।माहणंवा।अच्चासातेज्जासेय   अच्चासाातितसमाणेपरिकुविते[illegible]
[illegible]।तस्सतेयंनिसिरेज्जा।सेतंप।   रितावेतिसेतंपरितावेत्ता।तामेवसह   तेतसा
सासंजुत्ता।२।केतितहारूवंसमणंवा।माहणं   वा।अच्चासादेज्जा।सेयअच्चासातितसमाणेपरिकुविते
तस्सतेतंनिसिरेज्जा।सेतंपरितावेतिसेतंतामे   वसहतेतसालासंजुत्ता।३।[illegible]
[illegible]
सासं[illegible]जुत्ता।[illegible]।केतितहारूवंसमणंवा।माहणंवा।अच्चासातेज्जा।सेय अच्चासातितसमाणेपरि
कुविएतस्सतेयंनिसिरेज्जा।तत्थफोडासंमुच्छंति।तेफोडाभिज्जंति।तत्थपुला।संमुच्छंति।तेपुला भिज्जंति।तेपुलाभिन्नासमाणातामेव
लइ वेकुं कुपइ ॥ वषु साधु कुपइ कुंतउ तेजलेस्या मुकइ तेहथकी फोडा थाइ ॥ तेफोडाफुडा कुंता तेहमां तेजलेस्या करा नस्मकरइ ॥ पोवमुउ
देवता कोपइ ॥ छठइ बेकुं कोपइ ॥ सातमइ फोडला थाइ तेफोडला फुटानइ नाकुं कोडा थाइ तेफरा कुंतइ तेजलेस्या इंकरी भस्मथाइ ॥ वा कोति
मउ ॥ दशमअ आपणी तेजलेस्याइ करी नइ आपणपुं अजवलइ गोसाला नीपरइ ॥ *ममाणपरिकुविपदेवे*×३

स्सहातसा तासं कुद्धो ४ ॥ कति तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासादेत्ता तेयं अच्चासाति तावपरिकुवि एत सते
य तिसिरच्छा तन्नाफोडा संमुच्छंति । ताफोडा भिज्जंति । ताफोडा भिन्ना समाणा ताम वस हंति तसा तासं कुद्धा ॥ ५ ॥ क
ति तहारूवं समणं वा माहणं वा । अच्चासा तेत्ता ॥ सयं अच्चासाति तादेवपरि कुवि ता तस्सात तं तिसिरच्छा ॥ तच्छ
फोडा तादेवडावता सवं सदहंत । तसा तासं कुद्धा ६ ॥ कति तहारूवं समणं वा माहणं वा । अच्चासायेत्ता सेत
अच्चासा तिते … परिकुविए । तादेवय परि ॥ … कुविए तं कुहातापडिसात तस्सात तं तिसिरच्छा । तन्नफो
डा संमुच्छंति । सतं तादेवडावता सं कुद्धा ॥ ७ … कति तहारूवं समणं वा माहणं वा । अच्चासातेत्ता से
य अच्चासाति तं पुलातिन्नासमणा । तामवस्स … तया सा तासं कुद्धा । पुणाति ति विज्झाला बगा ता णितवा
॥ ८ कति तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाते … माणा ततं तिसिरच्छा । सतं तच्च णाणुकम्मति । अचिस्सावति
कारन्ना आसा तिणयं यादिणं काहंति । २ ॥ अत्थ देवदासंउप्पत्ततिं । ३ समणं नाताए डिहित्ता पडिणि नतिंत्ता । तमेव
सरीरगमणुदहमाणा रसहात तसा तासं कुद्धा । १० ॥ जहा वा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तावेतातेदस अट्ठरगा
॥ तेवविवसग्गगसदरणं २ अच्छीति ३ ॥ अत्ता वियापरिसा ४ ॥ कट्टस्स अवरकंका ५ उत्तरणं चंदसूराणं ६ हरिवं

× स्यणोकंडेदसजोयणसयाइंबाहल्लेणंपन्नत्ते। इमीसेणंरयणप्पभाए × २

स कुलुप्पत्ती ॥ ७ चमरुप्पातो ॥ तं त अट्ठसतसिद्धा ॥ ९ असंजतसु इड्ढा । १० दसविअणंतएण कालेणं । २ इमीसे रय
णप्पभाए पुढवीए तोवरितो कंडे दस जोयणसताइं बाहल्लेणं पन्नत्ते । पवरुलिताता लोहिता कोउसमार
गाला उरुमगाल्लन्न ए पुढवीए पुमायसिते । वइरा निरयस्स दुक्खंजणे अंजणपुलते एरता रजत मादरस्स के
। २ फलिह २ रिट्ठे ४ । जहा रयणा । तहा सालो । … सव्विमणियवा । सव्वे वि णं दीवसमुद्दे दस जोयणसता
इंउव्वेहेणं पन्नत्ता । सव्वे वि णं महादहा दस जोय … णाइं उव्वेहेणं पन्नत्ता । सव्वे वि णं सलिलकुंडा दस जो
यणसताइं उव्वेहेणं पन्नत्ता । सीता सीतोता … तो ताणं महाणदीत मुहमूले दस जोयणाइं उ
व्वेहेणं पन्नत्ता । कत्तियाणक्खत्ते सव्वबाहिराउ … ला मंडलातो दसमे मंडले चारं चरति । अणुराहा ण
क्खत्ते सव्वब्भंतरातो मंडलातो दसमे मंडले चा … रं चरति । दस नाणस्स विद्धिकराण पन्नत्ता । तं जहा
। मिगसिरमुद्दा पुस्सो तिन्नि य पुव्वाइं मूलमस्सेसा । हत्थो चित्ता य तहा दस वुड्ढिकराइं णाणस्स । १ ॥ चउप्पय
थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जातिकुलकोडि जोणिपमुहसतसहस्सा पन्नत्ता । उरपरिस
प्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जातिकुलकोडि जोणिपमुहसतसहस्सा पन्नत्ता । जीवाणं

१३३

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

ठाणांगसूत्र

दसट्ठाणनिव्वत्तिता पोग्गला पावकम्मत्ताय चिणिंसु वा ३ तं० पढमसमयएगिंदियनिव्वत्तिय जाव फासिंदियनि-
व्वत्तिते एवं चिण उवचिण बंधउदीरण वेय तह णिज्जरा चेव दसपतेसिता खंधा अणंता पण्णत्ता दसपतेसो-
गाढा पोग्गला अणंता पण्णत्ता दससमयट्ठितीता पोग्गला अणंता पण्णत्ता दसगुणकाला पोग्गला अणंता पण्ण-
त्ता एवं वन्नेहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं दसगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता समत्तं ठाणमिति दस-
मं ठाणं संमत्तं ॥ छ ॥ दसमज्झयणं संमत्तं ॥ ग्रं० [illegible] ॥२५॥ ॥ छ ॥ इति श्री ठाणांग तृतीयमंगं संमत्तं ॥ छ ॥ श्री ॥ छ
॥ छ ॥ श्री ठाणांग ग्रंथाग्रं ३७७० ॥ ॥ छ ॥ श्री ॥ ॥ ऋषि श्री वसपाल [illegible] ॥ [illegible]लाल [illegible] ॥

MEMORIAL
DR BHAU DAJI

२३४